महानगर नई दिल्ली रविवार 5 जनवरी, 2020, रु. 5.00 (12+4 पेज) दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ और चंडीगढ़ से प्रकाशित

जनसत्ता

jansatta.com epaper.jansatta.com facebook.com/jansatta twitter.com/jansatta

दिल्ली हमले के पीछे भी सुलेमानी

ड्रोन हमले में ईरानी जनरल के मारे जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा

वाशिंगटन, 4 जनवरी (भाषा)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए ईरान के शीर्ष कमांडर कासिम सुलेमानी की 'नई दिल्ली और लंदन तक में आतंकवादी षड्यंत्रों' को रचने में भूमिका थी। ट्रंप ने सुलेमानी को निशाना बनाकर हमला करने के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि आतंकवाद का शासनकाल खत्म हो गया।

ट्रंप ने कहा, बगदाद में हमारे दूतावास पर हिंसक हमला सुलेमानी के आदेश पर किया गया था।

जनरल सुलेमानी ईरान के अल-कुद्स बल के प्रमुख थे। शुक्रवार को बगदाद अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा से रवाना होने के बाद उनके काफिले पर हुए अमेरिकी ड्रोन हमले में वे मारे गए। हमले में ईरान समर्थित शक्तिशाली मिलिशिया हशद अल-शाबी के उप प्रमुख सहित कुछ स्थानीय मिलिशिया भी मारे गए।

ट्रंप ने फ्लोरिडा के मार-ए-लागो में संवाददाताओं से कहा कि इराक में अमेरिका को निशाना बनाकर कई रॉकेट हमले किए गए जिनमें एक अमेरिकी की मौत हो गई और अमेरिका के चार सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके अलावा बगदाद में हमारे दूतावास पर हिंसक हमला बाकी पेज 8 पर

जनरल सुलेमानी ईरान के अल-कुद्स बल के प्रमुख थे। शुक्रवार को बगदाद अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा से रवाना होने के बाद उनके काफिले पर हुए अमेरिकी ड्रोन हमले में वे मारे गए।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि इराक में अमेरिका को निशाना बनाकर कई रॉकेट हमले किए गए जिनमें एक अमेरिकी की मौत हो गई और अमेरिका के चार सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए।

ताकत का गलत इस्तेमाल न करे अमेरिका : चीन

बेजिंग, 4 जनवरी (एएफपी)।

चीन के विदेशमंत्री वांग यी ने शनिवार को अपने ईरानी समकक्ष से बातचीत के दौरान कहा कि अमेरिका को ताकत का 'गलत' इस्तेमाल नहीं करना चाहिए बल्कि उसे बातचीत के जरिए समाधान निकालना चाहिए।

चीनी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार वांग ने शुक्रवार को इराक में ईरान के शीर्ष कमांडर कासिम सुलेमानी की मौत का हवाला देते हुए जावद जरीफ से कहा, 'घातक अमेरिकी सैन्य अभियान अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मूल नियमों का उल्लंघन करता है और बाकी पेज 8 पर

ईरान समर्थक छह लड़ाके अमेरिकी हमले में मारे गए

जनसत्ता ब्यूरो/एजेंसी
नई दिल्ली/बगदाद, 4 जनवरी।

अमेरिका और ईरान के बीच छद्म युद्ध शुरू होने की बढ़ती आशंकाओं के बीच अमेरिकी ड्रोन हमले में एक शीर्ष ईरानी जनरल की मौत के एक दिन बाद अमेरिका ने इराक में ईरान समर्थक लड़ाकों पर शनिवार तड़के हवाई हमला किया। इराकी सरकारी टेलीविजन के मुताबिक छह लोग मारे गए हैं। इस बीच, इराक के प्रधानमंत्री ड्रोन हमले में मारे गए ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी और इराकी मिलिशिया के उप प्रमुख अबू महदी अल मुहंदिस की शोक सभा में शामिल हुए। शुक्रवार को ड्रोन हमले में अमेरिका ने ईरान के शीर्ष मिलिट्री जनरल कासिम सुलेमानी को बगदाद में मार दिया था। शनिवार को हमला बगदाद के उत्तर इलाके में ताजी रोड के पास किया गया। यह सड़क उस ओर जाती है जहां पर गैर अमेरिकी सेनाओं का अड्डा है।

संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत मजीद तख्त रवांची ने बाकी पेज 8 पर

इराक के सरकारी टीवी ने हशद अल शाबी के काफिले को निशाना बनाने की पुष्टि की

बगदाद में शनिवार को ईरान के शीर्ष सैन्य कमांडर जनरल कासिम सुलेमानी के जनाजे में शामिल लोग।

सीएए विरोधी प्रदर्शनों पर कानपुर के डीआइजी ने कहा

तीन मृतकों सहित सभी 13 उपद्रवी दंगाई

कानपुर, 4 जनवरी (भाषा)।

कानपुर में दंगों के दौरान मारे गए लोगों सहित सभी 13 उपद्रवियों को दंगाई माना जाएगा।

पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआइजी) अनंत देव तिवारी ने शुक्रवार को कहा कि आगजनी, हत्या का प्रयास, हत्या, सार्वजनिक व निजी संपत्ति को नुकसान, सरकारी डयूटी में विघ्न जैसी धाराएं लगाकर एक पृथक एफआइआर दर्ज की जा सकती है। नागरिकता संशोधन कानून के विरोध में हुए प्रदर्शन के दौरान हिंसा में तीन युवकों की मौत हो गई। सभी 13 उपद्रवियों बाकी पेज 8 पर

अन्याय के खिलाफ लड़ेंगे : प्रियंका

मुजफ्फरनगर/मेरठ, 4 जनवरी (जनसत्ता/भाषा)।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर एवं मेरठ में संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के खिलाफ प्रदर्शन के बाद पुलिस की कार्रवाई से प्रभावित लोगों से शनिवार को मुलाकात की और कहा कि अन्याय के खिलाफ तथा लोगों को न्याय दिलाने के लिए उनकी पार्टी लड़ेगी। प्रियंका सीएए विरोधी प्रदर्शनों के बाद प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल खड़े करते हुए बाकी पेज 8 पर

सीएए प्रदर्शन के खिलाफ पुलिस कार्रवाई से प्रभावित लोगों से मिलीं कांग्रेस महासचिव

राज्यसभा के सांसद राकेश सिन्हा का कहना है कि नागरिकता संशोधन कानून को लेकर विपक्ष ने जो भ्रम फैलाया है उसे भाजपा जनजागरण से दूर करेगी। उन्होंने कहा कि इस कानून के जरिए ऐतिहासिक जिम्मेदारी निभाई गई है और यह किसी धर्म विशेष के खिलाफ नहीं है। पढ़े पेज 7 पर

पांच लाख का इनामी लश्कर आतंकी गिरफ्तार

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 जनवरी।

जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर के एक अस्पताल से लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकवादी को शनिवार को गिरफ्तार किया गया। जम्मू-कश्मीर पुलिस के 'स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप' और सेना की 13 राष्ट्रीय राइफल्स के संयुक्त कार्यदल ने तड़के सवा दो बजे उसे शहर के महाराजा हरि सिंह अस्पताल से गिरफ्तार किया। डार बाकी पेज 8 पर

श्रीनगर में बड़ी आतंकी साजिश का खुलासा

सीआरपीएफ जवानों पर ग्रेनेड हमला, किशोर घायल

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 जनवरी।

जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर के कवदारा इलाके में संदिग्ध आतंकवादियों ने सीआरपीएफ के जवानों पर शनिवार को दोपहर एक ग्रेनेड फेंका, जिसमें 16 वर्षीय किशोर घायल हो गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया बाकी पेज 8 पर

एसजीपीसी जांच के लिए ननकाना साहिब भेजेगी समिति

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 जनवरी।

पाकिस्तान में ननकाना साहिब गुरुद्वारा पर भीड़ द्वारा पथराव, हिंसक प्रदर्शन और श्रद्धालुओं को घंटों बंधक बनाए रखने की घटना को लेकर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने चार सदस्यीय समिति गठित की है। एसजीपीसी इस समिति को पाकिस्तान भेजेगी, जो वहां जाकर हालात का जायजा लेगी और लौटकर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी, जिसे सरकार में विभिन्न स्तरों पर भेजा जाएगा। देश में गुरुद्वारों की शीर्ष संस्था एसजीपीसी ने ननकाना साहिब घटना की कड़ी निंदा की है। एसजीपीसी ने इस मामले में सख्त कार्रवाई के लिए पाकिस्तान सरकार से मांग की है। साथ ही, भारत सरकार से अपील की है कि वह पाकिस्तान पर इसके लिए दबाव बनाए। इस बीच, ननकाना बाकी पेज 8 पर

ननकाना साहिब में तनाव बरकरार, नगर कीर्तन की इजाजत नहीं मिली।

एसजीपीसी के अध्यक्ष ने कहा, सभी सदस्य पाक के अधिकारियों से चर्चा करेंगे।

हमले की निंदा में एकजुट हुए सभी दल
- खबर पेज 8 पर

नई दिल्ली में शनिवार को पाक उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन करते लोग।

पाक उच्चायोग पर विरोध प्रदर्शन

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 जनवरी।

गुरुद्वारा ननकाना साहिब पर भीड़ के हमले के खिलाफ सिख संगठनों के अलावा सभी धर्मों के लोग सड़क पर उतरे और पाकिस्तानी उच्चायोग पर प्रदर्शन किया। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति (डीएसएमजी) और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) सहित भाजपा और कांग्रेस ने शनिवार को यहां बाकी पेज 8 पर

बिहार में 15 से 28 मई के बीच होगा एनपीआर

पटना, 4 जनवरी (भाषा)।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने कहा कि देश में राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) की प्रक्रिया 2020 में एक अप्रैल से 30 सितंबर तक चलाई जाएगी और बिहार में यह 15 मई और 28 मई 2020 के बीच होगी। उन्होंने कहा कि यदि अधिकारियों ने एनपीआर की प्रक्रिया में हिस्सा लेने से इनकार किया तो उनके खिलाफ प्रशासनिक एवं दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उधर, बिहार में भाजपा के सहयोगी दल जद (एकी) ने कहा है कि चूंकि प्रधानमंत्री खुद इस मुद्दे पर सफाई दे चुके हैं लिहाजा पार्टी को एनपीआर से कोई एतराज नहीं है। जद (एकी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि यह यूपीए सरकार थी जिसने जनगणना प्रक्रिया के विस्तार के रूप में 2010 में एनपीआर की योजना पर काम शुरू किया था। जब तक एनपीआर के आंकड़ों को राष्ट्रीय नागरिक पंजिका (एनआरसी) में इस्तेमाल नहीं किया जाता, हमें बाकी पेज 8 पर

सुशील मोदी

जद (एकी) ने कहा, एनआरसी पर प्रधानमंत्री की सफाई के बाद मुद्दा खत्म, एनपीआर से कोई एतराज नहीं

एअर इंडिया की उड़ान में मुसाफिरों ने किया हंगामा

नई दिल्ली, 4 जनवरी (भाषा)।

एअर इंडिया के दिल्ली-मुंबई उड़ान में तकनीकी दिक्कत के कारण विलंब से नाराज यात्रियों ने गुरुवार को एअर इंडिया के चालक दल के सदस्यों के साथ कथित तौर पर धक्का-मुक्की की और कॉकपिट का दरवाजा तोड़ने की धमकी दी।

विमानन कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि एआई 865 उड़ान में गुरुवार को तकनीकी गड़बड़ी के कारण विलंब हुआ, इसे वापस लौटना पड़ा। इस पर यात्री कॉकपिट का दरवाजा खटखटाने बाकी पेज 8 पर

'एअर इंडिया बंद होने की अफवाहें निराधार'
- खबर पेज 9 पर

अपनी ही सरकार को घेरा पायलट ने

कोटा, 4 जनवरी (भाषा)।

कोटा के जेके लोन अस्पताल में बच्चों की मौत पर शनिवार को राजस्थान के उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट ने सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए कहा कि बच्चों की मौत के लिए सरकार की जिम्मेदारी और अधिक संवेदनशील होनी चाहिए थी।

पायलट ने कहा कि यह कोई छोटी सी घटना नहीं थी और पूरे मामले में सरकार को जिम्मेदारी तय करनी चाहिए थी। मृतक बच्चों के परिजनों से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा कि पूरे मामले में हमें ज्यादा संवेदनशील होना चाहिए था। मैं समझता हूं कि हमें और अधिक संवेदनशील होना चाहिए बाकी पेज 8 पर

शनिवार को जेके लोन अस्पताल में राजस्थान के उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट।

बच्चों की मौत का मामला

"पूरे मामले में हमें ज्यादा संवेदनशील होना चाहिए था। 13 महीने सत्ता में रहने के बाद पिछली सरकार पर अंगुली उठाने का कोई औचित्य नहीं बनता है। - सचिन पायलट

जामिया में नौ से शुरू होंगी सेमेस्टर परीक्षाएं

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 जनवरी।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की सेमेस्टर परीक्षाएं नौ जनवरी से शुरू होंगी। संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ दिसंबर में प्रदर्शन के दौरान परिसर के बाहर हिंसा के बाद विश्वविद्यालय को बंद कर दिया गया था। इसके बाद विश्वविद्यालय ने पांच जनवरी तक छुट्टी की घोषणा की थी और तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए परीक्षाएं रद्द कर दी थीं। सर्दी की छुट्टी के बाद बाकी पेज 8 पर

शरारत की कीमत चुकाई | खुली हवा में ली सांस | रॉयल बंगाल टाइगर अब बाड़े में

छह साल की सजा के बाद बिट्टू पिंजरे से बाहर

नई दिल्ली, 4 जनवरी (भाषा)।

दिल्ली के चिड़ियाघर में करीब छह साल तक पिंजड़े में बंद रहने के बाद दस साल का रॉयल बंगाल टाइगर 'बिट्टू' अब अपने बाड़े में चहलकदमी कर सकता है और खुली हवा में सांस ले सकता है।

चिड़ियाघर के निदेशक सुनीश बख्शी ने बताया, 'क्रिसमस का दिन कोई पहली बार नहीं था जब चिड़ियाघर के प्रशासन ने बी2 या बिट्टू को पिंजड़े से आजाद किया था। इससे पहले भी उसे दो बार पिंजड़े से आजाद किया गया था ताकि वह सैर सपाटा कर सके और खुली धूप में आराम कर सके। लेकिन अपनी 'शरारतों' के कारण उसे अपनी आजादी से इसकी कीमत चुकानी पड़ी।' बिट्टू तब चार साल का था जब 2014 में पशुओं के आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत उसे भोपाल के वन विहार राष्ट्रीय उद्यान से दिल्ली लाया गया था।

रेंज अधिकारी सौरभ वशिष्ठ ने बताया कि जब बिट्टू को बाड़े में छोड़ा गया तो वह पेड़ पर चढ़ गया। उन्होंने बताया, 'इससे सुरक्षा का खतरा हो सकता था।' वशिष्ठ ने बताया, 'कुछ दिन बाद हमने उसे फिर बाड़े में छोड़ा लेकिन तब उसने पिंजड़े पर चढ़ने की कोशिश की। खतरे की आशंका को देखते हुए हमने उसे फिर से पिंजड़े में डाल दिया।' बिट्टू को 25 दिसंबर को एक बार फिर बाड़े में छोड़ा गया है।

रेंज अधिकारी सौरभ वशिष्ठ ने बताया कि जब बिट्टू को बाड़े में छोड़ा गया तो वह पेड़ पर चढ़ गया। उन्होंने बताया, 'इससे सुरक्षा का खतरा हो सकता था।' वशिष्ठ ने बताया, 'कुछ दिन बाद हमने उसे फिर बाड़े में छोड़ा लेकिन तब उसने पिंजड़े पर चढ़ने की कोशिश की। खतरे की आशंका को देखते हुए हमने उसे फिर से पिंजड़े में डाल दिया।' बिट्टू को 25 दिसंबर को एक बार फिर बाड़े में छोड़ा गया है।

लेकिन इस बार चिड़ियाघर प्रशासन ने बाड़े की ऊंचाई बढ़ा दी है, बाड़े के अंदर मौजूद पेड़ों की शाखाएं काट-छांट दी हैं ताकि वह उन पर चढ़ नहीं सके और चिड़ियाघर घूमने आने वाले लोगों के लिए अवरोधक का अतिरिक्त स्तर बढ़ा दिया गया है।

चिड़ियाघर में हाल में तीन साल का सफेद बाघ 'विजय' भी आया है। बख्शी ने बताया कि 'विजय' लखनऊ से आया है और बाकी पेज 8 पर

जनसत्ता क्लासीफाइड

व्यक्तिगत

It is general Information that I,Bal Mukund Tripathi s/o Sh.Ram Prasad Tiwari Residing at.A-1040, Gali.No.12, Part-I, Sonia-vihar Delhi-110094. inform that my name has been wrongly-written as ANIL TIWARI in my son birth Certificate his name is Manas Prasad Tripathi born on-03/08/2014 at G.T.B.Hospital, the correct-name is BAL MIKUND TRIPATHI Which may be amended accordingly. 0040526490-2

I,Maya W/o Chand Babu R/o-8791, Gali-No-3,Multani Dhanda,Pahar Ganj,New Delhi -110055,have changed my name to Vimla Devi for all future purposes 0040526487-2

I,Jawahar Lal S/o Ram Lal Prajapati R/o.House. No. 302, 1st Floor,Arun Vihar,Sector-37,Noida,Gautam Budh Nagar U.P.,have changed my name to Jitesh Kumar for all future purposes. 0040526487-3

I,6389718,Ex Army Rajesh Kumar Bharia,S/o-Hari Singh Bharia,Village-Pandasi,Teh-Malsisar,Dist-Jhunjhunu, Rajasthan,declare that by mistake,my wife name Manju enrolled in army record then correct name Manju Bharia, & my son name enrolled Hani Bharia then correct name is Honey bharia.I want to mention correct name in my army record. 0040526487-4

I, Zohair,S/o Abdul Razzaq R/o 25/1, Kucha Bela Mal, Naya Bans, Delhi-110006, have changed my name to Mohammad Zohair. 0040526490-1

I, Subeena Parveen Khan W/o Adeel Murtaza Khan R/o Flat No.12, 3rd Floor, H.No L92, Vijay Vihar Phase-II, Sector-4, Rohini, Delhi-110085, have changed my name to Subeena Khan. 0040526370-1

I, Yatharth Kumar S/o Rakesh Srivastava Add:Flat No.94, Tower.No.A-2, Aravali-Heights, Dwarkadhish, Sector-23, Rewari, Haryana-123106. Changed My Name To Yatharth Srivastava. 0040526484-2

I, Yash Kanta W/o Mukesh Khurana R/o 20/1, SF, Block-20, Ashok-Nagar, Tilak-Nagar, N.Delhi-110018, have changed my name to Sakshi Khurana. 0040526505-5

I, Vipen Kumar S/o, Late Om Parkash Sahdev R/o-Road-33, H.No.22, West-Punjabi Bagh Extn., N.Delhi-110026, have changed my name to Vipan Kumar Sahdev. 0040526505-2

I, Sumedha Nagpal D/o A R Mehra R/o 24-A, DDA-Flats, Gulabi Bagh, Delhi-110007 have changed my name to Manu Mehra. 0040526505-1

I, Sukhbeer Singh S/o Late Mehar Singh R/o-B-547, Pandav Nagar, Patel Nagar, N.Delhi-110008 have changed my name to Sukhbir Singh. 0040526505-4

I, Shahid Ali S/o Sughar Ali R/o-RZG-61, Ist-Floor, New Balaji Apartment, Palam-Village, Delhi-110045 changed my name to Shahid Ali Khan. 0040526505-7

I, Seema W/O Purshotam Kumar R/O G-49, Mb.Road Lal-Kuan Pul-Pehlad South/Delhi-110044. Changed My Name To Seema Devi. 0040526484-3

I, Sarita Baniwal W/o-Satyendra Baniwal R/o-VPO-Golagarh, Bhiwani, Haryana-127030 have changed,my name,from Sarita Baniwal to Kumari Sarita vide,affidavit dated-03/01/2020 before, Notary Public,Delhi. 0040526491-2

I, Sanjay Gupta S/o Late Sh. Prem Narayan Gupta R/o. H No. F -54, Preet Vihar, Delhi-110092, have change my name from Sanjay Gupta to Sanjay Kumar Gupta for all future purposes. 0040526510-1

I, S Karthik Iyer S/o Shiva Kumar R/o-380, GF, Gali-No.24,Chattarpur Pahari, N.Delhi-110074 have changed my name to Karthik. 0040526487-1

I, Renu W/o Kamal R/o:A-39B, Mansa Ram-Park, Uttam-Nagar, New Delhi-59. inform that Renu and Renu Bala are One and the Same Person. 0040526482-5

I, Rameez s/o Haji Rais Ahmad R/o L-24, Loha-Market, Near-DCP-Office, welcome-Seelam pur Delhi-110053, Have Changed my name to Rameez Ahmed permanently. 0040526482-9

I, Rajeev Dutt s/o Baldev Raj Dutt R/o-C-75/B, Pankha-Road, jeevan-park, Uttam-Nagar, Delhi-110059, have changed my name to Rajiv Dutt permanently. 0040526482-3

I Hitherto known as Raj Kumar Son of Sh.Chander Bhan Jain Residing at-286 First-Floor, AGCR-Enclave Delhi-110092,have changed my name and shall hereafter be known as Raj Kumar Jain. 0040526484-10

I Harshita D/O Steefan Yadav R/O 786 C-1 Madangir, Dr. Ambedkar Nagar Delhi-110062 Have Changed My Name To Harshita Steefan. 0040526484-8

व्यक्तिगत

I, Rachna R/o E-124, Stamford Street, Rosewood City, Sector-49/50, Gurugram-122018 Haryana have changed my name to Rachna Kumar 0070691234-1

I, Purvez Jawed,S/o Mr.Azmat Jawed, R/o-Flat No.40, AIIMS-Apartment, Mayur-KunjNear Chilla-Regulator, New Delhi-110096, have changed my name from Purvez Jawed to Parvez Jawed for all future purposes. 0040526482-4

I, Priyanka Upadhyay W/O Kartik Sachdeva R/O C-247, Millenium Appartment, Sector-18, Rohini, Delhi-110089. Have Changed My Name To Priyanka Sachdeva. 0040526484-6

I, Pooja w/o Dimple Narang R/o H.No.- 122, 2nd Floor, Bhai Parmanand Colony, Dr. Mukherjee Nagar, Model town, Delhi-110009. have changed my name to Pooja Narang 0070691237-1

I, Bhukya Venkanna S/o Bhukya Balya R/o H.No.2-109, Etukalapadu, Thanda, Maripeda, Giripuram, Waralgal, Telegana-506315, have changed my name to Bhukya Venkanna Naik for all purposes. 0040526504-1

I, Nawabuddin S/o Khan Mohammad R/o H.No. E-74, Prem Gali No.4, East Babarpur Shahdra, Delhi-110032, have changed my name from Nawab S/o Khan Mohmmed (wrong) to Nawabuddin S/o Khan Mohammad (correct), for all future purposes. 0040526447-1

I, Munish Pasahan S/o Ved Vyas residing D2A/91-C, Janakpuri Delhi 110058 have changed my name to Manish for all purposes. 0040526478-1

I, Lovneet Kaur Dang W/o Ramandeep Singh Dang R/o Hno.-6, Road No.-69, West Punjabi Bagh, Delhi-110026, have changed my name to LOVENEET KAUR DANG permanently. Lovneet Kaur Dang and Loveneet Kaur Dang both are same and one person. 0040526449-2

I, Lokesh Gaur S/o Jai Chand Gaur R/o-B-3, Mahavir-Enclave, Main-Palam, Dabri-Road, Delhi-110045, changed my minor daughter's name Taniya to Taniya Gaur. 0040526505-6

I, Kartikey Jee S/o Surendra Prasad residing 194, GP-2, Hastsal, DDA Flats, Uttam Nagar, Delhi 110059, have changed my name to Kartikey for all purposes. 0040526442-1

I, Kamal Jain S/O Ramdhan Jain R/O C-154, Prashant Vihar, Delhi-110085. Have Changed Myriad Name To Kamal Kishor Jain. 0040526484-7

I, Jagat Aggarwal S/o Sh.Shri Kishan Aggarwal R/o 2100/164, Ganesh Pura-B, TriNagar, Delhi-110035, changed my name to Jagat Narain Aggarwal. 0040526482-10

I, Harinder Kaur W/o Vivek Chhabra R/o 6/10, Block-6, Ramesh Nagar, Delhi-110015, have changed my name to HARINDER KAUR CHHABRA permanently. 0040526472-1

I, Dheeraj Kumari w/o Rajesh Yadav R/o-154, Pocket-D, Mayur Vihar, Ph-2, Delhi-110091, have changed my name to Dheeraj Yadav permanently. 0040526482-7

I, Deepa Singhal W/O Vipin Singhal R/O-1449/15-A, Street No.8, Durgapuri, Delhi-93. Changed My Minor Child Name,Pratishta Singhal To Pratistha Singhal. 0040526484-4

I, Davender Aggarwal S/o Surender Kumar Aggarwal R/o 3883/13 Kanhaiya Nagar Tri-Nagar Delhi-110035. changed my name to Davender Kumar Aggarwal. 0040526484-1

I, Danish s/o Haji Rais Ahmad R/o L-24, Loha-Market, Near-DCP-Office, Welcome-Seelampur Delhi-110053, Have Changed my name to Mohd Danish permanently. 0040526482-8

I, Dahshi Sah S/o Rang Lal Sah R/o: C-15B,Gali No-37, Mahavir-Enclave-3, New Delhi-59. Have Changed My Name to Dasaee Sah. 0040526482-6

I, Aman Madhok S/o Harvinder Singh Madhok R/o M-460, Second Floor, Guru Harkishan Nagar, Paschim Vihar Delhi-110087, have changed my name to AMAN SINGH MADHOK permanently. 0040526449-1

I, Aman Kumar S/o Sukhbir Singh R/o B-547, Pandav Nagar, Patel Nagar, N.Delhi-110008 have changed my name to Aman. 0040526505-3

I, Abdul Mazid S/o Mohd Farooq R/o C-12/166, Yamuna Vihar, Bhajan Pura, Delhi-110053 have changed my name to Abdul Majid for all purposes. 0040526443-3

I, Dr. Irfan Siddique S/o Sabbir Ahmad, R/o C-I/77-A, Second Floor, Raju Park, Devil Road Khanpur, New Delhi-110080 have changed my name to Irfan Ali for all purpose. 00405225943-6

I Jagdish Singh S/O Sh.Suraj Bhan R/O.H.No.425 Hospital Wali Gali, V.P.O.Auchandi, Delhi-110039. inform that my wife name Vemla Devi wrongly in my Service no.14296253K Rank Naik(Jagdish Singh)But my wife Actual name is Vimla Devi,for all Purposes. 0040526484-9

I, Aayush S/o Dr. Sudhanshu Shekhar R/o 204, Saraswati Apartment, GH-8, Sector-46, Faridabad, have changed my name to Aayush Shekhar for all purposes. 0040526460-1

I Dinesh Chander Panday S/o Shanker Dutt Pandey R/o B2b 218 First Floor Janak Puri New Delhi 110058 Have Change My Name To Dinesh Chander Pandey. 0040526482-1

I Yukti Dureja D/o Sh.Naresh Gambhir W/o Sh. Sandeep Dureja R/o House No.545, First Floor, Sector-5, Gurugram, Haryana have changed my name to Yukti Gambhir W/o Sh. Sandeep Kumar for all purposes. 0040526443-4

I Sugandha Kapoor D/o Late Sh.Sunil Kumar Kapoor R/o CC-2A, G-8, Rajouri Garden Area, Hari Nagar, DDA Flats, New Delhi-110064 have changed my name to Suganda Kapur for all purposes. 0040526443-1

I Shanker Dutt Panday S/o Sadanand Pandey R/o RZC-3 /186 Mahavir Enclave New Delhi 110045, Have Change My Name To Shanker Dutt Pandey. 0040526482-2

I Saransh Kapoor S/o Late Sh.Sunil Kumar Kapoor R/o CC-2A, G-8, Rajouri Garden Area, Hari Nagar, DDA Flats, New Delhi-110064 have changed my name to Sransh Kapoor for all purposes. 0040526443-2

I Neelam W/O Inder Gupta H.No-77, 1st Floor State-Bank-Nagar Opp-Meerabagh Paschim Vihar Delhi-110063 Have Changed My Name To Neelam Gupta. 0040526484-5

I Manjit Chadha W/o S. Onkar Singh Chadha r/o 12/64A Tilak Nagar New Delhi-110018 have changed my name to Manjit Kaur Chadha 0070691235-1

खोया+पाया

I, Yashika D/O Prem Chand Saxena.lost my Original-CBSE Certificate & Marksheet of 10th Roll No-8664563,Year-2014-2015 & 12th Roll No-9647475, Year-2016-2017. Finder Contact:9953447626. 0040526490-3

I, Sunil Kumar Dwivedi S/o Anand mani dwivedi R/o-Rc-544 prem-vihar khora-colony ghaziabad. have lost my original-certificate class-10th year-2014 Rollno-8603777 CBSE-Delhi. 0040526490-6

I, Sidhu Singh, have lost my Original Lease Deed of Property No.136, Hakikat Nagar, New Delhi, duly Regd. No.13765, Book No.1, Volume No.1704 on dated 30/01/1968. 0040526476-1

I, Shifali D/o Abhiram R/o H.no-7/25 St. No-3 Bhalswa-dairye Delhi-42 have lost my original certificate class-10th year-2013 Rollno-8675830 CBSE-Delhi. 0040526490-5

I, Sachin s/o Vinod Sharma, H.No-318 vpo-nangal thakran Delhi-110039 have lost my original certificate class-10th(2007) Rollno-6356947 class-12th(2009) Rollno-6648910 CBSE-Delhi. 0040526490-4

I, Pooja D/o Jhamman Lal R/o-3381/6 Gali No.8, Gandhi-Nagar Delhi-110031. Lost my marksheet Cum Certificate Class-X Roll No.8608789 Year-2019 CBSE-Delhi. 0040526490-7

I, Surjan Singh Verma S/o Late Sh. Ramji Lal Singh R/o III-A/16, Rachna, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010 do hereby solemnly affirm and state under oath as under:-
The Allotment cum possession Letter dated - 15/07/1993 and physical possession letter dated - 15/02/1994 of my House No. III-A-189, Vaishali Housing Scheme, Ghaziabad in favour of Mr. Krishan Chand Narang have been actually lost. If anybody found please contact on above address- III-A/16, Rachna. Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh- 201010 or contact No-9582897263

रिक्त स्थान

RECRUITMENT SAMRIDDHI INFRA DEVELOPERS Salary-75000 Mob.-9956559333 0130014269-1

PUBLIC NOTICE

My Client Mr. Vinod Kumar Bhatia S/o Sh. Madan Lal Bhatia, R/o Flat No. 2240, 3rd Floor, Pkt-2, Sec-D, Vasant Kunj, New Delhi-110091 have lost my original Allocation Latter dated 15.01.1984 and Demand cum Allotment letter dated 07.12.1989 issued by DDA. That my client is absolute owner of the said property. Please return the same within 7 days if find by anyone. Contact No. 7827702007.

Sd/-
Rahul Mishra
Advocate
7827702007

PUBLIC NOTICE

"Public at large is hereby informed that my client SPG Retail India LLP having its Regd. Office at 1167, 2nd Floor, Kucha Mahajani, Chandni Chowk, Delhi-110006 is the sole, absolute and exclusive owner in possession of the property i.e. Freehold Three Storeyed Built-up Property bearing Municipal No.138 to 141, Ward No.VI, With roof Rights, appr. Area measuring 185 sq. yds. i.e. 154.66 sq. meters duly fitted with all fittings and fixtures of electric & water connections in working order situated at Gali Mem Wali, Katra Baryan, Fatehpuri, Chandni Chowk, Delhi-110006 having been purchased the same from Avanish Jaiswal, Ashish Jaiswal, Abhishek Jaiswal, Archana Jaiswal and Amit Jaiswal by virtue of Sale Deed duly registered vide Regn. No.7489 in Book No.I, Vol. No.7738 on pages 57 to 67 dt. 17.7.2019. My client is absolute owner and in possession of the above said property. Any body, except my client, have no right, title or interest in respect of the said property and if any person shall deal with the said property, the same shall be at his/her own risk and costs and my client shall not be responsible for the same.

ALOK KUMAR PANDEY (Advocate)
Ch. No. 362, Civil Wing, Tis Hazari Courts, Delhi

बाढ़ से अब तक 53 की मौत

इंडोनेशिया में जबरदस्त बाढ़ और भूस्खलन के कारण जकार्ता और आसपास के इलाकों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 53 हो गई है। जल जमाव के कारण शनिवार को हजारों लोग अपने घरों में लौटने में असमर्थ हैं।

अधिकारियों ने बताया कि अब भी करीब 1,70,000 लोग अस्थायी शिविरों में रह रहे हैं। लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा जा रहा है। **(एएफपी)**

व्यापार संबंधित

EXPORT-IMPORT TWO DAYS WORKSHOP
PRACTICAL TRAINING PROGRAM
VENUE - HOTEL CHETAK PALACE NEW DELHI
DATE - 11,12/01/2020
Call Us - 9529043530 9782808224
SUPRIYA EXPORT-IMPORT COMPANY

PUBLIC NOTICE

My clientess Smt. Chanat Gupta W/o Shri Vikas Gupta R/o House No. 3081, Phase-II, Urban Estate, Dugri Road, Basant Avenue, Ludhiana, Punjab-141013, has instructed me to notify for general information that she has severed forthwith all the relations with her husband namely Vikas Gupta S/o Shri Jugal Kishore from all her movable and immovable properties. Anybody who deals with them in any manner shall be doing so on his/her own responsibilities and my clientess shall not be responsible for their acts of omission and commission.

RAJEEV K. TIWARI (Advocate)
Ch. No. 394-395, Civil Wing,
Tis Hazari Courts, Delhi-54

PUBLIC NOTICE

Be it known to all concerned that my clients MANOJ KUMAR s/o HORI LAL along with wife SMT. ANJU, both r/o C-375, GALI CHAND MASJID, OLD SEEMA PURI, SHAHDARA, DELHI-110095, disowned their son namely SAURABH and his to be wife & their to be children, from their all moveable immoveable properties as he has been abusing and quarreling with my clients and other family members and my clients have broken all relations from him and my clients have no concern with any, liabilities or transactions belongs to him in any manner.

Sd/-
G.L. Goswami
(Advocate)
3530, Qutab Road, Delhi-110006

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, **RAHUL LOHIA** son of Shri **SURENDER LOHIA**, residing at Village/P.O. Ghitorni, M.G. Road, Ghitorni, South Delhi, Delhi-110030, declare that the name of mine and my father has been wrongly written as **RAHUL** and **SURENDER KUMAR** in my 10th School certificate. The actual name of mine is **RAHUL LOHIA**, and my father's actual name is **SURENDER LOHIA** respectively, which may be amended accordingly.
It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

RAHUL LOHIA
[Signature]

PUBLIC NOTICE

My clients (1) SH. DATAR SINGH S/O SH. HARI SINGH & (2) SMT. BIMLA DEVI W/O SH. DATA SIINGH BOTH R/O D-504, GALI NO. 35, MOLAR BAND EXTN., BADARPUR, DELHI-110044, has disowned their son MR. DEEPAK SINGH alongwith his wife ANURADHA SINGH D/o Sh. Prahlad Singh, and revoke all relationship from them due to their bad behavior and bad intentions. My clients had debarred them from all their rights, claims in any manner from their moveable and immoveable properties and in near future they will have no concern with my clients in any manner with immediate effect.
Any Persons dealing with them shall be doing so at their own risk and responsibilities.

SANJEEV JAIN (Advocate)
Enrl. No. D-226/1991

PUBLIC NOTICE

Public notice ishereby given for and on behalf of Mr. Amarjeet Singh& Mrs. Kamaljeet Kaur my clientswho entered in an agreement withShri Naresh Sharma son of Shri M.N. Sharma resident of 39/17, GF, Double Story, Ramesh Nagar, New Delhi-15 on12th Feb 2019for construction of property E-45 Mansarovar Garden, New Delhi-110015, measuring 200 sq. yds. Further both the parties cancelled this agreementon 1stMarch 2019 itself as Shri Naresh Sharma failed to pay any money against the said agreement. The said Agreement is not binding upon my clients in any manner. If anyonedealing directly with Naresh Sharma in relation to the above propertyin any manner shall be at his/her own risk, cost & responsibility and shall be challenged before the Court of Law at New Delhi and my clients shall not be liable in any manner.

Sanjay Mishra (Advocate)
9/10 Subhash Nagar
New Delhi-110027

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुव्वकिल श्री प्यारेलाल कपूर पुत्र श्री मदन लाल कपूर एवं श्रीमती कृष्णा कपूर पत्नी श्री प्यारेलाल कपूर निवासी बी-262 सैक्टर-26 नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. के कथन अनुसार मैं संजीव शर्मा एडवोकेट द्वारा सार्वजनिक को सूचित करता हूँ कि मेरे मुव्वकिल के पुत्र डा. मयंक कपूर का व्यवहार अपने माता पिता के प्रति अच्छा नही है। जिससे डा. मयंक के क्रोध के कारण घर में अनावश्यक रूप से अशांति का माहौल पैदा किया जाता है। जिससे मेरे व्यवाहरी काफी परेशान व मानसिक तनाव में रहते है। मेरे व्यवाहरियों की उम्र इस लायक नही है कि परिवार से प्रताड़ना व अपमान सह सके क्योंकि जीवनभर बच्चों को लायक बनाने के लिए अपना सर्वस न्यौछावर कर दिया लेकिन इस उम्र में आकर बच्चे क्रोध व अपमान करेगें मेरे व्यवाहरियों ने ऐसा सोचा भी नही था इसलिए हम अपने बेटे डा. मंयक से अपने संबंध विच्छेदन कर रहे है। भविष्य में यदि कोई हमारे पुत्र डा. मंयक से भविष्य में कोई लेनदेन करता है या संबंध रखता है उसके भले बुरे के वह स्वयं जिम्मेदार होगें इसमें हमारी कोई जिम्मेदारी नही होगी।

संजीव शर्मा
एडवोकेट
CHAMBER No. 19
Mob 9811904301

"IMPORTANT"

Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary inquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

'सुलेमानी की मौत का अमेरिका को माकूल जवाब देगा ईरान'

तेहरान, 4 जनवरी (एएफपी)।

ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के डिप्टी कमांडर ने कहा है कि अमेरिकी फौजों ने ईरान के शीर्ष सैन्य कमांडर जनरल कासिम सुलेमानी को मार कर वाशिंगटन ने तेहरान को 'यथोचित' जवाब देने की चुनौती दी है। सुलेमानी ईरान के अल-कुद्स बल के प्रमुख थे और शुक्रवार को बगदाद अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा के पास हुए अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए थे।

सरकारी टेलीविजन ने रियर एडमिरल अली फदावी के हवाले से बताया, 'हमले के बाद शुक्रवार सुबह... अमेरिकियों ने राजनयिक प्रयास बहाल किए।' उन्होंने कहा, 'अगर आप बदला चाहते हैं, तो आपको वैसा ही बदला मिलेगा, जैसा आप चाहते हैं।' फदावी ने यह नहीं बताया कि ईरान को अपने कट्टर दुश्मन से संदेश कैसे मिला, क्योंकि तेहरान और वाशिंगटन के बीच चार दशकों से कोई राजनयिक संबंध नहीं हैं।

ईरान के विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद जरीफ ने एक अलग टीवी इंटरव्यू में शुक्रवार को कहा कि 'स्विटजरलैंड के राजदूत ने सुबह अमेरिकियों का एक मूर्खतापूर्ण संदेश दिया।' स्विटजरलैंड का दूतावास तेहरान में 1980 से अमेरिका के हितों का प्रतिनिधित्व कर रहा है। उन्होंने कहा, 'अमेरिकियों को मुंहतोड़ बदले का इंतजार करना चाहिए। यह बदला ईरान तक सीमित नहीं रहेगा।'

सुलेमानी के परिजनों से मुलाकात के दौरान ईरानी राष्ट्रपति हसन रूहानी

सुलेमानी पर हमला रक्तपात रोकने के लिए हुआ : ब्रायन

वाशिंगटन, 4 जनवरी (भाषा)।

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रॉबर्ट ओ' ब्रायन ने कहा है कि ईरान के शक्तिशाली रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के कमांडर जनरल कासिम सुलेमानी को मारने का राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का निर्णय रक्षात्मक था और इसे भविष्य में रक्तपात रोकने के लिए लिया गया था।

ओ' ब्रायन ने आरोप लगाया, 'पश्चिम एशिया के देशों में यात्रा कर रहा सुलेमानी दमिश्क से इराक आया था, जहां वह अमेरिकी जवानों और राजनयिकों पर हमले का षड्यंत्र रच रहा था।' ब्रायन ने जनरल के मारे जाने पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'यह और रक्तपात रोकने के लिए की गई रक्षात्मक कार्रवाई थी।' ट्रंप ने भी बयान दिया था कि यह कार्रवाई युद्ध शुरू करने के लिए नहीं, बल्कि युद्ध रोकने के लिए की गई थी।

ब्रायन ने ट्रंप के इसी बयान का जिक्र करते हुए कहा, 'इस हमले का लक्ष्य उन हमलों को रोकना था जिनका षड्यंत्र सुलेमानी रच रहा था। इसका लक्ष्य भविष्य में अमेरिकियों के खिलाफ ईरान के परोक्ष या आइआरजीसी कुद्स बल के जरिए किए जाने वाले प्रत्यक्ष हमले को रोकना था।' उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ तौर पर कहा है कि उन्होंने ईरान के साथ बिना शर्त वार्ता का प्रस्ताव रखा था। वह ईरान के साथ शांतिपूर्ण समाधान चाहते हैं। दुर्भाग्य से, राष्ट्रपति के ये प्रयास खारिज कर दिए गए।' उन्होंने आरोप लगाया कि सुलेमानी का अमेरिकियों पर हमले करने का लंबा इतिहास रहा है। उन्होंने सुलेमानी पर 'असद के शासन और सीरिया में उसके नृशंस प्रयासों' का समर्थन करने का भी आरोप लगाया।

पाक के लिए सैन्य प्रशिक्षण फिर से शुरू करने की मंजूरी

वाशिंगटन, 4 जनवरी (भाषा)।

ट्रंप प्रशासन ने अमेरिकी संस्थानों में पाकिस्तानी सुरक्षा कर्मियों के लिए सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम को फिर से शुरू करने को मंजूरी दे दी है। एक शीर्ष अमेरिकी राजनयिक ने शुक्रवार को यहां यह जानकारी दी। राजनयिक ने बताया कि हालांकि, पाकिस्तान के लिए समग्र सुरक्षा सहायता अभी भी निलंबित है।

दक्षिण के मध्य एशिया मामलों के लिए कार्यवाहक सहायक विदेश मंत्री एलिस जी वेल्स ने शुक्रवार को ट्वीट किया कि राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय सैन्य शिक्षा और प्रशिक्षण (आईएमईटी) कार्यक्रम को अधिकृत किया। इसी दिन ईरान के शक्तिशाली रेवोल्यूशनरी गार्ड्स के कमांडर जनरल कासिम सुलेमानी की अमेरिकी हमले में मौत के बाद क्षेत्र में स्थिति पर चर्चा करने के लिए अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा से फोन पर बात की। उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को मजबूत करेगा।

सदफ जफर और दारापुरी को मिली जमानत

लखनऊ, 4 जनवरी (भाषा)।

राजधानी में नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ प्रदर्शन के सिलसिले में गिरफ्तार सामाजिक कार्यकर्ता सदफ जफर, पूर्व आईपीएस अधिकारी एसआर दारापुरी और 13 अन्य को एक स्थानीय अदालत ने शनिवार को जमानत दे दी। अपर सत्र न्यायाधीश एस एस पांडेय की अदालत ने सदफ, दारापुरी और 13 अन्य से 50-50 हजार रुपए की जमानत राशि और इतनी राशि का निजी मुचलका भरने को कहा है। इससे पहले शुक्रवार को अदालत ने सदफ, दारापुरी और अन्य की जमानत याचिका पर अपना फैसला शुक्रवार को सुरक्षित रखा था। अदालत ने उनकी व्यक्तिगत अर्जी पर सुनवाई की और सरकारी वकील का पक्ष भी सुना। इसके बाद फैसला सुरक्षित कर दिया। इनकी जमानत याचिका पर सुनवाई हुई उनमें मोहम्मद नसीम, मोहम्मद शोएब, नफीस, पवन राय आंबेडकर, शाह फैज और मोहम्मद अजीज भी शामिल हैं। सरकारी वकील दीपक यादव ने बताया कि हजरतगंज पुलिस ने उक्त आरोपियों के खिलाफ सार्वजनिक संपत्ति क्षति रोकथाम कानून सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया था। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था।

आय से अधिक संपत्ति मामले में जगन की पेशी 10 को

हैदराबाद, 4 जनवरी (भाषा)।

सीबीआइ की एक विशेष अदालत ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगनमोहन रेड्डी को 10 जनवरी को अदालत के समक्ष पेश होने का आदेश दिया है। रेड्डी ने उन्हें निजी पेशी से छूट दिए जाने का अनुरोध करने संबंधी याचिका दायर की थी जिसकी सुनवाई के दौरान अदालत ने यह आदेश दिया।

रेड्डी जब से मुख्यमंत्री बने हैं, वह मुख्यमंत्री के तौर पर अपने व्यस्त कार्यक्रम का हवाला देकर सुनवाई के दौरान पेश नहीं हुए हैं। अदालत हर शुक्रवार को मामले की सुनवाई कर रही है। अदालत ने इससे पहले भी उनकी इसी तरह की याचिका खारिज कर दी थी। रेड्डी को सितंबर 2013 में चंचलगुडा जेल से जमानत पर रिहा किया गया था। सीबीआइ की विशेष अदालत ने उनकी जमानत याचिका मंजूर करते हुए आदेश दिया था कि वह प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से गवाहों को प्रभावित नहीं करें।

पाक ने 2019 में संघर्ष विराम का सर्वाधिक उल्लंघन किया

जम्मू, 4 जनवरी (भाषा)।

पाकिस्तान के सैनिकों ने जम्मू-कश्मीर सीमा के पास पिछले 16 वर्षों में सर्वाधिक संघर्ष विराम उल्लंघन 2019 में किया। पाकिस्तानी सेना ने संघर्ष विराम उल्लंघन की 3200 से अधिक घटनाओं को अंजाम दिया, जो रोजाना औसतन इस तरह की नौ घटनाएं हैं।

अधिकारियों ने बताया कि 2019 में पाकिस्तान की सेना द्वारा गोलीबारी सबसे ज्यादा हुई, जिससे 2003 में भारत-पाकिस्तान के बीच हुआ सीमा समझौता निरर्थक होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2019 में भारत-पाक सीमा पर पाकिस्तान की सेना ने संघर्षविराम उल्लंघन की 3,289 घटनाओं को अंजाम दिया। इनमें से संघर्षविराम उल्लंघन की 1,565 घटनाएं अगस्त 2019 के बाद हुई, जब भारत सरकार ने अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को समाप्त कर दिया और जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित क्षेत्रों में विभाजित करने का निर्णय लिया।

बर्दवान रेलवे स्टेशन का हिस्सा ढहा

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 जनवरी।

पश्चिम बंगाल के बर्दमान रेलवे स्टेशन का एक बड़ा हिस्सा शनिवार रात आठ बजे ढह गया। इस हादसे में मलबे के नीचे कई यात्रियों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। हादसे के बाद रेलवे के तमाम अधिकारी और स्थानीय प्रशासन के लोग मौके पर पहुंच गए हैं।

पूर्व रेलवे के अधिकारियों के मुताबिक, जिस वक्त यह घटना हुई उस वक्त यहां बड़ी संख्या में यात्री मौजूद थे। इस घटना के बाद मलबे में कई यात्रियों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। इसे देखते हुए स्टेशन पर बड़ा बचाव अभियान शुरू किया गया है, जिसमें आपदा प्रबंधन दल के साथ रेलवे और स्थानीय पुलिस के लोग भी शामिल हुए हैं। हादसे के बाद यहां पर रेलवे के अधिकारियों के अलावा बंगाल पुलिस, जिला प्रशासन और रेलवे सुरक्षा बल के जवानों को मौके पर भेजा गया है। दमकल और स्वास्थ्य विभाग की टीमों को भी मौके पर भेजा गया है।

The Indian EXPRESS Classifieds FROM ANYTHING TO EVERYTHING
EXPRESS EDUCATION
SSC BANK CPO CDS NDA
ENGLISH (ANKUL SIR)
SSC CGL / CPO PRE + MAINS
New Batch Starts 7th Jan. 2 DEMO CLASSES Timing 3:00 PM to 5:00 PM
CLASSIC CLASSES™
9911191959, 9891991959
M-2/A-29,30, Jaina House, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi
Contact for Advt. Booking: M/s Friends Publicity Service 23276901, 23282028 (M): 9212008155, 9212665841.

राकांपा ने सावरकर पर विवादास्पद पुस्तिका वापस लेने की मांग की

मुंबई, 4 जनवरी (भाषा)।

कांग्रेस के एक प्रमुख सहयोगी राकांपा ने शनिवार को सेवादल की एक विवादास्पद पुस्तिका को वापस लिए जाने की मांग की है, जिसमें दावा किया गया है कि हिंदुत्व के विचारक विनायक सावरकर और महात्मा गांधी के हत्यारे नाथूराम गोडसे के बीच शारीरिक संबंध थे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के मुख्य प्रवक्ता नवाब मलिक ने कहा कि चूंकि सावरकर जीवित नहीं हैं, इसलिए इस तरह का दावा करना गलत है। 'वीर सावरकर, कितने वीर?' शीर्षक वाली हिंदी पुस्तिका हाल ही में मध्य प्रदेश में कांग्रेस के संगठन सेवादल के एक शिविर में वितरित की गई थी।

पुस्तिका में सावरकर की देशभक्ति और वीरता पर भी सवाल उठाया गया है। इसमें यह भी दावा किया गया कि अंडमान की सेलुलर जेल से रिहा होने के बाद सावरकर को अंग्रेजों से पैसा मिला था। मलिक ने कहा कि पुस्तिका को वापस ले लिया जाना चाहिए। आपके किसी व्यक्ति के साथ वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। लेकिन जो व्यक्ति जीवित नहीं है, उनके खिलाफ ऐसी व्यक्तिगत टिप्पणी करना सही नहीं है। राकांपा और कांग्रेस महाराष्ट्र में शिवसेना के साथ सरकार में शामिल हैं।

शिवसेना ने पुस्तिका को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा था। शिवसेना सांसद संजय राउत ने शुक्रवार को कहा कि वीर सावरकर एक महान व्यक्ति थे और महान व्यक्ति बने रहेंगे।

खबरों में शहर

बेवजह निशाना बना रही है सरकार : पीएफआइ

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 जनवरी।

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआइ) ने शनिवार को कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार उनके संगठन और कार्यकर्ताओं को बेवजह निशाना बना रही है। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया ने सभी लोकतांत्रिक संस्थाओं और संगठनों से अन्याय के खिलाफ एक होने और विरोध करने की अपील की है। फ्रंट के अध्यक्ष ओएमए सलाम, सचिव अनिस अहमद, प्रदेश अध्यक्ष परवेज अहमद आदि ने यहां बुलाई प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि वे देश के संविधान और कानून में पूरा भरोसा रखते हैं। उत्तर प्रदेश में हो रहे प्रदर्शन में समाज के सभी वर्गों के लोग सड़कों पर निकले। उन्होंने कहा कि अपनी लड़ाई कानून के जरिए जारी रखेंगे। उन्होंने दावा किया कि पापुलर फ्रंट के लोगों कारी असफाक, मोहम्मद नदीम, वसीम अहमद को फर्जी तरीके से फंसाया गया।

सीएए के समर्थन में होगा संतों का समागम

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 जनवरी।

अखिल भारतीय संत समिति और सनातन हिंदू वाहिनी नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के समर्थन में 19 जनवरी को मावलंकर सभागार में पूरे भारत से आए संत-महात्माओं का समागम आयोजित करेगा। समिति के उत्तर भारत प्रमुख व वाहिनी के अध्यक्ष महंत सुरेंद्रनाथ अवधूत ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार देश में केंद्र सरकार ने पाकिस्तान, बांग्लादेश व अफगानिस्तान के उन अल्पसंख्यकों के विषय में सोचा, जिनका परिवार इन इस्लामिक देशों की दासता स्वीकार कर अपनी बहन-बेटियों की रक्षा तक नही कर पा रहा था। इस संत समागम में दिल्ली और आसपास के राज्यों से भी भारी संख्या में लोगों का आगमन होगा।

कच्ची कॉलोनियों पर भाजपा ने 'आप' को घेरा

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 जनवरी।

कच्ची कॉलोनियों के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी (आप) को घेरने के लिए भाजपा ने जमीनी स्तर पर घेराबंदी तेज कर दी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने शनिवार को कहा कि दिल्ली की जनता से बोले गए झूठ के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 24 घंटे में लोगों से माफी मांगें। उन्होंने कहा कि कच्ची कॉलोनियों के कानून पर मत के समय आम आदमी पार्टी (आप) सांसद ने सदन का बहिष्कार कर दिया था।

इस प्रेसवार्ता में सांसद प्रवेश वर्मा, राष्ट्रीय मंत्री आरपी सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रत्यूष कंठ व सह-प्रभारी नीलकांत बक्शी मौजूद थे। तो वहीं, भाजपा युवा मोर्चा कार्यकर्ताओ ने दिल्ली के व्यस्ततम फ्लाइओवर पर बड़े-बड़े बैनर लटकाकर आम जनता को कच्ची कॉलोनी मामले में जानकारी देने की कोशिश की। मुख्य प्रदर्शन दिल्ली के आइटीओ पर हुआ। युवा मोर्चा के अध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि कच्ची कॉलोनियों में एक घर की भी रजिस्ट्री हुई, तो मैं (अरविंद केजरीवाल) भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए अपील करूंगा। वहीं, ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर हुए हमले पर राष्ट्रीय मंत्री सरदार आरपी सिंह ने चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी पाकिस्तान में सिखों पर हमले हुए हैं।

विश्व पुस्तक मेले में यश प्रकाशन के स्टॉल पर अपनी जीवनी का लोकार्पण करेंगे प्रेम चोपड़ा

सिनेमा की जगह कोई नहीं ले सकता

गजेंद्र सिंह
नई दिल्ली, 4 जनवरी।

फिल्मों में खलनायक की भूमिका से 70, 80 और 90 के दशक में छाप छोड़ने वाले अभिनेता प्रेम चोपड़ा कहते हैं कि फिल्में अच्छी कहानियों की वजह से चलती हैं। लेखक फिल्मों की रीढ़ होते हैं। जनसत्ता से खास बातचीत में प्रेम चोपड़ा कहते हैं कि आज बॉलीवुड एडवांस जरूर हो गया है लेकिन यहां जोश की कमी दिखती है। आज के समय में फिल्म बनाने वाले भी ऐसे ही हैं, पहले लोग अपनी पूरी कमाई तक फिल्मों में लगा देते थे और फिल्म चलती नहीं थी तो नुकसान होता था, जैसे 'मेरा नाम जोकर'। राजकपूर जी ने उसमें अपना काफी पैसा लगाया था लेकिन जब फिल्म नहीं चली तो नुकसान हुआ। हालांकि बाद में उसकी भरपाई 'बॉबी' से हुई थी। वेबसीरीज के जमाने में भी प्रेम चोपड़ा को सिनेमा से बड़ी उम्मीद है। वह कहते हैं कि सिनेमा की जगह कोई नहीं ले सकता।

अपने जीवन की पहली किताब को लेकर प्रेम चोपड़ा खासे उत्साहित हैं। प्रगति मैदान में चल रहे विश्व पुस्तक मेला में उनकी जीवनी 'प्रेम नाम है मेरा प्रेम चोपड़ा' के विमोचन के लिए वे राजधानी में हैं। अपने पिता के जीवन को कागज पर उकेरा है प्रेम चोपड़ा की बेटी रकिता नंदा ने। मूल अंग्रेजी में इस किताब का हिंदी अनुवाद यश प्रकाशन की ओर से है। श्रुति अग्रवाल ने इस किताब का अनुवाद किया है।

अपने जीवन की पहली फिल्म बॉबी के संवाद 'प्रेम नाम है मेरा...प्रेम चोपड़ा' को अपनी किताब का शीर्षक बनाकर अमर करने वाले अभिनेता प्रेम चोपड़ा कहते हैं कि खलनायक को लेकर लोगों में गलतफहमी है। आज कहानी की मांग ऐसी है कि हीरो ही खलनायक बन रहे हैं। पहले खलनायक का अलग स्थान हुआ करता था। प्रेम चोपड़ा बताते हैं कि जावेद अख्तर साहब ने तो जितनी कहानियां लिखीं जिसमें 'काला पत्थर', 'त्रिशूल', 'ईमान धरम' व अन्य शामिल हैं, उसमें तो खलनायक के लिए मैं उनका पसंदीदा हो गया था। आज के समय में फिल्मों के खलनायक का भी स्वरूप बदल गया है। वे कहते हैं कि वक्त के साथ हर चीज बदलती है अगर एक ही तरह के रोल करेंगे तो बेकार हो जाएंगे। अभी हाल ही में जी5 के लिए अमेरिकन वेबसीरीज 'लाइन ऑफ डिसेंट' (दि फील्ड) में दमदार अभिनय करने वाले प्रेम चोपड़ा कहते हैं कि सीरीज के निर्माता गाए जे लौथन ने 'गॉड फादर' फिल्म को सम्मान देने के लिए यह फिल्म बनाई है। उसकी कहानी कुछ-कुछ 'गॉड फादर' से मिलती है। उन्होंने मुझे यह फिल्म ऑफर की तो मैं उछल पड़ा और हां कर दिया। लेकिन वे कहते हैं कि वेबसीरिज के जमाने में सिनेमा अपनी जगह कभी नहीं छोड़ेगा। लोग आज काफी शिक्षित हैं और मोबाइल में ही फिल्मों को देखना चाहते हैं। लेकिन मैं हमेशा सिनेमा ही पसंद करूंगा। जो मजा हॉल में फिल्म देखने का है वह मोबाइल पर नहीं।

अपनी विरासत के बारे में प्रेम चोपड़ा कहते हैं कि उनकी बेटियों ने फिल्मी दुनिया में नहीं आने का फैसला खुद लिया। लेकिन दामाद शरमन जोशी और विकास भल्ला फिल्मों में हैं।

अब उनकी नातिन के लिए फिल्म का ऑफर आया है। प्रेम चोपड़ा कहते हैं कि मेरी नातिन कनाडा में पढ़ रही है, तो उसे अभी पढ़ाई पूरी करनी है। वे कहते हैं कि आज 'प्रेम नाम है मेरा, प्रेम चोपड़ा' और सौतन फिल्म का संवाद 'मैं वो बला हूं जो शीशे से पत्थर तोड़ता हूं' जैसे संवाद इसलिए नहीं दिखते क्योंकि कलाकारों की भागीदारी कम हो गई है। हम सोचते थे कि कैसे भूमिका को अपनाया जाए। आज फिल्म भले न याद हो लेकिन संवाद याद है।

'बेटियां हमेशा साथ रहती हैं'

अपनी बेटी और किताब की लेखिका रकिता नंदा के साथ प्रेम चोपड़ा।

प्रेम चोपड़ा की तीन बेटियों में बीच की बेटी रकिता नंदा ने यह किताब लिखी है। प्रेम चोपड़ा कहते हैं कि बेटे एक बार शादी होने के बाद अपने परिवार में व्यस्त हो जाते हैं जबकि बेटियां अपनी शादी के बाद भी हमेशा साथ रहती हैं। जीवन भर ख्याल रखती हैं। मेरी तीनों बेटियां काफी अच्छी हैं और अपना काम कर रही हैं। रकिता नंदा कहती हैं कि उन्हें यह किताब लिखने की तब सूझी जब उन्होंने बेटी को जन्म दिया था। वह सारा दिन घर पर रहती थीं तो पति ने उनके पिता पर किताब लिखने का विचार सुझाया। वे कहती हैं कि उसी साल बॉलीवुड को भी 100 साल हुए थे और पिता भी 50 साल बॉलीवुड में बिता चुके थे तो यह किताब लिखनी शुरू की। इसके लिए पिता के पास दिन भर बैठकर हर दशक को याद करते थे और वह पिता को आज भी छोटी-छोटी बात मुंह जुबानी याद है। वह कहती हैं कि यह भले ही पहली किताब है लेकिन आगे डिजीटल स्वरूप में लोगों के बीच रहेंगी। प्रेम चोपड़ा कहते हैं कि किताब को लेकर कई लेखकों ने उनसे संपर्क किया था लेकिन कभी मन नहीं बनाया। लेकिन जब बेटी ने कहा तो मना नहीं कर पाया। प्रेम चोपड़ा कहते हैं कि बांग्लादेश और नेपाल से लोग हिंदी किताब की काफी मांग कर रहे हैं और हिंदी अंग्रेजी से ज्यादा पढ़ी जा रही है।

हिंदू-मुसलमान नहीं, शिक्षा को वोट दें : अरविंद केजरीवाल

दिल्ली के स्कूलों में हुई पीटीएम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 जनवरी।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि अब समय आ गया है कि शिक्षा पर राजनीति होनी चाहिए। शिक्षा के नाम पर वोट मिलना चाहिए और जो हिंदू-मुसलमान के नाम पर वोट मांगते हैं उन्हें वोट नहीं मिलना चाहिए। अरविंद केजरीवाल शनिवार को दिल्ली के सरकारी स्कूलों में अभिभावक शिक्षक बैठक (पीटीएम) में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि पिछले कई सालों से दिल्ली सरकार यह बैठक कर रही है लेकिन उन्हें यह समझ नहीं आ रहा है कि भाजपा के नेता इसे क्यों रोकने की कोशिश कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री दीनदयाल मार्ग स्थित सर्वोदय बाल विद्यालय में पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने बैठक को रोकने की कोशिश की, लेकिन यह अच्छी बात नहीं है। कम से कम बच्चों की पढ़ाई में राजनीति नहीं करनी चाहिए। पीटीएम में अभिभावक

तो आना चाहते हैं। शिक्षक से मिलना चाहते हैं। फिर क्यों वो लोग रोकना चाहते हैं। मुझे तो समझ नहीं आया। उन्होंने अभिभावकों बच्चों और शिक्षकों से खुलकर बात की। इस दौरान कई अभिभावकों ने बताया कि उन्होंने बच्चों को निजी स्कूल से निकालकर सरकारी स्कूल में दाखिला कराया है। बच्चों ने पिछले पांच साल में स्कूल में हुए तमाम बदलाव के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को धन्यवाद कहा। शिक्षकों ने भी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बताया कि उन्हें गर्व है कि वह सरकारी स्कूल के शिक्षक हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पिछले पांच साल में दिल्ली के सरकारी स्कूल निजी से बेहतर हो गए हैं। वहीं, उपमुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया भी दो स्कूलों में जाकर पीटीएम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब सरकारी स्कूल बहुत अच्छे हो गए हैं। अब बच्चों को भी और उनके अभिभावकों को भी गर्व है कि उनके बच्चे सरकारी स्कूल में पढ़ते हैं। कुछ लोगों ने बताया कि वे अपने बच्चे को निजी स्कूलों से निकाल कर सरकारी स्कूल में पढ़ा रहे हैं। अब सरकारी स्कूलों के प्रधानाचार्य के पीछे लोग दाखिले के लिए चक्कर लगा रहे हैं, जबकि पहले निजी स्कूलों में दाखिला कराने के लिए सिफारिश लगाते थे।

घर का सपना दिखाकर करते थे ठगी, 13 मामले दर्ज

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 जनवरी।

दिल्ली में खुद के आशियाना का सपना दिखाकर भोले-भाले लोगों से ठगी करने वाले बिल्डर्स, डेवलपर्स, ग्रुप हाउसिंग सोसायटी और कंपनियों के खिलाफ दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लू) ने 13 मुकदमे भारतीय दंड संहिता के विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किए हैं।

आर्थिक अपराध शाखा के उपायुक्त डॉ ओपी मिश्रा ने बताया कि इन सभी पर दिल्ली विकास प्राधिकरण की लैंड पूलिंग पॉलिसी के तहत फ्लैट और मकान की अग्रिम बुकिंग के नाम पर करोड़ों रुपए हड़पने का आरोप है। लोगों को झांसें में लेने के लिए गिरोह ने अपना वेबपोर्टल भी बनवाया था।

साथ ही मोबाइल पर संदेश भेजकर संपर्क साधते थे। छानबीन के आधार पर पुलिस ने बताया है कि ठगी के पीछे नाइजीरियाइ गिरोह का हाथ हो सकता है। ठगों ने द्वारका में चल रहे कई हाउसिंग परियोजनाओं को अपना बताया था और लोगों को शक न हो इसके लिए ई-विज्ञापन भी देते थे।

HDFC BANK
We understand your world
विशेष प्रचालन विभाग, 5वीं तल,
अंसल क्लैसिक टावर, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली-110027

कब्जा सूचना (अचल संपत्ति के लिए)

(प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियमावली, 2002 के नियम 8 (1) के साथ पठित परिशिष्ट-IV के अनुसार)

जैसा कि, वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत एचडीएफसी बैंक लि. के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना तिथि 21.8.2019 जारी कर ऋणधारक मै.कडल अप डाईट प्रॉडक्ट्स प्रा.लि., द्वारा उसके निदेशक/ गारन्टर्स/ मार्टगैजर्स श्री चैतन्य जैन, श्री आदित्य जैन तथा श्री वीरेन्दर कुमार जैन को उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर सूचना में वर्णित राशि रु. 7,50,98,578.88 (रुपए सात करोड़ पचास लाख अन्ठानवे हजार पांच सौ अठहत्तर एवं पैसे अठासी मात्र) के साथ 21.8.2019 से उस पर आगे का ब्याज तथा चार्जेज वापस लौटाने का निर्देश दिया था।

ऋणधारक/ गारन्टर/ मार्टगैजर इस राशि को वापस लौटाने में विफल रहे, अतः एतद्द्वारा ऋणधारक/ गारन्टर, मार्टगैजर तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि नूह, हरियाणा में 4 जनवरी, 2020 को अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा कर लिया है।

ऋणधारक का ध्यान प्रतिभूत परिसम्पत्तियों को विमोचित करने के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों के प्रति आकृष्ट की जाती है।

विशेष रूप से ऋणधारकों तथा आम जनता को एतद्द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का व्यवसाय न करें तथा इन सम्पत्तियों का किसी भी तरह का व्यवसाय रु. 7,50,98,578.88 (रुपए सात करोड़ पचास लाख अन्ठानवे हजार पांच सौ अठहत्तर एवं पैसे अठासी मात्र) के साथ 21.8.2019 से उस पर आगे का ब्याज तथा चार्जेज एवं खर्चे के लिये एचडीएफसी बैंक लि. के चार्ज के अधीन होगा।

अचल सम्पत्ति का विवरण

क्रम सं.	सम्पत्ति का विवरण	कब्जा की तिथि एवं समय
1.	ग्राम अट्टा, तहसील नूह, जिला मेवात, हरियाणा-122508 में स्थित सम्पत्ति खसरा/ खेवत नं. 340/389, मुस्तिल नं. 27, किल्ला नं. 17/2 (2-3), 18 (8-9), 19/1/1 (4-16), रकबा 15 कनाल 18 मरला	4.1.2020, समयः 11.00 बजे पूर्वा. से

चल सम्पत्तियों का विवरण

क्रम सं.	सम्पत्ति का विवरण	तिथि, समय एवं स्थान
1.	ट्रेड/ बुक डेब्ट्स तथा रिसीवेबल्स का भंडार	4.1.2020, समयः 11.00 बजे पूर्वा. से

टिप्पणीः उक्त सूचना को अधिनियम के नियम 6, 8 तथा 9 के अंतर्गत 30 दिनों की बिक्री सूचना मानी जाये

तिथिः 4.1.2020 प्राधिकृत अधिकारी
स्थानः नूह, हरियाणा एचडीएफसी बैंक लि

'प्रदूषण संबंधी बीमारियों से हुई हजारों की मौत'

पाकिस्तान के ननकाना साहिब गुरुद्वारा में हुए हमले के विरोध में दिल्ली कांग्रेस नेताओं ने प्रदर्शन किया।

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 जनवरी।

दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा ने शनिवार को दावा किया कि राजधानी में पिछले पांच सालों में प्रदूषण संबंधी बीमारियों से 60 हजार से अधिक लोगों की मृत्यु हुई है। उन्होंने पूर्वांचलियों की एक सभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि हर दिन सांस लेने की समस्या से 58 लोगों की मौत हो जाती है, जबकि दिल्ली में प्रदूषित जल के कारण मरने वालों की गिनती मुश्किल है। पूर्वांचल के लोगों से अपने संबोधन में कहा कि आपको पता न हो।

लेकिन पिछले पांच सालों में लगभग 61,500 लोगों की सांस की समस्याओं के कारण मृत्यु हो गई। दिल्ली में प्रदूषण ने हर सीमा पार कर ली है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पूर्वांचलियों को यह कहकर अपमानित किया कि वे 500 रुपए का टिकट लेकर दिल्ली में पांच लाख रुपए की मुफ्त चिकित्सा सुविधा प्राप्त करने के लिए आते हैं। दिल्ली प्रदेश प्रभारी पीसी चाको ने कहा कि दिल्ली के विकास में पूर्वांचलवासियों का योगदान सबसे अधिक है। दिल्ली कांग्रेस की अभियान समिति के अध्यक्ष कीर्ति आजाद ने कहा कि उनकी पार्टी ने दिल्ली में पूर्वांचलियों को घर दिया और आप सरकार उन्हें अनधिकृत कॉलोनियों के मुद्दे पर बेवकूफ बनाती रही है। पार्टी के मुख्या प्रवक्ता मुकेश शर्मा ने कहा कि कांग्रेस सभी विधानसभा क्षेत्रों में पूर्वांचल प्रकोष्ठ का गठन करेगी, जो आगामी विधानसभा चुनाव में पोलिंग बूथ स्तर पर संगठन को मजबूती देगा।

जामा मस्जिद पर समझाएंगे सीएए

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 4 जनवरी।

भाजपा मंगलवार को जामा मस्जिद पर लोगों को नागरिकता संसोधन कानून (सीएए) समझाएगी ओर इलाके में पदयात्रा निकालेगी। शनिवार को इस मामले में हुई हिंसा के खिलाफ नेता विजय गोयल व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू ने लोगों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और 'आप' मुसलिमों को गुमराह करने में लगी है, उनको नागरिकता संशोधन कानून की सही जानकारी देने के लिए मुसलिम क्षेत्र जाएगी। इस पदयात्रा में सभी धर्म, जाति व वर्ग के लोग भाग लेंगे, जो यह समझते हैं कि यह कानून नागरिकता देने के लिए है, न कि किसी की नागरिकता लेने के लिए है।

सिंडिकेटबैंक
SyndicateBank
विश्वसनीय. मैत्रीपूर्ण
Faithful. Friendly
भारत सरकार का उपक्रम A Govt. of India Undertaking

कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु)

प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 की वित्तीय आस्तियों तथा प्रवर्तन के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण (2002 की अधिनियम सं. 54) के तहत तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों के उपयोग में एतद्वारा सूचना दी जाती है। बैंक ने नीचे तालिका में उल्लिखित तिथियों पर कर्जदारों तथा जमानतियों से सूचना की तिथि से 60 दिनों के भीतर राशि का पुनर्भुगतान करने को कहते हुए माँग सूचना जारी की थी। ऋणकर्ताओं तथा जमानतियों द्वारा राशि के पुनर्भुगतान में असफल रहने के कारण कर्जदारों और जमानतियों तथा जनसामान्य को एतद्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने कथित अधिनियम के नियम 8 के साथ पठित कथित अधिनियम की धारा 13(4) के तहत उसे प्रदत्त शक्तियों के उपयोग में नीचे तालिखि में वर्णित तिथि पर नीचे वर्णित सम्पत्तियों पर कब्जा कर लिया है। व्यक्तिगत रूप से ऋणकर्ता और जनसामान्य को एतद्वारा सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई लेन-देन न करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्तियों के साथ किसी प्रकार का लेन-देन राशि तथा उस पर ब्याज के लिए **सिंडीकेट बैंक** के अभियोग का विषय होगा।

शाखा	कर्जदारों, सहकर्जदारों तथा जमानतियों के नाम	बंधक/प्रभारित सम्पत्ति का विवरण	माँग सूचना की तिथि	कब्जा करने की तिथि	31.08.2019 तक बकाया राशि
सिंडीकेट बैंक डीएलएफ IV गुरुग्राम शाखा	(1) श्रीमती मीना पत्नी श्री भागवत दयाल (2) श्री भागवत दयाल पुत्र श्री निरंजन	अचल सम्पत्ति का सम्पूर्ण भाग : मोहम्मदपुर, झारसा, गुरुग्राम, खेवट सं. 143, खाता सं. 166, रेक्ट सं. 32, किला सं. 2/2(1-19)। सम्पति की सीमा : पूर्व : बिजेन्दर का मकान, पश्चिम : 5 फीट चौड़ी गली, उत्तर : नय तथा विजय का मकान, दक्षिण : जगराम का मकान	09.09.2019	02.01.2020	रु. 22,14,100/- (रुपये बाईस लाख चौदह हजार एक सौ मात्र) तथा उस पर भावी लागत, ब्याज आदि।

तिथि : 05.01.2020 स्थान : गुरुग्राम

इण्डियन ओवरसीज बैंक
आस्ति वसूली प्रबन्धन शाखा
रचना बिल्डिंग, चौथी मंजिल, 2, राजेन्द्र प्लेस, पूसा रोड, नई दिल्ली-110008
दूरभाष : 011-25758124, ई-मेलः iob1997@ibo.in

एआरएमबी/डीईएल/ /2019-20 दिनांकः 03.01.2020

(परिशिष्ट IV)
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु) [नियम 8(1)]

जबकि, अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 की वित्तीय आस्तियों तथा प्रवर्तन के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों के उपयोग में इण्डियन ओवरसीज बैंक का अधिकृत प्राधिकारी होने के नाते कर्जदारों/बंधककर्ताओं/जमानतियों मैसर्स जी.टी. बायोफार्मा प्रा.लि. (इसके बाद 'कर्जदार' कहा जायेगा) तथा श्री मुकेश भसीन, श्री संजय भारतीय, श्री कमल भाटिया, श्रीमती वीना भाटिया, मैसर्स जी.टी. फार्मा प्रा.लि., मैसर्स इण्डकुश ड्रग्स एण्ड फार्मा (इसके पश्चात इन्हें ''बंधककर्ता/जमानती'' कहा जायेगा) को 09.10.2017 तक सूचना में उल्लिखित राशि रु. 17,29,14,939.44 (रुपये सत्रह करोड़ उनतीस लाख चौदह हजार नौ सौ उनतालीस और चौवालीस पैसे मात्र) तथा वसूली की तिथि तक अनुबन्ध दर पर भावी ब्याज एवं बकाये, प्रभारों आदि का कथित सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर भुगतान करने के लिए कहते हुए 10.10.2017 को एक माँग सूचना निर्गत की थी।

(1) कर्जदारों द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल रहने के कारण एतद्वारा कर्जदारों को तथा जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने कथित नियमों के नियम 8 के साथ पठित कथित अधिनियम की धारा 13(4) के तहत उसे प्रदत्त अपनी शक्तियों के उपयोग में 3 जनवरी, 2020 को नीचे वर्णित सम्पत्ति पर कब्जा कर लिया है।

(2) विशेष रूप से कर्जदारों तथा जनसामान्य को सम्पत्ति के साथ संव्यवहार न करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ कोई संव्यवहार 09.10.2017 तक राशि रु. 17,29,14,939.44 (रुपये सत्रह करोड़ उनतीस लाख चौदह हजार नौ सौ उनतालीस और चौवालीस पैसे मात्र) तथा माँग सूचना में उल्लिखित उपर्युक्त तिथि से माँग सूचना के निर्गमन के पश्चात पुनर्भुगतान की राशि, यदि कोई हो, घटाकर उसके भुगतान की तिथि तक के सहमत अनुबन्ध दरों पर ब्याज तथा बकायों, प्रभारों आदि के लिए इण्डियन ओवरसीज बैंक के प्रभार का विषय होगा। कब्जा करने की तिथि 31.12.2019 तक बकाया देय रु. 24,24,43,933/- (रुपये चौबीस करोड़ चौबीस लाख तैंतालीस हजार नौ सौ तैंतीस मात्र) है जो भुगतान की तिथि तक अनुबन्ध दरों पर भावी ब्याज तथा बकायों, प्रभारों आदि सहित देय है।

(3) प्रतिभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए उन्हें उपलब्ध समय-सीमा के परिप्रेक्ष्य में कर्जदारों का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों की ओर आकृष्ट किया जाता है।

अचल सम्पत्ति का विवरण

खाता नं. 138, खसरा नं. 312, ग्राम रायपुर, परगना भगवानपुर, तहसील रुड़की, जिला हरिद्वार, प्लॉट का क्षेत्रफल 3064 वर्ग मीटर।

दिनांक : 03.01.2020 स्थान : रुड़की अधिकृत प्राधिकारी, इण्डियन ओवरसीज बैंक

अनुसूची-II
प्रपत्र बी
सार्वजनिक उद्घोषणा
[दिवाला तथा दिवालिया (परिसमापन प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के विनियमन 12 के अंतर्गत]
कैलिबर एसोसिएट्स प्राईवेट लिमिटेड के स्टेकधारकों के ध्यानार्थ

क्रम सं.	विवरण	विवरण
1.	कॉर्पोरेट ऋणधारक का नाम	कैलिबर एसोसिएट्स प्राईवेट लिमिटेड
2.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के निगमन की तिथि	13 फरवरी, 2003
3.	वह प्राधिकरण जिसके अंतर्गत कॉर्पोरेट ऋणधारक निगमित/पंजीकृत है	कम्पनी रजिस्ट्रार (रा.रा. क्षेत्र दिल्ली) में कम्पनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत
4.	कॉर्पोरेट पहचान संख्या/कॉर्पोरेट ऋणधारक का लिमिटेड लाएबिलिटी पहचान संख्या	U74140DL2003PTC118931
5.	कॉर्पोरेट ऋणधारक के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई हो) का पता	पंजीकृत कार्यालयः ई-20, लाजपत नगर-III, नई दिल्ली-110024
6.	इन्सॉल्वेन्सी प्रस्ताव प्रक्रिया समापन की तिथि	15 नवम्बर, 2019
7.	कॉर्पोरेट ऋणधारक का परिसमापन शुरू होने की तिथि	02 जनवरी, 2020
8.	परिसमापक के रूप में कार्यरत इन्सॉल्वेन्सी प्रॉफिशनल का नाम तथा पंजीकरण संख्या	नामः श्री मोहन लाल जैन पंजीकरण संख्याः IBBI/IPA-002/IP-N00006/2016-17/10006
9.	बोर्ड में पंजीकृत परिसमापक का पता तथा ईमेलः	पतः एफ-2/28, सेक्टर-15, रोहिणी, नई दिल्ली-110089, ईमेल आईडीः ml_jain@sumedhamanagement.com
10.	परिसमापक के साथ पत्राचार के लिये प्रयुक्त होने वाला पता तथा ईमेल	पत्राचार का पताः सी/ओ सुमेधा मैनेजमेन्ट सॉल्यूशन्स प्राईवेट लिमिटेड बी-1/12, 2रा तल, सफदरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली-110029 सम्पर्क नम्बरः 011-41654481/85 ईमेल आईडी (प्रॉसेस विशेष): cirp.kaliberapl@gmail.com
11.	दावे जमा करने की अंतिम तिथि	01 फरवरी, 2020

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण, नई दिल्ली पीठ-II ने 02 जनवरी, 2020 को मै. कालीबेर एसोसिएट्स प्राईवेट लिमिटेड का परिसमापन शुरू करने का आदेश दिया है।

एतद्द्वारा मै. कालीबेर एसोसिएट्स प्राईवेट लिमिटेड के स्टेकधारकों को निर्देश दिया जाता है कि आइटम नं. 10 में वर्णित पते पर परिसमापक के पास 01 फरवरी, 2020 को या उससे पूर्व अपने दावे का प्रमाण जमा करें।

फाइनांसियल क्रेडीटर्स केवल इलेक्ट्रॉनिक पद्धति से ही अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं। अन्य सभी क्रेडीटर्स प्रमाण के साथ व्यक्तिगत या डाक द्वारा या इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से अपने दावे का प्रमाण जमा कर सकते हैं। लागू होने वाले प्रपत्रों के लिये कृपया कॉर्पोरेट ऋणधारक की वेबसाईटः www.kaliberassociates.in देखें तथा साथ ही वह https://www.ibbi.gove.in/home/downloads पर भी उपलब्ध है।

दावे का गलत अथवा भ्रामक प्रमाण जमा करने पर दंडित किया जा सकता है।

तिथिः 3.1.2020 हस्ता./-
स्थानः नई दिल्ली मोहन लाल जैन
परिसमापक
कैलिबर एसोसिएट्स प्राईवेट लिमिटेड के मामले में
पंजी. सं. IBBI/IPA-002/IP-N00006/2016-17/10006

बैंक ऑफ महाराष्ट्र
Bank of Maharashtra
एक परिवार एक बैंक

बैंक ऑफ महाराष्ट्र क्षेत्रीय कार्यालय
15 एनबीसीसी टॉवर, तृतीय तल, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली-110066
दूरभाष : 011-26164817/26197769, टेलीफैक्स : 26171554
ई-मेल आईडी : recovery_del@mahabank.co.in

'स्वच्छता अभियान' की सफलता हेतु हम प्रतिबद्ध है।

प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 की वित्तीय आस्तियों तथा प्रवर्तन के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण (सरफाएशी अधिनियम) के तहत आस्तियों के विक्रय हेतु सार्वजनिक सूचना

सरफाएशी अधिनियम तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के तहत प्रदत्त शक्तियों के उपयोग में तथा निम्नलिखित कर्जदार(रों)/गिरवीकर्ताओं की प्रतिभूत आस्तियों के कब्जे के अनुसार सम्बद्ध कर्जदारों/गिरवीकर्ताओं, उनके वैधानिक उत्तराधिकारियों/प्रतिनिधियों, जैसी स्थिति हो, सहित जनसामान्य तथा सभी सम्बद्धों को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी द्वारा नीचे सूचीबद्ध सम्पत्तियों के क्रय हेतु ऑनलाइन संविदाएँ आमन्त्रित की जाती हैं।

क्र.स.	कर्जदार/जमानती का नाम तथा पता	लोट सं.	सम्पत्ति का विवरण	जमा धरोहर राशि-रु.	आरक्षित मूल्य-रु.
1	1. मैसर्स शुभम स्टार्च केम. प्रा.लि., 59/17, न्यू राहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005 साथ ही : 287-सी, एचएसआईडीसी, सेक्टर-59, फरीदाबाद, हरियाणा 2. श्री आनन्द अग्रवाल (जमानती), 414, सेक्टर-8, फरीदाबाद, हरियाणा-121006 3. श्रीमती नीता अग्रवाल (जमानती) 414, सेक्टर-8, फरीदाबाद, हरियाणा-121006, 4. श्री आकाश अग्रवाल, 414, सेक्टर-8, फरीदाबाद, हरियाणा-121006 5. श्री राकेश कुमार गुप्ता, मकान नं. 213, सेक्टर-7ए, अर्बन एस्टेट, फरीदाबाद, 6. मैसर्स आकाश इण्टरनेशनल (एचयूएफ), 414, सेक्टर-8, फरीदाबाद, हरियाणा-121006, 7. मैसर्स तिरुपति इण्डस्ट्रियल केमिकल प्रा.लि., 287-सी, एचएसआईडीसी, सेक्टर-59, फरीदाबाद, हरियाणा 8. मैसर्स कार्तिक इण्डस्ट्रीज, 414, सेक्टर-8, फरीदाबाद, हरियाणा।	1	प्लोट सं. 414, सेक्टर-8, अर्बन एस्टेट, फरीदाबाद, हरियाणा पर भूतल और निर्मित डेढ़ मंजिला आवासीय भवन जिसका क्षेत्रफल 258.33 वर्ग गज है और जो श्री आनन्द अग्रवाल पुत्र श्री एम.के. अग्रवाल के नाम पर है।	रु. 12.50 लाख यह सम्पत्ति हमारे भौतिक कब्जे में है ई-नीलामी की तिथि उस तिथि को ई-नीलामी का समय	रु. 125.00 लाख 21.01.2020 11.00 बजे पूर्वाह्न से 01.00 बजे अपराह्न तक (भा.मा.स.) प्रत्येक 5 मिनट का असीमित विस्तार
		2	कोने के प्लोट सं. 287-सी, एचएसआईडीसी इण्डस्ट्रियल एस्टेट, सेक्टर-59, बल्लभगढ़, फरीदाबाद, हरियाणा पर भूतल तथा डेढ़ मंजिला निर्माण के रूप में निर्मित औद्योगिक इकाई, मैसर्स शुभम स्टार्च केम (प्रा.) लि. के नाम पर माप 564 वर्ग गज।	रु. 18.40 लाख यह सम्पत्ति हमारे भौतिक कब्जे में है ई-नीलामी की तिथि उस तिथि को ई-नीलामी का समय	रु. 184.00 लाख 21.01.2020 11.00 बजे पूर्वाह्न से 01.00 बजे अपराह्न तक (भा.मा.स.) प्रत्येक 5 मिनट का असीमित विस्तार
		3	दृष्टिबन्धक संयन्त्र एवं मशीनरी (परिशिष्ट ए के रूप में संलग्न मूल्यांकनकर्ता सौरभ एण्ड एसोसिएट्स की दिनांक 04.12.2019 की रिपोर्ट के अनुसार सूची)। 1. ट्रांसफॉर्मर, 2. जेनरेटर, 3. इलेक्ट्रिक पैनल, 4. 175 केवीएआर एपीएफसी पैनल, 5. ब्वॉयलर, 6. इलेक्ट्रिक मोटर, 7. एयर कम्प्रेशर, 8. वाटर कूलर, 9. आर.ओ. प्लांट, 10. मैकरोनी निर्मित मशीनें, 11. स्क्रैप एवं अन्य मिश्रित मद/मशीनें	रु. 3.00 लाख यह सम्पत्ति हमारे भौतिक कब्जे में है ई-नीलामी की तिथि उस तिथि को ई-नीलामी का समय	रु. 30.00 लाख 10.02.2020 11.00 बजे पूर्वाह्न से 01.00 बजे अपराह्न तक (भा.मा.स.) प्रत्येक 5 मिनट का असीमित विस्तार
	बकाया राशि (रु. में)- रु. 10,28,65,900/- (रुपये दस करोड़ अट्ठाईस लाख पैंसठ हजार नौ सौ मात्र) तथा 04.07.2014 से प्रभावी ब्याज, 04.07.2014 के बाद वसूली, यदि कोई हो, को घटाकर।				
	लोट सं. 1 से 3 के लिए शाखा कार्यालय : बैंक ऑफ महाराष्ट्र, दबावग्रस्त आस्ति प्रबन्धन शाखा 011-23389879, ई-मेल : bom1456@mahabank.co.in ; recovery_del@mahabank.co.in अधिकृत प्राधिकारी : श्री राधेश्याम बंसल, मोबाइल नं. 9650566766				
2	1) मैसर्स स्पेक्ट्रमइन्फोवेब सॉल्यूशन प्रा.लि., बी-1, मसूदपुर, वसन्तकुंज, दिल्ली-110070 2) श्री अनुज यादव, 4, दुर्गा विहार, बल्लीवाला चौक, देहरादून 248001 3) श्री अनुराग गुप्ता, 18, संगम विहार, जीएमएस रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड 248001 4) श्री धीरज शर्मा मानव केन्द्र देहरादून-248002 5) श्री सैयद नसीम अब्बास, फ्लैट सं. 1103, ब्लॉक बी2, लोटस पॉण्ड 2ए, वैभव खण्ड, इन्दिरापुरम, गाजियाबाद।	4	सम्पत्ति 394.20 वर्ग मीटर के प्लॉट पर निर्मित अर्द्ध फिनिश्ड दशा में जी+2 में मकान नं. 48, ब्लॉक-ई, सेक्टर-55, नोएडा, जिला-गौतम बुद्ध नगर, उ.प्र. पर एक आवासीय भवन है जो श्री सैयद नदीम अब्बास पुत्र श्री सैयद सरकार के नाम पर है।	रु. 29.36 लाख यह सम्पत्ति हमारे भौतिक कब्जे में है ई-नीलामी की तिथि उस तिथि को ई-नीलामी का समय	रु. 293.55 लाख 21.01.2020 11.00 बजे पूर्वाह्न से 01.00 बजे अपराह्न तक (भा.मा.स.) प्रत्येक 5 मिनट का असीमित विस्तार
	बकाया राशि (रु. में)- रु. 4,20,59,353/- (रुपये चार करोड़ बीस लाख उनसठ हजार तीन सौ तिरपन मात्र) तथा 23.04.2014 से प्रभावी ब्याज, 22.04.2014 के बाद वसूली, यदि कोई हो, को घटाकर।				
3	1) मैसर्स बीनस डायमण्ड्स प्रोप. श्रीमती सिम्मी धींगरा, गोल्ड प्लाजा, दुकान नं. 104, गुरुद्वारा रोड, नाईवाला, करोल बाग, नई दिल्ली-110005 साथ ही : श्रीमती सिम्मी धींगरा, बी-32, स्वास्थ्य विहार, विकास मार्ग, दिल्ली-110092 2) श्री ध्रुव धींगरा, बी-32, स्वास्थ्य विहार, विकास मार्ग, दिल्ली-110092 3) श्रीमती बीना धींगरा, बी-32, स्वास्थ्य विहार, विकास मार्ग, दिल्ली-110092	5	LGF+GF+3 मंजिले भवन में LGF पर वाणिज्यिक सम्पत्ति माप 118.72 वर्ग फीट, कवरेज; भाग का निजी नं. LGF-14, सम्पत्ति सं. 2529-2531, गली नं. 6-7, करोल बाग, नई दिल्ली-05	रु. 2.23 लाख यह सम्पत्ति हमारे भौतिक कब्जे में है ई-नीलामी की तिथि उस तिथि को ई-नीलामी का समय	रु. 22.26 लाख 21.01.2020 11.00 बजे पूर्वाह्न से 01.00 बजे अपराह्न तक (भा.मा.स.) प्रत्येक 5 मिनट का असीमित विस्तार
	बकाया राशि (रु. में)- रु. 1,06,61,168.79 (रुपये एक करोड़ छः लाख इकसठ हजार एक सौ अड़सठ तथा उन्यासी पैसे मात्र) तथा 22.12.2016 से प्रभावी ब्याज, 22.12.2014 के बाद वसूली, यदि कोई हो, को घटाकर।				
4	(1) श्री अनुभव मोहन, म.नं. डब्ल्यूजेड-16, ओम विहार फेज 1, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 (2) श्रीमती लीला मोहन, म.नं. डब्ल्यूजेड-16, ओम विहार फेज 1, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059	6	सम्पत्ति टी 270 खसरा नं. 42 ग्राम बिन्दापुर, कॉलोनी परमपुरी, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 के प्रथम तल पर स्थित आवासीय सम्पत्ति का इक्विटेबल बंधक माप 50 वर्ग गज, श्री अनुभव मोहन तथा श्रीमती लीला मोहन के नाम पर।	रु. 1 लाख यह सम्पत्ति हमारे भौतिक कब्जे में है ई-नीलामी की तिथि उस तिथि को ई-नीलामी का समय	रु. 10.03 लाख 21.01.2020 11.00 बजे पूर्वाह्न से 01.00 बजे अपराह्न तक (भा.मा.स.) प्रत्येक 5 मिनट का असीमित विस्तार
	बकाया राशि (रु. में)- रु. 13,38,944/- (रुपये तेरह लाख अड़तीस हजार नौ सौ चौवालीस मात्र) तथा 01.07.2017 से प्रभावी ब्याज, 03.07.2017 के बाद वसूली, यदि कोई हो, को घटाकर।				
5	1) जी.एस. ऑटोमोबाइल्स प्रोपराइटर श्री गुरजीत सिंह बजाज पुत्र स्व. श्री महाबीर सिंह बजाज, 752, खसरा 299, सुखदेव मार्केट, कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली-110003 साथ ही दुकान नं. के-1, भीष्म पितामह मार्ग, निकट इंडसइंड बैंक, कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली-110003 2) श्रीमती जसविन्दर सिंह बजाज पत्नी श्री गुरजीत सिंह बजाज, 752, खसरा नं. 299, सुखदेव मार्केट, कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली-110003.	7	सम्पत्ति सुखदेव नगर, कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली में स्थित खसरा नं. 299 में से प्लॉट सं. 752 पर 46.82 वर्ग मीटर (56 वर्ग गज) माप के प्लॉट पर बी+जी+3 मंजिला आवासीय भवन है जो सुश्री जसविन्दर कौर के नाम पर है।	रु. 9.62 लाख यह सम्पत्ति हमारे भौतिक कब्जे में है ई-नीलामी की तिथि उस तिथि को ई-नीलामी का समय	रु. 96.14 लाख 21.01.2020 11.00 बजे पूर्वाह्न से 01.00 बजे अपराह्न तक (भा.मा.स.) प्रत्येक 5 मिनट का असीमित विस्तार
	बकाया राशि (रु. में)- रु. 11907413/- (रुपये एक करोड़ उन्नीस लाख सात हजार चार सौ तेरह मात्र) तथा 15.04.2017 से प्रभावी ब्याज, 15.04.2017 के बाद वसूली, यदि कोई हो, को घटाकर।				
6	1) मैसर्स एडोर मेडी प्रा.लि., 1020, सेक्टर 23ए, गुरुग्राम, हरियाणा-122001 साथ ही मैसर्स एडोर मेडी प्रा.लि., प्लॉट सं. जी-1-129 ए, इण्डस्ट्रियल एरिया, ईपीआईपी नीमराणा, द बेहरोर, अलवर, राजस्थान-301706 2) श्री शरद भट्ट पुत्र श्री मधुसूदन, मकान नं. 1020, सेक्टर-23 ए, गुरुग्राम-122001, हरियाणा। 3) श्रीमती सीमा भट्ट पत्नीश्री शरद भट्ट, मकान नं. 1020, सेक्टर-23ए, गुरुग्राम-122001, हरियाणा	8	1. इक्विटेबल बंधक प्लॉट सं. जी1-129ए, इण्डस्ट्रियल एरिया, नीमराणा, द बेहरोर, अलवर, राजस्थान (**आरक्षित मूल्य रु. 102.00 लाख है**) 2. दृष्टिबन्धक संयन्त्र एवं मशीनरी (वेबसाइट पर परिशिष्ट ए के रूप में संलग्न मूल्यांकनकर्ता सौरभ एण्ड एसोसिएट्स की दिनांक 31.12.2019 की रिपोर्ट के अनुसार सूची)। (**आरक्षित मूल्य रु. 88.00 लाख है**)	रु. 19.00 लाख यह सम्पत्ति हमारे भौतिक कब्जे में है ई-नीलामी की तिथि उस तिथि को ई-नीलामी का समय	रु. 190.00 लाख 21.01.2020 11.00 बजे पूर्वाह्न से 01.00 बजे अपराह्न तक (भा.मा.स.) प्रत्येक 5 मिनट का असीमित विस्तार
	बकाया राशि (रु. में)- रु. 5,66,58,435/- (रुपये पाँच करोड़ छियासठ लाख अट्ठावन हजार चार सौ पैंतीस मात्र) तथा 15.04.2017 से प्रभावी ब्याज, 15.04.2017 के बाद वसूली, यदि कोई हो, को घटाकर।				
7	1. मैसर्स शिव शक्ति कंस्ट्रक्शन प्रोप. श्री दिनेश कुमार कुंद्रा पुत्र स्व. रूप लाल, बी-97/बी, पंचशील विहार, मालवीय नगर, नई दिल्ली-110017 साथ ही प्लॉट सं. 684 (पुरानी सं. 6), भोला नगर, कोटला मुबारक पुर, नई दिल्ली-110003 2. श्रीमती परनीता कुंद्रा पत्नी श्री दिनेश कुमार कुंद्रा, प्लॉट सं. 684 (पुरानी सं. 6), भोला नगर, कोटला मुबारक पुर, नई दिल्ली-110003	9	सम्पत्ति सं. 6 (नई सं. 684), सम्पूर्ण भूतल एवं सम्पूर्ण प्रथम तल, छत के अधिकार रहित, भोला नगर, कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली-110003	रु. 9.72 लाख यह सम्पत्ति हमारे भौतिक कब्जे में है ई-नीलामी की तिथि उस तिथि को ई-नीलामी का समय	रु. 97.16 लाख 21.01.2020 11.00 बजे पूर्वाह्न से 01.00 बजे अपराह्न तक (भा.मा.स.) प्रत्येक 5 मिनट का असीमित विस्तार
	बकाया राशि (रु. में)- रु. 2,56,89,419.00/- (रुपये दो करोड़ छप्पन लाख नवासी हजार चार सौ उन्नीस मात्र) तथा 01.07.2015 से प्रभावी ब्याज, 08.07.2015 के बाद वसूली, यदि कोई हो, को घटाकर।				
	शाखा कार्यालय : (लॉट सं. 4 से 9 हेतु) बैंक ऑफ महाराष्ट्र, आस्ति वसूली शाखा, करोल बाग, नई दिल्ली। दूरभाष : 011-28753728; ई-मेल : bom1933@mahabank.co.in; brmgr1933@mahabank.co.in अधिकृत प्राधिकारी : श्री आनन्द प्रकाश जायसवाल; दूरभाष : 7709591122				
8	1) मैसर्स एस.के. प्रेसिजन इंजीनियरिंग कम्पनी, कर्जदार प्रोपराइटर श्री नीरज बाजपेयी, प्लॉट सं. ई-51-52, संजय कॉलोनी, सेक्टर-23, फरीदाबाद-121005. 2) श्री नीरज बाजपेयी, मकान नं. ई-89, दबुआ कॉलोनी, निकट इलेक्ट्रिसिटी कम्प्लेंट सेंटर, एनआईटी फरीदाबाद। 3) श्री उषा बाजपेयी (जमानती), मकान नं. ई-89, दबुआ कॉलोनी, निकट इलेक्ट्रिसिटी कम्प्लेंट सेंटर, एनआईटी फरीदाबाद।	10	प्लॉट सं. ई-551 एवं 52, गली नं. 28, वाका मौजा गाउची, संजय कॉलोनी, सेक्टर-23, तहसील बल्लभगढ़, जिला फरीदाबाद, स्वामित्व श्री श्रीकांत बाजपेयी, माप 326 वर्ग गज	रु. 9.60 लाख यह सम्पत्ति हमारे भौतिक कब्जे में है ई-नीलामी की तिथि उस तिथि को ई-नीलामी का समय	रु. 96.05 लाख 21.01.2020 11.00 बजे पूर्वाह्न से 01.00 बजे अपराह्न तक (भा.मा.स.) प्रत्येक 5 मिनट का असीमित विस्तार
	बकाया राशि (रु. में)- रु. 1,98,07,523 /- (रुपये एक करोड़ अट्ठानबे लाख सात हजार पाँच सौ तेईस मात्र) तथा 04.07.2016 से प्रभावी ब्याज, 04.07.2016 के बाद वसूली, यदि कोई हो, को घटाकर।				
9	1) मैसर्स शनि इण्टरनेशनल, कर्जदार प्रोपराइटर श्री नीरज बाजपेयी पुत्र श्री श्रीकान्त बाजपेयी, म.नं. 889, दबुआ कॉलोनी, एनआईटी फरीदाबाद-121001 2) श्री नीरज बाजपेयी पुत्र श्री श्रीकान्त बाजपेयी जमानती, प्लॉट सं. 122-123, खसरा नं. 44/3/2, 4, 5, संजय कॉलोनी, फरीदाबाद-121001.	11	प्लॉट सं. 122-123, खसरा नं. 44/3/2, 4, 5, मौजा गाउची, संजय कॉलोनी, फरीदाबाद-121001 का इक्विटेबल बन्धक।	रु. 8.22 लाख यह सम्पत्ति हमारे भौतिक कब्जे में है ई-नीलामी की तिथि उस तिथि को ई-नीलामी का समय	रु. 82.17 लाख 21.01.2020 11.00 बजे पूर्वाह्न से 01.00 बजे अपराह्न तक (भा.मा.स.) प्रत्येक 5 मिनट का असीमित विस्तार
	बकाया राशि (रु. में)- रु. 1,61,59,821/- (रुपये एक करोड़ इकसठ लाख उनसठ हजार आठ सौ इक्कीस मात्र) तथा 04.07.2016 से प्रभावी ब्याज, 04.07.2016 के बाद वसूली, यदि कोई हो, को घटाकर।				
10	1) मैसर्स माधव इण्डस्ट्रियल कॉर्पोरेशन (प्रोप. श्री विनीत भाटिया पुत्र सुभाष चन्द भाटिया) प्लॉट सं. बी-491 तथा 492, नेहरू ग्राउण्ड, एनआईटी फरीदाबाद। 2) श्री विनीत भाटिया, मकान नं. 97, एमआईजी-ए, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सेक्टर-10, फरीदाबाद 3) श्री सुभाष चन्द भाटिया पुत्र कुन्दन लाल, मकान नं. 97, एमआईजी-ए, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सेक्टर-10, फरीदाबाद	12	जी+3 बिल्डिंग, प्लॉट सं. 491-492, टाइप बी, नेहरू ग्राउण्ड, एनआईटी फरीदाबाद में भूतल पर वाणिज्यिक दुकान। माप 630 वर्ग फीट, श्री सुभाष चन्द पुत्र श्री कुन्दन लाल के नाम पर।	रु. 6.10 लाख यह सम्पत्ति हमारे सांकेतिक कब्जे में है ई-नीलामी की तिथि उस तिथि को ई-नीलामी का समय	रु. 61.05 लाख 21.01.2020 11.00 बजे पूर्वाह्न से 01.00 बजे अपराह्न तक (भा.मा.स.) प्रत्येक 5 मिनट का असीमित विस्तार
		13	सम्पत्ति 160 वर्ग गज के प्लॉट पर निर्मित भूतल एवं एक मंजिला निर्माण की आवासीय सम्पत्ति है जिसका मकान नं. 97, एमआईजी-ए, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सेक्टर-10, फरीदाबाद है। स्वामी श्री सुभाष चन्द पुत्र श्री कुन्दन लाल।	रु. 10.20 लाख यह सम्पत्ति हमारे सांकेतिक कब्जे में है ई-नीलामी की तिथि उस तिथि को ई-नीलामी का समय 11.00 बजे पूर्वाह्न से 01.00 बजे अपराह्न तक (भा.मा.स.) प्रत्येक 5 मिनट का असीमित विस्तार	रु. 102.00 लाख 21.01.2020
	बकाया राशि (रु. में)- रु. 1,93,64,359/- (रुपये एक करोड़ तिरानबे लाख चौंसठ हजार तीन सौ उनसठ मात्र) तथा 28.06.2017 से प्रभावी ब्याज, 28.06.2017 के बाद वसूली, यदि कोई हो, को घटाकर।				
	शाखा कार्यालय : (लॉट सं. 10 से 13 हेतु) बैंक ऑफ महाराष्ट्र, फरीदाबाद शाखा, हरियाणा, दूरभाष : 0129-4020575. ई-मेल : bom365@mahabank.co.in, अधिकृत प्राधिकारी : श्री डी.वी. खट्टर-09968316731				

विक्रय निर्धारित निविदा प्रपत्र में निर्दिष्ट नियम एवं शर्तों के कठोरता से अनुपालन की शर्त पर है और **"जैसा है जहाँ है" तथा "जो कुछ भी है वही है"** आधार पर किया जायेगा।

1) उल्लिखित सम्पत्ति हेतु नीलामी विक्रय केवल वेबसाइट https://www.mstcecommerce.com/auctionhome/ibapi/index.jsp के माध्यम से "ऑनलाइन ई-नीलामी/संविदा" के माध्यम से प्रत्येक 5 मिनट के असीमित विस्तार सहित 21.01.2020 तथा 10.02.2020 को 11 बजे पूवा4. से 1 बजे अप. तक सम्पन्न होगी। संविदाकार सम्पत्ति/यों हेतु ऑनलाइन संविदा के दौरान अपने प्रस्ताव रु. 10,000 (रुपये दस हजार मात्र) के गुणक में बढ़ायेंगे।
2) संविदाकार का पंजीकरण https://www.mstcecommerce.com/auctionhome/ibapi/index.jsp के साथ अनिवार्य है। संविदाकारों को अपेक्षित केवाईसी दस्तावेज अपलोड करने हैं।
3) संविदाकारों को अपनी संविदाएँ जमा करने तथा ई-नीलामी विक्रय प्रक्रिया में भाग लेने से पूर्व नीलामी विक्रय के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए वेबसाइट https://ibapi.in & http://www.bankofmaharashtra.in/propsale.asp ध्यानपूर्वक देखने की सलाह दी जाती है।
4) प्रस्ताव प्रकाशन की तिथि से वेबसाइट पर उपलब्ध प्रासंगिक विवरणों सहित निर्धारित प्रारूप में ही ऑनलाइन जमा किये जाने हैं।
5) इच्छुक संविदाकारों के पास एक वैध ई-मेल आईडी होना चाहिए। इच्छुक संविदाकारों को इंटरनेट सेवा हेतु अपनी निजी व्यवस्था करनी होगी। इंटरनेट कनेक्टिविटी तथा अन्य अपेक्षित साजो-सामान संविदाकारों द्वारा स्वयं सुनिश्चित करना होगा।
6) विदेश में रहने वाले/एनआरआई/पीआईओ/दोहरी नागरिकता वाले संविदाकारों को अपने वैध भारतीय पासपोर्ट की फोटो प्रति जमा करनी अनिवार्य है।
7) ई-नीलामी में भाग लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति को अपनी पहचान, आवासीय पते का पर्याप्त एवं स्वीकार्य प्रमाण तथा पैन/टैन कार्ड आदि की प्रति जमा करनी होगी। संविदाकारों को ई-निवाद जमा करते समय पैन कार्ड तथा आवासीय पते के प्रमाण की स्कैन प्रतियाँ अपलोड करनी होंगी। व्यक्तिगत के अतिरिक्त अन्य संविदाकारों को ई-संविदा हेतु उचित आदेशपत्र अपलोड करने होंगे।
8) सम्भावित संविदाकार वेबसाइट https://ibapi.in तथा https://www.mstcecommerce.com/auctionhome/ibapi/index.jsp से ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। वेबसाइटों पर शैक्षिक वीडियो उपलब्ध हैं।
9) **लॉट सं. 12 तथा लॉट सं. 13 हेतु** सम्पत्तियों के सांकेतिक कब्जे के पश्चात ई-नीलामी "जो है जहाँ है तथा जो कुछ भी वहीं हैं" आधार पर की जायेगी। सफल संविदाकार/रों को अपने निजी लागत, जोखिम तथा उत्तरदायित्व पर सम्पत्तियों का भौतिक कब्जा प्राप्त करना होगा। यद्यपि बैंक सक्षम प्राधिकरणों से आदेश प्राप्त करके कब्जा लेने में सहायता करेगा।
बैंक के पूर्ण संज्ञान में सम्पत्ति पर कोई ऋणभार नहीं है। फिर भी, संविदाकारों को ई-नीलामी प्रक्रिया में अपनी संविदा जमा करने/भाग लेने से पूर्व सम्पत्ति के विवरण के विषय में स्वयं को सन्तुष्ट कर लेना चाहिए। संविदाकार/क्रेता को संविदा करने से पूर्व स्वयं किसी विधिक दायित्व, कर के बकाये, दावों आदि के सम्बन्ध में पूछताछ कर लेनी चाहिए। बैंक बिक्री हेतु प्रस्तावित सम्पत्ति के परिप्रेक्ष्य में किसी अनुमति/लाइसेंस के प्राप्ण हेतु अथवा बकाया पानी/सेवा प्रभारों, शुल्क अन्तरण, बिजली के बकाये, नगर निगम/स्थानीय प्राधिकरण/सहकारी आवास समिति के बकाये अथवा कथित सम्पत्ति की बिक्री के सम्बन्ध में तथा/अथवा परिप्रेक्ष्य में अन्य बकायों, करों, लेवी, शुल्क/अन्तरण शुल्क, यदि कोई हो, के लिए कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगा। सफल संविदाकार को सम्पत्ति के क्रय के सम्बन्ध में आयकर के प्रावधानों तथा प्रयोज्य दरों के अनुसार प्राधिकरणों को कर के भुगतान का अनुपालन करना होगा।
10) इच्छुक क्रेता पूर्व निर्धारित समय लेकर अपने व्यय पर 17.01.2020 को 11 बजे पूर्वा. से 3 बजे अप. के बीच सम्पत्ति/यों का निरीक्षण कर सकते हैं। समय निर्धारित करने के लिए कृपया उपर्युक्त सम्बद्ध सम्पत्तियों के अनुसार सम्पर्क विवरणों पर सम्बद्ध अधिकृत प्राधिकारी से सम्पर्क करें।
11) जमा धरोहर राशि (ईएमडी) **"अधिकृत प्राधिकारी सरफाएशी" चालू खाता सं. 60121785733, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, साउथ एक्सटेंशन शाखा, आईएफएससी कोड : MAHB0000392 के पक्ष में आरटीजीएस/एनईएफटी** के माध्यम से ऑनलाइन निविदा जमा करने से पूर्व जमा करनी होगी। कथित ईएमडी उच्चतम संविदाकार के मामले में अन्तिम संविदा राशि में समायोजित कर दी जायेगी। अन्य/असफल संविदाकारों के मामले में ईएमडी उनके उस खाते में आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से जमा बिना ब्याज के वापस कर दी जायेगी जिससे यह प्राप्त की गयी थी।
12) **लॉट सं. 1,2 ,4,5,6,7, 8, 9, 10, 11, 12 तथा 13 पर सम्पत्तियों के लिए संविदाकार द्वारा ईएमडी सहित केवाईसी दस्तावेजों की ऑफ-लाइन संविदा जमा करने की अन्तिम तिथि 20.01.2020 को 3.00 बजे अप. तक है और इसे बैंक ऑफ महाराष्ट्र, तीसरी मंजिल, 15 एनबीसीसी टॉवर, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, पिन कोड-110 066 के अधिकृत प्राधिकारी के पास अग्रसारित कर दिया जायेगा तथा साथ ही अधिकृत प्राधिकारी के ई-मेल आईडी recovery_del@mahabank.co.in पर भी जमा किया जायेगा।**
13) संविदाकार एक या सभी सम्पत्तियों के लिए प्रस्ताव दे सकते हैं। एक से अधिक सम्पत्ति के लिए प्रस्ताव के मामले में संविदाकारों को प्रत्येक सम्पत्ति हेतु ईएमडी जमा करनी होगी।
14) उच्चतम संविदा प्रावैधानिक रूप से "अनुमोदन की शर्त" के आधार पर स्वीकार की जायेगी तथा उच्चतम संविदाकार को अधिकृत प्राधिकारी द्वारा बिक्री की पुष्टि तक सम्पत्ति पर कोई अधिकार/स्वामित्व नहीं होगा।
15) सफल संविदाकार को ई-नीलामी विक्रय प्रक्रियाओं के बन्द होने पर उसी दिन अथवा ई-नीलामी बिक्री के अगले दिन तक तुरन्त क्रय राशि (पहले से अदा की गयी धरोहर राशि सहित) का 25% उपर्युक्त **उपपद** 11 में निर्धारित माध्यम से जमा करना होगा। संविदा की शेष राशि विक्रय की पुष्टि की तिथि से पन्द्रहवें दिन या इससे पूर्व जमा करनी होगी।
16) बैंक द्वारा बिक्री की पुष्टि के उपरान्त तथा भुगतान की शर्तों के अनुपालन पर अधिकृत प्राधिकारी कथित सम्पत्ति की बिक्री का एक प्रमाणपत्र प्रतिभूति हित नियमों के प्रवर्तन के परिशिष्ट V में प्रदत्त प्रारूप में सफल संविदाकार/क्रेता के पक्ष में निर्गत किया जायेगा। विक्रय प्रमाण पत्र केवल उसी नाम पर निर्गत किया जायेगा जिसके नाम पर निविदा जमा की गयी है।
17) सफल संविदाकार को कन्वेंस जैसे स्टाम्प शुल्क, पंजीकरण शुल्क अथवा कानून के अनुसार प्रयोज्य किसी अन्य लागत हेतु देय समस्त प्रभार/शुल्क वहन करने होंगे। समस्त विधिक/गैर-विधिक बकाये, कर, दरें, अभिनिर्धारण, प्रभार, शुल्क आदि केवल सफल संविदाकार का उत्तरदायित्व होगा।
18) किसी भी राशि के भुगतान में किसी चूक की दशा में, या यदि सफल संविदाकार की ओर से किसी चूक के कारण द्वारा बिक्री पूरी नहीं करने पर बैंक को सफल संविदाकार द्वारा तब तक जमा की गयी समस्त राशि जब्त करने का अधिकार है और अपने विशेषाधिकार पर वह पुनः विक्रय/निस्तारण हेतु सम्पत्ति को रख सकता है, तथा चूककर्ता सफल संविदाकार सम्पत्ति या अनुगामी बिक्री की राशि के किसी भाग पर अपने समस्त अधिकार खो देगा।
19) बैंक को बिना कोई पूर्व सूचना दिये तथा बिना कोई कारण बताये कोई संविदा स्वीकार करने या अस्वीकार करने अथवा बिक्री के किसी नियम या शर्त को स्थगित/आस्थगित/निरस्त/संशोधित करने का अधिकार है।
20) सार्वजनिक सूचना में सम्पत्ति के परिप्रेक्ष्य में निर्दिष्ट विवरण अधिकृत प्राधिकारी/बैंक की सर्वोत्तम सूचना के आधार पर उल्लिखित हैं और बैंक संविदाकारों से इस सम्बन्ध में किसी दावे या प्रतिनिधित्व को स्वीकार नहीं करेगा।
21) यह प्रकाशन उपर्युक्त कर्जदार/जमानतियों के लिए प्रतिभूति अधिनियम की धारा 13(8) (6) के तहत तेरह दिवसीय/पन्द्रह दिवसीय वांछित सूचना भी है।
22) यह बिक्री प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 की वित्तीय आस्तियों तथा प्रवर्तन के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण के तहत निर्धारित नियमों/शर्तों का विषय होगी।
23) यहाँ ऊपर प्रयुक्त शब्द तथा अभिव्यक्तियाँ सरफाएशी अधिनियम, 2002 तथा उसके तहत निर्मित नियमों में आपेक्षित रूप से निर्धारित अर्थों के अनुरूप होंगी।

विशेष निर्देश :
अन्तिम मिनट तथा सेकण्ड में संविदाओं से बचना संविदाकारों के निजी हित में है। न तो बैंक ऑफ महाराष्ट्र और न ही सेवा प्रदाता किसी खामी/फेल्योर (इंटरनेट फेल्योर, पॉवर फेल्योर आदि) के लिए उत्तरदायी होगा।

स्थान : दिल्ली, तिथि : 03.01.2020 — अधिकृत प्राधिकारी, बैंक ऑफ महाराष्ट्र

* नियम एवं शर्तें केवल संकेतात्मक हैं और अधिकृत प्राधिकारी यदि उचित समझता है तो ऐसे अन्य नियम एवं शर्तें भी लगाने के लिए स्वतन्त्र है।

आज दुनिया को गांधी की सर्वाधिक आवश्यकता : निशंक

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 जनवरी।

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने शनिवार को कहा कि जब आतंकवाद विश्वभर में शांति के लिए खतरा बना हुआ है, तब ऐसे में दुनिया को महात्मा गांधी की आवश्यकता है। निशंक ने यहां प्रगति मैदान में 'विश्व पुस्तक मेला 2020' के उद्घाटन के मौके पर कहा कि एशिया का सबसे बड़ा पुस्तक मेला गांधी जी को याद कर रहा है। जब दुनियाभर में आतंकवाद की घटनाएं हो रही हैं। निजी हितों से भाईचारे और शांति को खतरा है, तब ऐसे में गांधी की सर्वाधिक आवश्यकता है। मंत्री ने कहा कि इन परिस्थितियों में दुनिया को सच्चाई, प्रेम एवं अहिंसा के महात्मा गांधी के सिद्धांतों की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि लोगों को भारत के वेदों, पुराणों और उपनिषदों की आवश्यकता है, जो ज्ञान एवं विज्ञान का कोष हैं। लोग आज किताबों से दूर जा रहे हैं जिससे विचार विकृत हो रहे हैं और इसे रोके जाने की जरूरत है। इस बार पुस्तक मेले में 23 देशों के 600 भारतीय एवं विदेशी प्रकाशक भाग ले रहे हैं। यह मेला 12 जनवरी तक चलेगा।

पुस्तक मेला 2020 का उद्घाटन

गर्मागर्म पोहा और गुलाब जामुन भी रेल यात्रा में

पंकज रोहिला
नई दिल्ली, 4 जनवरी।

रेल यात्री अब ऑनलाइन अपने स्वादानुसार बर्गर, पिज्जा समेत अन्य ब्रांडेड खाद्य सामग्री यात्रा के दौरान मंगा सकते हैं। रेलवे ने खानपान की सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए यह पहल की है। इसके अतिरिक्त यात्रियों के लिए गरमा गरम पोहा व गुलाब जामुन भी खानपान में शामिल किया गया है। सर्दी में इसकी बेहद मांग है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष वीके यादव ने बताया कि प्रतिस्पर्धा बढ़ा कर खानपान सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए यह पहल की है।

रेलवे की ई केटरिंग के जरिये यह सुविधा संभव हुई। इसकी शुरुआत अभी कुछ ट्रेन में शुरू की गई है। मंत्रालय के मुताबिक जल्द ही देश की सभी ट्रेन में यह सुविधा उपलब्ध होगी। इस प्रक्रिया से सभी ट्रेन तक खाने की सामग्री पहुंचाने में रेल मंत्रालय को एक साल समय लगेगा। अब यात्री अपनी पसंद के मुताबिक गरमा-गरम पोहा व गुलाब जामुन ले सकते हैं। ये चीजें रेलवे ने तैयार की है। इनमें यात्री को सिर्फ गर्म पानी या चाशनी डालनी होगी। यह सुविधा अभी प्रीमियम ट्रेन में उपलब्ध कराई है। नई व्यवस्था से कोहरे के दौरान गाड़ियों में होने वाली देरी के समय में

ये चीजें रेलवे ने तैयार की है। इनमें यात्री को सिर्फ गर्म पानी या चाशनी डालनी होगी। यह सुविधा अभी प्रीमियम ट्रेन में उपलब्ध कराई है। नई व्यवस्था से कोहरे के दौरान गाड़ियों में होने वाली देरी के समय में भी खानपान का प्रबंधन नहीं बिगड़ेगा। इस स्थिति में जंक फूड से परहेज करने वाले यात्रियों को भी राहत होगी।

भी खानपान का प्रबंधन नहीं बिगड़ेगा। इस स्थिति में जंक फूड से परहेज करने वाले यात्रियों को भी राहत होगी।

नाश्ते में भी मिलेगा भरपूर खानपान : यात्रियों के लिए नाश्ते के लिए इस्तेमाल की जा रही चीजों में शिकायत यह सामने आ रही थी कि उनके लिए खाना पर्याप्त नहीं है। इसलिए रेलवे ने खानपान की सूची में कुछ बदलाव किए हैं। वीके यादव ने बताया कि रेलवे औसतन 50 रुपए में यात्री को ऐसी खाने की चीजें उपलब्ध करा रहा है, जिसमें यात्री को दोबारा कुछ और खरीद कर खाने की जरूरत नहीं हो। इसमें छोले भटूरे, डोसा सांभर, इडली सांभर आदि शामिल है। अब तक थाली में रेलवे 4-5 चीजें उपलब्ध करा रहा था। लेकिन 45 रुपए में ये चीजें उपलब्ध कराना मुश्किल हो रहा था। इसलिए खानपान की व्यवस्था में बदलाव किया गया है। यह बदलाव भी यात्रियों को पसंद आएगा।

क्यूआरकोड बता देगा कहां और कब बना है खाना : खाना परोसने में होने वाली गड़बड़ियों को खत्म करने के लिए रेलवे क्यूआरकोड व्यवस्था को लागू कर रहा है। इसकी शुरुआत कुछ किचन से हो गई है। इस कोड के माध्यम से फोन पर कोई भी यात्री किचन की लाइव रिपोर्ट देख सकता है।

गुजरात में करीब 20 हजार आयुष्मान कार्ड निरस्त

अमदाबाद, 4 जनवरी (भाषा)।

गुजरात में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाइ) के तहत जारी करीब 20 हजार आयुष्मान कार्डों को अपात्र लाभार्थियों के कारण निरस्त कर दिया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह योजना 2018 में शुरू हुई थी, इसमें प्रति परिवार हर वर्ष पांच लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा कवर मिलता है। यह योजना समाज के गरीब और कमजोर वर्गों के लिए है और इसमें परिवार के सदस्यों की संख्या को लेकर कोई सीमा नहीं है।

प्रधान सचिव (स्वास्थ्य) जयंती रवि ने कहा कि गुजरात के स्वास्थ्य विभाग और राष्ट्रीय स्वास्थ्य एजंसी की एक टीम को कई ऐसे मामले मिले, जिनमें कई अपात्र व्यक्ति संबंधित परिवार के सदस्य नहीं थे, लेकिन कार्ड में उन्हें लाभार्थी के रूप में दिखाया गया था। उन्होंने कहा कि हमने पिछले साल जुलाई से ऐसे मामलों की जांच शुरू की।

झांसी में निर्माणाधीन दीवार गिरने से पांच लोगों की मौत

झांसी, 4 जनवरी (भाषा)।

जिले के बरुआसागर क्षेत्र स्थित एक गांव में शनिवार को निर्माणाधीन दीवार गिरने से एक बच्ची समेत पांच लोगों की मौत हो गई है और आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज झांसी भेजा गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना में पांच लोगों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया है। जिला अधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने बताया कि ग्राम लक्ष्मणपुरा में शनिवार दोपहर बाद लगभग 12.30 बजे हुई दुर्घटना में एक स्टोन क्रशर की निर्माणाधीन दीवार अचानक गिर पड़ी जिससे पांच लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि हादसे में घायल सात लोगों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में दाखिल कराया गया है। उन्होंने कहा कि घटनास्थल पर मुआयना व स्थिति को देखते हुए समुचित मुआवजे की घोषणा की जाएगी। घायलों का हाल जानने के बाद पर्याप्त व समुचित इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दे दिए गए हैं। पुलिस ने बताया कि मृतकों में सुखलाल (36), सुनीता (35), उनकी डेढ़ साल की बच्ची पूजा, उमा (30) और कमलेश (40) शामिल हैं। लखनऊ में एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद झांसी

घटना स्थल पर मृतकों के शोकाकुल परिजन व अन्य लोग।

में बरुआसागर थाना क्षेत्र स्थित लक्ष्मणपुरा में एक स्टोन क्रशर की चारदीवारी गिरने से लोगों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने जिला प्रशासन को तत्काल दुर्घटनास्थल पर व्यापक राहत व बचाव कार्य संचालित करने के निर्देश दिए।

विधायक की सुरक्षा में तैनात जवान ने खुद को मारी गोली, मौत

दंतेवाड़ा, 4 जनवरी (भाषा)।

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में विधायक देवती कर्मा की सुरक्षा में तैनात जवान ने अपनी सर्विस रायफल से कथित रूप से खुद को गोली मार ली। जवान के कथित रूप से आत्महत्या करने के कारणों के बारे में जानकारी नहीं मिली है।

दंतेवाड़ा जिले के पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यहां बताया कि दंतेवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से विधायक देवती कर्मा की सुरक्षा में तैनात छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के जवान आशोराम कश्यप ने अपनी सर्विस रायफल एके-47 से कथित रूप से खुद को गोली मार ली है।उन्होंने बताया कि पुलिस को जानकारी मिली है कि शुक्रवार की रात आशोराम देर तक किसी से फोन पर बात कर रहा था। इसके बाद रात लगभग एक बजे उसने अपनी एके-47 रायफल से अपने सीने में गोली चला दी। इस घटना में आशोराम की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गोली चलने की आवाज सुनकर अन्य जवान वहां पहुंचे तब उन्होंने इसकी जानकारी अपने अधिकारियों को दी। बाद में आशोराम के शव को अस्पताल पहुंचाया गया।

फार्म नं. सीएए.2
(धारा 230 (3) और नियम 6 एवं 7 के अनुसरण में)
राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण इलाहाबाद पीठ, इलाहाबाद के समक्ष
कम्पनी आवेदन सं. 05 ऑफ 2019 कम्पनी अधिनियम, 2013 के मामले में
और
कम्पनी (समझौता, व्यवस्था एवं समामेलन) नियम, 2016 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 230 से 232, धारा 56 एवं अन्य लागू प्रावधानों के अंतर्गत आवेदन
और
निम्नलिखित के बीच
व्यवस्था की योजना के मामले में
1. सरगम डीलर्स प्राइवेट लिमिटेड .....आवेदक कम्पनी नं.1/हस्तांतरणकर्ता कम्पनी
और
2. महाराज रिटेलर्स प्राइवेट लिमिटेड .....आवेदक कम्पनी नं.2/हस्तांतरणकर्ता कम्पनी
और
3. रिनम ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड .....आवेदक कम्पनी नं.3/हस्तांतरणकर्ता कम्पनी
और
4. रिनम डीलमार्क प्राइवेट लिमिटेड .....आवेदक कम्पनी नं.4/हस्तांतरणकर्ता कम्पनी
और
5. ब्लूस्टार सीमेंट लिमिटेड .....आवेदक कम्पनी नं.5/हस्तांतरणकर्ता कम्पनी
और
6. विवांत सीमेंट वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड .....आवेदक कम्पनी नं.6/हस्तांतरणकर्ता कम्पनी
और
7. कनोडिया सीमेंट लिमिटेड .....आवेदक कम्पनी नं. 7/हस्तांतरिती कम्पनी
उनके संबंधित शेयरधारक

ब्लूस्टार सीमेंट लिमिटेड (CIN : U74900UP2010PLC041036), कम्पनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अंतर्गत गठित एक लिमिटेड कम्पनी जिसका पंजीकृत कार्यालय सी-57 यूपीएसआईडीसी लैंड, इंडस्ट्रियल एरिया, सिकन्दराबाद, बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश-203205 में है

.....("आवेदक कम्पनी 5")

आवेदक कम्पनी 5 के प्रतिभूत एवं अप्रतिभूत लेनदारों की बैठक की सूचना का विज्ञापन

सेवा में,
ब्लूस्टार सीमेंट लिमिटेड के सभी प्रतिभूत एवं अप्रतिभूत लेनदार

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि माननीय राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण, इलाहाबाद पीठ, इलाहाबाद ने अपने आदेश दिनांक 19 दिसम्बर, 2019 के द्वारा कम्पनी (समझौता, व्यवस्था एवं समामेलन) नियम, 2016 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 230, 232 और 66 तथा अन्य लागू प्रावधानों के अनुसरण में (i) सरगम डीलर्स प्राइवेट लिमिटेड, (ii) महाराज रिटेलर्स प्राइवेट लिमिटेड (iii) रिनम ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड (iv) रिनम डीलमार्क प्राइवेट लिमिटेड (v) ब्लूस्टार सीमेंट लिमिटेड (vi) विवांत सीमेंट वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड ("हस्तांतरणकर्ता कम्पनी") के साथ कनोडिया सीमेंट लिमिटेड (हस्तांतरिती कम्पनी) तथा उनके संबंधित शेयरधारकों के बीच प्रस्तावित व्यवस्था की योजना ("योजना") पर विचार करने, और यदि जरूरी हुआ तो संशोधन या बिना संशोधन उसे अनुमोदित करने के लिए आवेदक हस्तांतरणकर्ता कम्पनी 5, ब्लूस्टार सीमेंट लिमिटेड के प्रतिभूत एवं अप्रतिभूत लेनदारों की एक बैठक आयोजित करने के निर्देश दिये हैं।

कथित आदेश एवं निर्देश के अनुसरण में आगे एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक कम्पनी 5 के प्रतिभूत एवं अप्रतिभूत लेनदारों की बैठक **वीरवार, 06 फरवरी, 2020 को प्रातः11:00 बजे** ए-19, दूसरा तल, ब्लॉक-ए, सैक्टर-16, नोएडा-201301, उत्तर प्रदेश में आयोजित की जाएगी जिसके लिए सभी प्रतिभूत एवं अप्रतिभूत लेनदारों को कथित समय एवं स्थान पर उपस्थित होने का अनुरोध किया जाता है।

कथित योजना की प्रतियां और धारा 230 के अंतर्गत विवरण कम्पनी के कार्पोरेट कार्यालय ए-19, दूसरा तल, ब्लॉक-ए, सैक्टर-16, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से निःशुल्क प्राप्त किये जा सकते हैं।

बैठक में भाग लेने और वोट देने का पात्र व्यक्ति कथित बैठक में स्वयं या प्रॉक्सी के माध्यम से उपस्थित हो सकता है और वोट दे सकता है बशर्ते कि निर्धारित प्रारूप में संबंधित प्रॉक्सी फार्म आवेदक कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय में बैठक के निर्धारित समय से 48 घंटे पूर्व जमा कर दिया गया हो। प्रॉक्सी फार्म आवेदक कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय से भी प्राप्त किया जा सकता है।

अभिकरण ने कथित बैठक के लिए श्री कृष्ण देव व्यास को अध्यक्ष और श्री विराट नाथ, अधिवक्ता को वैकल्पिक अध्यक्ष तथा श्री अंकित सिंह (पीसीएस) को पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया है। उपरोक्त वर्णित योजना, यदि बैठक में अनुमोदित की जाती है तो यह अधिकरण के अनुवर्ती स्वीकृति के अधीन होगी।

(क) कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 108 एवं 110 के साथ पठित धारा 230(4); (ख) कम्पनी (समझौता, व्यवस्था एवं समामेलन) नियम, 2016 के नियम 6(3)(a); (ग) कम्पनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियम, 2014 के नियम 20 एवं अन्य लागू प्रावधानों के साथ पठित नियम 22 के प्रावधानों के अनुसरण में, आवेदक कम्पनी द्वारा बैठक के स्थान पर बैलेट/पोलिंग पेपर के माध्यम से वोटिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

आज, दिनांक 04 जनवरी, 2020

पंजीकृत कार्यालय : सी-57 यूपीएसआईडीसी लैंड, इंडस्ट्रियल एरिया, सिकन्दराबाद, बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश-203205

हस्ता./-
कृष्ण देव व्यास
बैठक के लिए नियुक्त अध्यक्ष

फार्म नं. सीएए.2
(धारा 230 (3) और नियम 6 एवं 7 के अनुसरण में)
राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण इलाहाबाद पीठ, इलाहाबाद के समक्ष
कम्पनी आवेदन सं. 07 ऑफ 2019 कम्पनी अधिनियम, 2013 के मामले में
और
कम्पनी (समझौता, व्यवस्था एवं समामेलन) नियम, 2016 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 230 से 232, धारा 56 एवं अन्य लागू प्रावधानों के अंतर्गत आवेदन
और
निम्नलिखित के बीच
व्यवस्था की योजना के मामले में
1. सरगम डीलर्स प्राइवेट लिमिटेड .....आवेदक कम्पनी नं.1/हस्तांतरणकर्ता कम्पनी
और
2. महाराज रिटेलर्स प्राइवेट लिमिटेड .....आवेदक कम्पनी नं.2/हस्तांतरणकर्ता कम्पनी
और
3. रिनम ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड .....आवेदक कम्पनी नं.3/हस्तांतरणकर्ता कम्पनी
और
4. रिनम डीलमार्क प्राइवेट लिमिटेड .....आवेदक कम्पनी नं.4/हस्तांतरणकर्ता कम्पनी
और
5. ब्लूस्टार सीमेंट लिमिटेड .....आवेदक कम्पनी नं.5/हस्तांतरणकर्ता कम्पनी
और
6. विवांत सीमेंट वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड .....आवेदक कम्पनी नं.6/हस्तांतरणकर्ता कम्पनी
और
7. कनोडिया सीमेंट लिमिटेड .....आवेदक कम्पनी नं. 7/हस्तांतरिती कम्पनी
उनके संबंधित शेयरधारक

कनोडिया सीमेंट लिमिटेड (CIN : U36912UP2009PLC037903), कम्पनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अंतर्गत गठित एक लिमिटेड कम्पनी जिसका पंजीकृत कार्यालय डी-19 यूपीएसआईडीसी लैंड, इंडस्ट्रियल एरिया, सिकन्दराबाद, बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश-203205 में है

.....("आवेदक कम्पनी 7")

आवेदक कम्पनी 7 के प्रतिभूत एवं अप्रतिभूत लेनदारों की बैठक की सूचना का विज्ञापन

सेवा में,
कनोडिया सीमेंट लिमिटेड के सभी प्रतिभूत एवं अप्रतिभूत लेनदार

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि माननीय राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण, इलाहाबाद पीठ, इलाहाबाद ने अपने आदेश दिनांक 19 दिसम्बर, 2019 के द्वारा कम्पनी (समझौता, व्यवस्था एवं समामेलन) नियम, 2016 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 230, 232 और 66 तथा अन्य लागू प्रावधानों के अनुसरण में (i) सरगम डीलर्स प्राइवेट लिमिटेड, (ii) महाराज रिटेलर्स प्राइवेट लिमिटेड (iii) रिनम ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड (iv) रिनम डीलमार्क प्राइवेट लिमिटेड (v) ब्लूस्टार सीमेंट लिमिटेड (vi) विवांत सीमेंट वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड ("हस्तांतरणकर्ता कम्पनी") के साथ कनोडिया सीमेंट लिमिटेड (हस्तांतरिती कम्पनी) तथा उनके संबंधित शेयरधारकों के बीच प्रस्तावित व्यवस्था की योजना ("योजना") पर विचार करने, और यदि जरूरी हुआ तो संशोधन या बिना संशोधन उसे अनुमोदित करने के लिए **आवेदक हस्तांतरिती कम्पनी 7, कनोडिया सीमेंट लिमिटेड** के प्रतिभूत एवं अप्रतिभूत लेनदारों की एक बैठक आयोजित करने के निर्देश दिये हैं।

कथित आदेश एवं निर्देश के अनुसरण में आगे एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक कम्पनी 7 के प्रतिभूत एवं अप्रतिभूत लेनदारों की बैठक **वीरवार, 06 फरवरी, 2020 को दोपहर:02:00 बजे** ए-19, दूसरा तल, ब्लॉक-ए, सैक्टर-16, नोएडा-201301, उत्तर प्रदेश में आयोजित की जाएगी जिसके लिए सभी प्रतिभूत एवं अप्रतिभूत लेनदारों को कथित समय एवं स्थान पर उपस्थित होने का अनुरोध किया जाता है।

कथित योजना की प्रतियां और धारा 230 के अंतर्गत विवरण कम्पनी के कार्पोरेट कार्यालय ए-19, दूसरा तल, ब्लॉक-ए, सैक्टर-16, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से निःशुल्क प्राप्त किये जा सकते हैं।

बैठक में भाग लेने और वोट देने का पात्र व्यक्ति कथित बैठक में स्वयं या प्रॉक्सी के माध्यम से उपस्थित हो सकता है और वोट दे सकता है बशर्ते कि निर्धारित प्रारूप में संबंधित प्रॉक्सी फार्म आवेदक कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय में बैठक के निर्धारित समय से 48 घंटे पूर्व जमा कर दिया गया हो। प्रॉक्सी फार्म आवेदक कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय से भी प्राप्त किया जा सकता है।

अभिकरण ने कथित बैठक के लिए श्री कृष्ण देव व्यास को अध्यक्ष और श्री विराट नाथ, अधिवक्ता को वैकल्पिक अध्यक्ष तथा श्री अंकित सिंह (पीसीएस) को पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया है। उपरोक्त वर्णित योजना, यदि बैठक में अनुमोदित की जाती है तो यह अधिकरण के अनुवर्ती स्वीकृति के अधीन होगी।

(क) कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 108 एवं 110 के साथ पठित धारा 230(4); (ख) कम्पनी (समझौता, व्यवस्था एवं समामेलन) नियम, 2016 के नियम 6(3)(a); (ग) कम्पनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियम, 2014 के नियम 20 एवं अन्य लागू प्रावधानों के साथ पठित नियम 22 के प्रावधानों के अनुसरण में, आवेदक कम्पनी द्वारा बैठक के स्थान पर बैलेट/पोलिंग पेपर के माध्यम से वोटिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

आज, दिनांक 04 जनवरी, 2020

पंजीकृत कार्यालय : डी-19 यूपीएसआईडीसी लैंड, इंडस्ट्रियल एरिया, सिकन्दराबाद, बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश-203205

हस्ता./-
कृष्ण देव व्यास
बैठक के लिए नियुक्त अध्यक्ष

unitech
यूनीटेक लिमिटेड
CIN: L74899DL1971PLC009720
पंजीकृत कार्यालयः बेसमेन्ट, 6, कम्युनिटी सेन्टर, साकेत, नई दिल्ली-110017
टेली/फैक्सः- 11-26857338,
E-mail: share.dept@unitechgroup.com
Web: www.unitechgroup.com
सूचना
बोर्ड की बैठक का स्थगन

8 दिसम्बर, 2019 को 'द फाइनांसियल एक्स्प्रैस' तथा ''जनसत्ता'' में अन्य बातों के अलावे 30 सितम्बर, 2019, को समाप्त तिमाही तथा छमाही के अनंकेक्षित वित्तीय परिणामों की स्वीकृति के लिए स्थगित बोर्ड की बैठक की सूचना देने के लिए प्रकाशित विज्ञापन की सूचना के अधिक्रम में सूचित किया जाता है कि यह कम्पनी सेबी (सूचीयन दायित्व तथा उद्घाटन अपेक्षा) विनियमन, 2015 के विनियमन 33 (3) (एच) की अपेक्षाओं के अनुपालन की प्रक्रिया में है। उक्त अपेक्षा को देखते हुए अन्य निदेशकों के साथ विचार-विमर्श के बाद कम्पनी के अध्यक्ष ने शुक्रवार, 31 जनवरी, 2020 तक बोर्ड की बैठक को निलम्बित/स्थगित करने का फैसला किया है। तद्नुसार, 30 सितम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही तथा छमाही के अनंकेक्षित वित्तीय परिणामों तथा अन्य संबंधित व्यवसायों पर अब शुक्रवार, 31 जनवरी, 2020 को विचार किए जाएंगे।

पुनः बोर्ड की बैठक के उपरोक्त स्थगन को देखते हुए सूचित किया जाता है कि अब ट्रेडिंग विण्डो बंद रहने की अवधि 31 जनवरी, 2020 को इन परिणामों को सार्वजनिक किए जाने के 48 घंटे बाद तक बंद रहेगी।

निवेशकगण www.unitechgroup.com, www.bseindia.com, www.nseindia.com भी देख सकते हैं।

यूनिटेक लिमिटेड के लिये
हस्ता./-
गुरुग्राम — रमेश चन्द्रा
4 जनवरी, 2020 — कार्यकारी अध्यक्ष

SBI
भारतीय स्टेट बैंक, तनावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा-II,
एसबीआई हाऊस, चौथा तल, 18/4, आर्या समाज रोड, करोल बाग, दिल्ली-110005,
फोन नं. 28752163, ईमेल : sbi.51521@sbi.co.in

शुद्धिपत्र

दिनांक 28.12.2019 को इस समाचार पत्र में छपे विज्ञापन ई-नीलामी सूचना के संदर्भ में आम जनता को सूचित किया जाता है कि कर्जदार **श्री अरुण जैन (क्र.सं. 6)**, के खाते की सम्पत्ति का आरक्षित मूल्य रु. 37.95 लाख और धरोहर राशि रु. 3.80 लाख **के स्थान पर आरक्षित मूल्य रु. 38.95 लाख और धरोहर राशि रु. 3.90 लाख पढ़ा जाएं।** और **कर्जदार श्री जयदीप सैन और श्रीमती पल्लवी सैन (क्र.सं. 38) के खाता में बकाया राशि ₹ 25,11,900.00** दिनांक 26.06.2018 तक और भविष्य का ब्याज एवं अतिरिक्त प्रभार **के स्थान पर ₹ 88,90,083/- दिनांक 04.12.2018 तक और + भविष्य का ब्याज एवं अतिरिक्त प्रभार पढ़ा जाएं।**

शेष सूचना के अनुसार रहेगी।

हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank
...भरोसे का प्रतीक! ...the name you can BANK upon!
Branch: R.K.Puram, Sector-4, New Delhi -110022

POSSESSION NOTICE
(For Immovable property)

Whereas the undersigned being the authorized officer of the **Punjab National Bank, Branch- RK Puram Sec IV, New Delhi** under the Securitization and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 (herein after referred to as the "said Act") and in Exercise of Powers conferred under section 13 (12) read with Rule 9 of the Security Interest (Enforcement) Rules, 2002, issued a demand notice dated **19.08.2019** calling upon the **M/S SHARMA CAR SEAT COVERS A/C 0162009300060001** to repay the amount mentioned in the notice being **Rs.76,85,192.89 (Rupees Seventy six lakh eighty five thousand one hundred ninety two rupees eighty nine paise) (including interest upto 30.06.2019) with further interest thereon w.e.f. 01/07/2019** and other expenses until payment in full, within 60 days from the date of receipt of the said notice, under section 13(2) of the said act.

The borrower and the guarantors having failed to repay the amount, notice is hereby given to the borrower/ guarantor/ mortgagor and the public in general that the undersigned has taken possession of the property described herein below in exercise of powers conferred on him under Section 13(4) of the said act, read with Rule 8 of the said Rules on this **03rd day of jan,2020.**

The borrower/ guarantor/ mortgagor in particular and the public in general is hereby cautioned not to deal with the property and any dealing with the said property will be subject of the charge of the Punjab National Bank for an amount of **Rs.76,85,192.89 (Rupees Seventy six lakh eighty five thousand one hundred ninety two rupees eighty nine paise) (including interest upto 30.06.2019) with further interest thereon w.e.f. 01/07/2019** and other expenses until payment in full.

Description of Immovable Property (ies)
1. All assets created out of bank finance.
2. EM : House No.1570 Sector-37, Arun Vihar, Gautam Budh Nagar, Noida,Uttar Pradesh-201301 in name of **Smt. Savita Sharma**

Dated: 03.01.2020 — **Authorised Officer**

प्रारूप संख्या आईएनसी - २६
[कंपनी (निगमन) नियम, २०१४ के नियम ३०]
के अनुसरण में,
कंपनी का पंजीकृत कार्यालय एक राज्य से दूसरे राज्य में स्थानांतरित करने के लिए समाचार पत्र में प्रकाशित किया जाने वाला विज्ञापन
केन्द्रीय सरकार के समक्ष प्रादेशिक निर्देशक, उत्तरीय क्षेत्र

कंपनी अधिनियम, २०१३ की धारा १४ की उपधारा (४) और कंपनी (निगमन) नियम, २०१४ के नियम ५ के उपनियम ५ के खण्ड (ए) के मामले में

और

मेगोटेक इंडस्ट्रीस प्राईवेट लिमिटेड जिसका पंजीकृत कार्यालय ५वां तीसरी मंजिल, सूर्य किरण बिल्डिंग १९, कस्तूरबा गांधी मार्ग, न्यू दिल्ली-११०००१, दिल्ली, इंडिया- स्थित है के मामले में

.....याचिकाकर्ता

आम जनता को यह नोटिस दी जाती है की यह कम्पनी केन्द्रीय सरकार अभी क्षेत्र प्रादेशिक निर्देशक उत्तरीय क्षेत्र के समक्ष कंपनी अधिनियम २०१३ की धारा १४ के अधीन आवेदन करने का प्रस्ताव करती है जिसमें कंपनी का पंजीकृत कार्यालय **"दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र"** (यू.टी. ऑफ दिल्ली) से **"गुजरात राज्य"** में स्थानांतरित करने के लिए आदेश सत्रोपरांत **नवंबर १८, २०१९** को आयोजित असाधारण सामान्य सभा में पारित विशेष संकल्प के संदर्भ में कंपनी के ज्ञापन में संशोधन की पुष्टि की मांग की गयी है।

कंपनी के पंजीकृत कार्यालय के प्रस्तावित स्थानांतरण से कोई किसी व्यक्ति को हित प्रभावित होता है तो वह व्यक्ति या तो निदेशक जिसकाय प्रारूप फाईल कर एमसीए-२१ पोर्टल (www.mca.gov.in) में विवरण डाल कर सकता है या एक सपथ पत्र जिसमें उसके हित का स्वरूप और उसके विरोध का कारण उल्लेखित हो की सच्ची प्रतियां प्रादेशिक निर्देशक को इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से ४५ दिनों के भीतर यू-२ विंग, ५ मंजिल, पर्यावरण भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, नयी दिल्ली-११०००३ दिल्ली इंडिया पर पंजीकृत डाक द्वारा भेज सकते है या सुपुर्द कर सकते है और एसाथ ही आवेदक कंपनी को उनके निम्नलिखित पंजीकृत कार्यालय के पते पर भी भेजेंगे: "५वां, तीसरी मंजिल, सूर्य किरण बिल्डिंग १९, कस्तूरबा गांधी मार्ग, न्यू दिल्ली-११०००१, दिल्ली, इंडिया"

कृते एवं हित
मेगोटेक इंडस्ट्रीस प्राईवेट लिमिटेड
हस्ता/-
श्री दीपक भोजवानी (प्रबंधक)
(डीआईएन: 07351577)

तारीख: १६/०१/२०२०
स्थान: नई दिल्ली

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank
सी-3/9, प्रशान्त विहार, दिल्ली-110085
ई-मेल : bo4166@pnb.co.in
दूरभाष : 011-27556086, 27556380

कब्जा सूचना

[प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(1) के तहत]
(अचल सम्पत्ति हेतु)

जबकि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित 26 [अधिनियम], 2002 की वित्तीय आस्तियों एवं प्रवर्तन के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण के तहत एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों के उपयोग में कर्जदार/जमानतियों/बंधककर्ता मैसर्स एयरेन्स गोल्डसौक इण्टरनेशनल लि. से 31.05.2019 तक सूचना में उल्लिखित राशि रु. 1,29,50,012.66/- (रुपये एक करोड़ उनतीस लाख पचास हजार बारह एवं छियासठ पैसे मात्र) तथा 30.04.2019 तक ब्याज सहित कथित सूचना की सूचना तिथि/प्राप्ति तिथि से 60 दिनों के भीतर 01.05.2019 से भावी ब्याज एवं अन्य प्रभारों का पुनर्भुगतान करने को कहते हुए 18.06.2019 को एक माँग सूचना निर्गत की थी।

कर्जदार/जमानतियों/बंधककर्ता के पुनर्भुगतान में असफल रहने के कारण एतद्वारा कर्जदार तथा जनसामान्य को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने कथित नियमों के नियम 8 एवं 9 के साथ पठित कथित 27[अधिनियम] की धारा 13(4) के तहत उसे प्रदत्त शक्तियों के उपभोग में 01 जनवरी, 2020 को नीचे वर्णित सम्पत्तियों पर कब्जा कर लिया है।

विशेष रूप से कर्जदार/जमानतियों/बंधककर्ता को तथा जनसामान्य को एतद्वारा सम्पत्ति से किसी प्रकार का संव्यवहार न करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्तियों के साथ किसी प्रकार का संव्यवहार 31.05.2019 तक रु. 1,29,50,012.66/- (रुपये एक करोड़ उनतीस लाख पचास हजार बारह एवं छियासठ पैसे मात्र) तथा 30.04.2019 तक ब्याज सहित कथित सूचना की सूचना तिथि/प्राप्ति तिथि से 60 दिनों के भीतर 01.05.2019 से भावी ब्याज एवं अन्य प्रभारों के लिए पंजाब नैशनल बैंक के प्रभार का विषय होगा।

[प्रतिभूत आस्तियों को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय-सीमा के विषय में कर्जदारों का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) की ओर आकृष्ट किया जाता है।]

अचल सम्पत्ति का विवरण

इकाई सं. एफआएफ-11, चौथी मंजिल, कारपेट एरिया माप लगभग 525 वर्ग फीट (सुपर एरिया 833 वर्ग फीट). गोल्ड सौक कॉम्पलेक्स का भाग ब्लॉक-सी, फेज-I, सुशान्त लोक, गुरुग्राम, हरियाणा।

इकाई सं. एफओएफ-11, चौथी मंजिल, कारपेट एरिया माप लगभग 525 वर्ग फीट (सुपर एरिया 833 वर्ग फीट). गोल्ड सौक कॉम्पलेक्स का भाग ब्लॉक-सी, फेज-I, सुशान्त लोक, गुरुग्राम, हरियाणा पर स्थित भूमि तथा भवन की फ्रोहोल्ड इक्विटेबल बंधक का सम्पूर्ण भाग।

ह./-
दिनांक : 01.01.2020 — अधिकृत प्राधिकारी
स्थान : दिल्ली — पंजाब नैशनल बैंक

Fullerton Grihashakti फुलर्टन इंडिया होम फायनेंस कम्पनी लिमिटेड
कार्पोरेट कार्यालय : छठी मंजिल, बी विंग, सुप्रीम आईटी पार्क, सुप्रीम सिटी, लेक कैसल के पीछे, पोवई, मुम्बई 400 076
पंजीकृत कार्यालय : मेगा हावर्स, तिसरी मंजिल, पुराना नं. 307, नया नं. 165, पूनामल्ली हाई रोड, मदुरावोयल, चेन्नई - 600095

मांग सूचना पत्र

सुरक्षा हित के (प्रवर्तन) अधिनियम, 2002 (''नियम'') तथा प्रतिभूतिकरण और वित्तीय परिसंपत्तियों के पुनर्निर्माण तथा सुरक्षा ब्याज (प्रवर्तन) नियम, 2002 (''एक्ट'') के प्रावधानों के तहत।

अधोहस्ताक्षरी उक्त अधिनियम के तहत फुलर्टन इंडिया होम फायनेंस कम्पनी लिमिटेड (FIHFC) का प्राधिकृत अधिकारी

आधी आबादी का गणतंत्र

दूसरी नज़र

■ पी चिदंबरम

हम भारत के लोगों ने ही भारत के संविधान को बनाया है। संविधान सभा का गठन 'एक व्यक्ति, एक वोट' के सिद्धांत पर नहीं किया गया था, इसलिए यह सही मायने में लोगों का प्रतिनिधित्व नहीं है। फिर भी, अंतिम नतीजे के रूप में इसे देखें तो संविधान सभा ने भारत के सभी लोगों के बारे में बात की है। यह एक ऐसा संविधान है, जिसने आपातकाल (1975-77) या 1979-80 में केंद्र सरकार के गिर जाने जैसे गंभीर हालात में भी अपने को लचीला साबित किया, और अपने बुनियादी ढांचे को खोए बगैर कई संशोधन झेल चुका है।

जब नानी पालखीवाला ने संविधान के अपरिवर्तनीय और असंशोधनीय 'बुनियादी ढांचे' के सिद्धांत को रखा था, तब कई अध्येताओं और कानूनी विशेषज्ञों ने इसका उपहास उड़ाया था। इन लोगों का कहना था कि संविधान में संशोधन (धारा 368) करने के संप्रभु संसद के अधिकार को कार्यपालिका द्वारा नियुक्त जज कैसे कम कर सकते हैं, या उसकी समीक्षा कर सकते हैं। आखिरकार तेरह में सात जजों ने पालखीवाला की उस आदर्श दलील को स्वीकार किया था। आज हम कह सकते हैं कि ईश्वर को धन्यवाद कि उन्होंने तर्क को स्वीकार किया।

क्या सबके लिए न्याय?

यह भारत का संविधान है, जो अपने सभी नागरिकों की सुरक्षा के लिए सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय का संकल्प करता है। इसमें हरेक का अपना गहरा अर्थ है, उदाहरण के लिए सामाजिक न्याय। न्याय के ये संकल्प लाखों लोगों के दिल में उम्मीद की किरण पैदा करते हैं और उसे जलाए रखते हैं। 26 जनवरी, 2020 को हम संविधान की सत्तरवीं वर्षगांठ मनाएंगे।

यही वह समय है जब बड़े और कठोर सवाल पूछे जाने चाहिए, किसे सामाजिक न्याय मिला और किसे नहीं? आर्थिक न्याय क्या है और क्या सभी नागरिकों को आर्थिक न्याय मिलता है? और जब सारे नागरिकों के पास वोट का अधिकार है, तो क्या उन्हें राजनीतिक न्याय मिलता है?

सदियों से सबसे बड़ा वर्ग निचले तबके का अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों का रहा है। अन्य पिछड़ी जातियां, इनमें भी सबसे ज्यादा पिछड़ी जातियां और अल्पसंख्यक हर तरह के लाभ से वंचित वाले वर्ग रहे हैं। अमेरिका में अश्वेत समुदाय के लोग कई सौ साल तक ठीक उसी हालत में रहे थे, जैसे आज भारत में दलित, आदिवासी और मुसलमान हैं। दास प्रथा को समाप्त करने के लिए अमेरिका में गृहयुद्ध तक छिड़ा और 1963 में नागरिक अधिकार कानून बना ताकि उन्हें स्वीकार करने और बराबरी के अवसर प्रदान करने की दिशा में ठोस और सकारात्मक कदमों की शुरुआत की जा सके। भारत में, हमारे पास ऐसा संविधान है जो अस्पृश्यता को स्वीकार नहीं करता, धर्म के आधार पर किए जाने वाले भेदभाव को खारिज करता है और अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों को आरक्षण प्रदान करता है। फिर भी हकीकत यह है कि शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल (जो मानव विकास सूचकांक के दूसरे संकेतकों में से हैं) और सरकारी नौकरियों में नियुक्तियों के संदर्भ में सामाजिक न्याय उपेक्षित वर्गों की पहुंच से कहीं दूर है।

गरीबों के खिलाफ और भेदभाव

मैंने आवास, अपराध, विचाराधीन मुकदमे, खेल की टीमों में प्रतिनिधित्व आदि के आंकड़ों का जिक्र नहीं किया है, जो निर्णायक रूप से यह साबित करेंगे कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और मुसलमानों के साथ सामाजिक भेदभाव हो रहा है और उन्हें उपेक्षित, तिरस्कृत और हिंसा के लिए छोड़ दिया गया है।

आर्थिक न्याय सामाजिक न्याय की देन है। उपेक्षित और वंचित समूहों में शैक्षिक उपलब्धि कम है, संपत्ति कम है, सरकारी नौकरियां कम हैं या अच्छी नौकरियां नहीं हैं, और कम आमद-खर्च है। इस सारणी में हम यह देखेंगे-

	व्यक्ति प्रति एक हजार में पंद्रह साल शिक्षा		सरकारी नौकरियों में प्रतिशत	प्रतिव्यक्ति मासिक खपत खर्च (रुपए में)	
	ग्रामीण	शहरी		ग्रामीण	शहरी
सभी	85	139	100	1430	2630
एससी	71	116	17.49	1252	2193
एसटी	66	107	8.47	1122	2028
मुसलिम	57	90	उपलब्ध नहीं	1133	1673

सबसे दुखद

राजनीतिक न्याय का तीसरा वादा सबसे ज्यादा आहत करने वाला है। भला हो आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों का जिसकी वजह से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों को राज्य विधानसभाओं और संसद सहित सभी निर्वाचित निकायों में उचित प्रतिनिधित्व मिला है, लेकिन राजनीतिक न्याय वहां जाकर ठहर जाता है। कई राजनीतिक दलों में निर्णय करने वाले निकायों या स्तरों पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों की प्रतिनिधित्व सिर्फ दिखावे भर का होता है। यहां तक कि यदि अनुसूचित जाति के लोगों ने अपनी पार्टी (बसपा, वीसीके) बनाई भी है तो भी अनुसूचित जाति के मतदाताओं में उनका आधार सीमित है, और जब तक कि वे बड़े सामाजिक गठजोड़ (बहुजन) या राजनीतिक गठजोड़ नहीं करते, तो वे वहीं पड़े रह जाते हैं जहां वे हैं। अल्पसंख्यकों खासतौर से मुसलमानों के मामले में तो हालात और खराब हैं। मुख्यधारा वाले राजनीतिक दलों में 'अल्पसंख्यक सेल' बने हुए हैं, लेकिन पाटी की अग्रिम पंक्ति में मुशिकल से ही कोई इनमें से पहुंच पाता है। भाजपा ने तो खुलेतौर पर मुसलमानों को दूर किया और उन्हें एनआरसी, एनपीआर और सीएए की धौंस दिखाई। दूसरी ओर, आइयूएमएल या एआइएमआइएम जैसी मुसलिम पार्टियां गठबंधन की भागीदार हो सकती हैं, या खेल बिगाड़ने वाली हो सकती हैं, लेकिन कभी विजेता नहीं हो सकतीं।

मुसलमानों से संबंधित मामलों को कम समर्थन मिलता है या उनका भारी विरोध हो जाता है। जम्मू-कश्मीर का ही उदाहरण लें। मुझे लगता है कि घाटी में रह रहे पचहत्तर लाख लोगों का मामला ऐसा है जिसमें अब कुछ नहीं हो सकता। घाटी (जिसे आधा घटा कर एक केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया है) पिछले साल पांच अगस्त से कैद में है। पिछले साल घाटी में आतंकी हमलों की घटनाएं दस साल में सबसे ज्यादा रहीं। बड़ी संख्या में नागरिक मारे गए और जख्मी हुए। बिना किसी आरोप के छह सौ नौ लोग हिरासत में हैं, जिनमें तीन पूर्व मुख्यमंत्री भी हैं। मीडिया 'सामान्य हालात' वाली सरकारी विज्ञप्तियों 'से ही 'रिपोर्ट' दे रहा है। देश का बाकी हिस्सा कश्मीरी लोगोंको भूल चुका है और दूसरे बड़े मुद्दों की ओर मुड़ गया है। सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त 2019 में दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रखा हुआ है।

लाखों लोगों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय नहीं देकर प्रतिदिन संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। जहां तक जम्मू-कश्मीर का संबंध है, यह संविधान को अपवित्र करने जैसा है, लेकिन हमें अदालत के फैसले का इंतजार करना है। सभी नागरिकों को न्याय देने का जो संकल्प किया गया था, सत्तार साल बाद भी कम से कम आधे नागरिकों को भी वह न्याय नहीं मिला है, और बाकी आधों को जो मिला है, वह टुकड़ों-टुकड़ों में।

जाति में क्या रखा है

तीरंदाज

■ अश्विनी भटनागर

आलम को जब घर में खाना बनाने के लिए रखा गया, तो सब बहुत खुश हुए थे, क्योंकि घर में दाखिल होते ही उसने सबका दिल जीत लिया था। बड़ी-बड़ी हंसती हुई आखें, घुंघराले बेपरवाह से बाल और उस पर उसकी अल्हड़ चाल ने उसको कुछ ऐसी शख्सियत दे दी थी कि कुछ देर में ही सबकी जुबान पर उसका ही नाम था। काम करने में वह बेहद फुर्तीला था। चाय कहा नहीं कि एक पल में वह गरम गरम प्याला हाजिर कर देता था।

आलम हमारे घर आने से पहले एक ढाबे में काम करता था। एक दिन पिता जी किसी काम से उस ढाबे के पास रुके हुए थे कि उन्होंने आलम को उनकी तरफ ताकते हुए पाया। उन्होंने ऐसे ही पूछ लिए कि क्या बात है, और आलम ने उनसे काम मांग लिया था। कहा था, मैं खाना बहुत अच्छा बनाता हूं। एक बार आजमा कर देखिए।

पिताजी को उसके चेहरे से झलक रही निष्कपटता कुछ ऐसी भा गई कि उन्होंने उसे तुरंत गाड़ी में बिठा लिया और घर ले आए। आलम उस समय कुछ अठारह साल का था और उसने घर तक के सफर में साफ कर दिया था कि उसको पढ़ने में कोई दिलचस्पी नहीं है, वह सिर्फ खाना बनाने का शौक रखता है। उसने यह भी बड़ी साफगोई से बता दिया था कि उसने 'साहब' को गुजरते कई बार देखा था और पहली बार से ही उसने मन बना लिया था कि जिस दिन भी उनकी गाड़ी एक पल के लिए रुकेगी, वह उनकी नजर थाम लेगा और उनके घर पर काम करने की अर्जी लगा देगा। जवाब में पिता जी ने कुछ नहीं कहा था, कुछ नहीं पूछा था, बस उसे घर ले आए और मां के हवाले कर दिया था।

मां ने भी उसके नाम पर कोई सवाल नहीं उठाया था। 'तुम्हारा सामान कहां है?' उन्होंने पूछा। 'सब छोड़ आया हूं। वैसे भी छोड़ कर एक जोड़ी कपड़ा ही आया हूं।' मां ने उसे नहाने का सामान दिया था और कहीं से तीन जोड़ी कपड़े निकाल लाई थी। सोने की व्यवस्था भी तुरंत करा दी गई थी। आलम तैयार होकर अपना जौहर दिखाने में लग गया था।

रात का खाना उसने बहुत अच्छा बनाया था। सबने जम कर तारीफ की थी। आलम ने मुस्करा कर, शरारत भरे अंदाज में कहा, 'मांजी, कुछ बख्शीश मांग सकता हूं?' 'हां, बोलो।' उन्होंने कहा था। 'जी, मुझे रसोई के लिए एक ट्रांजिस्टर दे दीजिए। खाना बनाते समय मुझे गाने सुनना पसंद है।' उसकी बेबाकी पर सब हंस दिए थे। आलम को मेरा वाला बड़ा ट्रांजिस्टर मिल गया था।

हफ्ते भर बाद फोन आया कि दादी का मायके का प्रवास पूरा हो गया है और वे अगले दिन हमारे साथ रहने आ रही हैं। दादी इलाहाबाद की थीं और उनके दोनों भाई नौकरी छोड़ कर धर्म की सेवा में लग गए थे। संन्यासी थे और पहले से ही कर्मकांडी थे। दादी भी बेहद धार्मिक विचारों की थीं। शुरुआत में छुआछूत में विश्वास रखती थीं, पर धीरे-धीरे उन्होंने चौके में अंडा और मटन भी बनाने की इजाजत दे दी थी। बस, उनकी पूजा की जगह पर घरवालों का भी बिना नहाए प्रवेश वर्जित था।

उनके आने की खबर से एक बार के लिए मां और पिताजी का ध्यान आलम पर गया था, वह मुसलमान था। अम्माजी शायद चौके में मुसलमान को बर्दाश्त नहीं कर पाएंगी। मां ने सुझाव दिया था कि आलम का नाम बदल दिया जाए और उसको हिदायत दे दी जाए कि वह अपना धर्म अम्माजी के सामने जाहिर नहीं करेगा। पिताजी ने उनकी बात नहीं मानी। 'आलम आलम ही रहेगा। अम्मा जी से मैं बात करूंगा।'

अम्मा ने आते ही चाय की फरमाइश कर दी। क्योंकि मां की जुबान पर नाम चढ़ा हुआ था, सो उन्होंने अनायास ही पुकार लगा दी थी, 'आलम, दो प्याली चाय ले आओ।' 'यह नया कौन है, बहू?' 'अभी, महीने भर पहले ही रखा। लड़का है। खाना बहुत अच्छा बनाता है।' 'और उसका नाम आलम है?' 'जी।'

'मुसलमान है?' 'जी।' मां तनाव में आ गई थी। 'यह रेडियो वह भी बजा रहा है?' 'जी।'

मां कुछ और कहने ही वाली थी कि आलम चाय लिए कमरे में दाखिल हो गया। वह सकपका गई। अम्मां जी के गुस्से से वह परिचित थी। धर्म हानि होने से तो वह सातवें आसमान तक पहुंच सकता था। पिताजी भी दफ्तर से नहीं लौटे थे कि स्थिति को संभाल लेते। एक अजीब-सी आशंका पल भर के लिए कमरे में लोट गई थी।

> मां ने सुझाव दिया था कि आलम का नाम बदल दिया जाए और उसको हिदायत दे दी जाए कि वह अपना धर्म अम्माजी के सामने जाहिर नहीं करेगा। पिताजी ने उनकी बात नहीं मानी। 'आलम आलम ही रहेगा। अम्मा जी से मैं बात करूंगा।'

अम्मा जी पलटीं और उन्होंने आलम को गौर से देखा। 'अच्छा, तो तू है आलम। देखूं तो चाय कैसी बनाता है तू।' उन्होंने हाथ बढ़ा कर प्याला पकड़ लिया और एक भरपूर चुस्की उसमें से ले ली। 'चाय तो ठीक बनाई है। अब देखती हूं, खाना बनाने में तेरा हाथ कैसा है।' उन्होंने मुस्करा कर कहा। आलम ने आगे बढ़ कर उनके पैर छुए और आशीर्वाद लिया।

मां ने एक भरपूर सांस छोड़ी। अम्मा जी तपाक से बोलीं, 'तू क्या समझती थी बहू कि मैं मुसलमान देख कर भड़क जाऊंगी? अरे सुन, वो जमाने लद गए जब हिंदू-मुसलिम कर के अंगरेज हमें लड़ाया करते थे। मैंने गांधीजी की एक आवाज पर घूंघट छोड़ दिया, सड़क पर सत्याग्रह किया और तेरे ससुर के अंग्रेजों के दरोगा होने के बावजूद आजादी की लड़ाई लड़ी है। क्या वह लड़ाई मैंने हिंदू-मुसलमान करने के लिए लड़ी थी?'

मां उनकी बात सुन कर कुछ झेंप गई। 'नहीं, आप इतना पूजा-पाठ करती हैं, तो इसलिए मैंने सोचा कि आपको अच्छा नहीं लगेगा... और ये भी तो ऐसे हैं कि बिना कुछ सोचे-समझे ले आए इसको। वैसे, लड़का बहुत अच्छा है...'

'ठीक किया विक्रम ने। आदमी की सीरत देखनी चाहिए... यह हिंदू-मुसलमान क्या होता है? नेहरू जी की बात हमेशा याद रखा कर... पार्टीशन हुआ, दंगे हुए, पर फिर सब ठीक हो गया न? उन्होंने कोई भेदभाव किया? जिन्ना ने किया... और उसके देश में आज कोई उसका नामलेवा नहीं है। उसको फोटो बना कर टांग रखा है। इधर, नेहरू को देश ही नहीं, पूरी दुनिया आज तक याद करती है। और गांधीजी.... उनका कोई जोड़ है क्या? हिस्ट्री उठा कर देख ले, तू तो हिस्ट्री वाली है न?'

उन्होंने आलम को पुकारा। आलम फौरन से पेश्तर हाजिर हो गया। 'देख आलम, अब मैं आ गई हूं। तुझे एक बात का पूरी पाबंदी से खयाल रखना है... नमाज तू पहले पढ़ या बाद में पढ़, मुझे इससे मतलब नहीं है, पर याद रख, दिन में मैं ठीक एक बजे खाना खाती हूं और रात को आठ बजे। ठीक टाइम पर खिलाएगा तो खूब आशीष पाएगा अपनी दादी से।'

मुद्दे से अलग

वक़्त की नब्ज़

■ तवलीन सिंह

राहुल गांधी पिछले हफ्ते अचानक प्रकट हुए कई दिन गायब रहने के बाद। लौटते ही उन्होंने ऐसा बयान दिया टीवी पत्रकारों को, जिसने साबित कर दिया कि वे न कुछ सीखे हैं 2019 की चुनावी हार से और न ही उनमें राजनीतिक समझ आई है। ऐसा कह रही हूं ट्विटर पर उनके इस बयान को दो-तीन बार ध्यान से देखने-सुनने के बाद। बयान है : 'भैया देखिए, यह जो पूरा तमाशा चल रहा है, यह नोटबंदी नंबर-2 है, इससे हिंदुस्तान के गरीबों को ऐसा नुकसान होने वाला है कि नोटबंदी को भूल जाएंगे वे। इससे ऐसा झटका लगने वाला है कि नोटबंदी से बड़ा झटका है। यह बेसिक आइडिया क्या है कि आप हिंदुस्तान के हर गरीब से बोलो कि भैया बताओ कि आप हिंदुस्तान के नागरिक हो कि नहीं। मगर जो उनके पंद्रह दोस्त हैं, उनको कोई डॉक्युमेंट नहीं दिखाना पड़ेगा और जो पैसा बनेगा वह पूरा का पूरा उन पंद्रह लोगों की जेब में जाएगा।'

कांग्रेस पार्टी के पूर्व (और शायद भावी) अध्यक्ष का यह बयान मैंने दो-तीन बार देखा-सुना यह समाझने की कोशिश में कि वे कह क्या रहे हैं। पूरी कोशिश करने के बाद भी उनकी बात समझ में नहीं आई। नागरिकता कानून में इस संशोधन का नोटबंदी से क्या वास्ता हो सकता है? पैसे कैसे बनेंगे इस संशोधन से? कौन हैं मोदी के ये अदृश्य पंद्रह दोस्त, जिनसे राहुल गांधी को पांच सालों से इतनी तकलीफ हो रही है? इससे भी महत्त्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या राहुलजी अभी तक सीखे नहीं हैं कि मोदी पर भ्रष्टाचार का कीचड़ उछालना बेकार है, इसलिए कि उनके आलोचक भी नहीं मानते हैं कि वे निजी तौर पर भ्रष्ट हैं।

इल्जाम उन पर लगाना चाहते हैं राहुलजी तो नागरिकता कानून में इस संशोधन को लेकर क्यों नहीं लगाते हैं, जिससे इतना खौफ फैला है आम मुसलमानों में कि सड़कों पर उतर आए हैं देश भर के बड़े शहरों में? क्या इस संधोधन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए थी, जब इतना कुछ और है करने को अच्छे दिन लाने के प्रयास में? स्वास्थ्य सेवाएं आज भी देश में इतनी बेकार हैं कि कोटा के एक अस्पताल में जहां सौ से ज्यादा नवजात बच्चे मरे हैं हाल में, उस अस्पताल के अंदर जंगली सूअर घूम रहे थे और गंदगी इतनी पाई गई है कि शर्म आनी चाहिए हमारे शासकों को। पिछले साल बिहार में मुजफ्फरपुर के अस्पताल में भी बिल्कुल इसी किस्म की घटना घटी थी और बड़े-बड़े वादे किए थे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने के। कुछ नहीं हुआ। अब इस घटना के बाद भी सियासत हो रही है, सुधार नहीं।

> समस्या यह है कि जिन सिद्धांतों को कांग्रेस पार्टी अपने बुनियादी सिद्धांत मानती आई है, उनकी तरफ न राहुल गांधी का ध्यान गया है और न उनकी बहन का। जबसे मोदी का दूसरा कार्यकाल शुरू हुआ है, उन्होंने और उनके गृहमंत्री ने साबित किया है कि उनका 'सबका साथ, सबका विकास' वाला नारा खोखला था।

सुधारों की सख्त जरूरत है प्रशासन के हर क्षेत्र में, लेकिन इनका नामो-निशान तक नहीं दिखता है उन राज्यों में भी, जहां भारतीय जनता पार्टी की सरकारें हैं। कानून-व्यवस्था का इतना बुरा हाल है देश में कि जबसे प्रदर्शन शुरू हुए हैं नागरिकता कानून को लेकर अशांति और अराजकता फैलती ही गई है देश भर में। सबसे ज्यादा हिंसा और पुलिस की गोलियों से मौतें हुई हैं उत्तर प्रदेश में, जहां मुख्यमंत्री हैं योगी आदित्यनाथ, जिनको मोदी ने स्वयं चुना था 2017 के विधानसभा चुनावों के बाद। आज बड़े-बड़े विदेशी अखबारों में खबरें छप रही हैं उत्तर प्रदेश पुलिस की ज्यादतियों की। बच्चों को पकड़ कर बंद करके पीटे जाने की खबरें मिल रही हैं, बिलकुल वैसे जैसे अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद कश्मीर घाटी से खबरें मिली थीं।

रही बात कश्मीर की, तो वहां अभी तक इतनी अशांति है कि हर दूसरे-तीसरे दिन इंटरनेट बंद किया जाता है और कर्फ्यू नाफिस कर दिया जाता है। आज भी वहां के बड़े राजनेताओं को नजरबंद करके रखा गया है इस डर से कि जब बाहर आएंगे तो लोगों को भड़काने का काम करेंगे। अमन-शांति अगर होती, जैसा गृहमंत्री बार-बार कहते फिरते हैं, तो राजनेताओं को छोड़ क्यों नहीं दिया जा रहा है? नरेंद्र मोदी जब दूसरी बार प्रधानमंत्री बने थे, तो दुनिया की नजरों में इतने बड़े हीरो थे कि हाउडी मोदी जैसे कार्यक्रम किए जा सकते थे, जिनमें अमेरिका के राष्ट्रपति भी शामिल हुए।

कभी मोदी की गिनती दुनिया के सबसे महत्त्वपूर्ण राजनेताओं में हुआ करती थी। आज नहीं है, क्योंकि न देश का आर्थिक हाल बेहतर हुआ है और न राजनीतिक हाल अच्छा है। विपक्ष के पास इतने मुद्दे हैं आलोचना करने के लिए, जो उठा नहीं रही है कांग्रेस पार्टी। क्या सवाल सिर्फ नेतृत्व का है? वर्तमान स्थिति यह है कि कांग्रेस पार्टी के पास गांधी परिवार के अलावा कोई विकल्प नहीं दिख रहा है। राहुल और प्रियंका में से प्रियंका कम से कम जब किसी मुद्दे पर बोलती हैं, तो थोड़ी-बहुत समझदारी से बोलती हैं। प्रियंका के बारे में यह भी कहना गलत न होगा कि उत्तर प्रदेश में उन लोगों के साथ हमदर्दी दिखाई है, जिनके बेटे और भाई पुलिस की गोलियों से मरे हैं। बार-बार गई हैं उत्तर प्रदेश, हमदर्दी जताने।

समस्या यह है कि जिन सिद्धांतों को कांग्रेस पार्टी अपने बुनियादी सिद्धांत मानती आई है, उनकी तरफ न राहुल गांधी का ध्यान गया है और न उनकी बहन का। जबसे मोदी का दूसरा कार्यकाल शुरू हुआ है, उन्होंने और उनके गृहमंत्री ने साबित किया है कि उनका 'सबका साथ, सबका विकास' वाला नारा खोखला था। यही कारण है कि देश भर में इतने लोग उतर कर आए हैं विरोध दिखाने। कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व अगर असली राजनेता के हाथों में होता, तो इस आंदोलन का नेतृत्व जरूर करता।

एक कविता जो सबकी है

बारखबर

■ सुधीश पचौरी

इतिहासकार को गुस्सा आ गया। वे उठे। राज्यपाल की ओर बढ़े। राज्यपाल के एडीसी ने उनको बढ़ने से रोका, तो वे दूसरी ओर से राज्यपाल की ओर बढ़े, लेकिन वहां भी एक वीसी ने उनको रोक लिया!

चैनलों ने इस सीन को बार-बार बजाया और जगजाहिर हो गया कि जिस असहिष्णुता से इतिहासकार लड़ते आए, वे स्वयं कितने असहिष्णु नजर आए!

क्या गजब का वर्ग संघर्ष और कैसा बौद्धिक दंभ! राज्यपाल का कुछ न बिगड़ा। जो बिगड़ा, सो इतिहासकार की छवि का ही बिगड़ा! दर्शकों की हमदर्दी राज्यपाल को मिली!

जनतंत्र की ऐसी-तैसी करके आप किस जनतंत्र की रक्षा कर सकते हैं कामरेड! आपने यह कैसा इतिहास बनाया? इतना गुस्सा आपकी सेहत के लिए ठीक नहीं!

पंद्रह सेकेंड की अमरता कमाने के कंपटीशन में एक तमिल विद्वान भी उतरे। उन्होंने अपना गुस्सा हंसते हुए निकाला और कुछ ऐसा कह उठे कि लगा कि वे अल्पसंख्यकों को एक बड़े नेता के खिलाफ हिंसा के लिए उकसा रहे हैं।

प्रथम दृष्टया तो मजाहिया शैली में मजा आया। उनकी व्यंग्य-वक्रता पर आजू-बाजू बैठे लोग ठठा कर हंसते दिखे। साफ हुआ कि घृणा कभी-कभी हंसते हुए भी व्यक्त की जा सकती है।

लेकिन टीवी की यह अमरता उनको फ्री में नहीं मिली। भाजपा वालों ने उनके घर के आगे धरना दिया। उन पर एफआइआर हुई और अब वे ग्यारह दिनों के लिए कस्टडी में हैं!

निर्मल हास्य और विषैले हास्य में फर्क होता है श्रीमान!

एक शाम एक एंकर को नागरिकता कानून के विरोध के प्रदर्शनकारियों में पीएफआई के कई काडर नजर आए! एंकर के पास दो वीडियो थे, जो मेरठ की पुलिस ने दिए थे, जो बताते थे कि किस तरह पीएफआई के लोग पुलिस पर गोली चला रहे हैं।

बार-बार रिपीट किए जाते सीसीटीवी के फुटेज में चेहरे को ढंकने वाला काला स्कार्फ बांधे नीली जैकेट पहने एक आदमी अपनी जेब से पिस्तौल निकालता है, कुछ आगे बढ़ता है, गोली चलाता है और फिर पीछे की एक गली में भाग जाता है। दूसरा उसी गली के किनारे से पुलिस पर गोली दागता है और भाग जाता है।

तब भी, बहसों में एक पक्ष ऐसे वीडियोज पर संदेह करता है, तो दूसरा पक्ष इसे यकीन के योग्य बताता है। ऐसे वीडियोज की प्रामाणिकता का कोई स्वतंत्र परीक्षण हो चुका है? यह नहीं बताया जाता!

एक शाम एक और वीडियो कई लोमहर्षक और उत्तेजक नारों से भरा था, जैसे कि : 'नारा ए तकबीर, अल्लाहोअकबर', 'हिंदुस्तान की कबर खुदेगी, एएमयू की धरती पर', 'सावरकर की कबर खुदेगी, एएमयू की धरती पर', 'से इट इन लाठीचार्ज, ला इलाहा इल्लल्लाह', 'तेरा मेरा रिश्ता क्या, ला इलाहा इल्लल्लाह'!

> हमारी बहसें कहां पहुंच गई हैं? ऐसी बहसों में शुरू से आखिर तक एक प्रकार का धार्मिक ध्रुवीकरण अपने आप उग आता है। हर तर्क हिंदू-मुसलमान हुआ जाता है। देखते-देखते हर मुद्दे के दो असहिष्णु ध्रुव बन जाते हैं और इनके बीच सच के शेष अनंत रंग अनुपस्थित मान लिए जाते हैं!

इसके बाद 'ला इलाहा इल्लल्लाह' की व्याख्या को लेकर दो मुसलमान वक्ताओं में भिड़ंत तक हो गई। एक ने ज्यों ही कहा कि यह नारा अल्लाह को न मानने वाले को काफिर बताता है, तो जवाब में दूसरा बोल उठा कि तुम मुसलमान नहीं हो!

हमारी बहसें कहां पहुंच गई हैं? ऐसी बहसों में शुरू से आखिर तक एक प्रकार का धार्मिक ध्रुवीकरण अपने आप उग आता है। हर तर्क हिंदू-मुसलमान हुआ जाता है। देखते-देखते हर मुद्दे के दो असहिष्णु ध्रुव बन जाते हैं और इनके बीच सच के शेष अनंत रंग अनुपस्थित मान लिए जाते हैं! ऐसी बहसों को देख हम या तो हिंदू हो जाते हैं या मुसलमान, एक संवेदनशील इंसान हरगिज नहीं हो पाते!

इसके बाद फ़ैज़ अहमद फ़ैज़ की आफत आई। खबर चैनलों ने बताया कि कानपुर के आइआइटी छात्रों द्वारा नागरिकता कानून के विरोध के रूप में फ़ैज़ की नज्म 'हम देखेंगे' गाई गई और यह नज्म अचानक 'खतरनाक' हो उठी! एक चैनल ने उसकी पूरी इबारत दिखाते हुए साफ किया कि इसमें कुछ लाइनें आती हैं जैसे कि 'सब बुत उठवाए जाएंगे... बस नाम रहेगा अल्लाह का...' एक एंकर ने बताया कि भाजपा के लोगों को लगता है कि यह कविता हिंदू-विरोधी है।... यूपी के एक मंत्री जी बोल उठे कि हम उस शायरी को 'एलाउ' नहीं करेंगे, जो 'डिवाइड' करे। हमने जांच बिठा दी है। किसी की कविता शायरी अगर मिलाने वाली है, तो हर्जा नहीं, लेकिन लड़ाने वाली है तो उसकी इजाजत उत्तर प्रदेश में नहीं मिलेगी!

एक अंग्रेजी चैनल पर सीपीएम की वृंदा करात ने बताया कि फ़ैज़ एक क्रांतिकारी शायर थे, उन पर रावलपिंडी षड्यंत्र केस भी चलाया गया था। सुभाषिनी अली ने कहा कि इस पर वहां की सरकार ने 'बैन' लगाया था। जावेद अख्तर ने समझाया कि फ़ैज़ आधी जिदंगी तो पाकिस्तान से बाहर रहे। यह नज्म उन्होंने जिया-उल हक के कठमुल्लावादी और सांप्रदायिक शासन के खिलाफ लिखी थी। उन्होंने इसके 'सिंबल' वहीं से लिए थे। 'बुत' का मतलब ऐसे 'डिक्टेटर' से है, जो ईश्वर की जमीन पर खुदा बन के बैठे हैं, यह उनके खिलाफ है। जावेद ने व्यंग्य से कहा कि शायरी समझने के लिए अक्ल की जरूरत होती है। एंकर ने खुद कहा कि जहां भी विरोध की चिंगारी होती है, यह नज्म उसको बाहर लाने का काम करती है। यह कविता सदाबहार है! सबकी है।

बहरहाल, शुक्रवार की सुबह एक चैनल पर एक लाइन लिखी दिखी कि फ़ैज़ विवाद से भाजपा ने अपने को अलग किया। फिर एक लाइन यह भी बताती रही कि एक केंद्रीय मंत्री फ़ैज़ की कविता पसंद करते हैं। चलो एक तो अक्लमंद निकला!

कोटा अस्पताल में सौ से अधिक बच्चों के मरने की दर्दनाक कहानी को गहलोत सरकार की संवेदनहीनता को खोल कर रख दिया। गहलोत स्वयं अंडबंड-सा बोलते रहे। इतनी बड़ी सरकार और 'डैमेज-मैनेज' करने वाला एक प्रवक्ता नहीं! एंकरों रिपोर्टरों ने सरकार की लापरवाही की जम कर खबर ली!

www.readwhere.com

नागरिकता कानून पर जनजागरण से दूर करेंगे भ्रम

राज्यसभा के सांसद और संघ से जुड़े लेखक और विचारक राकेश सिन्हा का कहना है कि नागरिकता संशोधन कानून पर विपक्ष ने जो भ्रम फैलाया है, उसे भाजपा जनजागरण से दूर करेगी। उन्होंने कहा कि भारत के विभाजन के बाद जो समस्याएं पैदा हुईं, उन्हें इस कानून के जरिए दूर करने की कोशिश कर मोदी सरकार ने ऐतिहासिक जिम्मेदारी निभाई है। कार्यक्रम का संचालन किया कार्यकारी संपादक मुकेश भारद्वाज ने।

बारादरी की बैठक में राकेश सिन्हा

सभी फोटो : गगनदीप पुरी

मनोज मिश्र : अनुच्छेद तीन सौ सत्तर और तीन तलाक जैसे विषयों पर वैसा विवाद नहीं हुआ, जैसा कि नागरिकता संशोधन कानून को लेकर दिखाई दे रहा है। इसकी क्या वजह है? क्या इसे लेकर भाजपा की पर्याप्त तैयारी नहीं थी?

राकेश सिन्हा : नागरिकता संशोधन कानून संसद में सभी दलों की सहमति से आया। असहमति स्वाभाविक है। उसके कई पक्षों से असहमति वहां भी जताई गई और गृहमंत्री ने हर चीज का जवाब दिया। मूल प्रश्न यह है कि इस कानून की संवैधानिकता और नैतिकता है या नहीं। इसे इस पर जांचना चाहिए। विरोध क्यों और कैसे हो रहा है, यह अलग प्रश्न है। संवैधानिकता के पक्ष से देखें, तो जनवरी, 1950 में पूर्वी बंगाल यानी जो आज बांग्लादेश है, वहां से शरणार्थियों का बड़ी तादाद में आना शुरू हुआ। इसे लेकर जब दबाव बनना शुरू हुआ तो नेहरू-लियाकत समझौता हुआ। इस तरह यह कानून मूल रूप से कांग्रेस द्वारा बनाया गया था, जिसमें बांग्लादेश के हिंदुओं को आश्वासन दिया गया था कि हम आपके जानमाल और धर्म की रक्षा करेंगे। तब दो मंत्रियों ने इस्तीफा दिया और कई सदस्यों ने उनके इस्तीफे पर सहमति जताई। इसी तरह पाकिस्तान में रह रहे दलितों को वापस लाने पर सहमति बनी थी, जिस पर गांधी जी भी एकमत थे। उस समय से लगातार वहां से आने वाले शरणार्थियों के प्रति सहानुभूति रखी जाती रही। उसी काम को इस सरकार ने थोक रूप में करने के लिए कानून में संशोधन किया है।

अब इसमें नैतिकता की जहां तक बात है, उसमें विवाद इस बात को लेकर है छह धर्मों का नाम लिया गया, पर इस्लाम को मानने वालों को क्यों छोड़ दिया गया। पर हमने नागरिकता उन लोगों को दी, जिनके साथ धर्म के आधार पर भेदभाव हुआ। पाकिस्तान, बांग्लादेश और

अफगानिस्तान में एक भी मुसलमान, चाहे वह अहमदिया हो, शिया हो सुन्नी हो, उसके साथ धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं होता। तीनों देश इस्लामिक हैं। इन देशों में हिंदुओं के प्रति अत्याचार और भेदभाव छिपी बात नहीं है। इन परिस्थितियों में सरकार ने वहां धार्मिक आधार पर भेदभाव के शिकार लोगों को अपने यहां नागरिकता देने की बात कही। इस तरह यह कानून ठीक है। पर कुछ लोग नरेंद्र मोदी को पसंद नहीं करते, इसलिए वे उनके विरोध का मौका तलाशते रहते हैं। इस बार भी वे भ्रम फैला रहे हैं। पर भाजपा जनजागरण के जरिए इस भ्रम को दूर करने का प्रयास कर रही है।

अजय पांडेय : मगर संविधान में नागरिकता के जो पैमाने तय किए गए हैं कि अमुक अमुक आधार पर उन्हें नागरिकता देने से नहीं रोक सकते, तो यह कानून तो सीधे-सीधे यही जाहिर करता है कि धर्म के आधार पर भेद किया गया है?

● नहीं। भारत का संविधान जो कहता है, उसका पहला हिस्सा बिल्कुल ठीक है। नागरिकता के सवाल पर वह धर्म को ऊपर नहीं आने देगा। पर, यहां एक विशेष स्थिति है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने भी अपने एक प्रस्ताव में कहा था कि सरकार कानून में संशोधन करे और जो लोग ऐतिहासिक कारणों से यहां आए हैं, उन्हें नागरिकता दे। इसलिए यह समझने की जरूरत है कि जिन लोगों को नागरिकता देने के लिए कानून बनाया गया है, उसके पीछे मंशा क्या है। इन छह धर्मों की स्वायत्तता इन तीनों देशों में नहीं है। उन पर अत्याचार वहां का शासन, समाज और धर्म तीनों मिल कर करते हैं। इस तरह भारत के संविधान की मूल भावना को यह कानून बाधित नहीं करता है।

मनोज मिश्र : क्या आपको नहीं लगता कि विरोध एनआरसी को लेकर कम और भाजपा के कुछ बड़े नेताओं के बयानों की वजह से अधिक बढ़ा?

● देखिए, असम में एनआरसी को लेकर कुछ विरोधाभास दिखा उसके कारण एक भय का माहौल देखा गया कि आपकी नागरिकता छीन लेने का प्रयास हो रहा है। इसमें विपक्ष को कुछ हद तक सफलता भी मिली है। इसलिए गृहमंत्री ने जरूर यह कहा कि हम एनआरसी लाएंगे, पर यह नहीं कहा कि कब लाएंगे और कैसे लाएंगे। प्रधानमंत्री ने भी कहा कि अभी एनआरसी लाने की हमारी कोई योजना नहीं है। एनआरसी के कारण जो भ्रम पैदा हुआ है, उसे दूर करने के बाद ही इस पर आगे कदम बढ़ाया जाएगा।

पंकज रोहिला : क्या आपको नहीं लगता कि भाजपा यह समझा पाने में कहीं न कहीं विफल रही है कि इस कानून का मुसलमानों पर कोई गलत असर नहीं पड़ेगा?

● भारतीय जनता पार्टी ने समझा दिया है और लोग समझ भी रहे हैं। विरोध के कारण धारणा और पूर्वग्रह हैं। देखिए, इस देश में धारणा क्या थी। जब अनुच्छेद 370 हटाया गया, तो उसका क्यों विरोध हुआ। भाजपा जब 370 की बात करती थी, तो उसे सांप्रदायिक क्यों कहा जाता था? 370 और सांप्रदायिकता का क्या संबंध है? सांप्रदायिकता तो वह थी कि बड़े जनसंहार के बाद वहां से हिंदुओं को बाहर निकाल दिया गया। इसी तरह तीन तलाक के मामले को देखें। इनका मुसलिम के साथ भेदभाव का मुद्दा है ही नहीं। आम मुसलमान जानता है कि भाजपा उसकी विरोधी नहीं है।

मृणाल वल्लरी : अब भारत के दूसरे देशों से संबंध खराब दिखने लगे हैं, चाहे वह अमेरिका हो या फिर बांग्लादेश। तो, कूटनीतिक स्तर पर जो विफलता मिल रही है, उसे कैसे देखते हैं?

● किसी भी देश के साथ भारत के संबंध खराब नहीं हुए हैं। भारत भी दूसरे देशों की आंतरिक स्थितियों की रिपोर्ट लेता रहता है। बांग्लादेश ने कभी भारत के खिलाफ कोई विरोध नहीं किया। नरेंद्र मोदी जी के आने के बाद बांग्लादेश से संबंध अच्छे हुए हैं और वे संबंध बने हुए हैं। सरकार ने सभी संप्रभु देशों को बता दिया है कि वास्तविकता क्या है और वे इस बात को समझते हैं। इससे मुझे नहीं लगता है कि देश के भीतर जो भ्रम की स्थिति है, उसका दूसरे देशों के साथ संबंधों पर कोई असर पड़ा है। दरअसल, हिंदुस्तान के बुद्धिजीवियों और अमेरिका, यूरोप के बुद्धिजीवियों के बीच एक गठजोड़ है, जो हिंदुत्व को नहीं समझते हैं। थोड़ी गलती हमारी भी है। जिस अवधारणा को लेकर हम चलते हैं, उसे लेकर नीयत में हम ठीक हैं, पर उस पर जो सैकड़ों पुस्तकें आनी चाहिए, जो बौद्धिक विमर्श होना चाहिए, जिस स्तर पर उसकी व्याख्या होनी चाहिए, वह हम नहीं कर पाए हैं, जिसकी वजह से ऐसा भ्रम फैलता है।

दीपक रस्तोगी : कई नेताओं के बयानों की वजह से हिरासत केंद्रों को लेकर भी भ्रम की स्थिति बनी हुई है। यह स्थिति क्यों बनी?

● हिरासत केंद्र बने यूपीए सरकार के समय में। मेरा यह भी कहना है कि एक तो इसका नाम बदलना चाहिए। ऐसी किसी भी चीज का नाम बदलना चाहिए, जिसका संबंध द्वितीय विश्वयुद्ध से जुड़ा हुआ हो। उससे लोगों में एक आतंक, भय और भ्रम पैदा होता है। इसका एक उदारवादी नाम होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने जो कहा कि कहीं कोई हिरासत केंद्र नहीं बनाया गया है, तो वह इसलिए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के सत्ता में आने के बाद कोई हिरासत केंद्र नहीं बना है। असम से जुड़ी सारी बातें भाजपा के सत्ता में आने से पहले की हैं।

मुकेश भारद्वाज : नाम बदलने की जो बात आप ने कही, यह भी कहीं उसी तरह का तो विचार नहीं है जैसे भाजपा ने कई शहरों, सड़कों, स्थानों के नाम बदल दिए? यह कोई विचारधारा के स्तर पर तो नहीं चल रहा है?

● नहीं, यह मैंने इसलिए कहा कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद जैसे दुनिया भर में घटनाएं घटीं, पूरा यूरोप उन्हें उसी रूप में देखता है। लोग उन्हें भूल नहीं पाए हैं। ये जो नाम बदले जा रहे हैं, वे इसलिए बदले जा रहे हैं कि जिस नाम से सभ्यता और संस्कृति को प्रेरणा मिलती है, उसका वही नाम होना चाहिए। जैसे औरंगजेब की अपेक्षा हमारी पीढ़ी दाराशिकोह से ज्यादा प्रेरणा लेती है। तो नाम बदल देने में हर्ज नहीं।

सूर्यनाथ सिंह : यह जो पूरे देश में विरोध की लहर है, जिसे उपद्रव बताया जा रहा है, उसके पीछे कहीं ऐसा तो नहीं कि नागरिकता कानून एक बहाना है और उसमें अर्थव्यवस्था, बेरोजगारी, शैक्षणिक संस्थानों पर हमले वगैरह की वजह से उपजी नाराजगी अधिक है?

● शिक्षा संस्थानों पर हमले कहीं नहीं हुए हैं। स्थानीय स्तर पर प्रशासकों से विद्यार्थियों की नाराजगी जरूर रही है। बहुत सारे विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की जगहें खाली हैं। इसलिए जिसे आप विद्रोह कह रहे हैं, वह कोई विद्रोह नहीं है। कुछ सांप्रदायिक पार्टियां इस सरकार को हिंदूवादी सरकार साबित करने में लगी हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी जी जो पहली योजना लेकर आए वह जनधन योजना थी। इसका मकसद था बैंकों से गरीबों को जोड़ना। उसके बाद आईबीसी कोड लेकर आए, जिसके कारण छह लाख करोड़ रुपए बैंकों के पास आए। अब बैंकों को एनपीए का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसके अलावा तीन लाख करोड़ रुपए और आने की संभावना है। अब जितने बड़े औद्योगिक घराने हैं, वे अपने घर को संभालने में लगे हुए हैं। कोई भी औद्योगिक घराना ऐसा नहीं है, जिसने गलत तरीके से बैंकों से पैसा न लिया हो। इसलिए वे अपने को सुधार रहे हैं और उनके विस्तार की प्रक्रिया कुछ रुक गई है। इसलिए यह विद्रोह नहीं है, सांप्रदायिक पार्टियों द्वारा हिंदू-मुसलिम ध्रुवीकरण का प्रयास है।

मृणाल वल्लरी : हो यह रहा कि पुलिस अधिकारी आम लोगों को पाकिस्तान भेजने की धमकी देने लग जा रहे हैं, नेताओं की भाषा भी बेचैन करने वाली है। आपको नहीं लगता कि अभी अहंकार की भाषा और संवादहीनता का ज्यादा विरोध हो रहा है।

● किसी को भी पाकिस्तान, अफगानिस्तान भेजने वाली जुबान नहीं बोलनी चाहिए। किसी भी स्थिति में नहीं बोलना चाहिए। किसी को भी आतंकवादी नहीं बोलना चाहिए, जब तक कि वह प्रमाणित नहीं हो जाता। मगर यह बात प्रज्ञा ठाकुर के लिए भी लागू होती है। अभी उन पर अदालत ने फैसला नहीं दिया है। इसलिए प्रज्ञा ठाकुर को या उन जैसे लोगों को आतंकवादी कहना भी ठीक नहीं है। जिस संगठन को पूरा समाज स्वीकार करता है, उसे आतंकवाद से जोड़ देना ठीक नहीं है। मैं मानता हूं कि भारतीय राजनीति को पचास-साठ के दशक की मर्यादित राजनीति की तरफ लौटना है और लौटना चाहिए। यह साझा जिम्मेदारी है।

आर्येंद्र उपाध्याय : अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार भी बनी थी। उस समय इतना विरोध क्यों नहीं हुआ था।

● जब अटल जी की सरकार थी और डांग की घटना हुई थी, तब भी उनका विरोध हुआ था। मुरली मनोहर जोशी ने इतिहास की किताबों में जब थोड़ा-सा परिवर्तन किया था, तब भी विरोध हुआ था। यह विरोध का दूसरा चरण है। अभी भाजपा ने कुछ अपने कोर एजंडे लागू करने शुरू किए हैं। 2014 से 2019 तक किसी भी कोर एजंडे को लागू नहीं किया था। मगर तब लोगों ने पुरस्कार वापसी अभियान चला कर अपनी सारी शक्ति नष्ट कर दी। जब कुछ नहीं मिला तो ईवीएम पर सवाल उठाए। जब आज भाजपा राज्य पर राज्य चुनाव हार रही है, तो ईवीएम पर सवाल नहीं उठ रहे। मुझे लगता है कि हम वैकल्पिक राजनीति की बात करते हैं, वह कांग्रेस की राजनीति नहीं है, इसलिए विरोध हो रहा है। संवाद की प्रक्रिया को रोकने का प्रयास कांग्रेस खुद करती रही है, इसलिए भी वे लोग विरोध कर रहे हैं।

मनोज मिश्र : क्या मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में विरोध इसलिए तो नहीं बढ़ा है कि संघ का एजंडा लागू किया जा रहा है?

● जब सामाजिक सांस्कृतिक संगठन का फैलाव होता है, तो उसकी छाया राजनीति पर आनी स्वाभाविक है। मगर संघ भाजपा से अलग अपनी स्वायत्तता बनाए हुए है। संघ

> हिरासत केंद्र बने यूपीए सरकार के समय में। मेरा यह भी कहना है कि एक तो इसका नाम बदलना चाहिए। ऐसी किसी भी चीज का नाम बदलना चाहिए, जिसका संबंध द्वितीय विश्वयुद्ध से जुड़ा हुआ हो। उससे लोगों में एक आतंक, भय और भ्रम पैदा होता है। इसका एक उदारवादी नाम होना चाहिए। प्रधानमंत्री ने जो कहा कि कहीं कोई हिरासत केंद्र नहीं बनाया गया है, तो वह इसलिए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के सत्ता में आने के बाद कोई हिरासत केंद्र नहीं बना है। असम से जुड़ी सारी बातें भाजपा के सत्ता में आने से पहले की हैं।

और जनसंघ ने उन मुद्दों को उठाया जो संविधान में जोड़े गए थे, पर स्वार्थवश छोड़ दिए गए। अनुच्छेद 370 को संविधान में रखा गया तो नेहरू ने कहा था कि यह घिस-घिस कर खत्म हो जाएगा, यह एक अस्थायी उपबंध है। पर मनमोहन सिंह सरकार के समय मुख्य वार्ताकार ने कहा कि इसे स्थायी उपबंध बना दिया जाए। तो इस तकनीकी व्याख्या को मोदी सरकार ने सुधारा। इसी तरह महिला सशक्तिकरण को सिर्फ एक वर्ग तक सीमित क्यों रखा जाए, उसमें सभी पक्षों को जोड़ दिया गया।

मृणाल वल्लरी : उत्तर प्रदेश जैसा राज्य जहां भाजपा को सबसे अधिक बहुमत मिला, वहां जनता ही संगठित होकर सरकार के विपक्ष में खड़ी हो गई सी दिखती है। आप इसे कैसे देखते हैं?

● देखिए, जब जनता का विद्रोह कहते हैं, तो उसे थोड़ा इतिहास में जाकर भी देखना चाहिए। 1974 के विद्रोह को याद कीजिए। वह जनता का विद्रोह था। इसलिए वह देशव्यापी रूप ले सका। विद्रोह 1942 में भी हुआ था, 1932 में भी हुआ था। वही आंदोलन सफल होता है, जो संविधान के मूल्यों को लेकर चलता है। ये उपद्रव संवैधानिक तरीके से नहीं हो रहे हैं।

सूर्यनाथ सिंह : आप संघ से जुड़े हैं और कहा जा रहा है कि यह संघ संचालित सरकार है। आप इस पर क्या प्रकाश डालेंगे?

● देखिए, अगर संघ को सरकार चलाना होता, तो वह खुद एक राजनीतिक पार्टी बन गया होता। संघ में 1948 से 1950 तक एक विमर्श चला कि संघ को राजनीतिक पार्टी के रूप में आना चाहिए। पर श्री गुरुजी ने उसे खारिज कर दिया। उनका कहना था कि संघ का काम पार्टी चलाना नहीं है। संघ के तीन दर्जन संगठन हैं और वे अपने-अपने क्षेत्रों में काम करते हैं। हम एक वैचारिक आंदोलन हैं और हमारा प्रयास होता है कि एक विचारधारा के रूप में चीजों को सरकार तक पहुंचाएं। संघ नैतिक संप्रभु है और भाजपा राजनीतिक संप्रभु।

प्रस्तुतिः सूर्यनाथ सिंह / मृणाल वल्लरी

जनसत्ता बारादरी

राकेश सिन्हा

पांच सितंबर 1964 को बिहार के बेगूसराय में जन्म। दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज से शिक्षा। दिल्ली विश्वविद्यालय में अध्यापन के साथ हिंदी और अंग्रेजी भाषा में राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक मुद्दों पर गहन लेखन किया। संघ संस्थापक डॉ. हेडगेवार की जीवनी सहित कई पुस्तकें लिखीं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा के प्रचारक के तौर पर पहचान बनी और अभिव्यक्ति के सभी मंचों पर राष्ट्रवादी विचारों के प्रखर प्रवक्ता बन कर उभरे। राज्यसभा के मनोनीत सदस्य के रूप में संसद में भी आवाज उठाने वाले चेहरों के तौर पर पहचान बनाई।

किताबें मिलीं

स्त्री कविता

एक मानवीय इकाई के रूप में स्त्री और पुरुष, दोनों अपने समय और यथार्थ के साझे भोक्ता हैं, लेकिन परिस्थितियां समान होने पर भी स्त्री-दृष्टि, दमन के जिन अनुभवों और मनःस्थितियों से बन रही है, मुक्ति की आकांक्षा जिस तरह करवटें बदल रही है, उसमें यह स्वाभाविक है कि साहित्यिक संरचना तथा आलोचना, दोनों की प्रणालियां बदलें। स्त्री-लेखन, स्त्री की चिंतनशील मनीषा के विकास का ही ग्राफ है, जिससे सामाजिक इतिहास का मानचित्र गढ़ा जाता है और जेंडर तथा साहित्य पर हमारा दिशा-बोध निर्धारित होता है। भारतीय समाज में जाति और वर्ग की संरचना जेंडर की अवधारणा और स्त्री-अस्मिता को कई स्तरों पर प्रभावित करती है।

स्त्री-कविता पर केंद्रित प्रस्तुत अध्ययन जो कि तीन खंडों में संयोजित है, स्त्री-रचनाशीलता को समझने का उपक्रम है, उसका निष्कर्ष नहीं। पहले खंड, 'स्त्री-कविताः पक्ष और परिप्रेक्ष्य' में स्त्री-कविता की प्रस्तावना के साथ-साथ गगन गिल, कात्यायनी, अनामिका, सविता सिंह, नीलेश रघुवंशी, निर्मला पुतुल और सुशीला टाकभौरे पर विस्तृत लेख हैं। दूसरा खंड, 'स्त्री-कविताः पहचान और द्वंद्व' स्त्री-कविता की अवधारणा को लेकर स्त्री-पुरुष रचनाकारों से बातचीत पर आधारित है। स्त्री-कविता को लेकर स्त्री-दृष्टि और पुरुष-दृष्टि में जो साम्य और अंतर है, उसे भी इन साक्षात्कारों में पढ़ा जा सकता है। तीसरा खंड, 'स्त्री-कविताः संचयन' के रूप में प्रस्तावित है...। इन सारे प्रयत्नों की सार्थकता इसी बात में है कि स्त्री-कविता के माध्यम से साहित्य और जेंडर के संबंध को समझते हुए मूल्यांकन की उदार कसौटियों का निर्माण हो सके जिसमें सबका स्वर शामिल हो।

स्त्री कविता- पक्ष और परिप्रेक्ष्य तथा *स्त्री कविता- पहचान और द्वंद्व : रेखा सेठी, राजकमल प्रकाशन, 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली; 299 रुपए (प्रति)।*

कथा-विचार

यह किताब आज के परिप्रेक्ष्य में कथा-साहित्य के आकलन का प्रयत्न करती है। लगभग तीस वर्षों के समय को सहेजती हुई यह पुस्तक उपन्यास और कहानी में आए बदलावों के रेखांकन के साथ-साथ उनके परीक्षण के कतिपय नए मानदंडों को खोजने-पाने का प्रयत्न भी करती है। इस क्रम में पाठक देखेंगे कि निर्मल वर्मा, गोविंद मिश्र, रवींद्र वर्मा, चंद्रकिशोर जायसवाल, खुशवंत सिंह और नवनीता देवसेन प्रभृति वरिष्ठ उपन्यासकारों की कृतियों के साथ-साथ आलोचक ने जयश्री रॉय, कविता, ब्रजेश के बर्मन और मीनाक्षी स्वामी जैसे युवा उपन्यासकारों की कृतियों को भी परखा है। इसी तरह आलोचन ने आठवें दशक की हिंदी कहानी पर विचारोत्तेजक बहस करने के साथ उसके बाद की कहानी रचना पर समेकित प्रकाश डाला है। इस प्रक्रिया में रामदरश मिश्र, हिमांशु जोशी, बलराम, नरेंद्र नागदेव आदि वरिष्ठों के साथ राकेश तिवारी, जयश्री रॉय, गीताश्री, कविता, मनीषा कुलश्रेष्ठ आदि की कहानियों के बहाने आलोचक ने समकालीन कहानी में आए बदलावों का परीक्षण भी किया है, जिससे हम शिल्प और संवेदना के स्तर पर आज की कहानी को बदले हुए संदर्भों में समझ पाते हैं।

यह पुस्तक कुछ गद्य रचनाओं और कथा-समीक्षा की पुस्तकों पर भी विचार करती है जिससे हम सहजता से कथा आलोचना की दुरभिसंधियों से टकराते हुए एक ठोस विचार तक पहुंच पाते हैं।

कथा-विचार : ज्योतिष जोशी; विजया बुक्स, 1/10753, सुभाष पार्क, गली नं. 3, नवीन शाहदरा, दिल्ली; 650 रुपए।

प्रेम नाम है मेरा- प्रेम चोपड़ा

क्या आपने कभी सोचा है कि रुपहले पर्दे पर जिस अभिनेता की एंट्री आपकी रूह कंपकंपा देने के लिए काफी है, उसका विस्तार जीवन के वास्तविक रंगमंच पर कैसा है? मायानगरी के अनगिनत कलाकारों के बीच अंगुलियों पर गिने जाने वाले खलनायक हैं, जिन्होंने दर्शकों के दिल ही नहीं, आत्मा पर भी अपनी छाप छोड़ी है। उन्हीं में से एक अजीमोशान किरदार है प्रेम चोपड़ा का।

आखिर कौन है प्रेम चोपड़ा? किस तरह का है उनका वास्तविक किरदार? प्रेम चोपड़ा की जिंदगी से जुड़े इन्हीं सवालों को हल करने का प्रयास करती है यह किताब। 'प्रेम...प्रेम नाम पर मेरा...प्रेम चोपड़ा...' यह वाक्य जब सिल्वर बालकनी, यहां तक कि बॉक्स में बैठे दर्शकों के रोंगटे खड़े हो जाते हैं कि पता नहीं अब यह क्या खुराफात करेगा। रुपहली दुनिया के अनदेखे किस्से अपने अंदर समाहित की हुई इस किताब के जरिए आप एक अद्भुत यात्रा पर निकलने वाले हैं। यात्रा एक ऐसे किरदार की, जिसने सदी के महानतम विरोधाभासों को जिया है। यह किताब पांच दशकों से ज्यादा की सिने जिंदगी का जिंदा दस्तावेज है, जिसमें प्रेम चोपड़ा के अलावा भारतीय सिनेजगत की सच्ची और अनूठी किस्सागोई मिलेगी।

प्रेम नाम है मेरा- प्रेम चोपड़ा : रकिता नंदा; यश पब्लिकेशंस, 1/10753, सुभाष पार्क, नवीन शाहदरा, दिल्ली; 299 रुपए।

नई दिल्ली

www.readwhere.com

कैट परीक्षा में 10 अभ्यर्थियों को सौ पर्सेंटाइल

नई दिल्ली, 4 जनवरी (भाषा)।

कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) के नतीजे शनिवार को घोषित कर दिए गए, जिसमें 10 अभ्यर्थियों ने पूरे 100 पर्सेंटाइल हासिल किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि ये दसों अभ्यर्थी प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि से हैं, जिनमें से छह आइआइटी और दो एनआइटी के छात्र रह चुके हैं। इनमें से चार अभ्यर्थी महाराष्ट्र से और अन्य झारखंड, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और उत्तराखंड के रहने वाले हैं।

आइआइएम और 100 से अधिक गैर-आइआइएम संस्थानों के एमबीए पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए इस परीक्षा का आयोजन किया जाता है। 2019 की परीक्षा में पिछले 10 साल में सबसे अधिक संख्या में अभ्यर्थी शामिल हुए। कुल 21 परीक्षार्थियों ने 99.9 पर्सेंटाइल हासिल किए हैं, जिनमें से 19 तकनीकी पृष्ठभूमि के हैं। इस परीक्षा में कुल 1.34 लाख पुरुष, 75,000 महिला अभ्यर्थी और पांच ट्रांसजेंडर अभ्यर्थी शामिल हुए।

प्रधानमंत्री ने दो हफ्तों में तीसरी बार मंत्रालयों के प्रदर्शन की समीक्षा की

नई दिल्ली, 4 जनवरी (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्रिपरिषद के विभिन्न क्षेत्रों की प्रगति की 21 दिसंबर से तीसरी बार एक बैठक में शनिवार को समीक्षा की।

प्रधानमंत्री ने अगले पांच बरसों के लिए अहम मंत्रालयों के लिए एक कार्य योजना को अंतिम रूप देने की कवायद के तहत यह किया है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने शासन, प्रौद्योगिकी और संसाधनों जैसे विषयों पर शीर्ष नौकरशाहों की बातें सुनी।

उन्होंने बताया कि सचिवों की विभिन्न समितियों द्वारा दी गई प्रस्तुति पर बैठकों के दौरान प्राप्त सुझावों के आधार पर सरकार अगले पांच साल के लिए विभिन्न मंत्रालयों के लिए एक कार्ययोजना को अंतिम रूप देगी।

मंत्रालयों को कृषि, स्वास्थ्य, शासन और प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में बांटा गया है ताकि नीतियों को तेजी से और बेहतर तरीके से लागू किया जा सके।

यह कार्य योजना शासन के लिए और कहीं अधिक व्यवस्थित तरीके से विकास करने के लिए नीतियों को लागू करने में तथा नीतियों के बेहतर क्रियान्वयन में मदद करेगी।

सूत्रों ने बताया कि इस समीक्षा कार्य को पूरा करने के लिए आने वाले हफ्ते में मंत्रिपरिषद की और भी बैठक हो सकती है। हर महीने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद आमतौर पर मंत्रिपरिषद की बैठक होती है। लेकिन पिछले तीन मौकों पर बैठकें स्वतंत्र रूप से हुईं।

उन्नीस सांसदों के खिलाफ शिकायतें खारिज हुईं

नई दिल्ली, 4 जनवरी (भाषा)।

राज्यसभा की आचरण समिति ने उच्च सदन के 19 सदस्यों के खिलाफ शिकायत दायर करने की निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किए जाने के आधार पर खारिज कर दिया है। राज्यसभा सचिवालय के सूत्रों के अनुसार राज्यसभा के सभापति एम वैंकेया नायडू ने इन शिकायतों को खारिज करते हुए अधिकारियों को समिति की कार्यप्रणाली के बारे में लोगों को जागरूक करने का भी निर्देश दिया है जिससे शिकायत करने की निर्धारित प्रक्रिया सहित अन्य प्रावधानों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। सूत्रों ने बताया कि आचरण समिति के अध्यक्ष प्रभात झा को समिति के समक्ष सांसदों के खिलाफ शिकायत भेजने संबंधी मौजूदा नियमों की समीक्षा करने का एक प्रस्ताव भी भेजा गया है।

नायडू ने पिछले सप्ताह आचरण समिति की कार्यप्रणाली की समीक्षा करने के बाद यह निर्देश जारी किए हैं।

राज्यसभा सचिवालय के एक अधिकारी ने बताया कि हाल ही में एक बैठक के दौरान सभापति के संज्ञान में यह तथ्य लाया गया कि पिछले चार साल के दौरान उच्च सदन के 19 सदस्यों के खिलाफ मिली 22 शिकायतें समिति ने बिना जांच किए वापस कर दी। उन्होंने बताया कि इन शिकायतों को निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किए जाने के आधार पर खारिज किया गया।

उल्लेखनीय है कि उच्च सदन में सदस्यों का सकारात्मक आचरण सुनिश्चित करते हुए सदन की बैठक सुचारु बनाने के लिए आचरण समिति, सदस्यों के आचरण संबंधी शिकायतों की जांच करती है। राज्यसभा के जिन 19 सदस्यों के खिलाफ समिति को 22 शिकायतें मिली थीं उनमें सत्तापक्ष और विपक्ष के अलावा दो मामले निर्दलीय सदस्यों से भी जुड़े थे। समिति ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किए जाने के आधार पर इन शिकायतों को प्रारंभिक जांच किए बिना ही वापस लौटा दिया।

समिति को मिली 22 शिकायतों में से 13 शिकायतें कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, चार चार शिकायतें गृह मंत्रालय और लोकसभा सचिवालय तथा एक शिकायत संसदीय कार्य मंत्रालय को संबोधित थी, जो कि इन मंत्रालयों द्वारा राज्यसभा सचिवालय को भेजी गईं। राज्यसभा सचिवालय ने आचरण समिति के अध्यक्ष को शिकायत दायर करने संबंधी मौजूदा नियमों की समीक्षा करने का प्रस्ताव भेजा है। राज्यसभा के किसी भी सदस्य के आचरण संबंधी शिकायत को समिति के अध्यक्ष या समिति द्वारा नामित किसी अधिकारी को संबोधित करते हुए शिकायत दी जा सकती है। समिति आचरण संबंधी किसी मामले में स्वतः संज्ञान भी ले सकती है।

विधायिका में अपने तरह की पहली समिति के रूप में आचरण समिति के गठन का प्रावधान पहली बार 1997 में किया गया था। इसका मकसद सदस्यों के नैतिक आचरण पर आंतरिक रूप से स्वतः निर्धारित प्रक्रिया के तहत नजर रखना है। यह समिति अब तक अपनी दस रिपोर्टें पेश कर चुकी है।

पवित्र स्थल पूरी तरह सुरक्षित : पाक सरकार

इस्लामाबाद, 4 जनवरी (भाषा)।

पाकिस्तान ने शुक्रवार को मीडिया की उन खबरों को खारिज किया जिनमें कहा गया था कि भीड़ के हमले में गुरुद्वारा ननकाना साहिब की बेअदबी की गई। पाकिस्तान ने कहा कि सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक के जन्मस्थान को 'किसी ने छुआ नहीं है और न ही उसे कोई नुकसान पहुंचाया है और सिख धर्म के पवित्र स्थलों में से एक में तोड़फोड़ किए जाने के दावे गलत हैं।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पंजाब प्रांत के प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी है कि वहां शुक्रवार को दो मुसलिम समूहों के बीच झड़प हुई थी। उसने कहा कि उक्त झगड़ा चाय की एक दुकान पर किसी मामूली घटना को लेकर हुई और जिला प्रशासन ने तत्काल हस्तक्षेप करके आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। विदेश मंत्रालय ने कहा, 'इस घटना को सांप्रदायिक मुद्दे के रूप में चित्रित करने का प्रयास स्पष्ट तौर पर प्रेरित है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि गुरुद्वारा को किसी ने छुआ नहीं है और न कोई क्षति पहुंची है। सभी आक्षेप, विशेष तौर पर पवित्र स्थल की बेअदबी और तोड़फोड़ के दावे न केवल झूठे हैं बल्कि शरारतपूर्ण हैं।'

विदेश मंत्रालय का बयान तब आया जब भारतीय मीडिया में आई कुछ खबरों में कहा गया कि एक भीड़ ने गुरुद्वारे पर हमला किया है। खबरों में कहा गया कि ननकाना साहिब में सैकड़ों की संख्या में लोगों ने शुक्रवार को सिखों के पवित्र स्थल पर पथराव किया। पाकिस्तान में पुलिस ने कहा कि एक सिख किशोरी लड़की से विवाह करने वाले एक मुसलिम व्यक्ति के नेतृत्व में लोगों के एक समूह ने गुरुद्वारे के बाहर दिनभर का धरना दिया। पुलिस ने कहा कि यह धरना अपने रिश्तेदारों की गिरफ्तारी के विरोध में किया था। जिन्हें लड़की के कथित जबर्दस्ती धर्मांतरण के लिए पकड़ा गया था।

राजधानी दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यक सिख समुदाय के सदस्यों को पवित्र शहर ननकाना साहिब में हिसा के कृत्यों का सामना करना पड़ा। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'भारत इस पवित्र स्थान पर तोड़फोड़ और बेअदबी की हरकतों की कड़ी निंदा करता है। हम पाकिस्तान सरकार से सिखों की सुरक्षा एवं कल्याण सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आह्वाहन करते हैं।' मंत्रालय ने कहा, 'उन बदमाशों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए जो इस पवित्र गुरद्वारे में बेअदबी में शामिल हैं और जिन्होंने अल्पसंख्यक सिखों पर हमला किया है।'

मंत्रालय ने कहा कि यह निंदनीय कार्रवाई पिछले साल अगस्त में ननकाना साहिब शहर में एक सिख लड़की को उसके घर से अगवा करके जबरन धर्म परिवर्तन के बाद हुई है। गुरुद्वारा ननकाना साहिब को गुरुद्वारा जन्म स्थान के नाम से भी जाना जाता है। यह वह स्थान है जहाँ सिखों के पहले गुरु, गुरु नानक का जन्म हुआ था। इसे सबसे पवित्र सिख स्थलों में से एक माना जाता है।

महाराष्ट्र में नाराज कांग्रेस विधायक ने कहा, इस्तीफा दे दूंगा

जालना, 4 जनवरी (भाषा)।

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नहीं बनाए जाने से नाराज जालना से कांग्रेस विधायक कैलाश गोरंट्याल ने कहा कि वह पार्टी के कई पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी पदों से इस्तीफा दे देंगे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सोमवार को अपने मंत्रिपरिषद का विस्तार किया था, जिसमें 26 मंत्री और 10 राज्य मंत्री बनाए गए थे।

गोरंट्याल ने कहा कि शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक में यह फैसला किया गया। उन्होंने कहा कि मैं महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बालासाहेब थोराट से मिलूंगा और पार्टी पदों से अपना इस्तीफा सौंपूंगा। जालना नगरपालिका परिषद, जिला परिषद के पार्टी सदस्य भी मेरे साथ अपना इस्तीफा सौंपेंगे। विधायक ने दावा किया कि जालना के सभी तहसीलों में कांग्रेस पदाधिकारी पहले ही हट चुके हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी ने मुझे नजरअंदाज किया और मेरे साथ न्याय नहीं किया।

अक्तूबर में हुए विधानसभा चुनाव में गोरंट्याल ने शिवसेना के अर्जुन खोटकर को हराया था। नगर कांग्रेस अध्यक्ष शेख महमूद ने कहा कि गोरंट्याल तीन बार से विधायक थे और वह पहले पार्षद भी रह चुके हैं। उन्होंने जिले में पार्टी को मजबूत करने में कड़ी मेहनत की है। महमूद ने कहा कि हमने पार्टी नेतृत्व को अपना इस्तीफा सौंपने का फैसला किया है।

ईरान समर्थक छह लड़ाके अमेरिकी हमले में मारे गए

पेज 1 का बाकी

'सीएनएन' से कहा कि ये हमले 'अमेरिका की ओर से युद्ध की कार्रवाई' है। ड्रोन हमले के करीब 24 घंटे बाद एक और हमले में अमेरिका ने इराकी मिलिशिया हशद अल शाबी के काफिले को निशाना बनाया। इस शिया मिलिशिया ईरान से निकट संबंध हैं। इराक के सरकारी अधिकारियों ने कहा कि हवाई हमले में दो कारों को निशाना बनाया गया जिसमें ईरान समर्थित लड़ाके सवार थे। इराक के अधिकारियों के मुताबिक इस हमले में हशद-अल-साबी के छह लड़ाके मारे गए। हमले में मारे गए लोगों की पहचान नहीं हो सकी है। इराक के सरकारी टीवी ने हमले की पुष्टि की और कहा कि बगदाद के उत्तर में स्थित ताजी रोड के पास ये हमला हुआ है।

हशद-अल-साबी ने कहा है कि जिस काफिले को निशाना बनाया गया है उसमें उसका कोई बड़ा कमांडर मौजूद नहीं था। इस संगठन ने कहा है कि इस हमले में कुछ चिकित्सक मारे गए हैं। इराकी मिलीशिया पर इस हमले के साथ ही मध्य पूर्व में तनाव और भी बढ़ गया है। अमेरिका ने इराक में और बल भेजने का संकल्प लिया है।

इराक के प्रधानमंत्री अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे गए ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी और इराकी मिलिशिया के उप प्रमुख अबू महदी अल मुहंदिस की शोक सभा में शामिल हुए।

ताकत का गलत इस्तेमाल न करे अमेरिका : चीन

पेज 1 का बाकी

इससे क्षेत्र में तनाव व अशांति बढ़ेगी।'

मंत्रालय के अनुसार वांग ने जरीफ से बातचीत में कहा, 'चीन अंतरराष्ट्रीय संबंधों में अधिक बल प्रयोग का विरोध करता है। सैन्य तरीकों के इस्तेमाल और अत्यंत दबाव बनाने का कोई मतलब नहीं है।' चीन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य और ईरान का अहम सहयोगी है। वह ईरान से तेल का प्रमुख खरीदार है।

सीआरपीएफ जवानों पर ग्रेनेड हमला, किशोर घायल

पेज 1 का बाकी

कि ग्रेनेड सड़क किनारे फटा। इसमें सीआरपीएफ का कोई जवान हताहत नहीं हुआ। हालांकि, विस्फोट के बाद लोगों के बीच अफतातफरी मच गई। इस दौरान सड़क पर चल रहा एक किशोर छर्रे लगने से मामूली रूप से घायल हो गया। हमले में दो निजी वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

पांच लाख का इनामी लश्कर आतंकी गिरफ्तार

पेज 1 का बाकी

का संबंध लश्कर-ए-तैयबा संगठन से था। वह उत्तर कश्मीर के बांदीपोरा जिले में हाजिन इलाके का रहने वाला है। वह श्रीनगर में किसी बड़ी आतंकी साजिश के मकसद से पहुंचा था।

इस साल श्रीनगर में किसी आतंकी के पकड़े जाने का यह पहला मामला है। सुरक्षाबलों ने श्रीनगर में सक्रिय निसार के अन्य साथियों की धरपकड़ के लिए तलाशी अभियान चला रखा है। निसार अहमद डार वर्ष 2018 से लश्कर में सक्रिय है। सी-श्रेणी में सूचीबद्ध निसार पर सुरक्षा एजंसियों ने पांच लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा है।

निसार बीते साल 12 नवंबर को कुल्लन गुंड, गांदरबल में अपने एक साथी के साथ सुरक्षाबलों की घेरेबंदी में फंस गया था। तब मुठभेड़ में वह बच निकला था। उसका पाकिस्तानी साथी मारा गया था।

बिहार में 15 से 28 मई के बीच होगा एनपीआर

पेज 1 का बाकी

इससे कोई परेशानी नहीं है। प्रधानमंत्री के स्पष्टीकरण कि एनआरसी लागू नहीं की जाएगी, अब यह मुद्दा खत्म हो चुका है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद कह चुके हैं कि एनआरसी लागू नहीं की जाएगी। ऐसे में हमारे लिए यह मुद्दा खत्म हो चुका है और हम एनपीआर पर आगे बढ़ेंगे।

सुशील मोदी ने संवाददाता सम्मेलन की शुरुआत में पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री पी चिदंबरम की एक आडियो वीडियो क्लिप चलाई जिसमें वे एनपीआर के समर्थन में बोल रहे हैं और जिसका उद्देश्य निवास कार्ड जारी करना है जो अंततः नागरिकता कार्ड की ओर बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि एनपीआर तैयार करने की प्रक्रिया 2010 में यूपीए शासन के दौरान शुरू हुई थी जो उस वर्ष एक अप्रैल से 30 सितंबर तक पूरी हुई। केंद्र 2010 के एनपीआर को 2021 में जनगणना के पहले 2020 में केवल 'अद्यतन' कर रहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या प्रतिवादियों को एनपीआर में अपने अभिभावकों के जन्मस्थान और जन्मतिथि का खुलासा करना होगा, मोदी ने कहा कि इसके लिए कोई अनिवार्य प्रावधान नहीं है।

एसजीपीसी जांच के लिए ननकाना साहिब भेजेगी समिति

पेज 1 का बाकी

साहिब में शनिवार को भी तनाव बना रहा। इस कारण प्रशासन ने नगर कीर्तन निकालने की अनुमति नहीं दी।

एसजीपीसी के अध्यक्ष गोविंद सिंह लोंगोवाल ने शनिवार को घटना की निंदा करते हुए कहा कि वे इस मामले को पाकिस्तान के सामने उठाएंगे। पाकिस्तान भेजी जा रही चार सदस्यीय कमेटी वहां सिख परिवारों से मुलाकात कर उनके बयान लेगी। लोगों ने कहा कि एसजीपीसी की टीम पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के गवर्नर और मुख्यमंत्री से भी मुलाकात कर सिखों की ओर से बात रखेगी। लोंगोवाल ने कहा, 'पाकिस्तान में गुरुद्वारा ननकाना साहिब पर हमले की हम कड़ी निंदा करते हैं और पाकिस्तान सरकार से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा वहां रह रहे सिखों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील करते हैं।'

एसजीपीसी के अध्यक्ष ने कहा कि एसजीपीसी के सदस्य पाकिस्तान के अधिकारियों से इस संदर्भ में चर्चा करेंगे। भीड़ द्वारा किए गए पथराव के जांच की मांग करेंगे और भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना सुनिश्चित करेंगे। लोंगोवाल ने हालांकि यह नहीं बताया कि एसजीपीसी का प्रतिनिधिमंडल कब पाकिस्तान जाएगा। एसजीपीसी की इस कमेटी में राजिंदर सिंह मेहता, रूप सिंह, सुरजीत सिंह और राजिंदर सिंह शामिल होंगे।

शुक्रवार को पाकिस्तान के ननकाना साहिब में भीड़ ने सिखों के पवित्र स्थल ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर पथराव कर दिया और सिखों के खिलाफ नारेबाजी की थी। इस भीड़ की अगुआई मोहम्मद हसन के परिवार ने की थी, जिस पर सिख लड़की जगजीत कौर का जबरन धर्मांतरण कराने का आरोप है। घटना के बाद बड़ी तादाद में पुलिस तैनात की गई है, लेकिन हालात तनावपूर्ण हैं। घटना से सिख समुदाय में आक्रोश है।

छह साल की सजा के बाद बिट्टू पिंजरे से बाहर

पेज 1 का बाकी

उसे 'गीता' नामक बाघिन से आदान-प्रदान के बाद लाया गया है, उसे बुधवार को बाड़े में छोड़ा गया। उन्होंने बताया, 'गुस्सैल नौ फुट के बाघ पर करीब छह महीने तक नजर रखी गई जिसके बाद ही उसे बाड़े में छोड़ा गया।' फिलहाल चिड़ियाघर में सात सफेद बाघ जिसमें तीन मादा और चार नर बाघ हैं तथा दो नर रॉयल बंगाल टाइगर हैं।

अगले तीन महीने में चिड़ियाघर में ऑस्ट्रिच का जोड़ा और एक चिम्पांजी के आने की संभावना है जो चंडीगढ़ के छतबीर चिड़ियाघर से आने वाले हैं। पिछले सितंबर महीने में चिड़ियाघर ने आठ साल के बंगाल टाइगर 'रामा' को खो दिया था।

जामिया में नौ से शुरू होंगी सेमेस्टर परीक्षाएं

पेज 1 का बाकी

विश्वविद्यालय छह जनवरी से खुलने वाला है। विश्वविद्यालय ने बताया कि अधिकतर स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की बची हुई सेमेस्टर परीक्षाएं नौ जनवरी से शुरू होंगी, जबकि स्नातक पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं 16 जनवरी से शुरू होंगी। इसके अनुसार बची हुई परीक्षाओं में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे वेबसाइट पर बताई गई परीक्षा की तय तिथि के अनुसार ही विश्वविद्यालय आएं। विश्वविद्यालय ने कहा कि अभिभावकों से अनुरोध है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनके बच्चे तय तिथि पर परीक्षा के लिए आएं।

एअर इंडिया की उड़ान में मुसाफिरों ने किया हंगामा

पेज 1 का बाकी

लगे और फब्तियां कसते हुए पायलट को बाहर आने के लिए कहने लगे। उन्होंने बताया कि एक पुरुष यात्री ने तो यहां तक कहा कि अगर पायलट बाहर नहीं निकले तो वह कॉकपिट का दरवाजा तोड़ देगा। विमान के अंदर के हालात बद से बदतर हो गए थे।अधिकारी ने बताया कि एक महिला यात्री ने चालक दल के एक सदस्य के साथ कथिततौर पर धक्का-मुक्की की, मुख्य निकास द्वार तत्काल खोलने के लिए उसके हाथ तक पकड़ लिए। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि चालक दल को मामले की विस्तृत रिपोर्ट पेश करने को कहा गया है।

अपनी ही सरकार को घेरा पायलट ने

पेज 1 का बाकी

था। 13 महीने सत्ता में रहने के बाद तत्कालीन सरकार पर अंगुली उठाने का कोई औचित्य नहीं बनता है।

मृतक बच्चों के परिजनों से मुलाकात के बाद यहां संवाददाताओं से बातचीत में पायलट ने कहा, 'जेके लोन अस्पताल में 107 बच्चों की मौत हुई है। यह बहुत दर्दनाक है। मैं ऐसा मानता हूं कि इस मामले को लेकर जो हम लोगों की प्रतिक्रिया रही है वो किसी हद तक संतोषजनक भी नहीं है।

दिल्ली हमले के पीछे भी सुलेमानी

पेज 1 का बाकी

सुलेमानी के आदेश पर किया गया था। उन्होंने कहा कि सुलेमानी ने अपने बुरे इरादों से निर्दोष लोगों को मरवाया और नई दिल्ली एवं लंदन तक में आतंकवादी हमलों के षड्यंत्र में भूमिका निभाई। आज हम सुलेमानी की क्रूरता का शिकार हुए लोगों को याद करते हैं और उन्हें सम्मान देते हैं। हमें इसमें शांति मिलेगी कि उसके आतंकवाद का शासनकाल अब खत्म हो गया। ट्रंप ने कहा कि सुलेमानी पश्चिम एशिया को पिछले 20 वर्षों से अस्थिर करने के लिए आतंकी गतिविधियों में शामिल था।

उन्होंने कहा कि अमेरिका ने शुक्रवार को जो किया उसे वह बहुत पहले कर देना चाहिए था और इससे काफी जिंदगियां बचाई जा सकती थी। हाल ही में सुलेमानी ने ईरान में प्रदर्शनकारियों का क्रूरता से दमन किया।

ईरान के साथ बढ़ रहे तनावों पर ट्रंप ने कहा कि सुलेमानी की मौत से युद्ध नहीं शुरू होगा। उन्होंने कहा, 'हमने युद्ध रोकने के लिए कार्रवाई की। हमने युद्ध शुरू करने के लिए कार्रवाई नहीं की। वे बेहतरीन लोग हैं और अभूतपूर्व विरासत वाले हैं और उनकी क्षमताएं असीमित हैं। हम शासन में बदलाव नहीं चाहते।' वहीं यूरोपीय संघ में विदेश मामलों के मंत्री जोसेप बॉरेल ने शुक्रवार को कहा कि इराक में हिंसा का चक्र नियंत्रण से बाहर हो जाए, उससे पहले ही इसे रोक देना चाहिए। उन्होंने एक बयान में कहा कि यूरोपीय संघ इसमें शामिल सभी पक्षों से संयम बरतने और इस नाजुक मौके पर जिम्मेदारीपूर्ण रवैया अपनाने की अपील करता है।

पाक उच्चायोग पर विरोध प्रदर्शन

पेज 1 का बाकी

पाकिस्तानी उच्चायोग के पास प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान मुर्दाबाद और इमरान खान मुर्दाबाद के नारे लगाए।

डीएसएमजी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने इस मौके पर कहा कि पूरा भारत पाकिस्तान में सिखों के साथ है। सिरसा के अनुसार पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा ननकाना साहिब पर हमले से पहले हसन ने भीड़ को संबोधित किया। उसने सिखों को ननकाना साहिब से बाहर करने व गुरुद्वारे का नाम बदलने की धमकी दी। डीएसएमजी और अकाली दल के सदस्यों ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ नारेबाजी की। सिख नेताओं ने पाकिस्तान उच्चायोग को ज्ञापन सौंपा जिसमें इस्लामाबाद को पाकिस्तान में कानून प्रवर्तन एजंसियों की नाकामी के बारे में बताने को कहा गया है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इसे लेकर सोशल मीडिया पर वीडियो भी वायरल हो रहा है। उनका कहना है कि भीड़ ने गेट तोड़कर गुरुद्वारा साहिब में दाखिल होने की कोशिश की।

प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने वहां लगे बैरीकेड को तोड़ दिया। इसके अलावा डोगरा फ्रंट, सिख यूथ सेवा फ्रंट, मुसलिम संगठन जमात-ए-इस्लामी हिंद भी प्रदर्शन में शामिल हुए। भाजपा नेता हेमंत प्रजापति ने ननकाना साहिब घटना की निंदा करते हुए पाकिस्तान सरकार से इसमें शामिल लोगों को तुरंत गिरफ्तार करने और तीर्थयात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की।

युवा कांग्रेस अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी ने कहा कि ननकाना साहिब मामले में पाकिस्तान का सांप्रदायिक चेहरा एक बार फिर बेनकाब हो गया है। इस मौके पर युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष जयवीर नागर भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो और इस पवित्र स्थल एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो।

तीन मृतकों सहित सभी 13 उपद्रवी दंगाई

पेज 1 का बाकी

के खिलाफ ये एफआइआर दर्ज की जाएगी।

तिवारी ने बताया कि जिन लोगों की मौत हुई, गोली लगने से हुई उन लोगों ने कानून व्यवस्था अपने हाथ में ले रखी थी। उनकी गतिविधियां कैमरे में कैद हैं। उन्होंने कहा कि तीन मौतें क्रास फायरिंग के कारण हुईं। पुलिस फायरिंग में न तो कोई मारा गया और न ही घायल हुआ। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को गोली लगी, उनका उपचार जिला प्रशासन ने कराया।

डीआइजी ने कहा कि अब उनकी गतिविधियों के आधार पर समुचित धाराओं में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि कानपुर के उपद्रव की जांच के लिए एसआइटी (विशेष जांच टीम) बनाई गई है जो उक्त दंगाइयों के खिलाफ लगे आरोपों की जांच करेगी और उसके बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

ननकाना साहिब हमले की निंदा में एकजुट हुए सभी दल

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 4 जनवरी।

ननकाना साहिब गुरुद्वारे पर कट्टरपंथियों की भीड़ लारा हमले की सभी राजनीतिक दलों और विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों ने एक सुर में निंदा की और कड़े शब्दों में कहा कि पाकिस्तान सरकार को वहां अल्पसंख्यकों पर अत्याचार रोकना होगा। केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल, हरदीप सिंह पुरी, भाजपा प्रवक्ता मीनाक्षी लेखी, क्रिकेटर हरभजन सिंह, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस नेता ममता बनर्जी, बसपा प्रमुख मायावती, शिअद प्रमुख सुखबीर बादल, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत विभिन्न राजनीतिक दलों ने इस मुद्दे पर एकजुटता दिखाते हुए साफ कहा कि पाकिस्तान का असली चेहरा उजागर हुआ है। पड़ोसी मुल्क में अल्पसंख्यकों के अधिकार सुरक्षित करने होंगे।

केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने ट्वीट कर कहा है कि इस घटना से पाकिस्तान का 'असली चेहरा' उजागर हो गया है, जहां 'अल्पसंख्यकों का धार्मिक उत्पीड़न वास्तविकता बन गया है'। पंजाब के बठिंडा से शिअद सांसद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से वहां के सिख समुदाय की सुरक्षा के लिए इस मुद्दे को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के सामने उठाने का आग्रह किया है।

अन्याय के खिलाफ लड़ेंगे : प्रियंका

पेज 1 का बाकी

योगी आदित्यनाथ सरकार पर लगातार हमले बोल रही हैं।

वह आज पहले मुजफ्फरनगर पहुंचीं जहां उन्होंने मौलाना असद रजा हुसैनी से मुलाकात की जिनकी पुलिस ने हाल में कथित तौर पर बेरहमी से पिटाई की थी। मौलाना हुसैनी से मिलने बाद उन्होंने रुकैया परवीन नामक उस युवती से भी मुलाकात की जिसकी जल्द ही शादी तय है। रुकैया के परिवार का आरोप है कि पुलिस उनके घर में घुसी और तोड़फोड़ की एवं बहुत सारे समान ले गई। प्रियंका ने इस लड़की का उल्लेख करते हुए कहा, उसकी शादी होने वाली थी। पुलिस ने इसके घर में घुसकर समान तोड़फोड़ दिया। लड़की के सिर पर चोट लगी है। उन्होंने कहा, जहां जहां अन्याय हुआ है वहां हम खड़े होंगे। हम से जो भी हो सकेगा वह मदद करेंगे।

कांग्रेस महासचिव ने कहा, मैंने हाल ही में राज्यपाल को चिट्ठी लिखी जिसमें कई मामलों का विवरण है। हमने उन्हें बताया कि पुलिस ने किस तरह से लोगों को बेवजह मारा-पीटा है।

विदेशी मुद्रा भंडार 457.46 अरब डॉलर के रेकॉर्ड स्तर पर

मुंबई, 4 जनवरी (भाषा)।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 27 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 2.520 अरब डॉलर बढ़कर 457.468 अरब डॉलर के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 45.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 454.948 अरब डॉलर पर था।

भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में वृद्धि की वजह से विदेशी मुद्रा भंडार में तेजी आई है। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 2.203 अरब डॉलर बढ़कर 424.936 अरब डॉलर पर पहुंच गई।

उड़ान भरती रहेगी एअर इंडिया

सीएमडी ने कहा, कंपनी के बंद होने की अफवाहें निराधार

नई दिल्ली, 4 जनवरी (भाषा)।

सरकारी विमानन कंपनी एअर इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अश्वनि लोहानी ने शनिवार को कहा कि कंपनी के बंद होने को लेकर अफवाहें पूरी तरह आधारहीन हैं। एअर इंडिया उड़ान भरती रहेगी और परिचालन का विस्तार भी करेगी। सरकार ने एअर इंडिया के विनिवेश का फैसला किया हुआ है।

लोहानी ने ट्वीट किया, एअर इंडिया के बंद होने या परिचालन रोके जाने की अफवाहें आधारहीन हैं। एअर इंडिया उड़ान भरती रहेगी और परिचालन का विस्तार भी करेगी। यात्री हों या कॉरपोरेट या एजंट, किसी को भी चिंता करने की जरूरत नहीं है। एअर इंडिया अभी भी देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी है।

हालांकि, लोहानी ने कुछ ही सप्ताह पहले नागर विमानन मंत्रालय को भेजे पत्र में कहा था कि एअर इंडिया की वित्तीय स्थिति परिचालन जारी रखने के लिहाज से बेहद खस्ताहाल है। उन्होंने कहा था कि सरकार से लगातार जिस मदद की मांग की जा रही है, यदि वह नहीं मिली तो कंपनी को परिचालन बंद करना पड़ सकता है। नागर विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी एअर इंडिया के परिचालन जारी रखने को लेकर शंका जता चुके हैं हालांकि, उन्होंने भी 31 दिसंबर को स्पष्ट किया कि विनिवेश हाने तक सरकारी विमानन कंपनी उड़ान भरती रहेगी। उन्होंने माना कि एअर इंडिया को रोजाना 20 से 26 करोड़ रुपए तक का नुकसान हो रहा है। एअर इंडिया को 2018-19 में 8,556 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था और उसका कुल कर्ज 80,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। वर्ष 2018 में सरकार ने एअर इंडिया में 76 फीसद हिस्सेदारी बेचने का प्रस्ताव रखा था। इसके साथ प्रबंधन नियंत्रण सौंपने का भी प्रस्ताव था लेकिन इस प्रस्ताव के तहत बोली लगाने वाला कोई आगे नहीं आया। इसके बाद सरकार ने इस साल फिर से एअर इंडिया के विनिवेश प्रक्रिया की शुरुआत की है।

आइओबी को सरकार से मिली 4,360 करोड़ की पूंजी

चेन्नई, 4 जनवरी (भाषा)।

सरकारी क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक (आइओबी) को सरकार से 4,360 करोड़ रुपए की पूंजी प्राप्त हुई है। बैंक ने शनिवार को शेयर बाजार को इसकी जानकारी दी।

बैंक ने बंबई शेयर बाजार को बताया कि 2019-20 के दौरान उसके शेयरों के तरजीही आबंटन में सरकार की हिस्सेदारी के एवज में निवेश के तौर पर यह राशि मिली है। बैंक ने दिसंबर में बताया था कि उसे नियामकीय जरूरतों की पूर्ति के लिए चालू वित्त वर्ष के दौरान सरकार से 4,360 करोड़ रुपए की पूंजी मिलने वाली है।

वित्त मंत्रालय ने अगस्त 2019 में बैंक में 3,800 करोड़ रुपए की पूंजी डालने की घोषणा की थी जिसे बाद में 560 करोड़ बढ़ाकर 4,360 करोड़ रुपए कर दिया गया। इंडियन ओवरसीज बैंक इस समय रिजर्व बैंक की त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई व्यवस्था के दायरे में है। बैंक को 30 सितंबर, 2019 को समाप्त तिमाही के दौरान 2,253.64 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ।

मिस्त्री मामले में एनसीएलएटी के आदेश के खिलाफ टीसीएस भी पहुंची सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 4 जनवरी (भाषा)।

टाटा समूह की अग्रणी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने भी एनसीएलएटी के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। एनसीएलएटी ने हाल के अपने आदेश में साइरस मिस्त्री को फिर से कंपनी का निदेशक बनाने का फैसला सुनाया है।

शेयर बाजारों को भेजी सूचना में टीसीएस ने कहा है कि राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने 18 दिसंबर, 2019 के अपने फैसले में साइरस मिस्त्री को उनके बचे कार्यकाल के लिए कंपनी का निदेशक बनाए जाने का निर्देश दिया है। कंपनी ने कानूनी राय के आधार पर 3 जनवरी, 2020 को माननीय सुप्रीम कोर्ट में अपील दर्ज की है। इसमें न्यायाधिकरण के फैसले को खारिज करने और जहां तक कंपनी से संबंध की बात है, फैसले के अमल पर अंतरिम रूप से स्थगन दिए जाने का अनुरोध किया गया है।

एनसीएलएटी ने अपने बहुप्रतीक्षित फैसले में साइरस मिस्त्री को फिर से टाटा संस के कार्यकारी चेयरमैन पद पर बिठाने को कहा गया है। इस फैसले में एन चंद्रशेखरन को टाटा संस के चेयरमैन पद पर नियुक्त करने को भी अवैध बताया गया। टाटा संस नमक से लेकर साफ्टवेयर बनाने वाले समूचे टाटा समूह की कंपनियों की होल्डिंग कंपनी है। एनसीएलएटी के 18 दिसंबर के फैसले के बाद टाटा संस ने सबसे पहले सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। इसके बाद टाटा समूह के वयोवृद्ध और कई साल तक चेयरमैन रह चुके रतन टाटा ने भी सुप्रीम कोट्र में फैसले को चुनौती देने वाली याचिका दायर की। उन्होंने एनसीएलएटी के फैसले को मामले के रिकार्ड के प्रतिकूल, गलत और अशुद्ध बताया।

गेहूं बुआई रकबा पिछले साल की तुलना में 9.3 फीसद बढ़ा

नई दिल्ली, 4 जनवरी (भाषा)।

बेहतर मौसम के बीच चालू रबी मौसम में गेहूं की बुआई का रकबा 312.8 लाख हेक्टेयर तक पहुंच चुका है जो पिछले साल इसी अवधि की तुलना में 9.28 फीसद अधिक है।

रबी की बुआई अक्तूबर के शुरू से होती है और फसल की कटाई मार्च से होती है। कृषि मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार चालू रबी सत्र में गेहूं की बुआई न केवल पिछले साल के स्तर को पार कर गई है, बल्कि सामान्य रूप से 305.58 लाख हेक्टेयर के वार्षिक औसत से भी ऊपर पहुंच गई है। पिछले साल इस समय तक 286.23 लाख हेक्टेयर में गेहूं की बुआई हुई थी।

मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल और हरियाणा में गहूं का रकबा ऊंचा है। कृषि मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि मिट्टी में नमी का स्तर बेहतर रहने से किसान ज्यादा रकबे में गेहूं की खेती करने को प्रोत्साहित हुए हैं। फसल बेहतर होने की संभावनाएं हैं।

दलहनों की बुआई भी मामूली बढ़त पर है। शुक्रवार तक दलहन क्षेत्र 146.24 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया था। पिछले साल इस समय दलहनों का रकबा 142.22 लाख हेक्टेयर था। तिलहन की बुआई का रकबा पिछले साल के स्तर पर चल रहा है। सरसों और मूंगफली जैसी तिलहनी फसलें 75.72 लाख हेक्टेयर में बोई गई हैं, जबकि साल भर पहले यह रकबा 75.71 लाख हेक्टेयर था।

मोटे अनाज का रकबा 49.40 लाख हेक्टेयर है, जो पिछले साल इस समय 43.82 लाख हेक्टेयर था। रबी का धान पिछले साल के 13.98 लाख हेक्टेयर से बढ़कर अब तक 16.16 लाख हेक्टेयर में बोया/रोपा गया है। सभी रबी फसलों का रकबा 600.32 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है।

'भारत को मजबूत अर्थव्यवस्था के लिए बौद्धिक संपदा के दोहन की जरूरत'

नई दिल्ली, 4 जनवरी (भाषा)।

भारत को पांच हजार अरब डॉलर की मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने, अधिक रोजगार पैदा करने और वृद्धि के बेहतर अवसर के लिए बौद्धिक संपदा (आइपी) अधिकारों के क्षेत्र में मजबूत पारिस्थितिकी तैयार करने की जरूरत है। इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड का ऐसा मानना है।

इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि वह आइटैग बिजनेस सोल्यूशंस लिमिटेड के साथ मिलकर यहां आठ से 10 जनवरी तक वैश्विक आइपी संगोष्ठी के 12वें संस्करण का आयोजन करने वाला है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इसका उद्घाटन करेंगी। सम्मेलन में 25 देशों के 500 से अधिक प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है। कार्यक्रम के समापन सत्र में पूर्व रेल मंत्री सुरेश प्रभु मुख्य अतिथि होंगे।

संस्था के जारी बयान में कहा गया है कि आज के समय में किसी भी देश के आर्थिक विकास में बौद्धिक संपदा बड़ी भूमिका निभा रही है। अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इसका करीब 35 फीसद का योगदान है। अमेरिका की जीडीपी में आइपी का योगदान छह हजार अरब डॉलर का है जोकि भारत की जीडीपी से दोगुनी है। यूरोप की जीडीपी में आइपी का योगदान करीब 39 फीसद तक है।

संस्था ने कहा कि भारत को अगर तेजी से आगे बढ़ना है तो उसे भी अमेरिका, यूरोप और चीन की तरह बौद्धिक संपदा पर ध्यान देने की जरूरत है। अगर बौद्धिक संपदा की ठोस पारिस्थितिकी तैयार की जाती है तो इससे हमारी स्वदेशी प्रौद्योगिकी को विशिष्टता मिलेगी और हमारा निर्यात प्रतिस्पर्धी होगा। इसके परिणामस्वरूप आयात कम होगा और चालू खाता घाटे की मौजूदा स्थिति लाभ में बदल जाएगी। रुपए को भी इससे मजबूती मिलेगी। यह देश को पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के साथ ही निकट भविष्य में 10 हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में भी मदद करेगा।

रॉयल ट्विंकल व साइट्रस चेक इंस की संपत्तियों की नीलामी 23 को

नई दिल्ली, 4 जनवरी (भाषा)।

पूंजी बाजार नियामक सेबी 23 जनवरी को रॉयल ट्विंकल स्टार क्लब लिमिटेड और साइट्रस चेक इंस लिमिटेड की संपत्ति की नीलामी करेगा। इस नीलामी का मकसद अवकाश-भ्रमण योजनाओं के नाम पर निवेशकों को धोखा देकर जुटाए गए धन की वसूली करना है।

नियामक ने शुक्रवार को एक नोटिस में कहा कि यह कदम सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद उठाया गया है। कंपनियों की मुंबई, बंगलुरु और केरल की संपत्ति की नीलामी 23 जनवरी को की जाएगी।

मुंबई के लोअर परेल की परिसंपत्ति 25.6 करोड़ रुपए के आरक्षित मूल्य पर नीलाम की जाएगी, जबकि लोनावाला संपत्ति के लिए आरक्षित मूल्य 35.25 करोड़ रुपए है। बंगलुरु और अलप्पुझा (केरल) की संपत्ति की आरक्षित कीमत क्रम से 32 करोड़ और 15.3 करोड़ रुपए है।

दिसंबर 2018 में सेबी ने अपने आदेश का पालन न करने के लिए साइट्रस चेक इंस और उसके निदेशकों पर 50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया था, जहां सेबी ने उन्हें जनता से धन जुटाने पर रोक लगा दी थी।

बैंक ऑफ़ इंडिया Bank of India — Relationships beyond banking.

मुरादाबाद एसएमई शाखा
ए -16, गांधी नगर, रामपुर रोड-मुरादाबाद।
दूरभाष: 0591-2491247

कब्जा नोटिस

जैसा कि अधोहस्ताक्षर कर्ता ने वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत **बैंक ऑफ इण्डिया** का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए तथा धारा 13(12) सहपठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक **29.03.2019** को मांग नोटिस जारी किया था जिसमें उधारकर्ता **मैसर्स मुनेश प्रोविजनल स्टोर और श्री मुनेश पुत्र श्री लखन सिंह (प्रोपराइटर)** को मांग नोटिस में वर्णित ऋण की राशि **रू. 06,16,330.58 (छः लाख सोलह हजार तीन सौ तीस व अट्ठावन पैसे)** साथ में अनुबंधित दर पर आगे ब्याज के साथ डब्लू.ई.एफ. **29.03.2019** और अन्य शुल्क उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिवस के भीतर चुकाने को कहा गया था।

ऋणी द्वारा धनराशि अदा न करने पर **ऋणी मैसर्स मुनेश प्रोविजनल स्टोर और श्री मुनेश पुत्र श्री लखन सिंह (प्रोपराइटर)** तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षर कर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) सपठित उक्त नियम के नियम 8 के अंतर्गत ब्याज प्रवर्तन 2002 प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक **03.01.2020** को निम्नलिखित संपत्ति का कब्जा ले लिया है।

विशेष रूप से ऋणी तथा आम तौर पर जनता को नीचे दी गयी सम्पत्ति और सुरक्षित परिसम्पत्तियों के संबंध में कोई भी लेन-देन न करने की चेतावनी दी जाती है। इस संपत्ति के साथ कोई भी लेन-देन **बैंक ऑफ इण्डिया** को देय धनराशि **रू. 06,16,330.58 (छः लाख सोलह हजार तीन सौ तीस व अट्ठावन पैसे)** साथ में अनुबंधित दर पर आगे ब्याज के साथ डब्लू.ई.एफ. **29.03.2019** और अन्य शुल्क सहित देना होगा। (सरफेसिया एक्ट-2002 के अधिनियम की धारा 13(2) के बाद यदि कोई राशि दिया हो तो वह कम हो जायेगा)

सुरक्षित परिसंपत्तियों को भुनाए जाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 के उपधारा 8 के प्रावधान के लिए उधारकर्ताओं के ध्यान को आमंत्रित किया जाता है

सुरक्षित सम्पत्ति का विवरण

1. स्टॉक और बुक डेब्ट का हाइपोथैकेशन
2. संयंत्र और मशीनरी (हाइलिमीटर, सेंटीफुगल, आरआईएल मशीन, सेफरेटर, चक्की, न्यू मैट्रिक, रोल मशीन, पानी बारम, व्हीटा टेंक, सॉफ्ट, पुली बेल्ट, डस्ट प्लांट, मशीनरी बैठने आदि) का हाइपोथैकेशन

दिनांक: 03.01.2020 स्थान: मुरादाबाद — **चीफ मैनेजर और प्राधिकृत अधिकारी**

पंजाब एण्ड सिंध बैंक (भारत सरकार का उपक्रम)
जहाँ सेवा जीवन का एक तरीका है!
शाखा : आसफ अली रोड

कब्ज़ा सूचना
(अचल सम्पत्तियों के लिए)

जबकि:
अधोहस्ताक्षरी ने **पंजाब ऐंड सिंध बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अधीन तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 9 साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एक मांग सूचना दिनांकित **03-07-2019** जारी की थी, जिसमें **कर्जदार श्री माधवी सिंह एवं श्री सुकान्त मोहन टैगोर, श्री नवीन कुमार शर्मा (गारंटर)** से सूचना में वर्णितानुसार **29-06-2019** तक बकाया राशि **रू. 6,61,221.40 (रू. छह लाख इकसठ हजार दो सौ इक्कीस तथा पैसे चालीस मात्र)** तथा ब्याज और अन्य प्रभार उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिन के भीतर चुकाने की मांग की गई थी।

कर्जदार/गारंटर उक्त राशि चुकाने में असफल रहे हैं, एतदद्वारा कर्जदार और जन साधारण को सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमावली के नियम 9 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का सांकेतिक कब्जा **01 जनवरी, 2020** को प्राप्त कर लिया है।

एतदद्वारा विशेष रूप से कर्जदार/गारंटर को तथा जनसाधारण को उक्त सम्पत्ति के संबंध में संव्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है तथा उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी संव्यवहार पंजाब ऐंड सिंध बैंक की बकाया राशि **रू. 6,61,221.40** उस पर आगे उपरोक्तानुसार ब्याज एवं अन्य प्रभारों के अधीन होगा।

अचल सम्पत्ति का वर्णन

सम्पत्ति के समस्त अंश एवं खंड : सुश्री माधवी सिंह एवं श्री सुकान्त मोहन टैगोर के नाम में दर्ज फ्लैट नंबर एफ-2, प्रथम तल, सम्पत्ति सं. ए-2/6, डीएलएफ कालोनी, अंकुर विहार, ग्राम लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश।

दिनांकित : 01-01-2020 — (प्राधिकृत अधिकारी)
स्थान : नई दिल्ली — पंजाब ऐंड सिंध बैंक

फार्म नं. सीएए.2
(धारा 230 (3) और नियम 6 एवं 7 के अनुसरण में)
राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण इलाहाबाद पीठ, इलाहाबाद
के समक्ष
कम्पनी आवेदन सं. 06 ऑफ 2019 कम्पनी अधिनियम, 2013
के मामले में
और
कम्पनी (समझौता, व्यवस्था एवं समामेलन) नियम, 2016 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 230 से 232, धारा 66 एवं अन्य लागू प्रावधानों के अंतर्गत आवेदन
और
निम्नलिखित के बीच
व्यवस्था की योजना के मामले में

1. सरगम डीलर्स प्राइवेट लिमिटेड .....आवेदक कम्पनी नं.1/हस्तांतरणकर्ता कम्पनी
और
2. महाराज रिटेलर्स प्राइवेट लिमिटेड .....आवेदक कम्पनी नं.2/हस्तांतरणकर्ता कम्पनी
और
3. रिनम ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड .....आवेदक कम्पनी नं.3/हस्तांतरणकर्ता कम्पनी
और
4. रिनम डीलमार्क प्राइवेट लिमिटेड .....आवेदक कम्पनी नं.4/हस्तांतरणकर्ता कम्पनी
और
5. ब्लूस्टार सीमेंट लिमिटेड .....आवेदक कम्पनी नं.5/हस्तांतरणकर्ता कम्पनी
और
6. विवांत सीमेंट वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड .....आवेदक कम्पनी नं.6/हस्तांतरणकर्ता कम्पनी
और
7. कनोडिया सीमेंट लिमिटेड .....आवेदक कम्पनी नं. 7/हस्तांतरिती कम्पनी
उनके संबंधित शेयरधारक

विवांत सीमेंट वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड
(CIN: U74120UP2013PTC056317), कम्पनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अंतर्गत गठित एक लिमिटेड कम्पनी जिसका पंजीकृत कार्यालय सी-1, फर्स्ट फ्लोर सैक्टर-2 नोएडा गौतम बुद्ध नगर यूपी 201301 में है
.....("आवेदक कम्पनी 6")

आवेदक कम्पनी 6 के प्रतिभूत एवं अप्रतिभूत लेनदारों की बैठक की सूचना का विज्ञापन

सेवा में,
विवांत सीमेंट वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के सभी प्रतिभूत एवं अप्रतिभूत लेनदार एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि माननीय राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण, इलाहाबाद पीठ, इलाहाबाद ने अपने आदेश दिनांक 19 दिसम्बर, 2019 के द्वारा कम्पनी (समझौता, व्यवस्था एवं समामेलन) नियम, 2016 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 230, 232 और 66 तथा अन्य लागू प्रावधानों के अनुसरण में (i) सरगम डीलर्स प्राइवेट लिमिटेड, (ii) महाराज रिटेलर्स प्राइवेट लिमिटेड (iii) रिनम ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड (iv) रिनम डीलमार्क प्राइवेट लिमिटेड (v) ब्लूस्टार सीमेंट लिमिटेड (vi) विवांत सीमेंट वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड ("हस्तांतरणकर्ता कम्पनी") के साथ कनोडिया सीमेंट लिमिटेड (हस्तांतरिती कम्पनी) तथा उनके संबंधित शेयरधारकों के बीच प्रस्तावित व्यवस्था की योजना ("योजना") पर विचार करने, और यदि जरूरी हुआ तो संशोधन या बिना संशोधन उसे अनुमोदित करने के लिए आवेदक हस्तांतरणकर्ता कम्पनी 6, विवांत सीमेंट वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिभूत एवं अप्रतिभूत लेनदारों की एक बैठक आयोजित करने के निर्देश दिये हैं।

उक्त आदेश एवं निर्देश के अनुसरण में आगे एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक कम्पनी 6 के प्रतिभूत एवं अप्रतिभूत लेनदारों की बैठक **गुरुवार, 06 फरवरी, 2020 को दोपहर 12:30 बजे** ए-19, दूसरा तल, ब्लॉक-ए, सैक्टर 16, नोएडा-201301, उत्तर प्रदेश में आयोजित की जाएगी जिसके लिए सभी प्रतिभूत एवं अप्रतिभूत लेनदारों को उचित समय एवं स्थान पर उपस्थित होने का अनुरोध किया जाता है।

उक्त योजना की प्रतियां और धारा 230 के अंतर्गत विवरण कम्पनी के कार्पोरेट कार्यालय ए-19, दूसरा तल, ब्लॉक-ए, सैक्टर-16, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से निःशुल्क प्राप्त किये जा सकते हैं।

बैठक में भाग लेने और वोट देने का पात्र व्यक्ति उचित बैठक में स्वयं या प्रॉक्सी के माध्यम से उपस्थित हो सकता है और वोट दे सकता है बशर्ते कि निर्धारित प्रारूप में संबंधित प्रॉक्सी फार्म आवेदक कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय में बैठक के निर्धारित समय से 48 घंटे पूर्व जमा कर दिए गया हो। प्रॉक्सी फार्म आवेदक कम्पनी के पंजीकृत कार्यालय से भी प्राप्त किया जा सकता है।

अधिकरण ने उचित बैठक के लिए श्री कृष्ण देव व्यास को अध्यक्ष और श्री निरंजन नाथ, अधिवक्ता को वैकल्पिक अध्यक्ष तथा श्री अंकित सिंह (पीसीएस) को पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया है। उपरोक्त वर्णित योजना, यदि बैठक में अनुमोदित हो जाती है तो वह अधिकरण के अनुवर्ती स्वीकृति के अधीन होगी।

(क) कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 108 एवं 110 के साथ पठित धारा 230(4); (ख) कम्पनी (समझौता, व्यवस्था एवं समामेलन) नियम, 2016 के नियम 6(3)(ग); (ग) कम्पनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियम, 2014 के नियम 20 एवं अन्य लागू प्रावधानों के साथ पठित नियम 22 के प्रावधानों के अनुसरण में, आवेदक कम्पनी द्वारा बैठक के स्थान पर बैलेट/पोलिंग पेपर के माध्यम से वोटिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

आज, दिनांक 04 जनवरी, 2020
पंजीकृत कार्यालय : सी-1, फर्स्ट फ्लोर सैक्टर-2 नोएडा गौतम बुद्ध नगर यूपी 201301

हस्ता./-
कृष्ण देव व्यास
बैठक के लिए नियुक्त अध्यक्ष

उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद
निर्माण इकाई-वाराणसी, आफिस कम शापिंग काम्प्लेक्स, जवाहरनगर, भेलूपुर, वाराणसी।
Ph.: 0542-2275048, Email:- upavppm@gmail.com

पत्रांक: 18/G-6/02 — **ई-निविदा सूचना** — दिनांक- 04.01.2020

अधोहस्ताक्षरी द्वारा इकाई कार्यालय के पत्रांक 17/जी-6/01, दिनांक 04.01.2020 के माध्यम से विभिन्न कार्यो हेतु ई-निविदा सूचना आमंत्रित की गयी है। ई-निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण परिषद की वेबसाइट www.upavp.com एवं http://etender.nic.in पर देखे जा सकते हैं।

(समर उपाध्याय) परियोजना प्रबन्धक

केनरा बैंक Canara Bank (A Govt. of India undertaking)
आस्ति वसूली प्रबंधन शाखा (ARM)
आर्य समाज रोड, करोल बाग, दिल्ली - 110005
फोन-011-28751723, 28754731, Email : Cb2365@canarabank.com

यह शुद्धिपत्र समाचार पत्र जनसत्ता व फाइनेंशियल एक्सप्रेस में दिनांक 3 जनवरी 2020 को प्रकाशित नीलामी सूचना विज्ञापन के सम्बंध में है। **जनसत्ता:** पहली पंक्ति में वर्णित धारा 13(4) के नियम "8(6)" को 8 और 9 पढ़ें। **क्रम सं. 1** में कर्जदार का नाम मैसर्स शर्मा कान्ट्रेक्टर इंडिया प्रा. लि. पढ़ें एवं अन्य पता में द्वारका सेक्टर के आगे '16ए' पढ़ें। सम्पत्ति विवरण में सम्पत्ति क्षेत्र 410 वर्गगज पढ़ें। कुल देयताएं में आगे की ब्याज तिथि 01.01.2020 पढ़ें। **क्रम सं. 2** में गारंटर श्री आशीष तपाड़िया के पिता का नाम श्री एच के महेश्वरी पढ़ें। श्री एच के महेश्वरी के नाम के आगे निदेशक/गारंटर पढ़ें। सम्पत्ति विवरण में खसरा नं. 1398 को 1398 केऐ पढ़ें। **क्रम सं. 3** में गारंटर अखिल राठू का अन्य पता में कनॉट सर्कस के बाद नई दिल्ली पढ़ें। कुल देयताएं में आगे की ब्याज तिथि 01.01.2020 पढ़ें। **नियम व शर्तें:- क्रम सं. ए** में वेबसाईट www.bankeauctions.com पढ़ें। **क्रम सं. डी** में ईएमडी जमा करने की तिथि 20.01.2020 पढ़ें। **क्रम सं. एच** में बोली गुणक राशि से पहले लिखा शब्द 'क्रम सं. 1 और 2 के लिए' मान्य नहीं है। **फाइनेंशियल एक्सप्रेस: क्रम सं. ए** में वेबसाईट www.bankeauctions.com पढ़ें।

दिनांक: 04.01.2020, स्थान: नई दिल्ली — प्राधिकृत अधिकारी, केनरा बैंक

सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया Central Bank of India
1911 से आपके लिए "केन्द्रित" "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911
शाखा कार्यालय : भगीरथ पैलेस, दिल्ली-110006
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति और सम्पत्ति के लिए)
परिशिष्ट-IV (नियम 8 (1) देखें)

जबकि वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 (2002 के 54) के अंतर्गत **सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, भगीरथ पैलेस, दिल्ली शाखा** का प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पढ़े जाने वाले अनुच्छेद 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने मांग सूचना दिनांक **26/08/2019** जारी की थी **और दिनांक 03.10.2019 के समाचार पत्र के माध्यम से प्रकाशित** जिसके द्वारा **कर्जदार: (1) श्री नवीन गुप्ता (कर्जदार) (2) श्रीमती शालिनी गुप्ता (सह-कर्जदार),** को सूचना में उल्लिखित राशि **रु.4,19,72,649/- (चार करोड़ उन्नीस लाख बहत्तर हजार छः सौ उनन्चास रूपये मात्र) 26.08.2019 को बकाया,** उक्त सूचना की प्राप्ति के 60 दिनों के भीतर चुकाने के लिए कहा गया था। **कर्जदार** के इस राशि को चुकाने में असफल रहने के कारण, कर्जदार तथा आम जनता को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 के साथ पढ़े जाने वाले कथित अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए नीचे वर्णित **सम्पत्ति का कब्जा दिनांक 02 जनवरी 2020** को ले लिया है। **कर्जदार** को विशेष तौर पर तथा आम जनता को सामान्य तौर पर एतदद्वारा सावधान किया जाता है कि वे सम्पत्ति के साथ किसी प्रकार का लेन-देन न करें और सम्पत्ति का कोई भी लेनदेन **रु.4,19,72,649/- (चार करोड़ उन्नीस लाख बहत्तर हजार छः सौ उनन्चास रूपये मात्र) 26.08.2019 को बकाया,** एवं उस पर आगे कोई भी ब्याज के साथ सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, भगीरथ पैलेस, दिल्ली शाखा के प्रभार के भुगतान के अधीन होगा।

आपका ध्यान सुरक्षित सम्पत्ति को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम के अनुच्छेद 13 के उप-अनुच्छेद (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

अचल सम्पत्ति का विवरण

बंधक सम्पत्ति का विवरण: श्रीमती शालिनी गुप्ता के नाम में मूखण्ड प्लॉट असर सं.ई-216, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 के तीसरे तल के सभी भाग एवं हिस्से। **परिमाप 2100 वर्ग फीट, जो घिरा है:-** पूर्व: 80 फीट चौडी रोड — पश्चिम: 15 फीट चौडी सर्विस लेन; उत्तर: प्लॉट नं.217 — दक्षिण: प्लॉट नं. 218

स्थान: नई दिल्ली — **प्राधिकृत अधिकारी**
तिथि: 02.01.2020 — **सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया**

प्रपत्र - 'जी'
अभिरूचि की अभिव्यक्ति हेतु आमंत्रण
(दिवाला और ऋण शोध अक्षमता (कार्पोरेट व्यक्तियों के लिए ऋण शोध अक्षमता समाधान प्रक्रिया) विनियमावली, 2016 के विनियम 36ए (1) के अधीन)
प्रासंगिक विवरण

1.	कार्पोरेट देनदार का नाम	फोजल पावर प्राइवेट लिमिटेड
2.	कार्पोरेट देनदार के निगमन की तिथि	28.11.2001
3.	प्राधिकरण जिसके अधीन कार्पोरेट देनदार निगमित/पंजीकृत है	रजिस्ट्रार ऑफ कंपनी, दिल्ली(आर ओ सी-दिल्ली)
4.	कार्पोरेट देनदार की कार्पोरेट पहचान संख्या	U40101DL2001PTC113298
5.	कार्पोरेट देनदार के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई) का पता	पंजीकृत कार्यालय: 212, पहली मंजिल, शाहपुर जाट, नई दिल्ली- 110049 साइट का पता: मेसर्स फोजल पावर प्राइवेट लिमिटेड फोजल हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट: ग्राम फाति मेहा और द्वार, कोठी बाराघर, तहसील और जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश
6.	कार्पोरेट देनदार के संबंध में दिवाला प्रारम्भ होने की तिथि	22.10.2019
7.	अभिरूचि की अभिव्यक्ति के आमंत्रण की तिथि	05.01.2020
8.	कोर्ट की धारा 25(2)(एच) के अधीन समाधान आवेदकों के लिए पात्रता निम्नलिखित पर उपलब्ध है	विवरण cirp.fozalpower@gmail.com पर ई-मेल भेजकर प्राप्त किया जा सकता है
9.	धारा 29ए के अधीन लागू अयोग्यता के मानक निम्नलिखित पर उपलब्ध है:	आईबीबीआई की वेबसाइट (www.ibbi.gov.in) पर उपलब्ध हैं अथवा cirp.fozalpower@gmail.com पर ई-मेल भेजकर प्राप्त किया जा सकता है
10	अभिरूचि की अभिव्यक्ति की प्राप्ति हेतु अंतिम तिथि	20.01.2020
11	संभावित समाधान आवेदकों की अनंतिम सूची जारी करने की तिथि	30.01.2020
12	अनंतिम सूची के बारे में आपत्तिया प्रस्तुत करने हेतु अंतिम तिथि	04.02.2020
13	संभावित समाधान आवेदकों की अं

इण्डियन ओवरसीज बैंक

असेट रिकवरी मैनेजमेंट शाखा,
रचना बिल्डिंग, चतुर्थ तल, 2, राजेन्द्र प्लेस, पूसा रोड, नई दिल्ली–110008
फोन नंबर : 011–25758124, ई–मेल आईडी : iob1997@iob.in

अचल सम्पत्ति की बिक्री के लिए बिक्री सूचना [प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली के नियम 8(6) के परंतुक के तहत]

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण तथा पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के परन्तुक 8 (6) के तहत अचल आस्तियों की बिक्री के लिए ई–नीलामी सूचना।

एतद्द्वारा सर्व साधारण को तथा विशेष रूप से कर्जदारों और गारंटरों को सूचना दी जाती है कि **इण्डियन ओवरसीज बैंक** के पास बंधक रखी गई निम्नवर्णित अचल सम्पत्तियां, जिनका कब्जा इण्डियन ओवरसीज बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्राप्त किया जा चुका है, नीचे उल्लिखित विवरण को "जैसी है जहां है", "जो है जैसी है", "जो भी है वहां है" आधार पर बेची जाएंगी।

क्र. स.	कर्जदारों का नाम / गारंटरों का नाम	इण्डियन ओवरसीज बैंक को देय राशि	अचल संपत्ति का विवरण / ज्ञात ऋणभार यदि कोई हो	कब्ज़ा का प्रकार	सुरक्षित मूल्य / बोली वृद्धि राशि	नीलामी की तिथि / ईएमडी जमा करने हेतु अंतिम तिथि	संपर्क व्यक्ति और मोबाइल नं.
1.	मेसर्स पेंटाकल क्लोथिंग प्रा. लि. 1. श्री कमल कंटोर 2. श्रीमती आकृति कंटोर 3. श्रीमती शांति नवल 4. श्री चिराग नवल	17.12.2015 को रु. 1,62,69,954.78 आगे ब्याज और लागत के साथ 01–12–2015 से	**श्रीमती शांति नवल** के स्वामित्व मे गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की कौशांबी योजना में स्थित फ्लैट नंबर 203, कंचनजुंगा की लीज होल्ड सम्पति ज्ञात नहीं	सांकेतिक	रु 79.79 लाख रु 08.00 लाख	21.01.2020 20.01.2020	श्री एहसान खलील मो नं. 8447416904
2.	मैसर्स शारदा जेम्स एंड ज्वेल्स प्रा लि 1072/1167, प्रथम तल, 105 कुचा महाजनी, चांदनी चौक, दिल्ली –110006; **अन्य पता** : 2523/8, द्वितीय तल, गली नंबर 8 बिडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली– 110005 1. **श्री भरत कुमार**, 36/13, द्वितीय तल, पूर्वी पटेल नगर, दिल्ली 2. **श्रीमती कुलवंत कौर** म न 925, एचआईजी, सेक्टर –7, मोहाली, पंजाब 3. **सुश्री शेफाली भारत कुमार** 36/13, द्वितीय तल, पूर्वी पटेल नगर, दिल्ली	31.03.2017 को रु. 4,42,16,068.86 ब्याज और लागत के साथ	**लॉट 1** : सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : आबादी ध्यान सिंह कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, कुंदन नगर, जीटी रोड, बस स्टैंड, लुधियाना में दुकान परिमाप 1.60 वर्ग गज, स्थित एम सी नंबर बी–17–478/2ए/बी–3, बेसमेंट दुकान नंबर बी–3, रकबा यथानुपात भूमि क्षेत्रफल 14.45 वर्ग फीट, सुपर कवर एरिया 111 वर्ग फीट। **लॉट 2** : सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : आबादी ध्यान सिंह कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, कुंदन नगर, जीटी रोड, बस स्टैंड, लुधियाना में सम्पत्ति संख्या बी–17–478/2ए/बी–6, बेसमेंट दुकान नंबर बी–6, परिमाप 8.29 वर्ग गज, रकबा यथानुपात भूमि क्षेत्रफल 74.63 वर्ग फीट, सुपर कवर एरिया 573 वर्ग फीट। **लॉट 3** : सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : आबादी ध्यान सिंह कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, कुंदन नगर, जीटी रोड, बस स्टैंड, लुधियाना में सम्पत्ति संख्या बी–17–478/2ए/बी–11, बेसमेंट दुकान नंबर बी–11, परिमाप 6.04 वर्ग गज, रकबा यथानुपात भूमि क्षेत्रफल 54.44 वर्ग फीट, सुपर कवर एरिया 418 वर्ग फीट। **लॉट 4** : सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : आबादी ध्यान सिंह कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, कुंदन नगर, जीटी रोड, बस स्टैंड, लुधियाना में सम्पत्ति संख्या बी–17–478/2ए/बी–18, बी–19 बेसमेंट दुकान नंबर बी–18, बी–19 परिमाप 16.23 वर्ग गज, रकबा यथानुपात भूमि क्षेत्रफल 126.73 वर्ग गज, सुपर कवर एरिया 973 वर्ग फीट। **लॉट 5** : सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : आबादी ध्यान सिंह कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, कुंदन नगर, जीटी रोड, बस स्टैंड, लुधियाना में सम्पत्ति संख्या बी–17–478/2ए/बी–20, बी–21, बेसमेंट दुकान नंबर बी–20, बी–21, परिमाप 16.23 वर्ग गज, रकबा यथानुपात भूमि क्षेत्रफल 146.13 वर्ग गज, सुपर कवर एरिया 1122 वर्ग फीट। **लॉट 6** : सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : आबादी ध्यान सिंह कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, कुंदन नगर, जीटी रोड, बस स्टैंड, लुधियाना में दुकान परिमाप 2.04 वर्ग गज, स्थित सम्पत्ति संख्या बी–17–478/2ए/बी–34, बेसमेंट दुकान नंबर बी–34, रकबा यथानुपात भूमि क्षेत्रफल 18.38 वर्ग फीट, सुपर कवर एरिया 141 वर्ग फीट। **लॉट 7** : सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : आबादी ध्यान सिंह कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, कुंदन नगर, जीटी रोड, बस स्टैंड, लुधियाना में सम्पत्ति संख्या बी–17–478/2ए/बी–36, बी–37, बेसमेंट दुकान नंबर बी–36, बी–37, परिमाप 5.07 वर्ग गज, रकबा यथानुपात भूमि क्षेत्रफल 45.71 वर्ग फीट, सुपर कवर एरिया 351 वर्ग फीट। **लॉट 8** : सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : आबादी ध्यान सिंह कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, कुंदन नगर, जीटी रोड, बस स्टैंड, लुधियाना में दुकान परिमाप 141 वर्ग फीट, स्थित सम्पत्ति संख्या बी–17–478/2ए/जी–3, दुकान नंबर जी–3, भू तल। **लॉट 9** : सम्पत्ति के सभी अंश एवं खंड : आबादी ध्यान सिंह कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, कुंदन नगर, जीटी रोड, बस स्टैंड, लुधियाना में दुकान परिमाप 170 वर्ग फीट, स्थित सम्पत्ति संख्या बी–17–478/2ए/जी–56, दुकान नंबर जी–56, भू तल। **(सभी सम्पत्तियां बैंक के भौतिक कब्जे में हैं)** ज्ञात नहीं	भौतिक	लॉट 1 : रु 5.40 लाख लॉट 2 : रु 25.20 लाख लॉट 3 : रु 18.45 लाख लॉट 4 : रु 43.20 लाख लॉट 5 : रु 49.99 लाख लॉट 6 : रु 6.30 लाख लॉट 7 : रु 15.30 लाख लॉट 8 : रु 8.10 लाख लॉट 9 : रु 9.45 लाख लॉट 1 : रु 0.54 लाख लॉट 2 : रु 2.52 लाख लॉट 3 : रु 1.85 लाख लॉट 4 : रु 4.32 लाख लॉट 5 : रु 5.00 लाख लॉट 6 : रु 0.63 लाख लॉट 7 : रु 1.53 लाख लॉट 8 : रु 0.81 लाख लॉट 9 : रु 0.95 लाख	21.01.2020 20.01.2020	श्री अमनदीप सिंह मो नं. 9643330180
3.	मैसर्स जी टी बयोफार्मा प्रा. लि. बी–87, दूसरी मंजिल, डिफेन्स कॉलोनी, नई दिल्ली –110024 **यहां भी** : मैसर्स जी टी बयोफार्मा प्रा. लि. 304, मनीषा बिल्डिंग, 75–76 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली –110019 **यहां भी** : मैसर्स जी टी बयोफार्मा प्रा.लि. कालाअम्ब, मोजल मोगीनंद, तहसील नाहन, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश 1. **श्री मुकेश भसीन (निदेशक और गारंटर)** ई–21, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली –110027 2. **श्री संजय भारतीय (निदेशक और गारंटर)** ओ –64, लाजपत नगर I, नई दिल्ली – 110024 3. **श्री कमल भाटिया (गारंटर)** 86, सज्जा सिंह पार्क, मॉडल टाउन, पानीपत, हरियाणा – 132103 4. **मैसर्स इंडकुस ड्रग्स एंड फार्मा श्री कमल भाटिया और श्रीमती वीणा भाटिया** इसके भागीदार के माध्यम से प्लॉट न. 41–42, सेक्टर–49, हुडा पानीपत, हरियाणा – 132102 (बन्धककर्ता) 5. **मैसर्स इंडकुस ड्रग्स एंड फार्मा श्री कमल भाटिया और श्रीमती वीणा भाटिया**, इसके भागीदार के माध्यम से गांव मोगीनंद, चंडीगढ़ देहरादून रोड, कालाअम्ब, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश –173001 **(बन्धककर्ता)** 6. **श्रीमती वीणा भाटिया (गारंटर)** 86, सज्जा सिंह पार्क, मॉडल टाउन, पानीपत, हरियाणा – 132103 7. **मैसर्स जी टी बयोफार्मा प्रा.लि.** बी–87, दूसरी मंजिल, डिफेन्स कॉलोनी, नई दिल्ली –110024	09.10.2017 को रु. 17,29,14,939.44 ब्याज और लागत के साथ	औद्योगिक प्लॉट माप 950.81 वर्ग गज जी प्लॉट नं ई –47 पर,भूमि क्षेत्र माप 795 वर्ग मीटर, जी टी रोड के दक्षिण, औद्योगिक क्षेत्र, गाजियाबाद, यूपी में स्थित, **(संपत्ति बैंक के सांकेतिक कब्जे में है)** ज्ञात नहीं	सांकेतिक	रु 200.41 लाख रु 21.00 लाख	21.01.2020 20.01.2020	श्री अमनदीप सिंह मो नं. 9643330180
4.	1. मैसर्स सेलपेज कम्युनिकेशंस 2. मैसर्स सेलपेज कम्युनिकेशन प्रा लि 3. मैसर्स आर.सी. इंटरप्राइजेज 4. मैसर्स एपेक्स इन्फोकॉम 5. राजेश छाबड़ा और अनुजा छाबड़ा 252–ए, भूतल, नानक भवन पंचशील कमर्शियल काम्प्लेक्स, शाहपुरजट, नई दिल्ली –110049 1. श्री राजेश छाबड़ा 2. श्रीमती अनुजा छाबड़ा 3. श्री महेंद्र कुमार छाबड़ा, एरपेस 299, निरयाना कंट्री, सालथ सिटी II, गुड़गांव –122001	1. मैसर्स सेलपेज कम्युनिकेशंस 31.12.2013 को रु 13,07,33,107.10 2. मैसर्स सेलपेज कम्युनिकेशन प्रा. लि. 31.03.2014 को रु 1,31,99,351.47 3. मैसर्स आर.सी. इंटरप्राइजेज 31.03.2014 को रु 1,60,62,113.77 4. मैसर्स एपेक्स इन्फोकॉम 31.03.2014 को रु 75,28,744.10 5. राजेश छाबड़ा और अनुजा छाबड़ा 31.03.2014 को रु 65,18,500.91	**लॉट 1** : फ्रीहोल्ड आवासीय सम्पत्ति जो इरपेस –299, ब्लॉक आर एंड टी,300 वर्ग मीटर की पूरी के साथ भूमि के नीचे और 4091 वर्ग फुट (380.06 वर्ग मीटर) निर्मित क्षेत्र, आवासीय कॉलोनी निरयाना कॉलोनी, साउथ सिटी– II, फेज–II, गुड़गांव में स्थित, **श्री राजेश छाबड़ा और श्रीमती अनुजा छाबड़ा** के नाम **लॉट 2** : लीज होल्ड आवासीय फ्लैट नंबर 1103 (11 वीं मंजिल) ब्लॉक नं. 09 में, यूनिटेक होरिजन के, प्लॉट नंबर 6, सेक्टर –पी आई 2, एल्डिस्टोनिया एस्टेट, ग्रेटर नोएडा, जिला –गौतम बुद्ध नगर में **श्रीमती अनुजा छाबड़ा और श्री राजेश छाबड़ा** के नाम पर **लॉट 3** : फ्रीहोल्ड कमर्शियल दुकान न एस बी –09, निर्मित एरिया 286 वर्ग फीट (26.57 वर्ग मीटर) प्रथम तल, जयपुरिया सनराइज प्लाजा प्लॉट नं. 12ए में अहिंसा खंड, इंदिरापुरम, गाजियाबाद में स्थित। **श्री राजेश छाबड़ा और श्रीमती अनुजा छाबड़ा** के नाम पर **(सम्पतिया लॉट 1 और 2 सांकेतिक कब्जे के तहत और लॉट 3 भौतिक कब्जे के तहत हैं)** ज्ञात नहीं	लॉट 1 और 2 की संपत्ति सांकेतिक कब्जे में है और लॉट 3 की भौतिक कब्जे में है	लॉट 1 : रु 361.81 लाख लॉट 2 : रु 42.90 लाख लॉट 3 : रु 18.45 लाख लॉट 1 : रु 36.19 लाख लॉट 2 : रु 4.29 लाख लॉट 3 : रु 1.85 लाख	21.01.2020 20.01.2020	श्री अमनदीप सिंह मो नं. 9643330180
5.	मैसर्स वृंदा डायमंड प्राइवेट लिमिटेड 1. श्री निपुण जैन 2. श्रीमती मानसी जैन 3. मैसर्स साईनाथ ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड	16.01.2016 को रु 3,87,67,703.00/– पर ब्याज के साथ लागत शुल्क	**लॉट–1** : **मैसर्स साईनाथ ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड** द्वारा स्वाधिकृत गली नंबर 1 एवं 2, खसरा नंबर 205, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली–110005 स्थित सम्पत्ति नंबर 2682, 700 वर्ग फीट का अंश रूप निर्मित बेसमेंट फ्लोर भाग, जिसका प्राइवेट नंबर बी–4ए तथा क्षेत्रफल परिमाप लगभग 300 वर्ग फीट है। **लॉट–2** : **मैसर्स साईनाथ ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड** द्वारा स्वाधिकृत गली नंबर 1 एवं 2, खसरा नंबर 205, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली–110005 स्थित सम्पत्ति नंबर 2682, 700 वर्ग फीट का अंश रूप निर्मित बेसमेंट फ्लोर भाग, जिसका प्राइवेट नंबर बी–4 तथा क्षेत्रफल परिमाप लगभग 400 वर्ग फीट है। ज्ञात नहीं	भौतिक	लॉट 1 : रु 18.36 लाख लॉट 2 : रु 24.30 लाख लॉट 1 : रु 01.84 लाख लॉट 2 : रु 02.43 लाख	21.01.2020 20.01.2020	श्री एहसान खलील मो नं. 8447416904
6.	मैसर्स जगत्त एसोसिएट्स 1. श्री कमलेश कुमार रस्तोगी 2. श्रीमती पूनम रस्तोगी	11.12.2012 को रु. 3,18,57,340 आगे की ब्याज और लागत के साथ	**श्रीमती पूनम रस्तोगी एवं श्री कमलेश कुमार रस्तोगी** द्वारा स्वाधिकृत प्लॉट नंबर 107, ब्लॉक–जे, साउथ एक्सटेंशन पार्ट–1, नई दिल्ली–110049 में पर फ्रीहोल्ड आवासीय फ्लैट छत के अधिकार के साथ। ज्ञात नहीं	फ्लैट भौतिक कब्जे में और छत एवं छत के लिए मार्ग सांकेतिक कब्जे	रु 131.76 लाख रु 13.18 लाख	21.01.2020 20.01.2020	श्री एहसान खलील मो नं. 8447416904
7.	मैसर्स ए आई मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड 1. अभिजीत सिंह 2. विभोर भार्गव 3. मेसर्स कैप्री इंटरनेशनल 4. मेसर्स एलाइड फिलामेंट्स प्राइवेट लिमिटेड 5. मैसर्स तीरथ सिंह एंड संस	16.07.2017 को रु 19,40,02,774.06 एवं एलजी का बकाया रु 1,39,69,957 आगे की ब्याज और लागत के साथ	**लॉट – 1. – श्री अभिजीत सिंह** के स्वामित्व में फ्रीहोल्ड औद्योगिक प्लाट डब्लू–16, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज– II, मायापुरी, नई दिल्ली, क्षेत्रफल 208.34 वर्ग गज **लॉट – 2. – मैसर्स ए.आई. मेटल्स प्रा लि** के स्वामित्व प्लॉट नं एसपी –812 / एच 1–51 (बी) समतल जोन, इंडस्ट्रियल एरिया, भिवाड़ी, जिला अलवर (राजस्थान), क्षेत्रफल 738.25 वर्ग गज **लॉट – 3. – स्वामी अभिजीत सिंह** के माध्यम से **मैसर्स कैप्री इंटरनेशनल** के स्वामित्व प्लॉट नं एफ–624, ब्लॉक –एफ, आरआईआईसीओ इंडस्ट्रियल एरिया, फेज–I, भिवाड़ी, जिला –अलवर (राजस्थान) क्षेत्रफल 1981 वर्ग मीटर **लॉट – 4. – मैसर्स अलाइड फिलामेंट प्रा लि** के स्वामित्व प्लॉट नं एफ–256, आरआईआईसीओ इंडस्ट्रियल एरिया,बीधानकी, भिवाड़ी, जिला –अलवर (राजस्थान) क्षेत्रफल 2320 वर्ग मीटर **लॉट – 5. – स्वामी नरेंदर पाल सिंह** के माध्यम से **मैसर्स तीरथ सिंह एवं संस** के स्वामित्व प्लॉट न डब्लू–42, फेज –II मायापुरी इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली क्षेत्रफल 150 वर्ग गज ज्ञात नहीं	सांकेतिक	लॉट 1 : रु 267.28 लाख लॉट 2 : रु 54.73 लाख लॉट 3 : रु 198.19 लाख लॉट 4 : रु 101.82 लाख लॉट 5 : रु 165.46 लाख लॉट 1 : रु 26.73 लाख लॉट 2 : रु 5.48 लाख लॉट 3 : रु 19.82 लाख लॉट 4 : रु 10.19 लाख लॉट 5 : रु 16.55 लाख	21.01.2020 20.01.2020	श्री एहसान खलील मो नं. 8447416904
8.	1. श्री मनोज कुमार 2. श्रीमती सपना अरोड़ा नहीं	02.01.2018 को रु. 73,97,739.36/– आगे का ब्याज और लागत के साथ	लीज होल्ड आवासीय अपार्टमेंट न.110 पहली मंजिल पर, सुपर एरिया माप 1645.00 वर्ग फुट और छत क्षेत्र 120.00 वर्ग फुट, ग्रुप हाउसिंग रेजिडेंशियल काम्प्लेक्स जो "महागुन मैपल" के रूप में ज्ञात प्लॉट 26, ब्लॉक–एफ, सेक्टर 50, नोएडा, में **श्री मनोज कुमार और श्रीमती सपना अरोड़ा** के स्वामित्व में ज्ञात नहीं	सांकेतिक	रु 104.63 लाख रु 10.47 लाख	21.01.2020 20.01.2020	श्री एहसान खलील मो नं. 8447416904
9.	मैसर्स राजेश जेम्स एंड ज्वेल्स प्रा. लि. 2520/7, बीडनपुरा, करोल बाग, दिल्ली–05 1. श्री राजेश लूथरा 2. श्रीमती प्रवीण लूथरा जी –168, पुष्कर एन्क्लेव, पश्चिम विहार, नई दिल्ली–63	12–02–2016 तक बकाया रु. 86,10,14,786 उस पर आगे ब्याज और लागतों सहित	**लॉट 1** : सम्पत्ति सं 2521, गली नं. 7, वार्ड नं. XVI, बिडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली में छत के अधिकार के बिना लीज होल्ड सम्पूर्ण प्रथम तल, 531 वर्ग फीट सुपर एरिया, प्लॉट एरिया 59 वर्ग गज **लॉट 2** : सम्पत्ति सं 2521, गली नं. 7, वार्ड नं. XVI, बिडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली में (छत के अधिकार के बिना) लीज होल्ड सम्पूर्ण भूतल, कवर्ड एरिया 422 वर्ग फीट, प्लॉट एरिया 59 वर्ग गज **लॉट 3** : फ्रीहोल्ड सम्पूर्ण भूतल (बिना छत के अधिकार के) सम्पत्ति सं. 2519–20, (सम्पत्ति सं. 2521 के समीप), गली नं. 7, वार्ड न. XVI, बिडनपुरा, करोल बाग, कवर्ड एरिया 195.75 वर्ग फीट, प्लॉट एरिया 63 वर्ग गज **लॉट 4** : सम्पत्ति सं. 2521, गली नं. 7, वार्ड नं. XVI, बिडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली में छत के अधिकार के बिना लीज होल्ड सम्पूर्ण दूसरा तल, 531 वर्ग फीट, सुपर एरिया, प्लॉट एरिया 59 वर्ग गज **लॉट 5** : लीज होल्ड फ्रन्ट साइड पोर्शन, दूसरा तल, सम्पत्ति सं. XVI/2533-40 का यूनिट ए, गली न. 6 एवं 7, अजमल खान रोड, बिडनपुरा, करोल बाग, 1125 वर्ग फीट सुपर एरिया (प्लॉट की सीमा के भीतर), कवर्ड एरिया 1341 वर्ग फीट, प्लॉट एरिया 439 वर्ग गज **लॉट 6** : लीज होल्ड फ्रन्ट साइड पोर्शन, सम्पत्ति स. XVI/2533–40, का यूनिट बी, गली नं. 6 एवं 7, अजमल खान रोड, बिडनपुरा , करोल बाग, 825 वर्ग फीट सुपर एरिया (प्लॉट की सीमा के भीतर), कवर्ड एरिया 1036 वर्ग फीट, प्लॉट एरिया 439 वर्ग गज **लॉट 7** : लीज होल्ड दूसरे तल का बैक साइड पोर्शन, सम्पत्ति सं. XVI/ 2533–40, का यूनिट सी, गली नं. 6 एवं 7, अजमल खान रोड, बिडनपुरा करोल बाग, 2001 वर्ग फीट सुपर एरिया (प्लॉट की सीमा के भीतर), कवर्ड एरिया 2172 वर्ग फीट, प्लॉट एरिया 439 वर्ग गज **लॉट 8** : लीज होल्ड निर्मित दुकान (दूसरे तल पर, गली नं. 9 की ओर, सम्पत्ति सं. 2486 से जुड़ा), सम्पत्ति सं. 2485, वार्ड XVI, गली नं. 8, बिडनपुरा, करोल बाग, 267 वर्ग फीट कवर्ड एरिया। **लॉट नं. 9** : प्रथम तल के पीछे के भाग में लीज होल्ड आधा भाग, सम्पत्ति स. 2533–40 (नया), वार्ड न. XVI, गली न. 6 एवं 7, अजमल खान रोड, बिडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली, सुपर एरिया 1877 वर्ग फीट, प्लॉट एरिया 439 वर्ग गज **सभी सम्पत्तियां बैंक के भौतिक कब्जे में है। लॉट नं. 2 एवं 3 की सम्पत्ति की बिक्री एक साथ की जायेगी।** ज्ञात नहीं	भौतिक	लॉट 1 : रु 103.20 लाख लॉट 2 : रु 129.96 लाख लॉट 3 : रु 60.28 लाख लॉट 4 : रु 62.96 लाख लॉट 5 : रु 133.40 लाख लॉट 6 : रु 97.82 लाख लॉट 7 : रु 237.27 लाख लॉट 8 : रु 35.28 लाख लॉट 9 : रु 336.32 लाख (लॉट 1 से 7 एवं 9 के लिए सुरक्षित मूल्य में आयकर अधिनियम की धारा 194 IA के अनुसार 1 प्रतिशत टीडीएस राशि सम्मिलित है) लॉट 1 : रु 10.32 लाख लॉट 2 : रु 13.00 लाख लॉट 3 : रु 6.03 लाख लॉट 4 : रु 6.30 लाख लॉट 5 : रु 13.34 लाख लॉट 6 : रु 9.79 लाख लॉट 7 : रु 23.73 लाख लॉट 8 : रु 3.53 लाख लॉट 9 : रु 33.64 लाख	21.01.2020 20.01.2020	श्री अमनदीप सिंह मो : 9643330180
10.	मैसर्स सिद्धी विनायक ज्वैलर्स स्वामी श्रीमती मानसी जैन के माध्यम से मैसर्स वृंदा डायमंड प्राइवेट लिमिटेड	17.01.2019 को रु. 4,32,88,230 आगे की ब्याज और लागत के साथ	लीज होल्ड आवासीय सम्पत्ति म्युनिसिपल नंबर 3272, प्रथम तल एवं द्वितीय तल, छत का अधिकार नहीं वार्ड नंबर 16, खसरा नंबर 2657/2616, ब्लॉक–पी, गली नंबर 27 के सामने, बस्ती रेगड़, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली–110005, मैसर्स वृन्दा डायमंड प्रा. लि. द्वारा स्वाधिकृत इसके निदेशक **श्री निपुण जैन** के माध्यम से। एरिया :– 225 वर्ग फीट प्रथम तल पर तथा 225 वर्ग फीट द्वितीय तल पर। ज्ञात नहीं	भौतिक	रु 42.10 लाख रु 4.21 लाख	23.01.2020 22.01.2020	श्री भुवनेश्वर कुमार मो नं. 9650075893
11.	मैसर्स रानू एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड 1. श्री शिशिर मोदी 2. श्री सुगन्थन सेल्वराटनम 3. श्रीमती ऋतु मिश्रा 4. श्री स्वदेश मिश्रा 5. मैसर्स अमन इंट्रैडेक्स प्राइवेट लिमिटेड	17.01.2019 को रु. 12,02,97,583 आगे की ब्याज और लागत के साथ	**लॉट 1** –सम्पति से संबंधित सभी अंश और खंड जिसमें ऊपरी भूतल पर शॉप नंबर ए– 237, जिसमें 80.288 वर्ग मीटर का सुपर एरिया, सुपर मार्ट कमर्शियल कॉम्प्लेक्स – I में, 2.3 एकड़ भूमि पर प्लाट का निर्माण जो मौजा चक्करपुर डीएलएफ सिटी कॉलोनी के नाम से ज्ञात, फेज– IV, तहसील और जिला गुड़गांव में स्थित जो **श्रीमती रितु मिश्रा पत्नी श्री स्वदेश मिश्रा** के स्वामित्व में है **लॉट 2** – सम्पति से संबंधित सभी अंश और खंड जो प्लॉट नंबर –6, खसरा नंबर –1558 (2–17), 1556 (2–5), 1555 (5–2), 1557 (2–8),1559 (4 –1), 1560(4–4) क्षेत्र माप 1349 वर्ग गज जो कि पुरेवाल कॉलोनी औद्योगिक क्षेत्र पानीपत हरियाणा में स्थित, जो **मैसर्स रानू एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड** के नाम से **(सभी संपत्तियां बैंक के सांकेतिक कब्जे में है)** ज्ञात नहीं	सांकेतिक	लॉट 1 : रु 148.35 लाख लॉट 2 : रु 152.51 लाख लॉट 1 : रु 14.84 लाख लॉट 2 : रु 15.26 लाख	23.01.2020 22.01.2020	श्री भुवनेश्वर कुमार मो नं. 9650075893
12.	मैसर्स यूनिवर्सल सोलिटेयर प्राइवेट लिमिटेड 1. श्री राकेश किशनलाल कोहली पत्नी श्री किशनलाल फकीरचंद कोहली 2. श्रीमती शीतल राकेश कोहली पत्नी श्री राकेश किशनलाल कोहली और 3. श्री शक्ति सोनी	05.10.2015 को रु 6,31,29,390.00/– संविदात्मक दर पर ब्याज के साथ लागत शुल्क के साथ ब्याज पर एक साथ देय	**लॉट–1** : **श्री राकेश किशन लाल कोहली** के नाम लीजहोल्ड शॉप द्वितीय तल फ्रंट साइड, टेरेस का अधिकार नहीं। यह सम्पत्ति वार्ड नंबर 16, प्लॉट/खसरा नंबर 283/2 तथा 284, गली नंबर 6 एवं 7, ब्लॉक एम, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली–110005 स्थित सम्पत्ति म्युनिसिपल नंबर 2542 का हिस्सा है। कवर्ड एरिया 198 वर्ग फीट। **लॉट–2** : **मैसर्स यूनवर्सल सॉलिटेयर्स प्रा. लि.** के नाम लीजहोल्ड निर्मित पार्ट बेसमेंट क्षेत्रफल परिमाप 70 वर्ग गज, जो गली नंबर 7, ब्लॉक एम, खसरा नंबर 286, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली–110005 स्थित सम्पत्ति म्युनिसिपल नंबर 2527 का हिस्सा है। ज्ञात नहीं	भौतिक	लॉट 1 : रु 42.00 लाख लॉट 2 : रु 41.00 लाख लॉट 1 : रु 04.20 लाख लॉट 2 : रु 04.10 लाख	23.01.2020 22.01.2020	श्री भुवनेश्वर कुमार मो नं. 9650075893
13.	मेसर्स एसएसपी डायमंड प्रा. लि. 1. श्रीमती मंजू बंदूनी 2. श्री राकेश रावत 3. श्री संजय कुमार तुलस्यान 4. श्री संतोष कुमार अग्रवाल 5. श्रीमती सरोज रावत 6. श्रीमती किरण सोनी 7. श्रीमती पुष्पा वर्मा 8. श्री अशोक कुमार	05.01.2016 को रु. 18,99,50,602.00 आगे की ब्याज और लागत के साथ	**लॉट 1** – फ्री होल्ड सम्पति जो दूसरी मंज़िल पर स्थित छत के अधिकार के साथ, 23, ब्लॉक जी, पॉकेट 18, सेक्टर 16, रोहिणी, नई दिल्ली– 110085 **श्रीमती किरण सोनी** के नाम पर, सुपर एरिया 900 वर्ग फीट ज्ञात नहीं	भौतिक	रु 97.27 लाख रु 9.73 लाख	23.01.2020 22.01.2020	श्री भुवनेश्वर कुमार मो नं. 9650075893

जारी है....

नई दिल्ली

www.readwhere.com

इण्डियन ओवरसीज बैंक

असेट रिकवरी मैनेजमेंट शाखा,
रचना बिल्डिंग, चतुर्थ तल, 2, राजेन्द्र प्लेस, पूसा रोड, नई दिल्ली–110008
फोन नंबर : 011–25758124, ई–मेल आईडी : iob1997@iob.in

अचल सम्पत्ति की बिक्री के लिए बिक्री सूचना [प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली के नियम 8(6) के परंतुक के तहत]

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण तथा पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के साथ पठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के परन्तुक 8 (6) के तहत अचल आस्तियों की बिक्री के लिए ई–नीलामी सूचना।

एतद्द्वारा सर्व साधारण को तथा विशेष रूप से कर्जदारों और गारंटरों को सूचना दी जाती है कि **इण्डियन ओवरसीज बैंक** के पास बंधक रखी गई निम्नवर्णित अचल सम्पत्तियां, जिनका कब्जा इण्डियन ओवरसीज बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्राप्त किया जा चुका है, नीचे उल्लिखित विवरण को "जैसी है जहां है", "जो है जैसी है", "जो भी है वहां है" आधार पर बेची जाएंगी।

क्र. स.	कर्जदारों का नाम / गारंटरों का नाम	इण्डियन ओवरसीज बैंक को देय राशि	अचल संपत्ति का विवरण / ज्ञात ऋणभार यदि कोई हो	कब्ज़ा का प्रकार	सुरक्षित मूल्य / बोली वृद्धि राशि	नीलामी की तिथि / ईएमडी जमा करने हेतु अंतिम तिथि	संपर्क व्यक्ति और मोबाइल नं.
14.	मैसर्स हेमंत ज्वेल्स प्राइवेट लिमिटेड 1.श्री मनोज कुमार सोनी 2. श्रीमती शकुंतला देवी 3. श्री जुगल किशोर जौहरी 4. श्रीमती रीना वर्मा 1. श्री दीपक गुप्ता 2. श्रीमती सुगन सोनी	08.12.2015 को रु. 16,45,25,166/– आगे की ब्याज और लागत के साथ	**लॉट–1 : श्री मनोज सोनी** के नाम बी+जी+4 मंजिली बिल्डिंग म्युनिसिपल नंबर 16/2542 (नया) खसरा नंबर 283/2 ब्लॉक–एम, गली नंबर 7, बीडन पुरा, करोल बाग में प्रथम तल पर व्यावसायिक सम्पत्ति (छत का अधिकार नहीं)। 107 वर्ग गज परिमाप के प्लॉट पर सुपर बिल्ट एरिया 240 वर्ग फीट है। सम्पत्ति में जीने के पास एक हॉल शामिल है तथा अंतिम छोर गली नंबर 20 के सामने है। **लॉट–2 : श्रीमती शकुन्तला देवी** के नाम बी+जी+4 मंजिली बिल्डिंग म्युनिसिपल नंबर 2781, वार्ड नंबर 16, गली नंबर 20 एवं 21, ब्लॉक–बी, खसरा नंबर 62, बीडन पुरा, करोल बाग में द्वितीय तल पर व्यावसायिक सम्पत्ति (छत का अधिकार नहीं)। 187 वर्ग गज परिमाप के प्लॉट पर सुपर बिल्ट एरिया 286.67 वर्ग फीट है। सम्पत्ति में जीने के पास एक हॉल शामिल है तथा अंतिम छोर गली नंबर 20 के सामने है। **लॉट–3 : श्री मनोज कुमार सोनी एवं श्री जुगल किशोर जौहरी** के नाम बी+जी+3 मंजिली बिल्डिंग म्युनिसिपल नंबर 11089 तथा सम्पत्ति सं. 11059 का पश्चिम की तरफ का आधा भाग, वार्ड नंबर 14, गली नंबर 2 एवं 3, डीशेवालान रिठ्ठी पुरा, ईस्ट पटेल नगर रोड, करोल बाग, नई दिल्ली में तृतीय तल पर आवासीय सम्पत्ति (छत के अधिकार सहित)। 296 वर्ग गज में से 148 वर्ग गज परिमाप के प्लॉट पर निर्मित तृतीय तल पर स्थित सम्पत्ति में 1 ड्राइंग कम डाइनिंग रूम, 1 किचेन, 3 बेडरूम्स, 2 टॉयलेट, 2 बाल्कोनी शामिल हैं। **लॉट–4 : मैसर्स हेमंत ज्वैल्स प्राइवेट लिमिटेड** के नाम अजमल खां रोड, करोल बाग स्थित व्यावसायिक सम्पत्ति नंबर 6/75 (प्लॉट नंबर 75, ब्लॉक नंबर 6), द्वितीय तल का पश्चिम साइड वाला आधा भाग, छत/टेरेस का अधिकार नहीं। **लॉट–5 : मैसर्स हेमंत ज्वैल्स प्राइवेट लिमिटेड** के नाम अजमल खां रोड, करोल बाग स्थित व्यावसायिक सम्पत्ति नंबर 6/75 (प्लॉट नंबर 75, ब्लॉक नंबर 6), द्वितीय तल का पूर्वी साइड वाला आधा भाग, छत/टेरेस का अधिकार नहीं। **(सभी सम्पत्तियां बैंक के भौतिक कब्जे में हैं)** ज्ञात नहीं	भौतिक	लॉट 1 : रु 36.72 लाख लॉट 2 : रु 38.34 लाख लॉट 3 : रु 65.36 लाख लॉट 4 : रु 103.63 लाख लॉट 5 : रु 103.63 लाख (आईटी अधिनियम की धारा 194 IA के तहत लॉट 3 से लॉट 5 के लिए आरक्षित मूल्य 1% टीडीएस शामिल है) लॉट 1 : रु 3.70 लाख लॉट 2 : रु 3.84 लाख लॉट 3 : रु 6.54 लाख लॉट 4 : रु 10.37 लाख लॉट 5 : रु 10.37 लाख	23.01.2020 22.01.2020	श्री राकेश के. नीरज मो नं. 9737164810
15.	श्री कमलेश एरोन (खाता एसोसिएटेड ट्रेड लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड में गारंटर और बन्धककर्ता) श्रीमती शिखा एरोन (खाता एसोसिएटेड ट्रेड लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड में गारंटर) श्री कमलेश एरोन श्रीमती शिखा एरोन	31.05.2016 को रु. 5,11,63,125/– आगे की ब्याज और लागत के साथ	फ्रीहोल्ड व्यावसायिक सम्पत्ति कार्यालय सं. 211, 212 एवं 213, द्वितीय तल, साई कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, गोवन्डी स्टेशन रोड, गोवन्डी (ईस्ट), मुंबई–400088, बिल्ट–अप एरिया 1137 वर्ग फीट स्वामी : **कमलेश एरोन** **(सम्पत्ति बैंक के भौतिक कब्जे में है)** ज्ञात नहीं	भौतिक	रु 156.34 लाख (आईटी अधिनियम की धारा 194 IA के तहत आरक्षित मूल्य 1% टीडीएस शामिल है) रु 15.64 लाख	23.01.2020 22.01.2020	श्री महेन्दर सेहरा मो नं. 9718664261
16.	मैसर्स ए पी मल्टी प्रोडक्ट्स स्वामी श्रीमती अलका यादव श्री जितेन्द्र कुमार यादव	13.02.2017 को रु 72,28,364.13 संविदात्मक दर पर ब्याज के साथ लागत शुल्क के साथ ब्याज पर एक साथ देय	**श्री जितेन्द्र यादव पुत्र श्री महेन्द्र यादव** के नाम फ्रीहोल्ड आवासीय सम्पत्ति फ्लैट नंबर सी–1, तृतीय तल, सुपर कवर्ड एरिया 1000 वर्ग फीट (92.9 वर्ग मीटर) प्लॉट नंबर ।।।–ई–29ए, कृष्णा अपार्टमेंट, नेहरू नगर–।।।, गाजियाबाद–201001 (उत्तर प्रदेश) ज्ञात नहीं	सांकेतिक	रु 45.00 लाख (आईटी अधिनियम की धारा 194 IA के तहत आरक्षित मूल्य 1% टीडीएस शामिल है) रु 4.50 लाख	23.01.2020 22.01.2020	श्री महेन्दर सेहरा मो न. 9718664261
17.	मैसर्स कुंदनवाला ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड 2529–2531, गली नंबर 6 और 7, प्राइवेट शॉप नं.10, बिडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली –110005 1. श्री राजेश कुमार वर्मा पुत्र श्री राकेश कुमार वर्मा 2. श्रीमती कंचन वर्मा पत्नी राजेश कुमार वर्मा	27.12.2016 को रु 4,45,00,180.33 संविदात्मक दर पर ब्याज के साथ लागत शुल्क के साथ ब्याज पर एक साथ देय	**लॉट 1 :** वाणिज्यिक संपत्ति जो प्रा. नं. 03, माप लगभग 145 वर्ग फीट, दूसरी मंजिल पर (छत / छत के अधिकारों के बिना) संपत्ति का हिस्सा बियरिंग नंबर 2519–20, खसरा नंबर 2121/297 वार्ड नंबर XVI, गली नंबर 7 बिडनपूरा, करोल बाग, नई दिल्ली –110005 स्थित, जो **श्रीमती कंचन वर्मा पत्नी श्री राजेश कुमार वर्मा** के स्वामित्व में है **लॉट 2 :** वाणिज्यिक संपत्ति जो प्रा. नंबर जी –6, माप लगभग 88 वर्ग फीट, संपत्ति का हिस्सा बियरिंग नं. 2529–2531, वार्ड नं. XVI, गली नं. 6 और 7, नाईवाला एस्टेट्स, बिडनपूरा, करोल बाग, नई दिल्ली –110005 में स्थित, जो स्वामित्व श्री राजेश कुमार पुत्र श्री राकेश कुमार वर्मा के स्वामित्व में है। **लॉट 3 :** वाणिज्यिक संपत्ति जो प्रा. नंबर जी –9, माप लगभग 89.54 वर्ग फीट, भूतल पर संपत्ति का हिस्सा बियरिंग नं. 2529–2531, वार्ड नं. XVI, गली नं. 6 और 7, नाईवाला एस्टेट्स, बिडनपूरा, करोल बाग, नई दिल्ली –110005 में स्थित, जो स्वामित्व **श्रीमति कंचन वर्मा पुत्री श्री राजेश कुमार वर्मा** के स्वामित्व में है। **लॉट 4 :** वाणिज्यिक संपत्ति जो प्रा. नंबर जी –10, माप लगभग 128 वर्ग फीट, भूतल पर संपत्ति का हिस्सा बियरिंग नं. 2529–2531, वार्ड नं. XVI, गली नं. 6 और 7, नाईवाला एस्टेट्स, बिडनपूरा, करोल बाग, नई दिल्ली –110005 में स्थित, जो स्वामित्व **श्री राजेश कुमार पुत्र श्री राकेश कुमार वर्मा** के स्वामित्व में है। **(सभी संपत्तियां बैंक के सांकेतिक कब्जे में हैं)** ज्ञात नहीं	सांकेतिक	लॉट 1 : रु 17.20 लाख लॉट 2 : रु 26.70 लाख लॉट 3 : रु 30.26 लाख लॉट 4 : रु 44.80 लाख लॉट 1 : रु 1.80 लाख लॉट 2 : रु 2.70 लाख लॉट 3 : रु 3.10 लाख लॉट 4 : रु 4.50 लाख	23.01.2020 22.01.2020	श्री महेन्दर सेहरा मो नं. 9718664261
18.	1. मैसर्स एकेसी कारपोरेशन (स्वामी श्री आधिराज कुमार) 2. मैसर्स जार इंटरनेशनल (स्वामी अभिनव बत्रा) श्रीमती मालती पत्नी स्वर्गीय श्री रजनी कांत	खाता एकेसी कॉर्पोरेशन में 03.08.2016 को रु. 45,97,981.00/– आगे का ब्याज और लागत के साथ, खाता जार इंटरनेशनल में 03.08.2016 को रु. 31,35,626/– आगे ब्याज और लागत के साथ	बाजार लेन, भोगल, नई दिल्ली–110014 स्थित फ्रीहोल्ड आवासीय सम्पत्ति एमसीडी नंबर 22–ए, सम्पूर्ण भू तल, छत/टेरेस का अधिकार नहीं। **(यह सम्पत्ति बैंक के भौतिक कब्जे में है)** ज्ञात नहीं	भौतिक	रु 37.35 लाख रु 03.74 लाख	23.01.2020 22.01.2020	श्री महेन्दर सेहरा मो नं. 9718664261
19.	श्रीमती मंजुला चौहान ,श्री दया लाल चौहान और श्री विपिन चौहान , सभी निवासी : एफ –668 ,ब्लॉक एफ. जे. जे. कॉलोनी,मादीपुर ,नई दिल्ली –110063. श्रीमती मंजुला चौहान	रु. 21,96,434/– +असंसोधित ब्याज + दंड ब्याज (यदि कोई हो)	नजूला, गली दया लाल चौहान के स्वामित्व में आवासीय सम्पत्ति, सम्पूर्ण प्रथम तल, बिना छत के अधिकार के, क्षेत्रफल माप 3.69 वर्ग मी. (प्रथम तल का कुल प्लिन्थ एरिया 440 वर्ग फीट वास्तविक तथा 307 वर्ग फीट स्वीकार्य है) जो फ्रीहोल्ड सम्पत्ति सं. 70, ब्लॉक ए, पॉकेट–2, सेक्टर–8, रोहिणी, नई दिल्ली–0085 का भाग है। **चौहद्दी: (मूल्यांकन रिपोर्ट तिथि 13–11–2019 के अनुसार) उत्तर में :** सम्पत्ति सं. 69, **दक्षिण में** : 13.5 एम. चौड़ा रोड, **पूर्व में** : 6 एम चौड़ा पथ, **पश्चिम में** : खुला। ज्ञात नहीं	सांकेतिक	रु 28,10,000 रु 2,81,000	23.01.2020 22.01.2020	श्री चंद्र भूषण मो नं. 9163690339
20.	श्री सुमित कुमार और सीमा, निवासी : फ्लैट न. एसएफ–4, दूसरी मंजिल , प्लॉट न. 56 , खसरा न. 67, आकाशवाणी कॉलोनी (आकाश विहार), गांव–सदुल्लाबाद, परगना लोनी, जिला गाजियाबाद (उ.प्र.) नहीं	07.09.2018 को रु. 9,48,089 आगे का ब्याज और लागत के साथ	फ्रीहोल्ड आवासीय एलआईजी फ्लैट न.एसएफ–4, दूसरी मंजिल , प्लॉट न. 56 ,खसरा न. 67,आकाशवाणी कॉलोनी (आकाश विहार),गांव–सदुल्लाबाद ,परगना लोनी ,जिला गाजियाबाद (उ.प्र.) में ज्ञात नहीं	सांकेतिक	रु 9,25,000 रु 92,500	23.01.2020 22.01.2020	श्री अभिषेक तायल मो नं. 9719630007
21.	मैसर्स एड्विक लेबोरेटरीज लिमिटेड 138, रोज़ का मीयू औद्योगिक क्षेत्र, सोहना जिला मेवात, हरियाणा–122103 1. श्री पीयूष कुमार अग्रवाल 2.मैसर्स ओमकम फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड	25.10.2015 तक रू 9,31,55,127.42/– उस पर आगे ब्याज और लागतों सहित	**लॉट –1:** फ्रीहोल्ड औद्योगिक भूमि और भवन प्लॉट न.138, रोज़ का मीयू औद्योगिक क्षेत्र, सोहना मेवात, जिला नूह, हरियाणा–122103, क्षेत्रफल 6370 वर्ग मीटर **लॉट –2:** प्लांट, मशीनरी और उपकरण जो फैक्ट्री के परिसर में पड़े है @138, रोज़ का मीयू, औद्योगिक क्षेत्र **लॉट –3:** फ्रीहोल्ड आवासीय सम्पत्ति जो मकान न .1471, पंजाबी मोहल्ला ,शोरा कोठी , घंटाघर, सब्जी मंडी,दिल्ली –110007 में जो श्री पीयूष अग्रवाल पुत्र श्री ओ. पी अग्रवाल के स्वामित्व में ,डबल मंजिला इमारत का क्षेत्रफल 64 वर्ग गज **(भूमि एवं भवन और संयंत्र एवं मशीनरी की बिक्री के लिए प्राथमिकता दी जाएगी)** ज्ञात नहीं	सांकेतिक	लॉट 1 : रू 703.69 लाख लॉट 2 : रू 68.00 लाख लॉट 3 : रू 71.93 लाख लॉट 1 : रू 07.04 लाख लॉट 2 : रू 06.80 लाख लॉट 2 : रू 07.20 लाख	23.01.2020 22.01.2020	श्री महेन्दर सेहरा मो नं. 9718664261
22.	मैसर्स प्रथम ज्वेलर्स प्राइवेट लिमिटेड 2561, भूतल, गली नंबर: 6, बिडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली –110005 1. श्री संतोष एस चितलूर, 5–ए / 145, प्रथम तल, गली नं : 6 सत नगर, करोल बाग, नई दिल्ली –110005 2. श्रीमति एस जयश्री, 5–ए / 145, प्रथम तल, गली नं : 6 सत नगर, करोल बाग, नई दिल्ली –110005	27.04.2016 को रु 6,99,34,702 आगे का ब्याज और लागत के साथ	**लॉट 1** – म्युनिसिपल न. 2578 और 2579 पर स्थित वाणिज्यिक संपत्ति पर ईएम, निजी दुकान नंबर एस –2 और एस–3 गली नंबर 5, दूसरी मंजिल, करोल बाग, नई दिल्ली –110 055 जो **संतोष एस चितलूर** के स्वामित्व में **लॉट 2** – दुकान नंबर 107 पर ईएम, म्युनिसिपल न. 2230 पर निर्माण, ब्लॉक के, प्लॉट नंबर 576, गली नंबर 66, हरध्यान सिंह रोड, नाईवाला, करोल बाग, नई दिल्ली –110005 **लॉट 3** – दुकान न. जी –9 और जी –1 पर स्थित संपत्ति पर ईएम, म्युनिसिपल न. 2561 पर निर्माण, वार्ड नंबर XVI, गली नंबर 6, नाईवाला एस्टेट, बिडनपूरा, करोल बाग, नई दिल्ली –110 005 ज्ञात नहीं	सांकेतिक	लॉट 1 : रु 61.01 लाख लॉट 2 : रु 42.80 लाख लॉट 3 : रु 58.99 लाख लॉट 1 : रु 6.11 लाख लॉट 2 : रु 4.28 लाख लॉट 3 : रु 5.90 लाख	23.01.2020 22.01.2020	श्री संघ रतन मो नं. 9873506618
23.	मैसर्स ऋषभ एंटरप्राइजेज (स्वामी श्री ऋषभ जैन) बी –77, दयानंद कॉलोनी, लाजपत नगर– IV, नई दिल्ली –110024 1. श्रीमति मनीषा जैन (बन्धककर्ता) बी –77, दयानंद कॉलोनी, लाजपत नगर– IV, नई दिल्ली –110024 2. श्री एस सी जैन (गारंटर) बी –77, दयानंद कॉलोनी, लाजपत नगर– IV, नई दिल्ली –110024	मैसर्स ऋषभ इंटरप्राइजेज 30.05.2016 को रु. 4,12,57,602.00 मैसर्स महावीर मेडीवेज 30.05.2016 को रु. 3,85,04,832.00	संपूर्ण भूतल पर स्थित आवासीय संपत्ति, बी –77 दयानंद कॉलोनी, लाजपत नगर– IV, नई दिल्ली –110024 ,100 वर्ग गज के प्लॉट पर, श्रीमती मनीषा जैन पत्नी श्री सुभाष चंद जैन के नाम पर **चौहद्दी : उत्तर में :** संपत्ति संख्या बी–76, **दक्षिण में :** संपत्ति नंबर बी–78, **पूर्व में :** सड़क, **पश्चिम में :** सर्विस लेन। **(भौतिक कब्जे के तहत) : सम्पूर्ण भूतल और प्रथम तल दो मंजिलों के लिए सिंगल टाइटल डीड उपलब्ध है और एक क्रेता प्रमाणित प्रति प्राप्त कर सकता है** ज्ञात नहीं	भौतिक	रु 82.82 लाख रु 8.29 लाख	23.01.2020 22.01.2020	श्री संघ रतन मो नं. 9873506618
24.	मैसर्स सिद्धारथा बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड बी –77, दयानंद कॉलोनी, लाजपत नगर– IV, नई दिल्ली –110024 1. श्री ऋषभ जैन 2. श्री सतीश कुमार 3. सुश्री शशि झमतानी 4. सुश्री कविता झमतानी	04.06.2016 को रु. 3,29,52,527/– आगे का ब्याज और लागत के साथ	सम्पत्ति न. बी–77 के सम्पूर्ण बेसमेंट पर बना हुआ तल, दयानंद कॉलोनी, लाजपत नगर– IV, नई दिल्ली में बिना छत के, कवर क्षेत्र 74.83 वर्ग मीटर 100 वर्ग गज में निर्मित और **श्री ऋषभ जैन** के स्वामित्व में। **चौहद्दी : उत्तर में :** संपत्ति नंबर बी –76, **दक्षिण में :** संपत्ति नंबर बी –78, **पूर्व में :** सड़क, **पश्चिम में :** सर्विस लेन। **(बैंक के भौतिक कब्जे में)** ज्ञात नहीं	भौतिक	रु 27.54 लाख रु 2.76 लाख	23.01.2020 22.01.2020	श्री संघ रतन मो नं. 9873506618
25.	मैसर्स क्लासिक इंटरनेशनल श्रीमती कुम कुम कनोडिया 1. श्री रजत कनोडिया (निदेशक और गारंटर, खाता : क्लासिक इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड) 2. श्रीमती कुम कुम कनोडिया (निदेशक, गारंटर और कर्जदार) 3. श्री राजेश कनोडिया (गारंटर, खाता : कुम कुम कनोडिया)	क्लासिक इंटरनेशनल प्रा लि में 31.03.2017 को रु 21,04,48,833.05 आगे ब्याज और लागत के साथ, कुम कुम कनोडिया में 31.03.2017 को रु 10,41,44,601.17 आगे ब्याज और लागत के साथ	**लॉट –1 :** कमर्शियल प्रॉपर्टी नं 10174 का बेसमेंट फ्लोर वार्ड नं XVI, ब्लॉक टी, नाईवाला, गुरुद्वारा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली –110005 निर्मित क्षेत्र 5517 वर्ग फुट एक भूखंड पर 613 वर्ग गज की जगह **लॉट –2 :** कमर्शियल प्रॉपर्टी नं 10174 का भूतल,वार्ड नं XVI, ब्लॉक टी, नाईवाला, गुरुद्वारा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली –110005 निर्मित क्षेत्र 5517 वर्ग फुट एक भूखंड पर 613 वर्ग गज की जगह **लॉट –3 :** कमर्शियल प्रॉपर्टी नं. 10174 का प्रथम तल ,वार्ड नं XVI, ब्लॉक टी, नाईवाला, गुरुद्वारा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली –110005 निर्मित क्षेत्र 5517 वर्ग फुट एक भूखंड पर 613 वर्ग गज की जगह **लॉट –4 :** कमर्शियल प्रॉपर्टी नं. 10174 का द्वितीय तल ,वार्ड नं XVI, ब्लॉक टी, नाईवाला, गुरुद्वारा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली –110005 निर्मित क्षेत्र 5517 वर्ग फुट एक भूखंड पर 613 वर्ग गज की जगह **लॉट –5 :** कमर्शियल प्रॉपर्टी नं.10174 का तृतीय तल ,वार्ड नं XVI, ब्लॉक टी, नाईवाला, गुरुद्वारा रोड, करोल बाग, नई दिल्ली –110005 निर्मित क्षेत्र 5517 वर्ग फुट एक भूखंड पर 613 वर्ग गज की जगह **वाणिज्यिक संपत्ति के सभी भाग और अंश श्रीमती कुम कुम कनोडिया पत्नी श्री राजेश कुमार के स्वामित्व में** **(यह संपत्ति बैंक के सांकेतिक कब्जे में है)** ज्ञात नहीं	सांकेतिक	लॉट 1 : रु 383.80 लाख लॉट 2 : रु 1434.20 लाख लॉट 3 : रु 565.60 लाख लॉट 4 : रु 398.95 लाख लॉट 5 : रु 429.25 लाख लॉट 1 : रु 38.38 लाख लॉट 2 : रु 143.42 लाख लॉट 3 : रु 56.56 लाख लॉट 4 : रु 39.90 लाख लॉट 5 : रु 42.93 लाख	21.01.2020 20.01.2020	श्री कृष्ण कुमार डिगवाल 8601941060
26.	मैसर्स गगन पल्सेस प्रा लि, पंजीकृत कार्यालय – सी–42, लॉरेंस रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली –110035 1. श्री राम लाल गुप्ता पुत्र श्री अमर चंद गुप्ता 2. श्री राजकुमार गुप्ता पुत्र श्री अमर चंद गुप्ता 3. श्री अमर चंद गुप्ता पुत्र श्री तेलू राम सभी पता : पीयू –105, पीतमपुरा, दिल्ली – 110088 4. मैसर्स जे.टी. एग्रो फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, सी –42/3, लॉरेंस रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली –110035 5. मैसर्स अमर दाल मिल, सी –43/3, लॉरेंस रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली –110035	30.06.2017 को रु 66,70,42,193/– आगे ब्याज और लागत के साथ	जे.टी. एग्रो फूड्स प्रा.लि. के नाम पर प्लॉट नं. 521,एचएसआईआईडीसी, फूड पार्क, इंडस्ट्रियल एस्टेट राय, जिला : सोनीपत –131001, हरियाणा में **(यह संपत्ति बैंक के सांकेतिक कब्जे में है)** ज्ञात नहीं	सांकेतिक	रु 363.64 लाख रु 36.37 लाख	23.01.2020 22.01.2020	श्री एम. क्रिसठुवराज मो नं. 9884036103
27.	मैसर्स अल्पाइन मिनिमैटल्स इंडिया प्रा लि 1. श्री गगन शुक्ला पुत्र डॉ अशोक शुक्ला 2. श्रीमती कल्याणी शुक्ला पत्नी श्री गगन शुक्ला	14.10.2012 को रु. 125,83,04,356 आगे की ब्याज और लागत के साथ	**लॉट नं –1:** वाणिज्यिक संपत्ति एफसी –01 ,द्वितीय तल, असल प्लाजा, पालम विहार, गुड़गांव में स्थित, **गगन शुक्ला के स्वामित्व में**, एरिया :– 2928 वर्ग फीट। **लॉट नं –2:** वाणिज्यिक संपत्ति एफसी –02 ,द्वितीय तल, असल प्लाजा, पालम विहार, गुड़गांव में स्थित, **गगन शुक्ला के स्वामित्व में**, एरिया :– 2767 वर्ग फीट। **लॉट नं –3:** वाणिज्यिक संपत्ति एफसी –03 ,द्वितीय तल, असल प्लाजा, पालम विहार, गुड़गांव में स्थित, **गगन शुक्ला के स्वामित्व में**, एरिया :– 7078 वर्ग फीट। **(संपत्ति बैंक के सांकेतिक कब्जे में और किराऐ पर है)** **नोट :** लॉट 1, लॉट 2 और लॉट 3 में उल्लिखित सभी सम्पत्तिया एक ही तल पर संयुक्त हैं , इसलिए यह एक ही खरीदार द्वारा सभी तीन सम्पत्तियों को खरीदने का सुझाव दिया गया है। ज्ञात नहीं	सांकेतिक	लॉट 1 : रु 130.91 लाख लॉट 2 : रु 123.64 लाख लॉट 3 : रु 315.46 लाख लॉट 1 : रु 13.10 लाख लॉट 2 : रु 12.37 लाख लॉट 3 : रु 31.55 लाख	23.01.2020 22.01.2020	श्री एम. क्रिसठुवराज मो नं. 9884036103
28.	मैसर्स एटलस लेबोरेटरीज एंड फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड पता : ऐवान–ई–गालिब, दूसरी मंजिल, माता सुंदरी लेन, नई दिल्ली –110002 1. श्री सलिल कपूर, 2. श्री संजय कपूर, 3. श्री प्रशांत कपूर, 4. श्री सिद्धांत कपूर, सभी पता : नंबर 3, औरंगजेब लेन नई दिल्ली	31.03.2010 को रु. 26,51,82,864/– आगे की ब्याज और लागत के साथ	भूमि के सभी लीजहोल्ड अधिकारों के सभी अंश और खंड माप 38896 वर्ग मीटर जो प्लॉट नंबर –4,5 और 6, सेक्टर –8 ए, इंडीयेटेड इंडस्ट्रियल एस्टेट, सिडकुल, हरिद्वार में भवन निर्माण के साथ **(संपत्ति बैंक के भौतिक कब्जे में है)** ज्ञात नहीं	भौतिक	रु 2155.34 लाख रु 215.54 लाख	23.01.2020 22.01.2020	श्री एम. क्रिसठुवराज मो नं. 9884036103

- जहां कहीं लागू है, सुरक्षित मूल्य में आईटी ऐक्ट की धारा 194(आईए) के तहत 1 प्रतिशत कर शामिल है।
- बिक्री के विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए, कृपया इंडियन ओवरसीज बैंक की वेबसाइट नामत: www.iob.in में उपलब्ध कराया गया लिंक नामत: www.iob.in [https://www.iob.in/TenderDetails.aspx?Tendertype=E_Auction], https://auctions.magicbricks.com देखें।
- यह सूचना उक्त ऋण के कर्जदार/रों तथा गारंटर/रों को प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 8(6)/नियम 9(1) के तहत उपरिवर्णित तिथि को ई–नीलामी के आयोजन के बारे में एक 15/30 दिनों नोटिस भी माना जाए।

स्थान : नई दिल्ली दिनांक : 05.01.2020 प्राधिकृत अधिकारी, इण्डियन ओवरसीज बैंक

www.readwhere.com

खबर कोना

ब्रिस्बेन में एटीपी कप टेनिस टूर्नामेंट के दौरान शनिवार को चिली के निकोलस जैरी को हराने के बाद फ्रांस के खिलाड़ी बेनट पेर।

सौरभ चौधरी ने 10 मीटर एअर पिस्टल स्वर्ण पदक जीता

भोपाल, 4 जनवरी (भाषा)।

शीर्ष निशानेबाज सौरभ चौधरी ने शनिवार को यहां 63वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप की पुरूष 10 मीटर एअर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उत्तर प्रदेश के 17 साल के निशानेबाज ने 246.4 अंक से शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्हें तोक्यो ओलंपिक के लिए पदक के दावेदारों में शुमार किया जा रहा है। उन्होंने हाल में अपने पूर्व विश्व रेकार्ड स्कोर से महज 0.1 अंक से कम का स्कोर बनाया। दूसरे स्थान पर रहे सरबजोत सिंह 243.9 के स्कोर से दूसरा स्थान हासिल किया जबकि दुनिया के दूसरे नंबर के अभिषेक वर्मा ने कांस्य पदक प्राप्त किया। अभिषेक और सरबजोत ने हरियाणा के लिए मिलकर टीम स्वर्ण पदक जीता। सरबजोत ने जूनियर पुरूष स्वर्ण भी अपने नाम किया।

बेदी ने शुभमन गिल को भारत 'ए' कप्तान पद से हटाने की मांग की

नई दिल्ली, 4 जनवरी (भाषा)।

अपने जमाने के दिग्गज स्पिनर बिशन सिंह बेदी ने शनिवार को शुभमन गिल की मोहाली में रणजी मैच के दौरान मैदानी अंपायर से बहस करने के लिए आलोचना की और उनके व्यवहार को 'उग्र' और 'निर्लज्ज' करार दिया। भारत ए टीम में सीमित ओवरों के कप्तान 20 वर्षीय गिल ने दिल्ली के खिलाफ मैच के दौरान पहले दिन विकेट के पीछे कैच आउट होने के बावजूद क्रीज नहीं छोड़ी। इसके बाद उन्होंने अंपायर से बहस की और मैदानी अंपायरों की बातचीत के बाद फैसला बदल दिया गया। बेदी ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा, 'किसी का भी इस तरह का उग्र व्यवहार माफी योग्य नहीं है। कम से कम भारत ए के प्रस्तावित कप्तान से ऐसी उम्मीद नहीं की जाती है।'

स्थान पर ध्यान नहीं, रैली को पूरा करना लक्ष्य : सीएस संतोष

जेद्दा, 4 जनवरी (भाषा)।

सऊदी अरब में पहली बार हो रही डकार रैली में भाग ले रहे भारतीय चालक सीएस संतोष ने शनिवार को यहां कहा कि उनका लक्ष्य रैली को सफलतापूर्वक पूरा करना है। संतोष हीरो मोटोस्पोर्ट्स टीम का हिस्सा हैं। दुनिया की सबसे बड़ी दुपहिया कंपनी की इस रेसिंग टीम के साथ डकार रैली में संतोष का चौथा साल है। उन्होंने वैसे अब तक छह बार डकार रैली में भाग लिया है।

पहला टी-20 : बुमराह की वापसी से दिलचस्प होगा मुकाबला

भारत और श्रीलंका की भिड़ंत आज

मैच का समय
शाम सात बजे से

गुवाहाटी, 4 जनवरी (भाषा)।

भारतीय टीम के श्रीलंका के खिलाफ पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में सभी की निगाहें वापसी करने वाले जसप्रीत बुमराह के प्रदर्शन पर लगी होंगी। पीठ के स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण चार महीने तक बाहर रहे बुमराह इस टीम के लिए काफी अहम हैं। इस साल होने वाले टी-20 विश्व कप को देखते हुए उन्हें सतर्कता के साथ इस्तेमाल किया जा रहा है।

बीसीसीआइ अध्यक्ष सौरव गांगुली के हस्तक्षेप के बाद उन्हें गुजरात के लिए घरेलू प्रथम श्रेणी मैच के लिए भी छूट दे दी गई थी। ऐसा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वापसी में उनके कार्यभार को ध्यान में रखते हुए किया गया। 2019 में जहां 50 ओवर के प्रारूप पर ध्यान लगा था तो वहीं मौजूदा साल में टी-20 अंतरराष्ट्रीय पर ध्यान लगाया जाएगा। अक्तूबर में पर्थ में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 विश्व कप अभियान शुरू करने से पहले भारतीय टीम इसी मुहिम में करीब 15 टी-20 मैच खेलेगी।

सैनी और ठाकुर की भी परीक्षा : इंडियन प्रीमियर लीग के समाप्त होने तक टीम में जगह बनाने वाले खिलाड़ियों के स्थान स्पष्ट होने की संभावना नहीं है। लेकिन मौजूदा कोच रवि शास्त्री और कप्तान विराट कोहली इस मौजूदा श्रृंखला में सभी के प्रदर्शन पर निगाह लगाए होंगे। श्रृंखला रविवार से बारसापारा स्टेडियम में शुरू होगी और असम के सबसे बड़े शहर में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के विरोध के बाद स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। भारतीय टीम यह भी देखना चाहेगी कि मुख्य तेज गेंदबाज की अनुपस्थिति में नवदीप सैनी और शार्दुल ठाकुर डेथ ओवरों में बुमराह के साथ दबाव का सामना किस तरह करते हैं। वाशिंगटन सुंदर भी ऐसा प्रदर्शन करना चाहेंगे कि यह सुनिश्चित हो जाए कि किसी भी समय कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल में से अंतिम एकादश में किसी एक का ही चयन हो।

पंत के प्रदर्शन पर निगाहें : सबसे अहम सवाल ऋषभ पंत का प्रदर्शन है। संजू सैमसन पहले ही छह टी-20 मैचों में बेंच पर रहे और महेंद्र सिंह धोनी की अनुपस्थिति से चीजें थोड़ी अस्थिर हैं। शिखर धवन के लिए भी यह श्रृंखला अहम है। वे घुटने की चोट के बाद वापसी कर रहे हैं।

लचर बल्लेबाजी से श्रीलंका परेशान : श्रीलंका को अपनी अंतिम टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में आस्ट्रेलिया में 0-3 की शिकस्त झेलनी पड़ी। वहां उनके बल्लेबाजों का लचर प्रदर्शन जारी रहा। टीम कुसल परेरा पर बहुत निर्भर है जिन्होंने अक्तूबर-नवंबर में आस्ट्रेलिया में तीन मैचों में 100 रन बनाए थे।

श्रीलंकाई टीम पूर्व कप्तान एंजेलो मैथ्यूज की वापसी से भी काफी उम्मीद लगाए होगी। उन्होंने अंतिम बार अगस्त 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक टी-20 मैच खेला था। भारत ने यहां अपना एकमात्र टी-20 मैच आस्ट्रेलिया के खिलाफ 10 अक्तूबर 2017 को खेला था जिसमें उसे हार का सामना करना पड़ा था। मैच के बाद होटल लौटते हुए टीम की बस पर पत्थर भी फेंके गए थे।

श्रीलंका के खिलाफ टी-20 मुकाबले से पूर्व अभ्यास सत्र के दौरान जसप्रीत बुमराह।

टीमें

भारत : विराट कोहली (कप्तान), शिखर धवन, लोकेश राहुल, श्रेयस अय्यर, मनीष पांडे, संजू सैमसन, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), शिवम दुबे, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, शार्दुल ठाकुर, नवदीप सैनी और वाशिंगटन सुंदर।

श्रीलंका : लसिथ मलिंगा (कप्तान), धनुष्का गुणतिलक, अविष्का फर्नांडो, एंजेलो मैथ्यूज, दासुन शनाका, कुसल परेरा, निरोशन डिकवेला, धनंजय डि सिल्वा, इसुरु उडाना, भानुका राजपक्षे, ओशदा फर्नांडो, वानिंदु हसरंगा, लाहिरु कुमारा, कुसल मेंडिस, लक्षण संदाकन और कसुन राजिता।

140 रन रणजी में बनाए थे धवन ने हैदराबाद के खिलाफ

272 रन बनाए 2019 में टी-20 मैचों की 12 पारियों में

प्रशिक्षण का स्तर बढ़ाने पर लगाएंगे ध्यान : कोच मारिन

नई दिल्ली, 4 जनवरी (भाषा)।

भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच सोर्ड मारिन इस महीने के अंत में होने वाले न्यूजीलैंड के आगामी दौरे की तैयारियों में लगे हैं। उन्होंने इसके लिए आयोजित 17 दिवसीय शिविर के दौरान प्रशिक्षण का स्तर बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। हॉकी इंडिया ने शिविर के लिए 25 सदस्यीय संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की है।

'भूख' बढ़ाने के लिए आराम जरूरी : बुमराह

गुवाहाटी, 4 जनवरी (भाषा)।

जसप्रीत बुमराह 'स्ट्रेस फ्रैक्चर' के कारण चार महीने तक बाहर रहे लेकिन यह समय उनके लिए मुश्किल भरा नहीं रहा। इस दौरान उन्हें किसी तरह का दर्द नहीं था और इस तेज गेंदबाज ने इस समय का सदुपयोग अपनी शारीरिक क्षमता बढ़ाने के लिए किया। उनका मानना है कि विकेट लेने की 'भूख' बनाए रखने के लिए आराम भी जरूरी है। बुमराह श्रीलंका के खिलाफ रविवार को पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं।

उन्होंने टीम के साथ अपने पहले अभ्यास सत्र के बाद बीसीसीआइ.टीवी से कहा कि यह मेरे लिए मुश्किल नहीं था क्योंकि मुझे कभी दर्द नहीं हुआ। एक भी दिन नहीं। मैंने इस समय का सदुपयोग अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए किया।

कोहली को पसंद नहीं चारदिनी टैस्ट

गुवाहाटी, 4 जनवरी (भाषा)।

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने शनिवार को आइसीसी द्वारा प्रस्तावित 'चार दिवसीय टैस्ट' का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि वह खेल के पारंपरिक पांच दिवसीय प्रारूप में छेड़छाड़ के पक्ष में नहीं हैं। आइसीसी व्यवसायिक रूप से लुभावने संक्षिप्त प्रारूपों के लिए ज्यादा दिन निकालने के लिए 2023 से 2031 की अगले एफटीपी कार्यक्रम में चार दिवसीय टैस्ट मैच आजमाना चाहता है।

हालांकि इसका अभी प्रस्ताव ही दिया गया है और क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने भी इस प्रारूप को आजमाने की इच्छा व्यक्त की। हालांकि, सीनियर गेंदबाज नाथन लियोन ने इसे 'हास्यास्पद' करार दिया। कोहली ने कहा कि मेरे हिसाब से, इसमें कोई छेड़छाड़ नहीं की जानी चाहिए। जैसा कि मैंने कहा कि दिन-रात मुकाबला टैस्ट क्रिकेट का व्यवसायीकरण की ओर एक और कदम है। इसके लिए रोमांच पैदा करना एक अलग बात है लेकिन इसमें ज्यादा छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। मैं ऐसा नहीं मानता।

भारत ने हाल में दिन-रात टैस्ट खेला और कोहली अभी पांच दिवसीय प्रारूप में केवल यही बदलाव देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मेरे हिसाब से टैस्ट क्रिकेट में बस दिन-रात टैस्ट का ही बदलाव बहुत है।

खेल के पारंपरिक पांच दिवसीय प्रारूप में छेड़छाड़ के पक्ष में नहीं

निशानेबाजी चैंपियनशिप

मेजबानी के लिए सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, 4 जनवरी (भाषा)।

सरकार ने मार्च 2022 में राष्ट्रमंडल निशानेबाजी चैंपियनशिप और तीरंदाजी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने के भारतीय ओलंपिक संघ (आइओए) के प्रस्ताव को शनिवार को 'सैद्धांतिक' मंजूरी दे दी। ये दोनों ही खेल बर्मिंघम में 2022 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों का हिस्सा नहीं हैं।

इस सप्ताह के शुरू में आइओए ने निशानेबाजी को हटाए जाने के कारण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के बहिष्कार की धमकी वापस ले ली थी और उसने निशानेबाजी चैंपियनशिप की मेजबानी का औपचारिक प्रस्ताव भेजने का फैसला किया जिसमें जीते गए पदक राष्ट्रमंडल खेल 2022 की पदक तालिका में जोड़े जाएं।

मार्नस लाबुशेन के दोहरे शतक से आस्ट्रेलिया का बड़ा स्कोर

सिडनी, 4 जनवरी (एएफपी)।

आस्ट्रेलिया ने मार्नस लाबुशेन के दोहरे शतक की बदौलत शनिवार को तीसरे टैस्ट के दूसरे दिन पहली पारी में 454 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में न्यूजीलैंड ने सतर्क शुरुआत की। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे लाबुशेन ने सिडनी में 215 रन की पारी खेलकर अपना सर्वश्रेष्ठ टैस्ट स्कोर खड़ा किया। आस्ट्रेलियाई टीम दूसरे दिन चाय से पहले सिमट गई।

जवाब में न्यूजीलैंड ने सतर्क शुरुआत करते हुए अंतिम सत्र में एक भी विकेट गंवाए बिना स्टंप तक 63 रन बना लिए। कप्तान टॉम लैथम 26 और मेलबर्न टैस्ट के शतकवीर टॉम ब्लंडेल 34 रन बनाकर क्रीज पर डटे हैं। दिन लाबुशेन के नाम रहा जिन्होंने 199 रन के स्कोर पर 20 मिनट तक पसीना बहाया। लेकिन कोलिन डि ग्रैंडहोम पर चौका लगाकर अपना दोहरा शतक पूरा किया।

उन्होंने यह उपलब्धि 363 गेंद में पूरी की जिसमें 19 चौके और एक छक्का जड़ा था। इस तरह उन्होंने अपने 185 रन के पिछले टैस्ट रेकार्ड को पीछे छोड़ा जो 2019 के नवंबर में ब्रिसबेन में पाकिस्तान के खिलाफ बना था। लाबुशेन 1104 रन बनाकर पिछले साल टैस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे थे और उन्होंने साल की शुरुआत भी इसी फॉर्म से की। लेग स्पिनर टोड एस्टल ने अपनी ही गेंद पर उनका कैच लपककर उनकी पारी का अंत किया।

लाबुशेन का दोहरा शतक पूरा होने के समय कप्तान टिम पेन दूसरे छोर पर थे, लेकिन वह 35 रन पर डि ग्रैंडहोम का शिकार बने। पेन ने लाबुशेन के साथ 79 रन की भागीदारी निभाकर आस्ट्रेलिया को 400 रन के पार कराया।

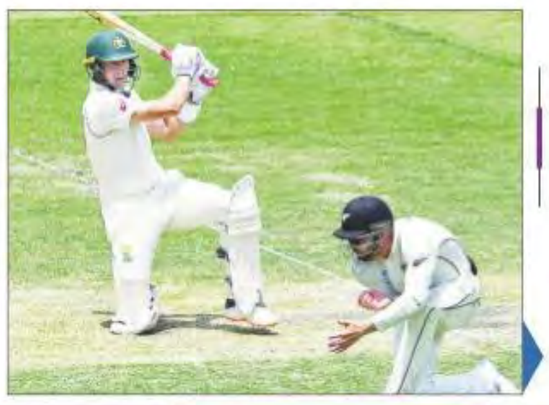

मैच के दौरान शॉट लगाते मार्नस लाबुशेन।

आस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 454 रन बनाए।

न्यूजीलैंड ने बिना विकेट गंवाए 63 रन बना लिए।

राष्ट्रीय बिलियर्ड्स चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा पुणे

पुणे, 4 जनवरी (भाषा)।

पूर्व विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी सहित देश के चोटी के खिलाड़ी 11 जनवरी से नौ फरवरी के बीच यहां होने वाली 'मनीषा-वास्कोन' राष्ट्रीय बिलियर्ड्स एवं स्नूकर चैंपियनशिप में भाग लेंगे। यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार आडवाणी और पूर्व एशियाई बिलियर्ड्स चैंपियन सौरव कोठारी सहित शीर्ष भारतीय एलीट क्यू खिलाड़ी एक महीने तक चलने वाली प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।

टूर्नामेंट का आयोजन महाराष्ट्र बिलियर्ड्स और स्नूकर संघ पुरुष और महिला सहित 12 वर्गों में कराएगा।

टूर्नामेंट का आयोजन महाराष्ट्र बिलियर्ड्स और स्नूकर संघ और पीवाइसी हिंदू जिमखाना सीनियर पुरुष और महिला सहित 12 वर्गों में कराएगा।

सोनम ने साक्षी मलिक को हराकर किया बड़ा उलटफेर

लखनऊ, 4 जनवरी (भाषा)।

दो बार की विश्व कैडेट चैंपियन सोनम मलिक ने शनिवार को रियो ओलंपिक कांस्य पदकधारी साक्षी मलिक को हराकर बड़ा उलटफेर किया। वहीं जूनियर अंशु मलिक ने विश्व चैंपियनशिप की पदकधारी पूजा ढांडा को पराजित करते हुए एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में अपना स्थान पक्का किया।

सोनम और अंशु दोनों को पहले दौर में अनुभवी पहलवानों से भिड़ना था लेकिन दोनों ने साहसिक प्रदर्शन किया। फाइनल दौर में सोनम ने राधिका को 4-1 से हराकर 62 किग्रा वर्ग में भारतीय टीम में जगह बनाई। अंशु ने पूजा को हराने के बाद 57 किग्रा ट्रायल के फाइनल में मानसी को पस्त किया।

अन्य वजन वर्गों में कोई हैरानी भरे फैसले देखने को नहीं मिले जिसमें विनेश फोगाट (53 किग्रा) और दिव्या काकरान (68 किग्रा) ने आसानी से अपने मुकाबले जीत लिए। निर्मला देवी (50 किग्रा) और किरण गोदारा (76 किग्रा) अन्य पहलवान रहीं जिन्होंने ट्रायल में जीत हासिल की।

विजेता पहलवान रोम में 15 से 18 जनवरी तक चलने वाली पहली रैंकिंग सीरीज में भाग लेंगी जिसके बाद ये नई दिल्ली में 18 से 23 जनवरी तक होने वाली एशियाई चैंपियनशिप में शिरकत करेंगी। अगर ये पहलवान इन दोनों प्रतियोगिताओं में पदक जीत लेती हैं तो 27 से 29 मार्च तक जियान में होने वाले एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

साक्षी मलिक

अंशु मलिक ने विश्व चैंपियनशिप की पदकधारी पूजा ढांडा को पराजित किया।

विनेश फोगाट और दिव्या काकरान ने आसानी से अपने मुकाबले जीत लिए। निर्मला देवी (50 किग्रा) और किरण गोदारा (76 किग्रा) अन्य पहलवान रहीं जिन्होंने ट्रायल में जीत हासिल की।

2003 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ किया था पदार्पण | **क्रिकेट** | भारत के लिए आखिरी मैच अक्तूबर 2012 में खेला

इरफान ने सभी प्रारूपों को कहा अलविदा

मुंबई, 4 जनवरी (भाषा)।

इरफान पठान ने शनिवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की। वह अपने करिअर के दौरान अधिकतर समय चोटों से जूझते रहे जिसके कारण अपनी वास्तविक क्षमता दिखाने में भी नाकाम रहे। इस 35 वर्षीय खिलाड़ी का संन्यास लेना तय माना जा रहा था क्योंकि उन्होंने अपना आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच फरवरी 2019 में जम्मू कश्मीर की तरफ से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेला था।

उन्होंने पिछले महीने खुद को आइपीएल के नीलामी पूल में भी नहीं रखा था। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने 2003 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड ओवल में भारत की तरफ से पदार्पण किया था। वह बहुत तेजी से गेंदबाजी नहीं करते थे लेकिन दाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए स्विंग कराने की नैसर्गिक क्षमता के कारण उन्हें जल्द ही सफलता मिलने लगी और उनकी कपिल देव से भी तुलना की जाने लगी।

ऐसा लग रहा था कि भारत को वह अदद ऑलराउंडर मिल चुका है जिसकी उसे कपिल देव के संन्यास लेने के बाद तलाश थी। भारत की तरफ से आखिरी मैच अक्तूबर 2012 में खेलने वाले इरफान ने 29 टैस्ट मैचों में 1105 रन बनाए और 100 विकेट लिए। उन्होंने 120 वनडे में 1544 रन बनाने के अलावा 173 विकेट हासिल किए और 24 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 172 रन बनाए और 28 विकेट लिए।

वह विश्व टी-20 चैंपियनशिप 2007 में खिताब जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे और पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल मैच में उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया था। पाकिस्तान के खिलाफ 2006 में वह हरभजन सिंह के बाद टैस्ट मैचों में हैट्रिक लेने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज बने थे। उन्होंने कराची मैच में सलमान बट, यूनिस खान और मोहम्मद यूसुफ को आउट करके हैट्रिक बनाई थी।

भारत की तरफ से आखिरी मैच अक्तूबर 2012 में खेलने वाले इरफान ने 29 टैस्ट मैचों में 1105 रन बनाए और 100 विकेट लिए। उन्होंने 120 वनडे में 1544 रन बनाने के अलावा 173 विकेट हासिल किए और 24 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 172 रन बनाए और 28 विकेट लिए।

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 37, अंक 49, *हवाई शुल्क :* इंफल-पांच रुपए, गुवाहाटी-चार रुपए, रायपुर-दो रुपए और पटना-एक रुपए।
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्होत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ्लोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोनः (0120) 2470700/2470740, ई-मेलः edit.jansatta@expressindia.com, फैक्सः (0120) 2470753, 2470754, **बोर्ड अध्यक्षः विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादकः मुकेश भारद्वाज***, *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कापीराइटः दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बगैर प्रकाशित सामग्री या उसके किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।

जनसत्ता
रविवारी
• 5 जनवरी, 2020 •

किस्मत का फिल्मी खेल

हिंदी सिनेमा जगत में नामों आदि को लेकर एक अजीब तरह का अंधविश्वास काम करता है। सफलता अर्जित करने के लिए कुछ अभिनेता-अभिनेत्रियों ने अपना मूल नाम ही बदल लिया। इससे कुछ को शोहरत भी मिली, पर कुछ अपना नाम बदलने के बावजूद सफलता की सीढ़ियां नहीं चढ़ पाए। कुछ निर्माता-निर्देशकों का विश्वास है कि एक खास अक्षर से शुरू होने वाले शीर्षक रखने से ही उनकी फिल्मों को सफलता मिल पाती है। मुंबइया फिल्म उद्योग में व्याप्त ऐसे विश्वासों-अंधविश्वासों के बारे में बता रहे हैं श्रीशचंद्र मिश्र।

प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करते हुए भी हालांकि कुछ कलाकारों ने फिल्मों में अपनी अलग पहचान बनाई है, लेकिन फिल्मों की मायानगरी में इस धारणा को हमेशा स्वीकार किया जाता है कि प्रतिभा, लगन और मेहनत अपनी जगह, लेकिन किस्मत साथ न दे तो सारी कोशिश धरी भी रह सकती है। किस्मत का यह खेल चुपचाप अपना असर दिखाता है। तमाम तरह की समझदारी, रणनीति नाकाम हो जाती है और सफलता तथा ख्याति एक के हाथ से फिसल कर दूसरे के माथे पर चमक जाती है। यही वजह है कि सितारों का रहन-सहन कितना भी आधुनिक क्यों न हो जाए, किस्मत को अपनी मुट्ठी में करने के लिए वे कोई जतन नहीं छोड़ते। पूजा पाठ हो, तंत्र मंत्र हो या ज्योतिषीय सलाह पर गंडे ताबीज बंधवाना हो या नाम के हिज्जे बदलवाना हो, जो भी रास्ता सुझाया जाता है उस पर आंख मूंद कर भरोसा किया जाता है।

आज भी फिल्म का मुहूर्त नारियल तोड़ कर और मेहमानों को पेड़े खिला कर किया जाता है। तकनीकी क्रांति ने अब फिल्मों के प्रिंट को एक छोटी-सी डिस्क में समा दिया है। पहले चालीस-पचास किलो के प्रिंट बनते थे और कई निर्माता पहला प्रिंट लेकर कटरा के वैष्णो देवी मंदिर, तिरुपति के बालाजी मंदिर, मुंबई के सिद्धि विनायक मंदिर, शिरडी के साईं बाबा मंदिर या अन्य किसी आराध्य की चौखट पर सिर नवाते थे। हर निर्माता के दफ्तर में कोई न कोई देवी-देवता विराजे होते हैं और नियमित रूप से उनकी पूजा-अर्चना की जाती है। यह तो खैर निजी आस्था का सवाल है। लेकिन यह आस्था फिल्म के बैनर में भी खूब दिखती रही है।

ज्योतिषीय सलाह फिल्म वाले खूब श्रद्धा से मानते हैं। जिस अक्षर को शुभ बता दिया जाता है उसी से फिल्म बनाने की परंपरा का पालन कई निर्माताओं ने किया है। जे. ओम प्रकाश और मोहन कुमार की हर फिल्म का शीर्षक 'अ' से शुरू होता था। अर्जुन हिंगोरानी ने हर फिल्म 'क' से शुरू की। 'क' से राकेश रोशन का मोह आज तक नहीं टूटा है। करन जौहर काफी समय तक 'क' से शुरू होने वाले शीर्षक से ही फिल्म बनाते रहे। एकता कपूर के दर्जन भर सीरियल 'क' पर टिके रहे। उनकी शुरुआती फिल्मों पर भी इस अक्षर का असर दिखा। पूजा-पाठ और तंत्र-मंत्र पर भरोसा करने वाली एकता ढेरों अंगूठियां और कई तरह के गंडा-ताबीज हमेशा पहने रहती हैं।

नाम को लेकर भी सितारों में खासा अंधविश्वास रहता है। बलराज साहनी के बेटे परीक्षित साहनी ने अजय साहनी के नाम से करिअर शुरू किया। बात नहीं बनी तो फिर अपना नाम परीक्षित कर लिया। फिल्मों की शायद ही कोई ऐसी बड़ी हस्ती होगी, जिसने कोई न कोई फिल्मी नाम न अपनाया हो। कुछ ने अपने नाम में मामूली फेर-बदल किया। जैसे रणवीर राज कपूर, राज कपूर और धर्मदेव आनंद देव आनंद हो गए। धर्मेंद्र सिंह देओल खाली धर्मेंद्र होकर रह गए। कुछ ने नाम जरूर परिस्थितियों की वजह से बदले। मसलन, देविका रानी को लगा कि यूसुफ खान नाम फिल्मों में नहीं चल पाएगा, इसलिए उन्होंने उसे दिलीप कुमार की पहचान दे दी। लेकिन कइयों ने अच्छे-भले नाम तक बदल डाले। सुनील दत्त बलराज दत्त के नाम से भी चल सकते थे। राजेश खन्ना का मूल नाम जतिन और जीतेंद्र का रवि अच्छा-खासा था। मनोज कुमार नाम बदल कर कुमार गौरव हुए और सुयश पांडे चंकी पांडे हो गए, लेकिन किस्मत नहीं बदल पाए।

सत्तर के दशक तक नाम बदलने की मानसिकता फिल्म वालों पर ज्यादा हावी रही और इसमें अभिनेत्रियों ने ज्यादा रुचि ली। मधुबाला का मूल नाम मुमताज जहां बेगम और नरगिस का कनीज फातिमा था। उनका नाम बदलने की वजह कुछ हद तक समझी जा सकती है। लेकिन कोकिला निरुपा राय बनीं, सायरा खान ने अपना नाम रीना राय रख लिया, शशिकला मीनाक्षी हो गईं और आरती को एकता नाम पसंद आया तो सिर्फ इसलिए कि ओढ़ा हुआ नाम उन्हें शुभ बताया गया। यह अलग बात है कि नाम बदलन से किस्मत कुछ की ही चमक पाई।

शांताराम इस तरह की शुभ-अशुभ परंपरा को नहीं मानते थे। इसीलिए वे न तो अपनी किसी फिल्म का मुहूर्त करते थे और न ही प्रीमियर। वे अकेले ऐसे फिल्मकार, थे जो किसी भी तरह के अंधविश्वास के कट्टर विरोधी थे। चालीस और पचास के दशक में अमावस्या के दिन कोई फिल्म शुरू न करने का रिवाज था। 'दो आंखें बारह हाथ' अमावस वाले दिन शुरू हुई। यूनिट ने अनुरोध किया कि वे एक दिन के लिए शूटिंग टाल दें, लेकिन शांताराम ने किसी की नहीं सुनी। फिल्म बिना किसी बाधा के पूरी हुई। बॉक्स ऑफिस पर तो वह सफल रही ही, ढेरों राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार भी उसे मिले। ■

चमका दिया किस्मत ने

अक्सर यह माना जाता है कि फिल्म परिवार में जन्मे व्यक्ति के अलावा वही अभिनय की दुनिया में चल सकता है, जिसने अभिनय का बाकायदा प्रशिक्षण लिया हो। मगर यह धारणा कई बार गलत साबित हुई है। ऐसे कई लोग फिल्मों में आए, जिनका अभिनय से दूर-दूर तक कोई नाता नहीं था। किस्मत ने उनके लिए नया रास्ता खोला और वे स्टार बन गए। चालीस के दशक में अभिनेता और पार्श्व गायक के रूप में अपार ख्याति पाने वाले कुंदन लाल सहगल टाइपराइटर कंपनी के सेल्समैन थे। देव आनंद डाक घर में काम करते थे और दूसरे विश्व युद्ध में चिट्ठियों को सेंसर किया करते थे। हिंदी फिल्मों में आम आदमी के चेहरे को लोकप्रिय बनाने वाले अमोल पालेकर बैंक में बाबू थे। अपनी आवाज के बल पर सफल अभिनय यात्रा कर पाए। सुनील दत्त रेडियो सोलोन पर उद्घोषक थे। स्मिता पाटील मुंबई दूरदर्शन पर समाचार पढ़ती थीं। दीप्ति नवल आकाशवाणी में उद्घोषिका थीं। रमेश सहगल ने सुनील दत्त को, श्याम बेनेगल ने स्मिता पाटील को और विनोद पांडे ने दीप्ति नवल को मौका क्या दिया कि उनकी गाड़ी सरपट दौड़ गई। अपनी आवाज के दम पर आधी सदी से फिल्मी दुनिया पर राज कर रहे अमिताभ बच्चन जब कोलकाता की निजी कंपनी में मैनेजर थे, उनकी आवाज को आकाशवाणी का उद्घोषक बनने लायक नहीं माना गया था। अमिताभ की मां तेजी बच्चन की सहेली तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का अभिनेत्री नरगिस के नाम लिखा सिफारिशी पत्र भी ज्यादा काम नहीं आया। नरगिस के पति सुनील दत्त ने फिल्म 'रेशमा और शेरा' में अमिताभ को गूंगे की भूमिका दी। लेकिन किस्मत ने उन्हीं अमिताभ बच्चन को सदी का महानायक बना दिया।

अशोक कुमार 'बांबे टाकीज' की प्रयोगशाला में सहायक थे। बहनोई शशधर मुखर्जी ने जब एक फिल्म में काम करने को कहा, तो मना नहीं कर सके, लेकिन अगले दिन सिर मुंडवा कर सेट पर पहुंच गए, यह मान कर कि उनका यह हुलिया देख कर कौन उन्हें हीरो बनाएगा। लेकिन शशधर मुखर्जी अड़े रहे और अशोक कुमार को हीरो बनना पड़ा। उसके बाद के साठ साल में अशोक कुमार ने अभिनय के कितने प्रतिमान कायम किए, ये सभी जानते हैं। बस में कंडक्टरी करते हुए कोई स्टार बन जाए, तो इसे किस्मत के खेल के अलावा और क्या कहा जाएगा? इंदौर में एक अनूठे अंदाज में टिकट काटते बदरुद्दीन काजी फिल्मकार गुरुदत्त को इतने भा गए कि वे उन्हें मुंबई ले आए और जॉनी वाकर नाम देकर 'बाजी' में एक छोटी भूमिका दे दी। इसके बाद तो हास्य अभिनय में जॉनी वाकर स्टार बन गए। महमूद के अलावा उन्हें ही एक समय में फिल्म के हीरो से ज्यादा मेहनताना मिलता था। वे अकेले अभिनेता हैं, जिनके नाम पर फिल्म तक बनी। शिवाजी राव गायकवाड़ रोजी-रोटी की तलाश में बंगलुरु चले गए। तमाम तरह के काम किए। कंडक्टरी भी की। तमिल फिल्मकार के बालाचंदर की उन पर निगाह पड़ी। उन्हें रजनीकांत नाम दिया और अपनी फिल्म में खलनायक बना दिया। धीरे-धीरे बढ़ता हुआ यह सफर नायाक और महानायक की परिभाषा को लांघ गया। आज की स्थिति यह है कि रजनीकांत एशिया में एक फिल्म के लिए सबसे ज्यादा पैसा पाने वाले स्टार हैं। राज कुमार फिल्मों में आने से पहले पुलिस इंस्पेक्टर थे। जीतेंद्र डिलीवरी बॉय थे और शूटिंग के लिए नकली जेवर लेकर जाते थे। शांताराम ने 'सेहरा' में उन्हें एक संवाद वाली भूमिका दी। वह संवाद भी उनसे बोलते नहीं बना। लेकिन किस्मत में सितारा बनना लिखा था, सो वे बन ही गए।

केवल अभिनय की दुनिया में नहीं, फिल्म निर्माण के अन्य क्षेत्रों में भी जाने-अनजाने ऐसे लोग प्रवेश पा गए, जिन्होंने अपनी मौलिक प्रतिभा से सभी को चमत्कृत कर दिया। यही किस्मत का खेल है। ऐतिहासिक फिल्में बनाने वाले सोहराब मोदी मोटर मैकेनिक थे। कला फिल्मों का एक आंदोलन छेड़ कर अपनी फिल्मों को अंतरराष्ट्रीय ख्याति दिलाने वाले सत्यजित राय प्रकाशन विभाग में कला निदेशक थे। उसी कड़ी के संवेदनशील फिल्मकार श्याम बेनेगल विज्ञापन कंपनी से जुड़े थे। कला और व्यवसाय के बीच की धारा की सार्थक फिल्में बनाने वाले ऋषिकेश मुखर्जी अध्यापक थे, तो बीआर चोपड़ा पत्रकार। सेना की नौकरी छोड़ कर आए आनंद बक्षी ने गीतकार के रूप में नाम कमाया, तो मदन मोहन चोटी के संगीतकार बने। राज खोसला अभिनय का सपना लेकर आए थे, लेकिन वे सफल निर्माता-निर्देशक बन गए। सुभाष घई ने पुणे के फिल्म एवं टीवी संस्थान से अभिनय का प्रशिक्षण लिया, लेकिन वे ज्यादा सफल हुए फिल्मकार के रूप में। किस्मत से आखिर कौन लड़ सकता है? ■

सफलता की आंख मिचौली

अक्सर सितारे दावा करते हैं कि फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ कर ही वे उसमें काम करने का फैसला करते हैं। 'रॉक स्टार' के बाद नरगिस फाकरी ने कहा था कि उन्हें सौ से ज्यादा फिल्में ऑफर हुईं, लेकिन स्क्रिप्ट न जंचने की वजह से उन्होंने कोई फिल्म साइन नहीं की। काफी छानबीन के बाद उन्होंने 'मैं तेरा हीरो' की, जिसमें स्क्रिप्ट नाम की कोई चीज ही नहीं थी। नरगिस ही नहीं, कई स्थापित कलाकार भी फिल्म चुनने में गफलत कर बैठते हैं। राज कुमार हिरानी जब 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' बनाने की सोच रहे थे, उनकी पहली पसंद शाहरुख खान थे। शाहरुख को स्क्रिप्ट नहीं जंची। संजय दत्त को मौका क्या मिला कि उनके लुढ़कते करिअर का कायाकल्प हो गया।

ऐसा अतीत में भी कई बार हो चुका है, जब किस्मत ने छल किया। किसी कलाकार को एक फिल्म के लिए चुना गया। उसके मना करने पर दूसरे को मौका मिला और मानो उसकी लाटरी ही खुल गई। रमेश सिप्पी चाहते थे कि 'शोले' में गब्बर सिंह वाली भूमिका शत्रुघ्न सिन्हा निभाएं। उन्होंने मना कर दिया। फिर नंबर आया डैनी का। डैनी उन दिनों फिरोज खान की फिल्म 'धर्मात्मा' में व्यस्त थे। कतार में पीछे खड़े अमजद खान को मौका मिला और वे रातोंरात स्टार बन गए। 'शोले' जबर्दस्त हिट हुई, जबकि 'धर्मात्मा' को सामान्य सफलता ही मिल पाई। हीरो बनने की जिद में गब्बर सिंह नहीं बने शत्रुघ्न सिन्हा रमेश सिप्पी की अगली फिल्म 'शान' में सहायक भूमिका करने को राजी हो गए, लेकिन फिल्म बुरी तरह पिट गई।

दक्षिण की अभिनेत्री लक्ष्मी की पहली हिंदी फिल्म 'जूली' में उनके मुकाबले विजय अरोड़ा को लेना तय हुआ। उन्होंने मना कर दिया। उनकी जगह विक्रम आ गए और फिल्म की सफलता का फायदा उठा ले गए। विजय अरोड़ा को उसके बाद कोई हिट फिल्म नसीब नहीं हो पाई। गुलजार की फिल्म 'कोशिश' मौशुमी चटर्जी ने ठुकरा दी तो वह जया भादुड़ी के लिए वरदान साबित हो गई। 'खानदान' के लिए राज कुमार का चयन लगभग पक्का हो गया था। कहानी सुन कर उन्होंने कटाक्ष किया- 'मैं लूली लंगड़ी भूमिकाएं नहीं करता। उसके लिए राजेंद्र कुमार या सुनील दत्त को लो।' सुनील दत्त को वह फिल्म मिली, सफल हुई और उनके करिअर की दिशा बदल गई।

अहंकार और उसकी वजह से टकराव भी शायद किस्मत की वजह से होते हैं। ऐसा नहीं होता तो 'राम और श्याम' में वैजयंतीमाला की जगह वहीदा रहमान नहीं ले लेतीं। फिल्म में पहले दिलीप कुमार के साथ वैजयंतीमाला को लिया गया था। पांच रील पूरी होने के बाद साड़ी को लेकर झगड़ा हो गया। दिलीप कुमार चाहते थे कि उनकी पसंद की हुई साड़ियां ही वैजयंती पहनें। वैजयंती को इस पर सख्त एतराज हुआ और वे फिल्म छोड़ कर चली गईं। उनके हट जाने से वहीदा रहमान के हिस्से में एक सुपर हिट फिल्म आ गई। वैजयंतीमाला की 'दुनिया' और 'प्यार ही प्यार' जैसी सभी फिल्में नाकाम हो गईं।

आठ-दस फिल्में पिट जाने के बाद अमिताभ बच्चन की ऐसी हालत हो गई थी कि कोई बड़ी फिल्म उन्हें मिल नहीं रही थी और गफलत में जो फिल्में मिल गई थीं, उनमें उन्हें हटा कर किसी और को लिए जाने का सिलसिला शुरू हो गया था। ऐसे में प्रकाश मेहरा ने बतौर निर्माता-निर्देशक अपनी फिल्म 'जंजीर' में उन्हें लिया भी तो बेहद मजबूरी में, क्योंकि उस समय का कोई भी बड़ा नायक फिल्म में काम करने को राजी नहीं हुआ। देव आनंद ने इसलिए मना कर दिया, क्योंकि उन पर फिल्म में कोई गीत फिल्माया नहीं जाने वाला था। धर्मेंद्र चाहते थे कि फिल्म की नायिका हेमा मालिनी हों और उनकी भूमिका का विस्तार किया जाए। राजकुमार से संपर्क किया गया, तो उन्होंने मना करने की गजब वजह बता दी। राज कुमार को कहानी तो पसंद आ गई, लेकिन प्रकाश मेहरा का चेहरा उन्हें अच्छा नहीं लगा, क्योंकि उनके बालों से राजकुमार को बिजनौरी तेल की बू आती थी। यह अलग बात है कि जब राजकुमार का करिअर ढलान पर था और प्रकाश मेहरा सफल निर्माता बन गए थे। तब उन्होंने प्रकाश मेहरा की दो फिल्मों में काम किया। बहरहाल 'जंजीर' के लिए कोई होरी नहीं मिला, तो प्रकाश मेहरा ने अमिताभ बच्चन को ले लिया। दिक्कत यह थी कि उस समय की कोई भी बड़ी अभिनेत्री असफल मान लिए गए अमिताभ बच्चन के साथ काम करने को तैयार नहीं हुई। जया भादुड़ी ने हिम्मत की। शूटिंग शुरू हुई। कुछ रील बनने के बाद वितरकों और फाइनेंसरों के दबाव में प्रकाश मेहरा ने अमिताभ को फिल्म से निकालने का मन बना लिया। प्राण और जया भादुड़ी ने तब धमकी दी कि अगर ऐसा हुआ तो वे भी फिल्म छोड़ देंगे। 'जंजीर' ने अमिताभ बच्चन की ही नहीं, प्रकाश मेहरा की भी किस्मत बदल दी।

आशुतोष गोवारिकर 'लगान' में शाहरुख खान को लेना चाहते थे। शाहरुख को कहानी जंची नहीं। फिल्म आमिर को मिल गई और वह ऑस्कर के लिए नामांकित भी हो गई। शाहरुख ने गलती सुधारी और आशुतोष की अगली फिल्म 'परदेस' में काम किया, लेकिन फिल्म नहीं चली। शाहरुख की तरह आमिर खान भी करिअर के शुरू में गच्चा खा गए जब यश चोपड़ा की 'डर' करने से उन्होंने मना कर दिया। वह भूमिका शाहरुख ने की और स्टार बन गए। आमिर को उस पड़ाव तक पहुंचने में कुछ साल लग गए। करीना कपूर ने 'गोलियों की रास लीला राम लीला' की जगह 'गोरी तेरे प्यार में' को प्राथमिकता दी। अब खिसियाहट में करीना कहती हैं कि उनकी छोड़ी फिल्म ने दीपिका पादुकोण को स्टार बना दिया।

किस्मत का खेल आशीष कुमार के साथ गजब हुआ। वे 'जय संतोषी मां' के नायक थे। फिल्म संतराम रोहरा बना रहे थे। पैसा ज्यादा नहीं था। लिहाजा आशीष से अनुबंध करना कि अभी वे कोई मेहनताना न लें। बाद में फिल्म की आमदनी में से उन्हें कुछ हिस्सा दे दिया जाएगा। आशीष नहीं माने। लिहाजा निर्माता ने यहां वहां से जुगाड़ कर उनका मेहनताना थमा दिया। फिल्म पूरी हुई और उसने सफलता का नया इतिहास रच दिया। आशीष के पास खुद को कोसने के अलावा कोई चारा नहीं था। मालामाल हो गए संतराम रोहरा ने बाद में कुछ और फिल्में बनाईं, लेकिन सभी पिट गईं। ■

www.readwhere.com

गुलाबो और सिताबो

कहानी

उदयभानु पांडेय

मैंने आइएएस की परीक्षा खत्म की है और दिल्ली के दमघोंटू माहौल से निजात पाकर पूर्वोत्तर भारत के अपने पहाड़िया कस्बे, जिसे मैं दिल्ली में शान से अपना होम टाउन, हिल स्टेशन या हेल्थ रिजार्ट वगैरह कहा करता हूं, लौट आया हूं। आपको यह जान कर हैरत होगी कि मेरी जिंदगी में वैसे तो कई दोस्त हैं- स्त्री और पुरुष दोनों- लेकिन छुट्टी का सबसे ज्यादा समय एक 'बूढ़े' के साथ बिताता हूं। इस बूढ़े शब्द पर आप लोग नाक-भौं मत सिकोड़िए, क्योंकि हमारे इलाके में यह शब्द बहुत ज्यादा सम्मानपूर्ण है। और वह शख्स, जिसे मैं प्यार से फू यानी दादाजी कहता हूं, कोई घुरहू-कतवारू नहीं बल्कि एक रिटायर्ड आइएएस है, जो इसी शहर के एक कुशादाघर में रहता है। इसकी बूढ़ी अपने इकलौते बेटे के साथ अमेरिका में रहती है और जब इस शहर में वापस आती है तब दावतों का सिलसिला शुरू हो जाता है। पर अकसर वह अमेरिका में ही रहती है। मैं जिस कबीलाई समाज से ताल्लुक रखता हूं, वहां लोकगीतों और लोक कथाओं की बड़ी समृद्ध परंपरा है। मैंने अभी से तय कर लिया है कि मैं अपनी सेवा से निवृत्त होने के बाद इन लोकगीतों और लोक कथाओं को इकट्ठा करूंगा और हिंदी तथा अंग्रेजी में उनका अनुवाद करके छपाऊंगा।

आज कई दिनों की आरजू-मिन्नत के बाद मेरे फू यानी दादाजी एक कहानी सुनाने बैठे हैं। उसका नौकर शैंपेन और स्कॉच की दो बोतलें रख गया है। गरमागरम प्याजा-पकौड़ियां आई हैं और दौर शुरू हो गया है। जब बुड्ढा गुलाबी नशे के आगोश में आएगा फिर कम्बख्त फड़कते हुए शेरों की झड़ी लगा देगा। उसके बाद ही मैं कहानी की फरमाइश करूंगा। मेरा पसंदीदा चिखना यानी कि बाराह भगवान का प्रसाद तो आएगा ही, लेकिन वह खाने के साथ भी परोसा जाएगा, क्योंकि हम जनजातीय लोग पोर्क के बिना खाने का लुत्फ नहीं उठा सकते।

'बात उन दिनों की है जब मैं एम-एससी के बाद इलाहाबाद में आइएएस की तैयारी कर रहा था।' दादाजी ने शुरू किया और मैं इलाहाबादी तमीज और तमद्दुन के अनुसार झुक कर 'इरशाद' बोला।' वहां के खुसरोबाग इलाके में एक शानदार बंगला था, बंगला क्या नाती राजा, एक अच्छा-खासा महल ही समझो। हम लोग उधर से निकलते, तो उसके अहाते में चमचमाती हुई कारों की फ्लीट-सी दिखती। स्थानीय लड़के उस हवेली के बारे में अजीबो गरीब लंतरानियां सुनाया करते। लोग कहते कि इस हवेली से ताल्लुक रखनेवालों में दर्जनों सेंट्रल सर्विस के अफसर हैं और आइपीएस और एलाइड सेर्विस तो मामूली चीज है, यहां तो आइसीएस तक हुए हैं। लेकिन उस हवेली में एक खास ट्रैजडी यह हुई कि यहां केवल बेटियों का वंश ही चला। अगर यह कोई वैज्ञानिक दर्शन है तो हुआ करे, मेरी दिलचस्पी इस बात में नहीं कि वहां किसी पर देवताओं का अभिशाप है या यह जींस का खेल है। एक बात और थी कि उस शानदार घर के लिए हमेशा एक से ज्यादा ऐसे डॉक्टर होते थे, जो फिजीशियन होते थे, क्योंकि उस परिवार का लगभग हर सदस्य कब्ज का मरीज हुआ करता था। पड़ोस में खानदानी मुसलिम और राजपूतों की हवेलियां थीं, जहां के लोग मजाकिया तौर पर यह कहा करते थे कि यह खानदानी मर्ज इसलिए है कि लोग पैसे को दांत से पकड़ते हैं। हालांकि इलाहाबाद लखनऊ और गोरखपुर से कहीं ज्यादा सस्ता है। इस हवेली का सबसे प्रिय खाद्य था आलू का व्यंजन। जब मेहमान खाने बैठते, तो मेजबान लोग आलू के व्यंजनों के कसीदे पढ़ते। बड़ी नफीस उर्दू या किंग्स इंग्लिश में बहुत पुरानी बातें दुहराई जातीं कि अंग्रेज अफसर किस तरह आलूदम और आलू के भुरते पर फिदा हो जाते थे। लेकिन इसका असर यह होता कि खाने वाले परिवार के सदस्य या तो डायबिटीज के शिकार होते या मोटापे के। जो इन दो रोगों से बच जाता, वह कब्जियत का शिकार हो जाता।

'रम लाना जरा बहादुर', मेरे फू की घोड़े की सवारी शुरू होने वाली थी। मुझे बतरस का आनंद आने लगा था। नौकर एक ट्रे में रम की बोतल और बारीक कसे हुए प्याज का सलाद लेकर हाजिर हुआ। फू ने रम की बोतल पर एक आशिकाना नजर डाली और बोले, 'मेरे कई गधे दोस्त सेना के बड़े अफसर हैं और उनका कहना है कि मर्दों को सूट करने वाली सबसे जबर्दस्त शराब केवल रम है और रम में भी यूपी के बाराबंकी की रम तो रानी है। लेकिन रम के साथ चिखना हो, तो केवल पोर्क, कच्चा प्याज और चार मीनार सिगरेट। वाट अ हारिबल टेस्ट! लेकिन क्या किया जाए, पसंद अपनी-अपनी खयाल अपना अपना!'

अब तक मेरे मुंहबोले दादाजी घोड़े पर सवार हो चुके थे। उनका चेहरा शैंपेन और स्कॉच के असर से अच्छा-खासा दिख रहा था। मैं अब उन्हें उकसाने वाला था। मैंने कहा, 'फू अब आपका चेहरा एक चालीस साल के नौजवान का-सा दिख रहा है। अगर मैं विदेश सेवा में आया, तो आपको अमेरिका ले चलूंगा, लेकिन गुस्ताख मत समझिएगा मुझे। अगर आप पर कोई गोरी मेम डोरा डालने लगे तो आप हमारी फी (दादी) को धोखा मत दीजिएगा। ओनली पास टाइम। समझे न दादाजी?' इस बात पर वे बड़े सलीके से हंसे और फिर अपने टॉपिक पर लौटे।

'उस हवेली के बारे में ढेर सारे किस्से हैं, लेकिन लोग कहते हैं कि जो उस समय का वारिस था, उसे ईश्वर ने केवल दो लड़कियों से नवाजा था। घर के नौकर नौकरानी उन्हें बड़ी बिटिया और छोटी बिटिया कह कर बुलाते थे। लोग कहते कि अभिशाप के साथ-साथ इस खानादान को यह वरदान भी मिला था कि वहां कोई सदस्य बदसूरत नहीं था। दोनों रईसजादियां काफी कद्दावर थीं और उनके नाक-नक्श भी बला के थे। उनकी चाल को देखकर उन्हें कोई गजगामिनी तो नहीं कहता था, लेकिन लखनऊ के लड़के यह जुमला अकसर फेंकते, 'इन हमशीराओं की चाल इत्ती लाजवाब है कि माशाअल्लाह, कदमों के नीचे अगर बताशे बिछा दिए जाएं तो शायद एक बताशा भी नहीं फूटेगा।'

यह बड़े अचरज की बात है कि दोनों या उनमें से किसी एक का भी कोई अफेयर दिखाई नहीं पड़ा। इसकी वजह यह थी को दोनों बहनों के वालिदैन बड़े हिसाबी, किताबी और जोड़-गांठ में माहिर थे। वहां अफेयर भी होता तो बुड्ढे-बुढ़िया भांप लेते।

उस हवेली के बारे में बहुत सारी किंवदंतियां थीं लेकिन सबसे जबर्दस्त किंवदंती यह थी की दोनों बहनें एक-दूसरे के खून की प्यासी थीं। तुम कहोगे कि ऐसा तो होता ही है। लेकिन दानिशमंद लोग यह नहीं समझ पाए कि दोनों बहनें एक-दूसरे को दिलो-जान से चाहती थीं, इसके बावजूद वे दो घंटे भी लड़े बिना नहीं रह सकतीं। किसी एक के मुंह से कोई जुमला निकला, तो दूसरी उसकी जुबान पकड़ लेती थी। जब दोनों तेज तर्रार बहनें सींग बझा लेतीं, तो उन्हें छुड़ाना मुश्किल क्या, कतई नामुमकिन होता। बरखुरदार, तुम्हें यह बात झूठी लग सकती है, लेकिन यह सौ फीसद सच है कि उनकी हसीन आंखें गुस्से में निहायत बदसूरत दिखतीं। तुम तो अभी छोटे बच्चे हो और शायद यह सोचते होगे कि आर्यमुखाकृति वाली सारी स्त्रियां हुस्नपरी होती हैं, लेकिन शादी के पहले हर कंवारे या विधुर को यह जान लेना चाहिए कि किसी गुस्सैल औरत को कभी भी गले न बांधा जाए, वरना सारी जिंदगी रायगां हो जाएगी। गुस्सा करने पर खाली चपटी नाकें नहीं, एकदम नुकीली नाकें भी निहायत घिनौनी लगती हैं और लोहार की उस धौंकनी की तरह दिखती हैं, जिनमें लोहा गलाया जाता है।

वैसे तो पूरा इलाहाबाद यह बात जानता था कि दोनों बहनें, जिन्हें मैं अपने ठेठ देहाती लहजे में गुलाबो और सिताबो कहता हूं, अपनी जबानी जंगों के लिए मशहूर थीं, लेकिन मैं ऐसी बातों को केवल परसंतापी हिंदुओं की एक कमीनी हरकत समझता था।

दोनों बहनों के प्रथम संग्राम का मैं आंखों देखा वृतांत सुना रहा हूं। प्लीज लेंड मे योर इयर्स। बड़की और छुटकी के वालिदैन जन्नतनशीं हो चुके थे और दोनों दामाद, जिनके साथ भारतीय विदेश सेवा का पुछल्ला जुड़ा था, लंबी छुट्टी लेकर सपरिवार इलाहाबाद वाली हवेली में आए हुए थे। कर्मकांड और भाई भोज के बाद एक शाम मुझे भी डिनर पर बुलाया गया था। फॉरेन सेर्विस तो मेरी किस्मत में नहीं थी, लेकिन मैं उन दिनों इलाहाबाद का डीएम हुआ करता था।

मुझे मेरे गुरुभाइयों ने बताया था कि इस बड़ी संपत्ति का कानूनी बंटवारा होना था। दोनों साढ़ू भाई आपस में घुले-मिले थे और उनमें किसी भी तरह की बदमजगी का कोई सवाल ही नहीं उठता था और गुलाबो, सिताबो में छोटी वाली अब तक निस्संतान थी, इसलिए किसी खास विवाद की आशंका नहीं थी। फिर भी यह बात लगभग हर इलाहाबादी जानता था कि दोनों बहनें बराबर सींग लड़ाया करती थीं। हवेली और उससे जुड़ी जमीन को तो आधा-आधा में आसानी से बांटा जा सकता था, लेकिन बहुत पुराने जमाने से ही उस खानदान की कई दुकानें दारागंज में थीं और उनको लेकर कोई आसान तरीका साफ दिखाई नहीं पड़ता था। मेजबानों ने बड़े सलीके से बताया था कि गुलाबो वे सारी दुकानें छोटी बहन को दे देना चाहती थी। उसका कहना था कि अगर एक ही घर हो तो वह घर हिंदू परंपरा के मुताबिक सबसे छोटे भाई या बहन को दे दिया जाता है। लेकिन सिताबो एक अड़ियल घोड़ी की तरह अड़ गई थी। 'जीजी, यह असंभव है। लगता है कि हम और अखिल दो से तीन नहीं होने वाले हैं। फिर यह लालच किस लिए? आखिर बाद में तो सब आपके बच्चों का ही है। आप जीजा जी से कहिए कि तीनों दुकानों को तुड़वा कर एक मॉल बनवा लें या कोई अच्छा-सा होटल, क्योंकि ढेर सारे एनआरआइ लोग इलहाबाद आते हैं। दोनों बहनें बड़प्पन की बातें कह रही थीं, लेकिन गुलाबो को लगा कि छोटी ने उसे मात दे दी, और वह भड़क उठी, 'तू साली गांठगोभी, तुझे बात में नारद मुनि भी नहीं हरा पाएंगे।' गुलाबो ने ऐसी गुगली फेंकी कि सिताबो भी अपने को रोक न पाई, 'तू काली ऊंटनी, अपने को बहुत होशियार समझती है!'

इलाहाबाद के इतिहासकार यह कहते हैं कि यूनिवर्सिटी के उन लड़कों ने इन दोनों को ऐसे बेहतरीन खिताबों से नवाजा था, जिन्हें ये कबूलसूरत रईसजादियां घास भी नहीं डालती थीं। वैसे दोनों की लंबाई अच्छी-खासी थी, लेकिन सिताबो बहन की तुलना में जरा-सी छोटी थी या मांसल होने के कारण उतनी लंबी नहीं दिखती थी। उसे एक से अधिक निराश प्रेमियों ने गांठगोभी कहना उचित समझा था। बड़की का रंग आंखों को सुकून देने वाला सांवला था और वह लगभग पांच फीट पांच इंच लंबी थी, लेकिन उसके निराश प्रशंसकों ने उसे 'काली ऊंटनी' कह कर चिढ़ाना शुरू किया था। फिर दोनों बहनें इन विशेषणों से परिचित हो गईं और आज एक-दूसरे को इन्हीं से नवाजने लगी थीं।

'फू, क्या आप ऐसी बदतमीजी को जस्टीफाई करते हैं?' मेरा भी मूड कुछ बदल रहा था।

'जस्टीफाई तो नहीं कर सकता, लेकिन इतना तो जरूर कहना चाहूंगा कि किसी लड़के का दिल टूट जाए तो वह नार्मल भाषा कैसे बोलेगा।' फू ने उत्तर दिया। कहानी आगे बढ़ी और उनकी आंखों में एक अजीब शरारत तारी हो गई। वे बोले : 'शराब का दौर रंग ला ही रहा था कि जनानखाने से कुछ ऐसी आवाजें बरपा होने लगीं कि लगा अफ्रीका का कोई ज्वालामुखी फटा है। मैं उन मनहूस आवाजों को अनसुना कर अंगूर की बेटी को लबों से लगाए रहा। लेकिन बड़े साढ़ू ने छोटे साढ़ू को एक तरफ बुला कर धीरे से कहा, 'भाई जान, लगता है दोनों जंगली बिल्लियों ने अपने नाखून बाहर निकाल लिए हैं। आप अंदर जाइए और चुप कराइए। फिर भी अगर वे युद्धविराम की घोषणा नहीं करतीं, तो दोनों के थुलथुल पिछवाड़ों पर लात लगाइए।'

छोटे साढ़ू ने एक खिसियानी हंसी अपने होठों पर चस्पां की और अंदर चले गए। 'विनीताजी, घर में इतने रेस्पेक्टेबल मेहमान बैठे हैं और आप अपनी बड़ी बहन से ही सींग लड़ाने लगीं! कुछ तो शर्म करिए। इत्ते आलीशान खानदान की औलाद और यह हरकत? और दीदी, आप इस गुस्ताख के मुंह क्यों लगती हैं? वहां भाई साहब के सामने मुझे शर्मिंदा होना पड़ता है। प्लीज!' इस बात पर गुलाबो को लगा कि उसके बहनोई सचमुच गुस्से में हैं और फिर उसने बड़ी प्यारी अदा के साथ हवा में एक एयर किस उछाल दिया। नौकरानी और नौकर छोटे जमाई को आते देख चुपचाप वहां से खिसक लिए थे। इसके बाद दोनों जंगली बिल्लियां जोर से खिलखिलाईं और सारा नाटक हीही-ठीठी पर खत्म हो गया। छोटे जमाई बाहर आकर बोले, 'मेहरोत्रा साहब, एक्चुअली वे दो लड़ाकी औरतों की नकल उतार रही थीं।'

मैंने इस इलाहाबादी तहजीब को अपनी आंखों से देखा और कानों से सुना। मैं इन बड़े खानदानी लोगों की इस अदा का शैदाई भी हुआ और मन में यह भी आया कि कह दूं, 'दिल बहलाने को गालिब ये खयाल अच्छा है', लेकिन तमीज और तमद्दुन को ध्यान में रखते हुए मैं बोला, 'हमारी दोनों भावजों का सेंस आफ ह्यूमर काबिले तारीफ है।'

छोटे साढ़ू को आइएएस में तीसरा स्थान मिला था और वे अपनी सीमाएं और शक्ति दोनों से वाकिफ थे। उनके पिता तहसीलदार थे। वे मितभाषी, मिलनसार और और ठंडे दिमाग वाले ऐसे सुलझे इंसान थे, जिसे झगड़ना क्या ऊंची आवाज में बोलना भी गरिमा के विरुद्ध लगता था। लेकिन उनके सुंदर चेहरे पर आज गुस्सा लिखा हुआ दीख पड़ रहा था। दोनों साढ़ू भाई ऐसी पृष्ठभूमि से निकले थे, जिसे गुलाबो और सिताबो के इलाहाबादी खानदान के सामने गैरमामूली नहीं कहा जा स्कता था। इसके अलावा दोनों यह भी जानते थे कि ऐसी लक्ष्मीरूपा पत्नियों से थोड़ा डर कर रहना सेहत के लिए मुफीद है।

'बड़ा साढ़ू एक ऐसा इंसान था, जो इलाहाबादी हिंदी और किंग्स इंग्लिश जानने के बावजूद फैजाबादी अवधी और आजमगढ़िया भोजपुरी की कामचलाऊ गालियां निकाल सकता था। यह बात मैं पूरे दावे के साथ तो नहीं कह सकता कि वह सचमुच गुस्सैल था या गुस्सैल होने की नौटंकी कर लेता था, लेकिन इतना तो तय ही था कि काली ऊंटनी उस पर उस तरह हावी नहीं हो पाई थी, जिस तरह गांठगोभी अपने खाविंद पर हावी थी। दोनों साढ़ू भाइयों ने यह तय किया था कि जब उनकी शरीके-हयात शापिंग करने निकलतीं तो वे किसी बहाने उनसे अलग हो जाते। लोगबाग तो यह भी बताते हैं कि दोनों अपनी शराफत के नाते जुड़े थे, नहीं तो किसी गोरी मेम को बाकायदा बीवी बना सकते थे। जब वे अकेले होते और गुलाबी नशे में उनकी विनोद वृत्ति जागती तो दोनों बहनों यानी एक-दूसरे की पत्नी को एलेफैंटाइन ब्यूटी (हस्तिनी सुंदरी) कहते थे। वे दोनों बहनें ऊपर से तो बहुत पागल या कम से कम एक्सेंट्रिक (खब्ती) दिखती थीं, लेकिन चालाकी में वे क्लियोपेट्रा से आगे थीं। वे विदेश में बड़ी विनीत और वेल्ब्रेड (खानदानी) मानी जाती थीं। लेकिन जब वे हिंदुस्तान में होतीं, तो लगता उनके पति जल्दी ही आगरा के पागलखाने की शोभा बढ़ाएंगे।

बड़ा वाला साढ़ू तो कभी-कभी उसे बेडरूम में बंद कर देता था और जब वह फोन पर गिड़गिड़ाती, तभी उसे खोलता था। गुलाबो को इस बात की आशंका बराबर रहती कि उसका शौहर करोड़ों की दौलत और फॉरेन सर्विस की ऐसी-तैसी कर उसे उतार फेंकेगा। इसीलिए वह अपने शौहर को गर्दानती थी। लेकिन सिताबो किसी और मिट्टी की बनी थी। उसके नाक-नक्श ज्यादा तीखे थे और ऊंचाई में गुलाबो से थोड़ा कम होने के बावजूद उसमें कशिश थी। उसे इलाहाबादी लड़के कभी कालिदास की यक्षिणी तो कभी 'स्त्रोक्नम्रा' कहते थे। इस कठिन शब्द की व्याख्या करने का दायित्व संस्कृत के रसिक लड़कों ने लिया था। बीती सदी के छठे दशक तक यहां के संस्कृत विद्यार्थी भी नफीस अंग्रेजी लिख और बोल लेते थे। वे कहते- वे स्त्रियां जो स्तनों के भार से थोड़ा झुक जाती हैं अपने प्रेमिकों या पतियों के लिए अत्यंत आनंदप्रदायिनी होती हैं। इन तानों, फिकरों और ईश्यार्लु जीवों के बावजूद विनीता ने एक आइएफएस पति हथिया लिया और जिंदगी अपनी पूरी रफ्तार में भागती रही।

अब नौजवान, तुम्हें यह जानने की जिज्ञासा भी होगी कि गुलाबो और सिताबो सगी बहनें होने के बावजूद आपस में इतना क्यों लड़ती थीं। उनमें संपत्ति को लेकर भी कोई कुंठा नहीं थी।

मैं आश्चर्य में था कि मेरे दादा जी अब कौन-सा रहस्य खोलने वाले हैं। वे बोले, 'भाइयों में जिस तरह का निस्वार्थ प्रेम संभव है, बहनों में वह बात नहीं हो सकती। कभी रूप को लेकर स्पर्धा हो जाती है; कभी अपने अपने पतियों को बेहतर सिद्ध करने के लिए बहनें तलवार खींच लेती हैं। गुलाबो सिताबो से इसलिए जलती थी कि उसका बहनोई को पत्नीभीरु यानी मेहरबसा था और दूसरी तरफ सिताबो यह सोच कर जलती थी कि उसके जीजा बड़े दबंग हैं और अपनी पत्नी पर हावी रहते हैं, जबकि उसका शौहर दब्बू-सा है। योरप में रहते-रहते गुलाबो गेहुंवन यानी गंदुमी दिखने लगी थी, लेकिन सिताबो का रंग सोने जैसा निखर आया था। एक बार बड़ी ने छोटी को कंचनजंघा कह कर अजमाया भी था। उनमें प्रेम और प्रतिस्पर्धा दोनों समान मात्रा में था। सबसे बड़ा कारण था छुटकी का निस्संतान रह जाना। इसी बिना पर गुलाबो सिताबो जीवन भर लड़ती रहीं।'

फू के घर का खाना तो हमेशा लजीज होता था, लेकिन उनकी बातें भी कम लजीज नहीं थीं। ❑

चित्र: नरेंद्रपाल सिंह

रचना प्रक्रिया का बदलता दौर

प्रसंग

मीना बुद्धिराजा

साहित्य अपने मूल रूप में मानव जीवन और सभ्यता के संवेदनात्मक यथार्थ का दस्तावेज होता है। कला और भाषा के प्रायः सभी माध्यमों में अलग-अलग विशिष्टताओं के बावजूद उनमें सर्जनात्मकता का स्पंदन और मानवीय मूल्यों को बचाने की कोशिश साझी होती है। साहित्य के वृहत्तर दायरे में रचनाकार के अनुभव, समाज, राजनीति, संस्कृति, वर्ग, जाति, आर्थिक परिवेश और अपने समय के अंतर्विरोध, वैचारिक-भावनात्मक संघर्ष सभी काल के अंतराल में बंध कर अभिव्यक्ति में दर्ज होते हैं। परिवर्तन की अनवरत प्रक्रिया और जरूरी बदलावों के चलते साहित्य की कोई भी विधा अपने लिए एक संकीर्ण परिसर निधारित करके न अपने साथ न्याय कर सकती हैं, न मनुष्य के जीवन और समाज के साथ। पीढ़ियों के गतिशील प्रवाह के बीच विचारधारा और रचना कर्म की सार्थकता का खिंचाव चलता रहता है और इसी सृजनात्मक द्वंद्व के बीच श्रेष्ठ और वांछित कृति का जन्म होता है। दरअसल, मनुष्य के स्वंतत्र अस्तित्व का संघर्ष ही जीवन और रचना की बुनियाद है। जैसे समाज और संस्कृति लगातार बदलते रहते हैं वैसे ही साहित्य भी निरंतर बदलता है, लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था में वह हमेशा सार्थक प्रतिपक्ष की भूमिका में रहता है। सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक परिवेश और समकालीन टकराहटों के प्रभाव से जिन द्वंद्वात्मक क्षणों में वह किसी समस्या पर विचार करता है उसे शब्दबद्ध करता और किसी समाधान की तरफ अग्रसर होता है। तब उसका उद्देश्य सबकी सामूहिक आकांक्षाओं और जनप्रतिबद्धता से जुड़ा होता है।

यद्यपि रचनाकार की आत्यंतिक प्रेरणा एक व्यक्तिगत सृजनात्मक बेचैनी की विवशता होती है, जिसके कारण संसार की विराट सत्यता को चित्रित करने के लिए वह बाध्य होता है, किंतु उसका लक्ष्य बाह्य परिवेश और समाज ही नहीं होता। वह उसमें निहित अंतर्भूत उन विशिष्ट संवेदनाओं और विचारों को सूत्रबद्ध करने के लिए उन्हें संयोजित करने का प्रयास करता है, जो समय के प्रवाह में उठते-गिरते सभी अवस्थाओं में उत्पन्न होते रहते हैं। ये अनुभव चाहे अच्छे हों या बुरे, स्वीकृत हों या बहिष्कृत, रचनाकार की व्यापक दृष्टि को सीमित नहीं कर पाते और साहित्य के विराट समसामयिक संदर्भों में घटित होकर मानवीय चेतना का अटूट हिस्सा बन जाते हैं। काव्यानुभव और मानवीय चित्तवृत्तियां इस व्यापक वृत्त में समाहित तो होते ही हैं, साथ ही कोई विचारधारा और विचार की सक्रिय और गत्यात्मक उपस्थिति भी रचना-प्रक्रिया का अभिन्न अंग बन कर चलती है। संवेदनात्मक बोध के धरातल नए-नए रूपों में रचनाकार के सामने आते हैं, जिन्हें वह विश्वसनीय और प्रासंगिक रूप से अनुभवों के रूप में अभिव्यक्ति के माध्यम से विन्यस्त करता है। स्पष्ट है कि नए उभरते जटिल यथार्थ, उपभोक्तावादी खंडित परिवेश और नई परिस्थितियों में अपने ही वैयक्तिक संघर्ष और तनावों को ईमानदारी से और ठीक से पहचान पाना मुश्किल होता जा रहा है और रचना-कर्म की प्रक्रिया कठिन होती जा रही है। संवेदनात्मक विस्तार निरंतर सिकुड़ रहा है और मानवीय मूल्यों की रिक्तता से समाज का संरचनात्मक आधार बिल्कुल बदल चुका है।

अतिशय सूचनाओं के विस्फोट, उपभोगवादी मानसिकता और भूमंडलीकरण की सर्वग्रासी रफ्तार के सामने विचार और स्मृतियां हाशिए पर जा रहे हैं। शब्द की सत्ता की वापसी के लिए रचनाकार जिस बेचैनी और अभिव्यक्ति की छटपटाहट को अनुभव कर रहा है वह आज रचना-प्रक्रिया का भी संकट है। वैसे तो कविता और कला का कोई भी दौर रहा हो, यह स्थिति हमेशा बहुत जटिल और बहुस्तरीय रही है, पर आज के परिवेश में यह समस्या और गहरी हुई है। मनुष्य की पहचान को आज की स्मृतिविहीन और विकट स्थितियों में पुनर्परिभाषित करने का, भाषा की बहुअर्थी संभावनाओं को नए सिरे से पड़ताल करने का समय है और शब्दों की अंतर्ध्वनियों को नए रूप में परिकल्पित करने का भी।

अपने समय और मानवता के बड़े प्रश्नों से जूझने वाला कालजयी साहित्य सभी अतिवादी स्थितियों के बीच अंतर्विरोधों और तनावों से गुजरते हुए जिस वृहत्तर मानवीय अर्थवत्ता के साथ जन्म लेता है, उसमें सभी समस्याएं, विसंगतियां, रचनाकार की गहरी संलग्नता और दायित्वबोध के साथ जुड़े होते हैं, जिसमें निजी और सार्वजनिक, तात्कालिक और शाश्वत, आंतरिक और बाह्य तथा यथार्थ और कल्पना के सभी सुविधाजनक पैमाने समाप्त हो जाते हैं। ये रचनाकार अपने विराट मानवीय संदर्भों की अंतर्दृष्टि और युगबोध से गहरे जुड़े होने के कारण प्रत्येक देश और काल के लिए प्रासंगिक हो जाते हैं। प्रेमचंद, रेणु, प्रसाद, निराला और मुक्तिबोध की रचनाएं समय के जिन बड़े संकटों के बीच उत्पन्न होती हैं, वे इतने बहुस्तरीय और वास्तविक यथार्थ, समाज और व्यक्ति के संघर्ष को बहुआयामी रूप में अभिव्यक्त करते हैं कि जिनमें कई पीढ़ियों का समसामयिक सह-अस्तित्व संभव होता है। समय से संवाद करते हुए इनके रचनात्मक सामाजिक और मानवीय सरोकार और प्रेरणाएं जिन बुनियादी चिंताओं से गहराई से जुड़े होते हैं, उनका प्रभाव कालातीत होता है और भविष्य के लिए भी पथ प्रशस्त करते हैं। इस रूप में परंपरा का अर्थ रूढ़ि न होकर उसकी आधुनिक दृष्टि और गतिशील इतिहासबोध में होता है, जो इस जातीय जीवन के प्रवाह में सभी उत्कृष्ट और समसामयिक अंशों को समाहित करता हुआ बढ़ता है। इसलिए तब रचनाकार या कवि केवल अपने दुख-दर्द की गाथा नहीं लिखता, बल्कि विशाल सामूहिक मानवीय आकांक्षाओं को रचना में प्रतिफलित करता है।

नई सदी की रचनाशीलता जिन परिवर्तनों से गुजर रही है वह उत्तराधुनिकता के उस दौर को सूचित करते हैं, जो नई-नई तकनीक, मुक्त अर्थतंत्र की व्यवस्था, मीडिया तथा सूचना युग के दबाव का अतिशय विस्तार झेल रही है। अब मानवीय संबंधों और मूल्यों में इतनी तीव्रता से बदलाव आया है कि ठहर कर सोचना, चिंतन करना भी असंभव लगता है। विस्मृति और विस्थापन का यह समय, जिसमें एक वस्तु दूसरे को और एक संवेदना दूसरी संवेदना को निर्वासित कर रही है और बदलते हुए मनोभावों और मनःस्थितियों की थाह लेना भी अब सरल नहीं है। बाजारवाद और उपभोक्तावाद के बेतहाशा प्रभाव ने सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक बोध और मानवीय नियति के प्रश्नों के सभी प्रतिमान बदल दिए हैं। यह अभिव्यक्ति का वास्तविक संकट है, जिसमें युवा पीढ़ी एक साथ चकाचौंध और क्रूर वास्तविकताओं के भयावह दौर से एक साथ गुजर रही है।

निस्संदेह विषय-वस्तु के साथ ही अब भाषा का मिजाज भी बदला है, जिसमें रचनाकार को अपनी सोच, दृष्टि, संवेदना और मानसिकता का तालमेल रखते हुए उसे सार्थक प्रतिरोध का स्पेस भी साहित्य में बचाना है। वर्तमान परिदृश्य में जबकि व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा के दबाव ने साहित्य में लोकप्रिय और पॉपुलर लेखन की एक नई बाजार संस्कृति को उत्पन्न किया है, उसमें ज्यादा जोर बेस्ट सेलर के उत्पादन पर है, सर्वश्रेष्ठ की खोज पर उतना नहीं। यह प्रवृत्ति संवेदना और विचार की मौलिकता और लेखन की गंभीरता को प्रभावित करेगी। यह भी एक कठिन सवाल है कि जीवन में उत्कृष्ट की खोज आज इतनी अनावश्यक और उपेक्षित क्यों है? मनुष्यता का अवमूल्यन हमारे समय की सबसे बड़ी त्रासदी है, जो नई रचनाशीलता के लिए भी एक बड़ी चुनौती है। इसलिए इसका समाधान भी उसे अपनी संवेदना और दृष्टि में ढूंढ़ना होगा। आक्रामक और निर्मम होते जा रहे समय में वैचारिक स्वतंत्रता और सृजनशीलता को बचाए रखने के लिए अभिव्यक्ति का संघर्ष और भी मुश्किल है। इसलिए रचनाकार को अपनी रचनात्मकता के नए सूत्र आज के जटिल और संश्लिष्ट यथार्थ में अंतर्निहित सच में, उन तनावों में ही खोजने होंगे, जो आज परिवेश और जीवन के भी ज्वलंत प्रश्न हैं। एक समग्र मानवीय दृष्टि संपन्न रचनाकार और साहित्य के भी वे स्थायी सरोकार कम ही बदलते हैं, जिनकी जड़ें मनुष्य की सार्वकालिक भावनाओं के उद्रेकों में होती हैं। हमारी संवेदनाओं का परिष्कार करके जो रचना वृहद अर्थों में जन साधारण के सुख-दुख का साझीदार बनाती है, उसे पाठक किसी भी देशकाल, परिवेश और संस्कृति में आसानी से पहचान सकता है और यही उसके वैश्विक मानवीय प्रभाव, संप्रेषण क्षमता और समकालीन प्रासंगिकता को प्रमाणित करता है। ❑

चित्र: बाबर खान

www.readwhere.com

विवेकानंद की सांस्कृतिक दृष्टि

इंदुशेखर तत्पुरुष

संस्कृति

आधुनिक विश्व को भारतीय परंपरा और तत्त्वज्ञान से परिचित कराने और प्रभावित करने वाले भारतीयों में सर्वाधिक योगदान स्वामी विवेकानंद का है। अपने प्रकांड ज्ञान, प्रखर तर्कशक्ति, निष्कलंक चरित्र, अटूट आत्मविश्वास और अथक परिश्रम से उन्होंने ऐसा चमत्कार कर दिखाया, जो पिछली अनेक सदियों में नहीं हो सका। विवेकानंद के विचारों की एक विलक्षण बानगी है उनकी कला-दृष्टि और उनके भाषापरक विचार, जो उनके व्याख्यानों, पत्रों और वार्तालापों में यत्र-तत्र बिखरे पड़े है। सन 1901 में बेलूर मठ में कलकत्ता जुबली आर्ट अकादमी के संस्थापक और अध्यापक रणदाप्रसाद दासगुप्त से हुई उनकी लंबी बातचीत इस दृष्टि से एक उल्लेखनीय प्रसंग है।

हमारे ऐंद्रिक संवेदनों को प्रभावित करने वाले साधनों, उपकरणों द्वारा कला पर पड़ने वाले प्रभावों को भी विवेकानंद एक कलामर्मज्ञ की तरह अपनी दृष्टि से ओझल नहीं होने देते। यह वह काल था, जब फोटोग्राफी व्यापक रूप से जनजीवन का हिस्सा बन रही थी। ऐसी स्थिति में चित्र शैली पर पड़ने वाले प्रभाव को रेखांकित करते हुए वे टिप्पणी करते हैं कि, 'पूर्व काल के शिल्पकार अपने-अपने मस्तिष्क के नए-नए भाव निकालने तथा उन्हीं भावों को चित्रों द्वारा व्यक्त करने का प्रयत्न किया करते थे। आजकल फोटो जैसे चित्र होने के कारण मस्तिष्क के प्रयोग की शक्ति और प्रयत्न लुप्त होते जा रहे हैं। पर प्रत्येक जाति की एक विशेषता है। आचरण, व्यवहार, आहार, विहार, चित्र, शिल्प में उस विशेष भाव का विकास देखा जाता है।'

पश्चिमी और भारतीय कला दृष्टि के अंतर को बताते हुए विवेकानंद कहते हैं कि 'जो जातियां बहुत जड़वादी और इहकाल को ही सब कुछ मानती हैं, वे प्रकृति के नाम-रूप को ही अपना परम उद्देश्य मान लेती हैं और शिल्प में भी उसी के अनुसार भाव प्रकट करने की चेष्टा करती हैं, पर जो जाति प्रकृति के परे किसी भाव की प्राप्ति को ही जीवन का परम उद्देश्य मानती है, वह उसी भाव को प्रकृतिगत शक्ति की सहायता से शिल्प में प्रकट करने की चेष्टा करती है।... उन सब (पश्चिमी) देशों का एक-एक चित्र देख कर आपको वास्तविक प्राकृतिक दृश्य का भ्रम होगा। इसी प्रकार इस देश में भी प्राचीनकाल में स्थापत्य-विद्या का जिस समय बहुत विकास हुआ था, उस समय की एक-एक मूर्ति देखने से ऐसा प्रतीत होता है, मानो वह आपको इस जड़ प्राकृतिक राज्य से उठा कर एक नवीन भावलोक में ले जाएगी।'

'यूनानी कला का रहस्य है प्रकृति के सूक्ष्मतम ब्योरों तक का अनुकरण करना, पर भारतीय कला का रहस्य है आदर्श की अभिव्यक्ति करना।' प्रसंगतः यहां सुविख्यात भारतीय कलाचिंतक आनंद कुमारस्वामी का स्मरण होता है, जहां वे भारतीय दृष्टि का विवेचन करते हुए 'सुसदृश्य' होने को कला का दोष मानते हैं। उनके अनुसार कला का कमल इतना कमल जैसा बन जाए कि भौंरे को कमल का भ्रम हो जाए तो वह कला की श्रेष्ठता नहीं, वरन कला का दोष है। चित्रकार द्वारा कमल बनाते समय इतना सादृश्य रखना ही पर्याप्त है कि वह कमल का चित्र लगे, गुड़हल या गुलाब का नहीं।

इस वार्तालाप-प्रसंग में स्वामी जी तत्कालीन प्रचलित चित्रों को देख कर उनके न्यूनातिरेक पर टिप्पणी करते हुए कहते हैं, 'मां काली के चित्र को ही लीजिए, इसमें एक साथ ही कल्याणकारी तथा भयावह भावों का समावेश है, पर प्रचलित चित्रों में इन दोनों भावों के यथार्थ विकास को भी नहीं देखा जाता। इतना ही नहीं, भावों में से किसी एक को भी चित्रित करने का कोई प्रयत्न नहीं कर रहा है।'

विवेकानंद नाट्य विद्या पर एक बोधप्रद टिप्पणी करते हुए उसे कलाओं में कठिनतम इसलिए बताते हैं कि यह एक साथ दो ऐंद्रिक संवेदनों को प्रभावित करती है। वे लिखते हैं- 'नाटक सब कलाओं में कठिनतम है। उसमें दो चीजों को संतुष्ट करना पड़ता है- पहले कान, दूसरे आंखें। दृश्य का चित्रण करने में अगर एक ही चीज का अंकन हो जाए, तो काफी है, पर अनेक विषयों का चित्रांकन करके भी केंद्रीय रस अक्षुण्ण रख पाना बहुत कठिन है। दूसरी मुश्किल चीज है मंच-व्यवस्था, यानी विविध वस्तुओं को इस तरह विन्यस्त करना कि केंद्रीय रस अक्षुण्ण बना रहे।'

इसी तरह विवेकानंद कविता के मर्म को पकड़ना जानते हैं। अनेक भाषाओं के ज्ञाता और स्वयं कवि होने के कारण ही वे यह कविजनोचित बात कहते हैं कि, 'अनुवाद करने से कविता का अधिकांश सौंदर्य नष्ट हो जाता है।'

नासदीय सूक्त में आए 'तम आसीत तमसा गूढ़मग्रे' की विलक्षण अर्थच्छटा को समझाते हुए वे कहते हैं कि, 'इस दृश्य के वर्णन का प्रयत्न तीन कवियों ने जिस प्रकार किया है, वह मुझे याद आता है। मिल्टन कहते हैं- प्रकाश नहीं था, अंधकार ही दिखाई देता था। कालिदास कहते हैं- ऐसा अंधकार जिसका सूई से भेदन किया जा सकता है। पर 'अंधकार में छिपा हुआ अंधकार'- इस वैदिक वर्णन को कोई नहीं पाता।'

यह विवेकानंद की गहन भाषावैज्ञानिक सोच का परिचायक है कि वे बांग्ला भाषा को संस्कृत की अपेक्षा पालि भाषा के निकट ले जाने का प्रस्ताव करते हैं, किंतु समृद्धि की दृष्टि से संस्कृत निर्भरता को पर्याप्त महत्त्व देते हैं, 'बांगला भाषा का आदर्श संस्कृत न होकर पालि भाषा होना चाहिए, क्योंकि पालि बांग्ला से बहुत कुछ मिलती-जुलती है। पर बांग्ला में पारिभाषिक शब्दों को बनाने या उनका अनुवाद करने में संस्कृत शब्दों का व्यवहार उचित है। नए शब्दों को गढ़ने का भी प्रयत्न होना चाहिए। इसके लिए अगर संस्कृत के कोश से पारिभाषिक शब्दों का संग्रह किया जाए, तो उससे बांग्ला भाषा के निर्माण में बड़ी सफलता मिलेगी।'

वस्तुतः विवेकानंद भाषा प्रयोग के मुद्दे पर शास्त्रीयता की अपेक्षा लोकानुकूलता को वरीयता देते हैं और उनका लोकधर्मी स्वरूप ही है कि स्वयं शास्त्रों के प्रकांड पंडित और ज्ञान के चलते-फिरते शब्दकोश होने के बावजूद वे लोक के मन के निकटतम भाषा के पक्षधर हैं। श्रीरामकृष्ण मठ द्वारा संचालित 'उद्बोधन' पत्र के संपादक को स्वामी जी ने 20 फरवरी, 1900 में तत्कालीन बांग्ला भाषा की स्थिति पर विचार रखते हुए एक पत्र लिखा- 'पांडित्य अवश्य उत्तम है, पर क्या पांडित्य का प्रदर्शन जटिल, अप्राकृतिक तथा कल्पित भाषा को छोड़ और किसी भाषा में नहीं हो सकता? बोलचाल की भाषा में क्या कलात्मक निपुणता नहीं प्रदर्शित की जा सकती है? स्वाभाविक भाषा को छोड़ कर एक अस्वाभाविक भाषा को तैयार करने में क्या लाभ? घर में जिस भाषा में हम बातचीत करते हैं, उसी में मन ही मन समस्त पांडित्य की गवेषणा भी करते हैं, तो फिर लिखने के समय ही हम जटिल भाषा का प्रयोग क्यों करने लगते हैं?... भाषा को ऐसी बनाना होगा- मानो शुद्ध इस्पात, जैसा चाहो मरोड़ लो, पर फिर से जैसे का तैसा, कहो तो एक चोट में ही पत्थर काट दे, लेकिन दांत न टूटे। हमारी भाषा संस्कृत के समान बड़े-बड़े निरर्थक शब्दों का प्रयोग करते-करते तथा उसके आडंबर और केवल उसके इसी एक पहलू की नकल करते-करते अस्वाभाविक होती जा रही है। भाषा ही तो जाति की उन्नति का प्रधान लक्षण और उपाय हैं।'

'उद्बोधन' के ही एक अन्य प्रसंग में वे लिखते हैं कि, 'क्रियापदों का अत्यधिक प्रयोग लेखन को कमजोर बनाता है। क्योंकि इससे भाव ठहर से जाते हैं।' लेखकों को परामर्श देते हुए वे लिखते हैं, 'आजकल के लेखक जब लिखने बैठते हैं तब क्रियापद का बहुत प्रयोग करते हैं। इससे भाषा में शक्ति नहीं आती। विशेषण द्वारा क्रियापदों का भाव प्रकट करने से भाषा में ओज अधिक बढ़ता है। आगे तुम इस प्रकार लिखने की चेष्टा करो तो 'उद्बोधन' में ऐसी ही भाषा में लेख लिखने का प्रयत्न करना। भाषा में क्रियापद प्रयोग करने का क्या तात्पर्य है, जानते हो? इस प्रकार भावों को विराम मिलता है। इसलिए अधिक क्रियापदों का प्रयोग करना, जल्दी-जल्दी श्वास लेने के समान दुर्बलता का चिह्न मात्र है। स्वामी विवेकानंद की कला तथा साहित्यपरक दृष्टि और अंत में, इस आधुनिक राष्ट्रगुरु की एक विलक्षण उक्ति, जिसे पढ़ कर सहसा विश्वास नहीं होता कि धर्म और अध्यात्म के पथ का पुरोधा एक संन्यासी यह बात कह रहा है, अवलोकनीय है: 'नाटक और संगीत स्वयं धर्म है, कोई भी गीत क्यों न हो, प्रेम गीत हो या कोई अन्य गीत कोई चिंता नहीं। अगर उस गान में कोई व्यक्ति अपनी पूरी आत्मा उड़ेल दे तो बस उसी से उसको मुक्ति मिल जाती है।' ■

सत्येंद्रनाथ बोस

जन्म : 1 जनवरी, 1894
निधन : 4 फरवरी, 1974

शख्सियत

सत्येंद्रनाथ बोस का जन्म 1 जनवरी, 1894 को कोलकाता में हुआ था। बोस ने अपनी स्कूली शिक्षा हिंदू हाईस्कूल कोलकाता से पूरी की। उसके बाद प्रेसिडेंसी कॉलेज में प्रवेश लिया, जहां उस समय जगदीशचंद्र बोस और आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय जैसे शिक्षक अध्यापन करते थे। मेघनाथ साहा और प्रशांतचंद्र महालनोविस बोस के सहपाठी थे। एक बार गणित के शिक्षक ने बोस को सौ में से एक सौ दस अंक इस तर्क पर दिए थे, कि इन्होंने सभी सवालों को हल करने के साथ-साथ कुछ सवालों को एक से ज्यादा तरीके से हल किया था।

कार्यक्षेत्र

सत्येंद्रनाथ बोस ने अपना कार्य क्षेत्र विज्ञान को चुना। जब बोस कोलकाता विश्वविद्यालय में पढ़ाते थे, तो उन्होंने गिब्बस और प्लांक की पुस्तकें पढ़नी शुरू की। उस समय विज्ञान सामग्री अधिकांशतः फ्रांसीसी या जर्मन भाषा में होती थी। बोस ने इन भाषाओं को न केवल बहुत जल्दी सीखा, बल्कि उन्होंने इन भाषाओं में लिखी कविताओं का बांग्ला भाषा में अनुवाद भी करना प्रारंभ कर दिया था।

बोस ने 'सापेक्षता सिद्धांत' के शोधपत्रों का अनुवाद प्रारंभ किया, जिन्हें बाद में कोलकाता विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित कराया गया। सन 1919 में बोस के दो शोधपत्र 'बुलेटिन ऑफ दि कलकत्ता मैथमेटिकल सोसायटी' में और सन 1920 में 'फिलॉसॉफिकल मैगजीन' में प्रकाशित हुए।

ढाका विश्वविद्यालय में

सन 1921 में ढाका विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। कुलपति डॉ. हारटॉग ने भौतिकी विभाग में रीडर पद के लिए सत्येंद्रनाथ बोस को चुना। वहां रहते हुए बोस ने अपना सबसे प्रसिद्ध शोधपत्र लिखा, जो उन्होंने आइंस्टाइन को भेजा और उनसे प्रशंसा-पत्र भी प्राप्त किया था। बोस ने वह प्रशंसा-पत्र विश्वविद्यालय के कुलपति को दिखाया और दो वर्ष का अवकाश लेकर यूरोप चले गए। यूरोप में लगभग दो वर्ष रहने के बाद सन 1926 में बोस ढाका विश्विद्यालय वापस लौट आए।

अब बोस ने अपने तरीके से प्लांक के नियम की नई व्युत्पत्ति दी। उनके इस तरीके ने भौतिक विज्ञान को एक बिलकुल ही नई अवधारणा से परिचित कराया।

अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों से संबंध

अक्तूबर, 1924 में सत्येंद्रनाथ यूरोप पहुंचने के बाद पहले एक वर्ष पेरिस में रहे। फ्रांस में रहते हुए बोस ने सोचा कि क्यों न 'रेडियोधर्मिता' के बारे में मैडम क्यूरी से और मॉरिस डी ब्रोग्ली से 'एक्स-रे' के बारे में कुछ सीखा जाए। मैडम क्यूरी की प्रयोगशाला में बोस ने कुछ जटिल गणितीय गणनाएं तो की, पर रेडियोधर्मिता के अध्ययन का सपना अधूरा रह गया। मॉरिस डी ब्रोग्ली से उन्होंने एक्स-रे की नई तकनीकों के बारे में सीखा।

अक्तूबर, 1925 में वे बर्लिन गए और आइंस्टीन से पहली बार व्यक्तिगत तौर पर मिले। यह मुलाकात बोस और आइंस्टीन दोनों के लिए खास थी। इसी समय बोस-आइंस्टीन स्टेटिक्स और बोस-आइंस्टीन कंडेनसेट की संकल्पना हुई। बोस-आइंस्टीन स्टेटिक्स अध्ययन के दौरान एक विशेष तरह के कणों की खोज हुई। इस कण का नाम सत्येंद्रनाथ बोस के नाम पर रखने का फैसला किया गया और कण का नाम बोसॉन रखा गया।

शांतिनिकेतन में

बोस 1956 में कलकत्ता विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त होकर शांति निकेतन चले गए। टैगोर सत्येंद्रनाथ बोस से अच्छी तरह परिचित थे, पर पुराने लोगों ने बोस को पसंद नहीं किया, जिससे बोस को बहुत निराशा हुई और 1958 में उन्हें कलकत्ता वापस लौटना पड़ा। इसी वर्ष बोस को रॉयल सोसायटी का फेलो चुना गया और इसी वर्ष उन्हें राष्ट्रीय प्रोफेसर नियुक्त किया गया। बोस अगले सोलह बरसों तक (मृत्युपर्यंत) इस पद पर बने रहे।

निधन : 4 फरवरी, 1974 को सत्येंद्रनाथ बोस का निधन हो गया। ■

बेसन की भाजी

बेसन का उपयोग आमतौर पर पकौड़े-पकौड़ियां, मिठाइयां, कढ़ी वगैरह बनाने के लिए किया जाता है। मगर बेसन का उपयोग अगर तरकारी या भाजी बनाने में किया जाए, तो उसका स्वाद निराला हो जाता है। बेसन का उपयोग तरी वाली और सूखी दोनों तरह की सब्जी बनाने में होता है। इस तरह सब्जी के साथ-साथ बेसन के गुण भी उसमें शामिल हो जाते हैं और स्वास्थ्य और सेहत की दृष्टि से वह भाजी अधिक गुणकारी हो जाती है। इस बार बेसन की कुछ भाजी।

दाना-पानी

मानस मनोहर

मेथी-बेसन भाजी

हरी मेथी सेहत और स्वाद दोनों दृष्टियों से उत्तम भाजी है। खासकर रक्त शर्करा यानी डाइबीटीज के मरीजों के लिए यह अत्यंत गुणकारी भाजी मानी जाती है। इस मौसम में हरी मेथी खूब मिलती है। इसकी आलू के साथ या अकेले सूखी सब्जी बना कर आप अक्सर खाते होंगे। मेथी के परांठे भी खूब पसंद किए जाते हैं। पिछले दिनों हमने मेथी-मटर-मलाई बनाने को लेकर बातें की थी। पर बेसन के साथ मेथी की भाजी लाजवाब बनती है।

बेसन के साथ मेथी की सूखी भाजी बनाना बहुत आसान है। इसके लिए कोई विशेष तैयारी नहीं करनी पड़ती। जब भी किसी सब्जी के साथ बेसन का उपयोग करना हो, तो सबसे पहले कड़ाही में एक चम्मच देसी घी डाल कर गरम करें और फिर उसमें जरूरत भर का बेसन डाल कर हल्की आंच पर चलाते हुए सुनहरा होने तक सेंक लें। फिर इसे ठंडा होने के लिए अलग रख दें।

मेथी के साथ बेसन का उपयोग करने से पहले भी ऐसा ही करें। तीन कटोरी मेथी के साथ एक कटोरी सिंका हुआ बेसन पर्याप्त रहता है।

मेथी के पत्ते अलग करके अच्छी तरह दो-तीन बार धो लें। फिर इन्हें बारीक-बारीक काट लें। पानी अच्छी तरह निथार लें।

अब एक कड़ाही में दो चम्मच सरसों तेल या फिर देसी घी गरम करें। उसमें राई, जीरा, सौंफ और अजवाइन का तड़का दें। बेसन के साथ सौंफ और अजवाइन का स्वाद अच्छा लगता है, इसलिए इसे अवश्य डालें। तड़का तैयार हो जाए तो चुटकी भर हींग भी डालें। अब कटी हुई मेथी छौंकें और मध्यम आंच पर चलाते हुए पांच मिनट के लिए पकाएं। जब मेथी पक कर सिकुड़ने लगे, तो उसमें जरूरत भर का नमक, दो चम्मच धनिया-जीरा पाउडर, एक छोटा चम्मच कुटी लाल मिर्च और एक से डेढ़ चम्मच चीनी डाल कर अच्छी तरह मिलाते हुए पकाएं। जब मेथी में सारे मसाले अच्छी तरह मिल जाएं, तो उसमें सिंका हुआ बेसन डालें और चलाते हुए मिलाएं।

बेसन डालने के बाद ध्यान रखना पड़ता है कि वह पूरी सब्जी में अच्छी तरह चिपक जाए। मेथी को चूंकि हम पहले ही पका चुके हैं और यह अधिक पानी नहीं छोड़ती, इसलिए इसमें थोड़ी-थोड़ी देर में पानी के छींटे मारते हुए बेसन को पकाना पड़ता है। बेसन की सूखी सब्जी बनाने में इस बात का ध्यान रखना पड़ता है कि वह पक जाए और उसमें पर्याप्त नमी रहे, नहीं तो खाने में स्वाद बिगड़ जाता है और वह गले में चिपकती है। इसके लिए हर पांच मिनट पर दो चम्मच पानी का छींटा लगाएं और फिर मिला कर कड़ाही पर ढक्कन लगा दें। ऐसा दो-तीन बार करें। इस तरह बेसन अच्छी तरह पक जाता है और मेथी के साथ उसका लाजवाब स्वाद आता है। जब सब्जी तेल छोड़ने लगे, तो आंच बंद कर दें। बेसन-मेथी भाजी तैयार है।

बेसन और शिमला मिर्च

जिस तरह मेथी के साथ बेसन का स्वाद लाजवाब आता है, उसी तरह शिमला मिर्च के साथ बेसन का मेल बहुत अच्छा होता है। इसे बनाना भी बहुत आसान है। जैसे मेथी के साथ उपयोग करने के लिए पहले बेसन को सेंक लिया था, उसी तरह शिमला मिर्च के साथ बनाने के लिए भी बेसन को सेंक कर अलग रख लें। दो कटोरी शिमला मिर्च के लिए एक कटोरी बेसन लें।

इसके लिए हरी शिमला मिर्च को धो-पोंछ कर बड़े-बड़े टुकड़ों में काट लें। इसके बीज को निकाल कर बाहर कर दें।

अब एक कड़ाही में सरसों तेल गरम करें और उसमें जीरा, राई, अजवाइन, सौंफ और हींग का तड़का लगाएं। फिर शिमला मिर्च को छौंक दें। एक बार चलाने के बाद उसमें दो चम्मच धनिया-जीरा पाउडर, एक छोटा चम्मच कुटी लाल मिर्च और एक छोटा चम्मच अमचूर डालें। जरूरत भर का नमक डालने के बाद चलाएं और इसके साथ ही सिंका हुआ बेसन भी डाल दें। कड़ाही को ढंकें नहीं। शिमला मिर्च में बेसन अच्छी तरह चिपक जाए, इसके लिए जरूरी है कि थोड़ी थोड़ी देर पर पानी के छींटे लगाते हुए उसे चलाते रहें। जैसे मेथी बनाते समय पानी के छांटे लगाने के बाद थोड़ी देर के लिए ढक्कन लगाते रहे, वही प्रक्रिया शिमला मिर्च के साथ भी दोहराएं। जब सब्जी तेल छोड़ने लगे तो आंच बंद कर दें। सब्जी तैयार है। ■

कील मुंहासों से छुटकारा

सेहत

कील-मुंहासे अमतौर पर किशोरावस्था और युवावस्था की संधिवेला में निकलते हैं। मुंहासे निकलने का सिलसिला प्रायः तेरह-चौदह साल की उम्र से शुरू हो जाता है और यह बाईस-तेईस साल की उम्र तक निकलता रहता है। आयुर्वेद में इसे युवान पीड़िका कहते हैं। एलोपैथिक पद्धति में इसे एक्ने और पिंपल कहते हैं। इस उम्र में चूंकि मानव शरीर में हार्मोन बहुत तेजी से बदलते हैं, चेहरे की त्वचा में नमी बनाए रखने वाले चिकनाई युक्त द्रव का स्राव भी कुछ तेज हो जाता है। इसी उम्र में प्रायः लड़कों की दाढ़ी-मूंछें निकलनी शुरू होती हैं। इस उम्र में किशोर-किशोरियां चूंकि अपने सौंदर्य को लेकर अतिरिक्त रूप से सजग देखे जाते हैं, उनमें अपने शरीर के प्रति जिज्ञासा कुछ बढ़ जाती है, विपरीत लिंगी के प्रति आकर्षण बढ़ जाता है, इसलिए वे कील-मुंहासों को लेकर कुछ अधिक सतर्क देखे जाते हैं। कई बार कुछ लड़कियां मुंहासे छिपाने के लिए तरह-तरह के उपाय करती देखी जाती हैं। युवा तरह-तरह के फेस वॉश, क्रीम वगैरह का इस्तेमाल भी करते देखे जाते हैं।

कारण

कील-मुंहासे निकलने का कारण आमतौर पर शरीर की ऊष्णता यानी गरमी मानी जाती है। जिन लोगों के शरीर की प्रकृति गरम होती है, उनमें प्रायः कील-मुंहासे अधिक निकलते हैं। फिर चूंकि इस उम्र में किशोरों को चटपटे और मसालेदार, तैलीय आहार, डिब्बाबंद भोजन के प्रति ललक कुछ अधिक देखी जाती है, इस तरह के आहार शारीर की गरमी को और बढ़ा देते हैं, जो चेहरे पर कील-मुंहासे का कारण बनती है।

किशोरावस्था में शरीर के हार्मोन्स में तेजी से होने वाले बदलाव के परिणामस्वरूप कई बार चेहरे की त्वचा में नमी बनाए रखने वाला स्राव बाहर नहीं निकल पाता। चेहरे की सफाई ठीक से न हो पाने, धूप-धूल और गरमी में अधिक देर रहने से चेहरे पर गंदगी चिपकती रहती है, वह चेहरे की त्वचा के छिद्रों को बंद कर देती है। इस तरह चेहरे की त्वचा से निकलने वाला स्राव त्वचा के नीचे ही जमा होता रहता है और भीतर ही सूख कर कील का रूप ले लेता है। फिर उसमें पस पड़ जाने से मुंहासे के रूप में ऊपर दिखाई देने लगता है। पस बाहर निकलने के बाद ही वह ठीक हो पाता है।

मुंहासे निकलने की कुछ और वजहें भी हो सकती हैं। मसालेदार चीजें खाने के अलावा देर रात तक जागना और सुबह देर तक सोना भी एक कारण हो सकता है। सुबह पेट ठीक से साफ न होना, कब्ज रहना भी इसका एक कारण हो सकता है। इस उम्र में कई युवाओं को बीड़ी-सिगरेट जैसे मादक पदार्थों की लत लग जाती है। यह भी शरीर की गरमी को बढ़ाता है और कील-मुंहासों का कारण बनता है।

बचाव का तरीका

किशोरावस्था से युवावस्था की ओर बढ़ रहे लोगों में कील-मुंहासे आमतौर पर निकलते और ठीक होते रहते हैं। पर जब यह समस्या अधिक हो जाती है, तो उससे बचने के लिए कुछ उपाय करने जरूरी हो जाते हैं।

- इस उम्र के लोगों को बहुत तैलीय, मसालेदार और चटपटी चीजों को खाने से बचना चाहिए। वैसे भी विद्यार्थी जीवन में ऐसे भोजन से परहेज को कहा गया है, जिससे गुस्सा, चिड़चिड़ापन बढ़ता है, उत्तेजना पैदा होती है, कामुक विचार आते हैं। ऐसे पदार्थों को तामसिक भोजन कहा गया है। इनमें मांसाहार भी शामिल है।
- रात को दस बजे तक सोने और सुबह जल्दी सोकर उठने का अभ्यास करना चाहिए। इससे शरीर का चक्र व्यवस्थित रहता है। सुबह शौचादि से निवृत्त होकर नहा लेना चाहिए। चेहरे की ठीक से सफाई करनी चाहिए, ताकि उसके रोमकूप खुल जाएं और त्वचा के नीचे तैलीय पदार्थ न जमने पाएं।
- जब भी बाहर से लौटें, तो चेहरे को ठीक से धोकर साफ जरूर करें। दिन में जहां भी मौका मिले, चेहरे पर पानी के छींटे मार कर उसे धो लें।

घरेलू नुस्खे

चूंकि कील-मुंहासे चेहरे की ठीक से सफाई न हो पाने के कारण भी होते हैं, इसलिए इसे साफ करने के लिए केवल बाजार की क्रीम, फेसवॉश वगैरह पर निर्भर रहने के बजाय कुछ घरेलू नुस्खे भी आजमाएं।

- हफ्ते में कम से कम एक दिन बेसन का गाढ़ा घोल बना कर चेहरे पर लगाएं और जब वह सूख जाए तो धोकर तौलिया से पोंछ लें।
- अगर मुंहासे अधिक निकल रहे हैं, तो गाय के ताजा दूध में एक चम्मच चिरौंजी पीस कर मिलाएं और उसका लेप बना कर चेहरे पर रगड़ें। फिर जब लेप सूख जाए तो पानी से धोकर चेहरा पोंछ लें।
- आधा कटोरी चमेली के तेल में दस ग्राम सोहागा मिला लें और रात को सोने से पहले इस लेप को चेहरे पर लगा लें। सुबह उठ कर चेहरा धो लें।
- यों खानपान पर ध्यान दें, हल्का और कम तेल-मसाले वाला भोजन करें, सुबह पेट साफ हो जाए तो कील-मुंहासे निकलने पर काफी हद तक काबू पाया जा सकता है। मुंहासे पीड़ा कम देंगे।
- अगर इससे भी कोई फायदा न पहुंचे, तो डॉक्टर की सलाह लें। ■

रबारी कढ़ाई में चित्रित संसार

देश के विभिन्न हिस्सों में महिलाएं हाथ से कढ़ाई कर वस्त्र, सजावटी सामान, घरेलू उपयोग की वस्तुएं बनाती हैं। हर इलाके की कढ़ाई की अपनी पहचान और खुशबू है। उनकी अलग-अलग शैलियां हैं। हाथ से बने वस्त्रों की दुनिया भर में मांग है। कढ़ाई की ऐसी समृद्ध परंपरा गुजरात में रबारी समुदाय की है। इसमें मनके, कांच, कौड़ियों वगैरह का इस्तेमाल कर कढ़ाई के तरह-तरह के डिजाइन तैयार किए जाते हैं। इसकी अनेक शैलियां हैं। रबारी कढ़ाई कला के बारे में बता रही हैं सुमन बाजपेयी।

कुछ सालों पहले एक फिल्म आई थी- 'गोलियों की रासलीला, रामलीला', जिसमें रबारी समुदाय का जिक्र था। साथ ही उनकी पोशाकें भी हमें देखने को मिली थीं। उन पर हुई कढ़ाई और उस समुदाय द्वारा इस्तेमाल किए जाने वालों वस्त्रों में झलकती उनकी संस्कृति एक समृद्ध कला और परंपरा का परिचय देती है। रबारी कढ़ाई हमें केवल उनकी संस्कृति के संबंध में बहुत कुछ नहीं बताती, बल्कि वह एक भाषा है, जिसमें महिलाएं आपस में बात करती हैं, अपनी भावनाएं व्यक्त करती हैं। रबारी महिलाएं जिस ढंग से कढ़ाई करती हैं, जिस तरह से टांकों, रंगों, अभिप्रायों और नमूनों को मिश्रित करती हैं, वह उनकी बातचीत करने का माध्यम होता है।

विविध आयाम हैं इस कला के

गुजरात और राजस्थान के शुष्क क्षेत्रों में जीवित रहने और अपने को उसके अनुसार ढालने में सक्षम रबारी एक यायावर समुदाय है। यह समुदाय विशेषकर कढ़ाई, मोती और कांच के काम, गारे की मूर्तिकला जैसी विशिष्ट कलाओं के लिए विख्यात है।

रबारी महिलाएं अनेक प्रकार की पोशाकों, बैग, घरेलू सजावटी सामान और पशुओं के साजो-सामान पर कढ़ाई करती हैं। उन पर वे जीवन की महत्त्वपूर्ण घटनाओं, रिवाजों, और मूल्यों को चित्रित करती हैं। उनकी लड़कियां चोली, घाघरे, दुपट्टे, वॉल हैंगिग, तकियों के कवर और कोठालों, जिनमें भर कर दहेज दिया जाता है, उन पर कढ़ाई करती हैं। यह सामान उनके दहेज में जाता है। विवाहित महिलाएं अपने बच्चों के कपड़ों और साथ ही शैशवावस्था के कपड़ों की कढ़ाई करती हैं। कुछ कढ़ाइयों में विशेष रिवाजों पर बल दिया जाता है।

रिवाजों में भी टांके दिखते हैं

बड़ी उम्र की रबारी महिलाएं काले वस्त्र पहनती हैं, जो कि शोक के परिचायक होते हैं। माना जाता है कि काले वस्त्र पहन कर वे एक ऐसे राजा को सम्मानित करती हैं, जिसने शताब्दियों पहले रबारी की रक्षा करने में अपने प्राणों की बलि दी थी। शोक के समय युवा महिलाएं रंगीन ब्लाउज पहनती हैं, जिनके किनारों पर बारीक कढ़ाई की गई होती है, जो कि यह दर्शाती है कि महिला शोक मना रही है। जिन महिलाओं के पति जीवित होते हैं, उनके लिए अपने ब्लाउज पर क्रासनुमा निशान लगाना जरूरी होता है। उनके घाघरों पर रंगीन धागों और चांदी चढ़े कांच के टुकड़ों से खूबसूरत कढ़ाई की हुई होती है।

बहुत खूबसूरत ढंग से कढ़ाई किया हुआ कोठालिया पर्स, जिसमें वर पान और सुपारी के आनुष्ठानिक उपहार ले जाता है, पारिवारिक संबंध बनाए रखने के लिए आदान-प्रदान के महत्त्व का परिचायक है।

कच्छ के आदिवासी रबारी समुदाय में परंपरा रही है कि समुदाय की लड़कियों को अपनी शादी के दहेज में ले जाने वाला पूरा सामान- लहंगे, ब्लाउज, चादरें, सोफा कवर, दरियां, दूल्हे के कपड़े, तोरण आदि खुद अपने हाथों से कढ़ाई कर-के तैयार करें। लेकिन इस महीन कारीगरी में इतना समय लगता था कि दहेज तैयार करने के चक्कर में उनकी शादियों में देर हो जाती थी। इसे देखते हुए समुदाय के बुजुर्गों ने इस कारीगरी और रिवाज पर रोक लगा दी।

टांकों का करिश्मा

गुजरात दुनिया भर में अपनी कढ़ाई और शीशे के काम के लिए विख्यात है। कच्छ क्षेत्र में ही लगभग सोलह प्रकार की कढ़ाई की जाती है, पर अपने डंडी टांके (चेन स्टिच) और अनगिनत शीशों के कारण रबारी कढ़ाई सबसे ज्यादा पसंद की जाती है।

रबारी कढ़ाई कभी भी एक जैसी नहीं होती। उसमें टांके बदलते हैं, उनकी संख्या बढ़ती और घटती है तथा रंग गाढ़े और चमकीले होते रहते हैं। यह कढ़ाई सिंधी-राजस्थानी समुदाय से प्रेरित है। इसमें कढ़ाई के एक ही पैटर्न को घाघरे और लहंगे पर बार-बार दोहराया जाता है। फिर सिलाई की मदद से लोगों की रोजमर्रा जिंदगी से प्रेरित डिजाइनों को इसमें बनाया जाता है। यह विभिन्न आकारों के शीशों के उपयोग के लिए जानी जाती है। उसमें प्रयुक्त विविध टांकों और शैलियों के कारण यह कढ़ाई विश्व भर में प्रसिद्ध है। शीशों के साथ आउटलाइन बनाने के लिए डंडी टांके से कपड़े को सुंदर रूप दिया जाता है। शीशे के काम और चेन स्टिच के अलावा साटन स्टिच, रनिंग स्टिच और हेरिंगबोन स्टिच का भी प्रयोग कढ़ाई करने के लिए किया जाता है। शीशे के टुकड़ों को छोटे बटनहोल स्टिच के साथ जोड़ा जाता है। साथ ही आजकल वे मोती, सीप, लटकन और बटन का इस्तेमाल भी करने लगी हैं।

कच्छ से लेकर राजस्थान तक रहने वाले राबरी समुदाय की कढ़ाई की शैलियों में उनकी भौगोलिक स्थिति के कारण अंतर देखने को मिलता है। रंगीन परिधान, गहरे रंग और शीशों के साथ चमकती कढ़ाई-राबरी परंपरा को परिभाषित करती है। रोजमर्रा के जीवन के अलावा इसमें रबारी समुदाय की कथाओं और रेगिस्तान जीवन से संबंधित डिजाइन भी उकेरे जाते हैं। यह शैली, डिजाइन और रंगों का मिश्रण है। महिलाएं कपड़ों और अन्य वस्तुओं पर कढ़ाई करती हैं, जबकि पुरुष चमड़े पर इसे करते हैं।

सुई और धागे का कमाल

भारत के पश्चिमी भाग में राजस्थान से लेकर गुजरात के कच्छ क्षेत्र में रहने वाला पशुपालक रबारी समुदाय लगभग चार सौ वर्ष पूर्व सिंध (अब पाकिस्तान) से यहां आया था। अनेक रबारी गोलाकार घरों में रहते हैं, जिन्हें भुंगा कहा जाता है। और इन घरों की दीवारों, छतों पर भी उनकी यह कला दिखती है। रबारी समुदाय और उप समुदायों में बंटा हुआ है और कढ़ाई का अंतर भी देखने को मिलता है। किस तरह से वे शीशे या टांका लगाते हैं, उससे उनके समुदाय और उनकी विशिष्टता को पहचाना जा सकता है। जैसे वगाड़िया रबारी महिलाएं जो ओढ़नी पहनती हैं उनके किनारों पर कढ़ाई होती है, जबकि कच्छेला रबारी की ओढ़नियों में डिजाइन बीच में बने होते हैं।

कढ़ाई में महिलाएं बिना कोई ड्राइंग बनाए अपने आसपास की दुनिया को चित्रित करती हैं। वह भी केवल सुई और धागे से। कांटेदार बबूल और कीकर की झाड़ियां, जो बहुतायत में कच्छ में पाई जाती हैं, रंगों से भर कर और महिलाओं की कल्पना में ढल कर डंडी टांके से कपड़े की सतह को अलंकृत करती हैं।

परिवार, गांव का जीवन और आसपास की दुनिया-सूरज, पेड़, पृष्ठभूमि, फूल, मोर, ऊंट, साथ ही मुगल शैली से प्रेरित वास्तु और फारसी डिजाइन से प्रेरित डिजाइन बहुत ही खूबसूरती से कपड़ों पर उकेरे जाते हैं। कढ़ाई का डिजाइन और किस तरह का परिधान है, यह महिला के सामाजिक स्तर, आयु और पारंपरिक आदिवासी क्षेत्र को भी दर्शाता है।

नए प्रयोग

एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को दी जाने वाली यह उत्कृष्ट कला साड़ियों से लेकर शॉल, दुपट्टे, स्टोल, बैग, पर्स, चादर, वॉल हैंगिग, यहां तक कि जूतियों में भी दिखाई देती है। यायावर होने के बावजूद यह समुदाय अपनी इस पारंपरिक कढ़ाई को किसी के साथ बांटता नहीं है। यही वजह है कि इसमें से केवल कच्छ की ही सुगंध आती है।

हालांकि समय के अनुरूप चलने के लिए रबारी समुदाय की महिलाएं इसमें नए बदलाव ला रही हैं। नए डिजाइन के साथ नए फैशन को भी इसमें ढालने लगी हैं।

रबारी कढ़ाई से तैयार परिधान सर्दियों में पहने जाएं तो उपयुक्त रहते हैं, क्योंकि शीशों के उपयोग की वजह से इनका भार अधिक होता है। परिधान के भारी होने के कारण गर्मियों में इन्हें पहन पाना संभव नहीं है।

इन परिधानों को गुनगुने पानी में ही धोएं और रसायन या सोड़ा मिश्रित साबुन का प्रयोग न किया जाए तो ये लंबे समय तक खराब नहीं होते हैं। ❑

नन्ही दुनिया

फोटो केक

कहानी

शिखर चंद जैन

विनय आज सुबह से ही बड़ा खुश था। आज उसका बर्थडे जो था। उसे ढेर सारे उपहार मिलने वाले थे। घर की सजावट होने वाली थी और मम्मी अपने हाथों से कई लजीज व्यंजन बनाने वाली थीं। तैयारियां जोर-शोर से हो रही थीं।

सामान लाने पापा और दादा जी के साथ उसकी बहन विनीता भी बाजार गई हुई थी। विनय नहा-धो कर तैयार हो चुका था और अपने सभी दोस्तों को दोबारा याद दिलाने के लिए फोन कर रहा था, ताकि कोई आना न भूल जाए। साथ ही वह जानना चाहता था कि उसके दोस्तों ने गिफ्ट की क्या तैयारी की है। उसके दोस्त भी बड़े उत्साहित थे। सबने भले ही अपने गिफ्ट का संकेत न दिया हो, पर एक-दूसरे के गिफ्ट के बारे में बता दिया।

सबसे बातचीत करने पर विनय को पता चल गया कि स्नेहा, अंकुर, देवेश और प्राची मिल कर उसे एक खास फिटनेस ट्रैकर स्मार्ट वॉच देने वाले हैं, जो सेहत का ध्यान रखेगी। वह कितने कदम चला, कितनी कैलोरी ली आदि सब कुछ बता देगी। अभिनव उसे एक शानदार सेल्फ हेल्प बुक देने वाला था। गौरव ने उसके लिए पेन सेट खरीदा था और शिवांगी टी-शर्ट देने वाली थी।

मम्मी-पापा तो हमेशा तिलक लगा कर नकद रुपए और चॉकलेट ही देते थे और दादाजी ड्रेस खरीद चुके थे। इस प्रकार उसे सबका पता चल गया। बस उसकी नटखट बड़ी बहन विनीता ने अभी तक कुछ नहीं बताया था।

विनीता बाजार से वापस आ गई थी। विनय ने उससे खूब पूछा, लेकिन उसने साफ इंकार करते हुए कहा कि उसका गिफ्ट सरप्राइज है और वह शाम को ही बताएगी।

खैर, तैयारियों के बीच कब शाम हो गई, पता ही नहीं चला। घर में रौनक हो गई। आसपास के बच्चे और विनायक के बाद सारे दोस्त भी आ चुके थे।

उनके घर में केक काटने की परंपरा नहीं थी। मम्मी-पापा और दादाजी तिलक लगाते। फिर सब ताली बजाते। इसके बाद कुछ गेम खेलते और फिर खाना खाते। इसी तरह बर्थडे मनाया जाता था।

लेकिन विनय की नजर बीचो-बीच टेबल पर सजे बर्थडे केक और चारों तरफ जलते हुए दीपकों पर पड़ी, तो वह चौंक गया। उत्साहित होकर वह केक के नजदीक पहुंचा, तो उसे देख कर दंग रह गया।

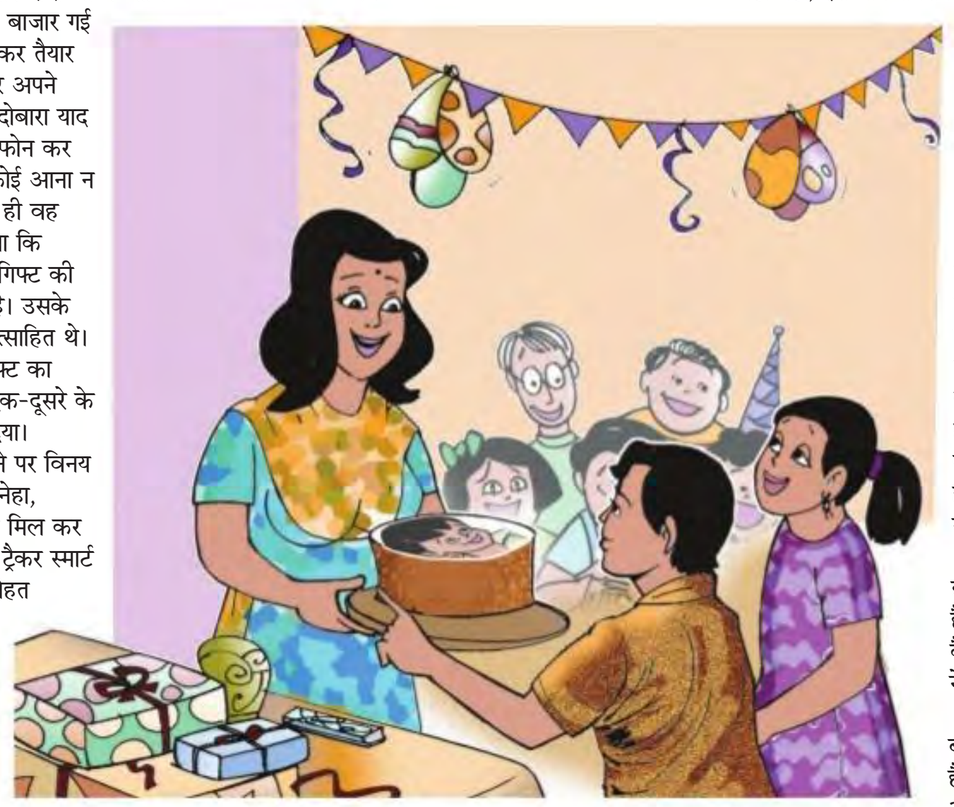

केक पर तो उसकी तस्वीर लगी हुई थी। उसने आज पहली बार ऐसा केक देखा था। विनय ने विनीता की ओर देखा, तो वह बोली, 'यह है मेरा स्पेशल गिफ्ट, फोटो केक। लेकिन पहले सुन लो, दीपक फूंक मार कर बुझाने नहीं है। बस केक काटना है और सबको खिलाना है।'

विनय के दोस्त भी हैरान थे। सबने विनीता को घेर लिया और पूछने लगे कि यह फोटो केक आखिर है क्या, इसे खा भी सकते हैं या फिर सजाने के लिए ही है?

विनीता बोली, 'अरे बाबा शांत रहो। मैं सबकी बातों का जवाब एक बार में दे दूंगी। फोटो केक कोई नई चीज नहीं है। इसकी शुरुआत एक दशक पहले हो चुकी है। इस पर हम न सिर्फ अपना या किसी प्रियजन का फोटो, बल्कि कोई अच्छी-सी सीनरी भी प्रिंट करवा सकते हैं। बस केक बनाने वाले को फोटो या अपने पसंद का दृश्य देना होगा। केक बेक होने के बाद उस पर फोटो लगा दिया जाता है।'

'लेकिन दीदी, फोटो कैसे खाएंगे? वह तो कागज का है ना?' स्नेहा ने पूछा।

'नहीं नहीं, इसे नॉनटॉक्सिक एडिबल आइसिंग पेपर पर एडिबल इंक यानी फूड कलर से प्रिंट किया गया है। इसे वैसे ही प्रिंटर से निकाला गया है, जिससे हम डॉक्यूमेंट प्रिंट करते हैं। लेकिन इस प्रिंटर को सिर्फ एडिबल फोटोग्राफ प्रिंट करने के लिए ही इस्तेमाल करते हैं और इसमें इंक फूड कलर्स की है।' विनीता ने समझाया।

'पर दीदी, फोटो छपा तो कागज पर ही है न? इसे खाएंगे कैसे?' इस बार अंकुर ने सवाल किया।

विनीता ने बताया, 'कागज तो है, पर यह चावल, आलू या कॉर्न की स्टार्च से बनाया जाता है, इसलिए इसे खा सकते हैं। हां, आलू और चावल के स्टार्च से बना पेपर मोटा होता है और केक की टॉप पर परत की तरह दिखता है। जबकि कॉर्न स्टार्च से बना पेपर केक में डिजॉल्व हो जाता है यानी घुल जाता है और ऊपर सिर्फ फोटो दिखती है, जैसा इस केक में है। हां, यह पहले बता दूं कि यह केक महंगा होता है, इसलिए हम इसे हमेशा नहीं बनवा सकते। इसलिए तुम लोग अपने घर जिद मत करना। विनय का सोलहवां जन्मदिन था और यह बेहद खास था, इसलिए मैंने मम्मी-पापा की परमिशन पर इसे खासतौर पर बनवाया है।'

विनय अपने जन्मदिन पर दीदी के इस खास तोहफे से बेहद खुश था। उसके दोस्तों ने विनय के साथ तो सेल्फी ली, इस खास केक के साथ भी सेल्फी ली। सबने केक खाया, खूब मस्ती की और लजीज खाना खाकर अपने-अपने घर लौट गए। ❑

कविता

शादाब आलम

माथा

माथा-मत्था-मनन-थनन-थन!

माथापच्ची करता हूं तो
लगे सिकुड़ने
सोच दौड़ती है मन के
अंबर में उड़ने।
उड़ती जाती, उड़ती जाती
सन-सन-सन-सन-सनन-सन!
माथा-मत्था-मनन-थनन-थन!

आंख,नाक,भौंहों के ऊपर
बैठा तनके
कुछ गड़बड़ होने के शक पर
फौरन ठनके।

मगर सुनाई दे ना इसकी
ठन-ठन-ठन-ठन-ठनन-ठन!
माथा-मत्था-मनन-थनन-थन!

दुखता है, तो हाथ मदद
के खातिर बढ़ते
राहत मिलती, कदम उंगलियों
के जब पड़ते।
सभी उंगलियां नाचें इस पर
तनक-धनक-धक-तनन-धन!
माथा-मत्था-मनन-थनन-थन!

शब्द-भेद

कुछ शब्द एक जैसे लगते हैं। इस तरह उन्हें लिखने में अक्सर गड़बड़ी हो जाती है। इससे बचने के लिए आइए उनके अर्थ जानते हुए उनका अंतर समझते हैं।

सूचि / सूची

कपड़े सीने के लिए उपयोग की जाने वाली सुई के लिए संस्कृत में शब्द है- सूचिका। इसे सूचि भी कहते हैं। जबकि जब अनेक विवरणों को क्रमवार लगाया जाता है, विभिन्न कामों का क्रमबद्ध खाका तैयार किया जाता है, तो उसे सूची कहते हैं। सूची का एक अर्थ व्यूह भी होता है। कुछ लोग सूचि के अपभ्रंश रूप में भी सूची का उपयोग करते हैं।

सुखी / सूखी
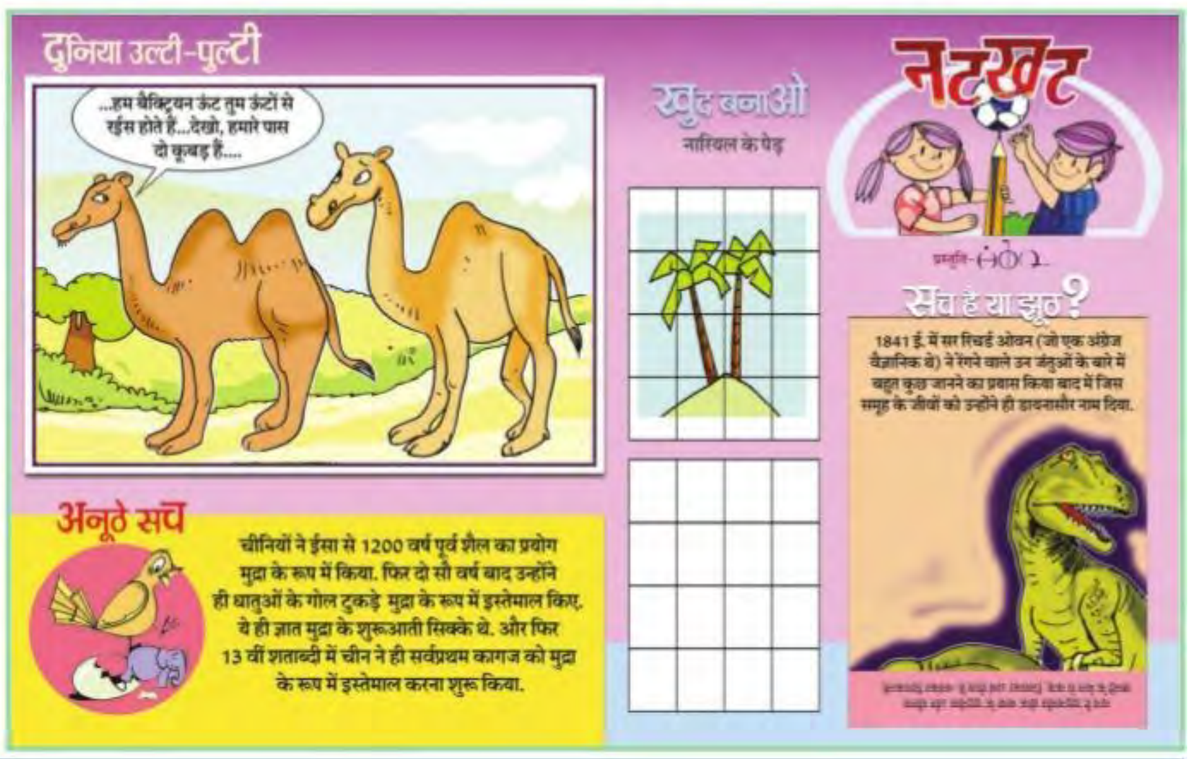
प्रसन्न, खुशहाल का पर्याय है सुखी। जिसे किसी प्रकार का कष्ट न हो उसे सुखी कहते हैं। जबकि सूखी सूखा का स्त्रीवाची शब्द है। जैसे सूखी लकड़ी, सूखी सब्जी। सूखी यानी जिसका रस सूख चुका हो।